

# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 15] नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 13, 1985 (चैत्र 23, 1907)  
No. 15] NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 13, 1985 (CHAITRA 23, 1907)

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि वह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## भाग III—खण्ड 1

### (PART III—SECTION 1)

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं  
[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

#### संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110911, दिनांक 2 मार्च 1985

सं० ए-32014/1/85 प्रशा० III—संघ लोक सेवा आयोग में के०सं० संवर्ग के निम्नलिखित नियमित सहायकों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निविष्ट अवधि के लिए अथवा आगामी आवेदों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में तदर्थ आधार पर, अनुभाग अधिकारी के पद पर कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है

| क्र०सं० | नाम              | तदर्थ नियुक्ति की अवधि |
|---------|------------------|------------------------|
| 1.      | श्री बीर इन्दर   | 1-3-85 से 30-4-85 तक   |
| 2.      | श्री सी०एम० जसरा | 1-3-85 से 14-4-85 तक   |

दिनांक 4 मार्च 1985

सं० ए-32014/1/84-प्रशा०-III—इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए-32014-1-84-प्रशा०-III, दिनांक 25 जुलाई, 1984 का आणिक संशोधन करने हुये संघ लोक सेवा आयोग में के०सं० संवर्ग के निम्नलिखित

1-16G/85

अनुभाग अधिकारियों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निविष्ट अवधि के लिए अथवा आगामी आवेदों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में डेस्क अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है :

| क्र०सं० | नाम             | अवधि                  |
|---------|-----------------|-----------------------|
|         | सर्वश्री        |                       |
| 1.      | जीत राम (अ०जा०) | 13-7-84 से 17-8-84 तक |
| 2.      | एन०एम०एन०भटनागर | 13-7-84 से 26-8-84 तक |
| 3.      | राम अवतार       | 13-7-84 से 26-8-84 तक |
| 4.      | सुदेश कुमार     | 13-7-84 से 26-8-84 तक |

उपयुक्त अधिकारी कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के का०शा० सं० 12-1-74-सी०एम० (1), दिनांक 11 दिसम्बर, 1975 की शर्तों के अनुसार रु० 75/- प्र० मा० की दर से विशेष वेतन प्राप्त करेंगे।

दिनांक 5 मार्च 1985

सं० ए-32014/1/81-प्रशा० II—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 24-11-1984 के अनुक्रम में सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा राष्ट्रीय भवन

(12277)

निर्माण संगठन के वरिष्ठ अन्वेषक श्री एस० रामकृष्णन् को आयोग के कार्यालय में 11-1-1985 से 10-4-1985 तक तीन महीने की अग्रणी अवधि के लिये अथवा आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो, कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (अनुसंधान एवं विश्लेषण) के पद पर स्थानान्तरण पर प्रतिनियुक्ति आधार पर नियुक्त करते हैं।

2. प्रतिनियुक्ति की अवधि विभागाध्यक्ष अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग के अनुमोदन से बढ़ाई गई है।

3. श्री एस० रामकृष्णन् का वेतन वित्त मंत्रालय (व्यय विभाग) के का० जा० सं० एफ० 1(II)-ई० III (बी)/75 दिनांक 7-11-1975 में सन्निहित अनुदेशों के अनुसार विनियमित होती रहेंगी।

सं० ए-32013/4/84-प्रशा० 2—अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अवर सचिव श्री एच० एम० विस्वाम को 1-3-85 से 30-4-85 तक की अग्रणी अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो आयोग के कार्यालय में विशेष कार्य अधिकारी (योजना एवं पाठ्यचर्या संशोधन) (ग्रुप क रु० 1500-60-1800) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

श्री एच० एम० विस्वाम की विशेष कार्य अधिकारी (यो० एवं पा० सं०) के रूप में नियुक्ति पूर्णतः तदर्थ आधार पर है और उन्हें इसमें उक्त पद पर नियमित नियुक्ति अथवा वरिष्ठता का कोई हक नहीं मिलेगा।

दिनांक 6 मार्च, 1985

सं० ए-32018/4/83-प्रशा० 2—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 23-10-84 और 7-2-85 के अनुक्रम में अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा निम्नलिखित स्थायी प्रोग्राम सहायक-सह-कन्सोल आपरेटर को प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्रोग्रामर, के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं :

1. श्री डी०आर० आनन्द 13-1-85 से 31-3-85 तक
2. श्री बी० के० बोहरा 13-1-85 से 31-3-85 तक
3. श्रीमती रीता तुलसने 16-2-85 से 31-3-85 तक

प्रोग्रामर के पद पर ये नियुक्तियां पूर्णतः तदर्थ आधार पर है और इसमें उन्हें उक्त ग्रेड में नियमित नियुक्ति का अथवा वरिष्ठता का कोई हक नहीं मिलेगा।

एस० पी० जैन  
अवर सचिव (प्रशा०)  
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 8 मार्च 1985

सं० ए०-32014/1/85-प्रशा० III—राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा आयोग में के० सं० से० संवर्ग के निम्नलिखित

अनुभाग अधिकारियों को प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में डेस्क अधिकारी के पद का कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त करते हैं :

| क्र०सं० | नाम                  | तदर्थ नियुक्ति की अवधि |
|---------|----------------------|------------------------|
|         | सर्वश्री             |                        |
| 1.      | इन्दरजीत सिंह        | 6-3-85 से 30-6-85 तक   |
| 2.      | आर०पी० सरोज (अ० जा०) | 6-3-85 से 30-6-85 तक   |

उपर्युक्त अधिकारी कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के का० जा० सं० 12/1/74-सी० एस० (1) दिनांक 11 दिसम्बर, 1975 की शर्तों के अनुसार रु० 75/-प्र०मा० की दर से विशेष वेतन प्राप्त करेंगे।

एस० बनर्जी  
अवर सचिव (प्रशा०)  
संघ लोक सेवा आयोग

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 18 मार्च 1985

सं० 2/4/85-प्रशासन—इस आयोग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 12-2-1985 के आंशिक संशोधन में, श्री सुरेन्द्र पाल, स्थायी अनुभाग अधिकारी तथा केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त के स्थानापन्न निजी सचिव जिनको दिनांक 10-12-1984 से 89 दिन के लिये अवर सचिव के पद पर पदोन्नत किया गया था उनको दिनांक 28 फरवरी, 1985 (अरराह) से प्रत्यावर्तित किया जाता है और दिनांक 1 मार्च, 1985 (पूर्वाह्न) से एतद्वारा केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त का निजी सचिव पुनः नियुक्त किया जाता है।

कृष्ण लाल मल्होत्रा  
अवर सचिव (प्रशासन)  
कते केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

गृह मंत्रालय

समन्वय निदेशालय पुलिस बेतार

नई दिल्ली, दिनांक 18 मार्च 1985

सं० 12012/1/81-प्रशासन—इस निदेशालय के दिनांक 6-8-84 के समसंख्यक अधिसूचना के अनुक्रम में, निदेशक, पुलिस दूरसंचार, समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) के निम्नलिखित वरिष्ठ तकनीकी सहायकों को समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) में, 3 फरवरी, 1985 (पूर्वाह्न) से तीन महीने की अग्रणी अवधि के लिए अथवा पदों के नियमित आधार पर भरे जाने तक इन दोनों में जो भी पहले हो 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- रुपये के वेतनमान में



तदर्थ आधार पर अतिरिक्त सहायक निदेशक के पद पर नियुक्त करते हैं :

1. श्री आर०वी० सेठी
2. श्री जय चन्द ।

बी० के० दुवे  
निदेशक, पुलिस दूरसंचार

का० एवं प्र०मु०वि०

केन्द्रीय अ० ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 19 मार्च 1985

सं० ए-19020/3/78 प्रशासन 5---प्रत्यावर्तन होने पर, श्री एस० के० येठी भा०पु० सेवा (महाराष्ट्र:1960) पुलिस उप महानिरीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना, बम्बई शाखा की सेवाएं दिनांक 4 मार्च, 1985 के पूर्वाह्न से महाराष्ट्र सरकार को सौंपी जाती हैं।

नई दिल्ली दिनांक 23 मार्च 1985

सं० 4/85/प्रशासन-5---निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना एतद्वारा श्री ब्रज मोहन प्रसाद सिंह को दिनांक 28-2-1985 के अपराह्न से अस्थायी तौर पर लोक अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के रूप में नियुक्त करते हैं।

नई दिल्ली, दिनांक 25 मार्च 1985

सं० ए-19021/10/80 प्रशासन-5---प्रत्यावर्तन होने पर, श्री बी०एन०पी० अल्लूकर, भा०पु०से० (कनटिक: 1969), पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना, बंगलूर शाखा की सेवाएं दिनांक 13 मार्च, 1985 के अपराह्न से कनटिक सरकार को सौंपी जाती हैं।

सं० ए 35016/13/84 प्रशा० 5---श्री के० जी० विद्यासागर, पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना की सेवाएं दिनांक 15 मार्च, 1985 के अपराह्न से विशेष कार्य अधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्ति पर उनके कार्यभारग्रहण करने की तिथि से एक वर्ष की अवधि के लिए "यूनाइटेड इंडिया इन्स्योरेंस कं० लि०", मद्रास को सौंपी जाती हैं।

राम स्वरूप नागपाल  
प्रशासनिक अधिकारी (स्थापना)  
कें० अ० ब्यूरो

पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो

नई दिल्ली दिनांक 25 मार्च 1985

सं० 3/22/77 प्रशा० II---केन्द्रीय गुप्तचर प्रशिक्षण स्कूल कलकत्ता में पुलिस उप अधीक्षक के पद पर प्रतिनियुक्त श्री गुरुदास मुखर्जी, पुलिस उप अधीक्षक कलकत्ता

ने केन्द्रीय गुप्तचर प्रशिक्षण स्कूल कलकत्ता के अपने पुलिस उप अधीक्षक के पद का कार्यभार 31-1-85 (अपराह्न) को सौंप दिया है।

उप पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय गुप्तचर प्रशिक्षण स्कूल, कलकत्ता के 31 जनवरी, 1985 (अपराह्न) से कार्यमुक्त हो जाने के कारण उनकी सेवाएं पुलिस आयुक्त कलकत्ता को सौंपी जाती हैं।

एस० के० मल्लिक  
महानिदेशक

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली, दिनांक 22 मार्च 1985

सं० ओ० दो०-1065/72 स्थापना---श्री आर० एल० भट्ट, सहायक कमांडेंट (संयुक्त सहायक निदेशक ई० डी० पी०) महानिदेशालय, के० रि० पु० बल को सेवाएं दिनांक 8-3-85 (अपराह्न) से राज्य सड़क परिवहन उपक्रम संस्था नई दिल्ली, परिवहन मंत्रालय, भारत सरकार के अर्वात प्रतिनियुक्ति आधार पर (विदेश सेवा) सौंपी जाती हैं।

दिनांक 23 मार्च 1985

सं० ओ० दो०-2006/85-स्थापना---महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर एस० सिधार्थना राय को 5 मार्च 1985 पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिये अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप से सहर्ष नियुक्त करते हैं।

एस० पी० जयमोना  
सहायक निदेशक (स्थापना)

महानिदेशालय केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

दिल्ली-110003 दिनांक 22 मार्च 1985

सं० ई 32015(4)/7/85 कार्मिक I---राष्ट्रपति, श्री सुनील कुमार दास को प्रोत्सति पर, 10 मार्च 1985 के पूर्वाह्न से के औसुब यूनिट बी०एच०ई०एल० भोपाल में सहायक कमांडेंट (कनिष्ठ प्रशासन अधिकारी) के रूप में नियुक्त करते हैं।

ह० अपठनाथ

महानिदेशक/के०औसुब

श्रम एवं पुनर्वास मंत्रालय

श्रम ब्यूरो

शिमला-170004, दिनांक 6 अप्रैल 1985

संख्या 23/3/85-सी.पी.आई.---फरवरी, 1985 में औद्योगिक श्रमकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक

(आधार वर्ष 1960=100) जनवरी, 1985 के स्तर 588 से तीन अंक घट कर 585 (पांच सौ पचासी) रहा। फरवरी, 1985 माह का सूचकांक (आधार वर्ष 1949=100) पर परिवर्तित किए जाने पर 711 (सात सौ ग्यारह) आता है।

जितेन्द्र नाथ शर्मा  
संयुक्त निदेशक/विभागाध्यक्ष  
श्रम ब्यूरो

वित्त मंत्रालय  
आर्थिक कार्य विभाग  
भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

नाशिक रोड, दिनांक 23 मार्च 1985

संख्या : 697/क—अधिसूचना संख्या 2480/क, दिनांक 24/3/1982 के भम में श्री पी०एस० मूर्ती को लेखा-अधिकारी के पद पर की नियुक्ति को दिनांक 23-3-1983 से 22-3-1985 तक नियमित आधार पर किया जाता है।

पा० सु० शिवराम  
महाप्रबंधक  
भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

भारत सरकार टंकसाल

बम्बई, दिनांक 6 मार्च 1985

आदेश सं० 326—महाप्रबंधक, भारत सरकार टंकसाल, बम्बई प्रसन्नतापूर्वक, श्री डी०बी० कोलो, स्थायी सहायक धातु परीक्षण अधिकक्षक वेतनमान रु०—550-25-750 द० री० 30-900 को दिनांक 1-11-1984 से 30-4-1985 तक स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर धातु परीक्षण अधिकक्षक (समूह 'ख' राजपत्रित) के पद पर, वेतनमान रु०—840-40-1000 द० री०—40-1200 में पदोन्नति करते हैं। यह पदोन्नति श्री एस० वि० खाडिलकर को तदर्थ आधार पर उप मुख्य धातु परीक्षक के पद पर की गई पदोन्नति से हुई रिक्ति में की गई।

तदर्थ आधार पर की गई पदोन्नति से उनकी भविष्य की पदोन्नति स्थायीत्व, वरिष्ठता, आदि का दावा करने का अधिकार नहीं मिलता है।

जी० आर० कहांते  
महाप्रबंधक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा सेवा विभाग  
कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली-110002 दिनांक 22 मार्च 1985

सं० प्रशामन /का०आ० सं० 75—इस कार्यालय के एक स्थायी लेखा परीक्षा अधिकारी श्री पी०के० जर्मी वार्धक्य आयु प्राप्त करने के परिणामस्वरूप 31 मार्च 1985

अपराह्न को भारत सरकार की सेवा से सेवा निवृत्त हो जाएंगे। उनकी जन्म तिथि 11 मार्च 1927 है।

दिनांक 26 मार्च 1985

सं० प्रशामन-1/का०आ० सं० 79—इस कार्यालय के महा वक लेखा परीक्षा अधिकारी श्री संतोष दृष्ण वार्धक्य आयु प्राप्त करने के परिणामस्वरूप 31 मार्च, 1985 को भारत सरकार की सेवा से सेवानिवृत्त हो जाएंगे।

उनकी जन्म तिथि 21 मार्च 1927 है।

ह० अपठनीय

उप-निदेशक लेखा परीक्षा (प्र०)

महालेखाकार (लेखापरीक्षा) का कार्यालय

केरल,

(तिरुवनन्तपुरम) दिनांक 22 मार्च 1985

सं० हकदारी रीकड 1/10-3/84 85/173—महालेखा-कार (लेखापरीक्षा) का कार्यालय केरल, तिरुवनन्तपुरम के लेखापरीक्षा अधिकारी श्री एन० माधवन् नायर, अधिवर्षिता के कारण 28-2-1985 अपराह्न से सेवानिवृत्त हो गये हैं।

वी० लक्ष्मीनारायणन  
महालेखाकार

डी०जी०ओ० एफ० मुख्यालय, सिविल सेवा  
आर्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता-1 दिनांक 1 मार्च 1985

सं० 2/85/ ०ई० 1 (एन०जी०)—वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर श्री श्रमल क्रान्ति शोम अस्थायी सहायक स्टाफ अधिकारी (मोबिल एवं स्थायी सहायक) दिनांक 28-2-85 अपराह्न से सेवा निवृत्त हुए।

एल० दास० गुप्ता  
निदेशक प्रशामन  
कले महानिदेशक, आर्डनेन्स फैक्टरीयों

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 18 मार्च 1985

आयात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण

(स्थापना)

सं० 6/1231/77-प्रशामन (राज्य)/1540—संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय (केन्द्रीय लाइसेंसिंग क्षेत्र) नई दिल्ली में श्री मंजीत सिंह, नियंत्रक, सेवा निवृत्ति

की आयु पूरी कर लेने पर, 28-2-85 के अपराह्न से सरकारी सेवा में निवृत्त हो गए हैं।

ए०पी० आईसक  
उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात  
कृते मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

वाणिज्य एवं पूर्ति मंत्रालय

पूर्ति विभाग

राष्ट्रीय परीक्षण गृह

कलकत्ता, दिनांक 21 मार्च 1985

सं० जां-65 एस०आं०—संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली की सिफारिश पर महानिदेशक, राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता निम्नलिखित व्यक्तियों को विज्ञान अधिकारी (विद्युत) एवं विज्ञान अधिकारी (यांत्रिकी) के रूप में राष्ट्रीय परीक्षण गृह बम्बई एवं गाजियाबाद में किसी अगले आदेश के जारी न होने तक अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं जो कि प्रत्येक के सामने उल्लिखित दिनांक के अनुसार कार्यरत होगा।

| क्र०सं० | नाम                     | पद जिस पर नियुक्त हो        | नियुक्ति का दिनांक | कार्यालय में       |
|---------|-------------------------|-----------------------------|--------------------|--------------------|
| 1.      | श्री मोहम्मद नाजमुद्दीन | विज्ञान अधिकारी (विद्युत)   | 11-10-84           | रा०प०गृ० बम्बई     |
| 2.      | श्री डी०के० कर्मकार     | विज्ञान अधिकारी (विद्युत)   | 13-11-84           | रा०प०गृ० गाजियाबाद |
| 3.      | श्री अनिल चौपड़ा        | विज्ञान अधिकारी (यांत्रिकी) | 30-11-84           | रा०प०गृ० गाजियाबाद |

जे०एम० भट्टाचार्य  
उपनिदेशक (प्रशासन)  
कृते महानिदेशक, राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता

उद्योग मंत्रालय

औद्योगिक विकास विभाग

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 22 मार्च 1985

सं० 12/163/61-प्रशा० (राज्य) खण्ड-III—राष्ट्रपति लघु उद्योग सेवा संस्थान, हैदराबाद के उपनिदेशक (चर्म/पादुका)—श्री जे०एन० महाजन को, दिनांक 15 जून, 1984 (अपराह्न) में अनिवार्यतः सरकारी सेवा में सेवा-निवृत्त करने की अनुमति देते हैं।

दिनांक 23 मार्च 1985

सं० ए-19018(712)/84-प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपति मुख्य युद्धपोत उपस्कर निरीक्षणालय (चीफ इन्स्पेक्टर आफ वारशिप इक्विपमेंट) बम्बई के वरिष्ठ तकनीकी सहायक श्री तुनाराम कठेरिया को दिनांक 25-2-1985 (पूर्वाह्न) से, अगले आदेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, करनाल में सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (धातुकर्म) के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 29 मार्च 1985

सं० 12(510)/85-प्रशा० (राज०) खण्ड-3—यूनिटों के अधीन बंगलादेश में यांत्रिक इंजिनियर के रूप में उनकी प्रतिनियुक्ति की अवधि पूरी हो जाने पर, श्री तिलकराज सहगल ने दिनांक 4-3-85 (पूर्वाह्न) में, विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय, नई दिल्ली में उपनिदेशक (यांत्रिकी) के पद का कार्य भार ग्रहण कर लिया।

सं० ए-19018(732)/84-प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपति रेलवे वर्कशॉप, बीकानेर के प्रयोगशाला अधीक्षक श्री विजय शंकर प्रमाद अम्बस्था को दिनांक 25-2-1985 (पूर्वाह्न) से, अगले आदेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, लुधियाना में महायुक्त निदेशक, ग्रेड-1 (धातुकर्म) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सी० सी० राय  
उपनिदेशक (प्रशा०)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

नई दिल्ली-110001 दिनांक 18 मार्च 1985

सं० ए-32013/2/78-प्र-6—राष्ट्रपति, भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप "ए" (इंजीनियरी शाखा) के निम्न-लिखित अधिकारियों को दिनांक 22-12-1984 से और आगामी आदेशों के जारी होने तक 1100 (छठे वर्ष अथवा कम)—50-1600 के वेतनमान में (भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप "ए") (इंजीनियरी शाखा) के उपनिदेशक के रूप में नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं—

| क्रम | अधि-<br>सं० कारी का नाम<br>व पदनाम | स्टेशन/मण्डल<br>जहाँ कार्यरत हैं | अभ्युक्तियाँ |
|------|------------------------------------|----------------------------------|--------------|
| 1    | 2                                  | 3                                | 4            |
|      | सर्वश्री                           |                                  |              |
| 1.   | डी०के० श्रीधर                      | बम्बई निरीक्षण मंडल,<br>बम्बई    |              |

| 1   | 2                             | 3   |
|-----|-------------------------------|---|
| 2.  | पी०के० मिश्र                  | मद्रास निरीक्षण मंडल,<br>मद्रास (अप०)                                 |
| 3.  | एन०एन०-<br>भाबुडा             | कलकत्ता निरीक्षण मंडल<br>कलकत्ता दिनांक<br>31-1-85                    |
| 4.  | एस०के० गांतम                  | से सेवा निवृत्त<br>हो गये।<br>बम्बई निरीक्षण मंडल<br>के अधीन पुणे में |
| 5.  | आर०पी० सहगल                   | उत्तरी निरीक्षण मंडल,<br>नई दिल्ली                                    |
| 6.  | बी० सुश्रमणियन                | कलकत्ता निरीक्षण मंडल,<br>कलकत्ता                                     |
| 7.  | राजेंद्र प्रसाद               | कलकत्ता निरीक्षण मंडल<br>कलकत्ता                                      |
| 8.  | रोशन लाल                      | म०नि०पु०नि० मुख्यालय,<br>नई दिल्ली                                    |
| 9.  | आर०पी० सिंह                   | मद्रास निरीक्षण मंडल,<br>मद्रास                                       |
| 10. | एस०सी० जुड्डा                 | बंगलौर निरीक्षण मंडल<br>के अधीन हैदराबाद में                          |
| 11. | एस०के० कटारिया                | बंगलौर निरी० मंडल,<br>बंगलौर  |
| 12. | पी० जय कुमारन नायर            | बम्बई निरी० मंडल०<br>बम्बई  |
| 13. | यू०आर० मजूमदार<br>(अनु० जाति) | कलकत्ता निरी० मंडल<br>के अधीन कुलटों में                              |
| 14. | आई०सी० खन्ना                  | म०नि०पु०नि० (मुख्यालय)<br>नई दिल्ली                                   |
| 15. | आर०सी० शर्मा                  | उत्तरी निरीक्षण मंडल, नई दिल्ली                                       |
| 16. | पी० माधवन<br>(अनु० जाति)      | बम्बई निरीक्षण मंडल के<br>अधीन अहमदाबाद में                           |

2. उपरोक्त नियुक्तियाँ भारत संघ द्वारा दिल्ली उच्च न्यायालय में दायर एल०पी० सं० 67/83, 68/83 और 69/83 और उच्च न्यायालय निरीक्षण (इंजी०) श्री एस०सी० अन्ना द्वारा बम्बई उच्च न्यायालय में दायर डब्ल्यू०पी०

सं० 3001/88 और 35/83, जो अब दिल्ली उच्च न्यायालय को भेज दी गई है और जो अभी दिल्ली उच्च न्यायालय में लम्बित हैं और श्री ओ०डी० सागर द्वारा दिल्ली उच्च न्यायालय में दायर डब्ल्यू०पी० सं० 1277/78 के निर्णय के अधीन होंगे।

सं० ए-1/1(1020)—निदेशक पूर्ति तथा निपटान मद्रास के कार्यालय में सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-I) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य कर रहे, स्थाई सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-II) श्री बी०के० शंकरलिंगम, निवर्तन आयु प्राप्त होने पर दिनांक 28 फरवरी, 1985 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

सोहन लाल कपूर  
उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात खान और कोयला मंत्रालय  
(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 16 मार्च 1985

सं० 1303-डी/ए-19012(3-एच०के०एन०)/82-19-बी  
—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक रसायनज्ञ श्री हृषिकेश नशकर ने पश्चिम बंगाल सरकार में संयुक्त प्रखण्ड विकास अधिकारों का पद ग्रहण करने हेतु भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण का पद भार 26-11-84 को अपराह्न में हस्तान्तरित कर दिया।

अमित कुशारी  
निदेशक (कामिक)

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 18 मार्च 1985

सं० ए-19012(143)/81-स्था० ए०—श्री एस० राममूर्ती, वरिष्ठ तकनीकी सहायक (प्रकाशन) का भारतीय खान ब्यूरो से प्रकाशन अधिकार, के पद पर तदर्थ आधार पर, 6 माह की अवधि के लिए या जब तक विभागीय पदोन्नति समिति किसी अन्य नियमित उम्मीदवार की नियुक्ति नहीं करती, या जो भी पहले हो, दिनांक 22 फरवरी 1985 के पूर्वार्द्ध से नियुक्त किया गया है।

दिनांक 21 मार्च 1983

सं० ए-19011(191)/78-स्था० ए०—राष्ट्रपति, श्री सी०एल०बी०आर० अजनेयुलू, स्थायी सहायक खान नियंत्रक को भारतीय खान ब्यूरो में उपखान नियंत्रक के पद पर दिनांक 31-1-85 के अपराह्न से, तदर्थ आधार पर 6 माह के लिए या उस पद की विभागीय पदोन्नति समिति/संघ लंक गवा आयोग द्वारा नियमित रूप से भरे जाने तक, जो भी पहले हो, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19011(302)/82-83-स्था०ए०—आ० वी० आनंदन, अधीक्षक खनिज अर्थशास्त्रा (सांख्यिकी), भारत खान ब्यूरो ने डायरेक्टर ऑफ मनेजमेंट इन्फार्मेशन सिस्टम, मिनिस्ट्री ऑफ डिफेन्स, नई दिल्ली में सलाहकार (सांख्यिकी) के पद पर नियुक्ति होने के कारण दिनांक 27 फरवरी 1985 के अपराह्न में उपरोक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

पी० पी० वादा  
प्रशान्त अधिकारी  
कुते महानियंत्रक  
भारतीय खान ब्यूरो

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 25 मार्च 1985

सं० 4/33/84-81—महानिदेशक, आकाशवाणी एतद्द्वारा श्री एन मिरीकुमार कावालान को 28-2-85 से अगले आदेश तक 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में, आकाशवाणी कालीकट में, अस्थाई रूप में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4/61/84-एमआई—महानिदेशक, आकाशवाणी एतद्द्वारा श्रीमती बामा चक्रवर्ती को 8-2-85 से अगले आदेश तक 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में, दूरदर्शन केन्द्र कलकत्ता में, अस्थाई रूप में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

हरिश्चन्द्र जयान  
प्रशान्त उप निदेशक  
कुते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मन्त्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई 400026, दिनांक 20 मार्च 1985

सं० ए०-12026/10/81-ई०I (आ०सी०)—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुति पर सक्षम प्राधिकारी ने श्री एम मेलबम को 11 मार्च 1985 के पूर्वाह्न से लेकर अगला आदेश मिलने तक, रु० 650-30-740-35-880-द० रो० 40-960 के वेतनमान में, रु० 650 प्रतिमाह के वेतन पर फिल्म प्रभाग मदुराई में, स्थानापन्न शाखा प्रबन्धक नियुक्त किया है।

एन० एन० शर्मा  
प्रशान्त अधिकारी  
कुते प्रशान्त निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 मार्च 1985

सं० ए०-22012/4/83-के०स०स्वा०यो०-1--डा० (कुमारी) मयूर भटनागर का केन्द्रिय सरकार स्वास्थ्य योजना, मेरठ से केन्द्रिय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली में बदला हो जाने के फलस्वरूप, उन्होंने 28 फरवरी, 1985 (अपराह्न) से केन्द्रिय सरकार स्वास्थ्य योजना, मेरठ के अधीन होम्योपैथिक चिकित्सक के पद का कार्यभार छोड़ दिया है और 1 मार्च, 1985 (पूर्वाह्न) से केन्द्रिय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली के अधीन होम्योपैथिक चिकित्सक के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

जा०एन० श्रीकुमारन

उप निदेशक प्रशान्त (के०स०स्वा०यो०)

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

कार्मिक प्रभाग

बम्बई, दिनांक मार्च 19, 1985

सं० पी०ए०/73(1)/85-आर-4—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र डॉ० शशीकुमार मेठी को निवासो चिकित्सा अधिकारी पद पर इस अनुसंधान केन्द्र के आयु-विज्ञान प्रभाग में फरवरी 18, 1985 (पूर्वाह्न) से मई 10, 1985 (अपराह्न) तक अस्थाई रूप में नियुक्त करते हैं।

एन०एल० वैकिटेश्वरन्  
उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

श्रय श्रीर भंडार निदेशालय

बम्बई-400 001, दिनांक 16 मार्च 1985

सदस्य सं० क्र० भं० नि०/2/1(26)/83-प्रशा०/7764—परमाणु ऊर्जा विभाग, श्रय श्रीर भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी श्रय सहायक, श्री जे० जे० परेरा को इसी निदेशालय में दिनांक 1-3-85 (पूर्वाह्न) से 31-5-85 (अपराह्न) तक रुप० 650-30-740-35-810 द० रो० 35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में सहायक श्रय अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

पी० गोपालन,  
प्रशान्त अधिकारी

न्यूक्लियर विद्युत बोर्ड

बम्बई-5, दिनांक 12 मार्च 1985

सं० एन० पी० बी०/3(236)/85-प्रशासन/2645—निदेशक (अभियांत्रिकी) न्यूक्लियर विद्युत बोर्ड बम्बई, इस बोर्ड

के स्थायी वैज्ञानिक सहायक "डी" श्री पी० सी० आचार्य, को इसी बोर्ड में फरवरी 1, 1985 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश जारी होने तक वैज्ञानिक अधिकारी अभियंता ग्रेड "एस बी" के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

आर० वही० बाजपेयी  
सामान्य प्रशासन अधिकारी  
कृते निदेशक (अभियांत्रिकी)

हैदराबाद 500 762, दिनांक 9 मार्च 1985

सं० का० प्र० भ०/0704/384—इस कार्यालय की अधिसूचना संख्या: का प्र० भ०/0704/202, दिनांक 4-2-1985 के क्रम में सहायक लेखाकार श्री एन० भरतन की रूप 650-30-740-35-880-द० री०-40-960 के वेतनमान में स्थापनापत्र सहायक लेखा अधिकारी के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्ति को दिनांक 30-3-1985 पर्यंत या आगामी आदेशों पर्यन्त—इनमें से जो भी पूर्व-घटित हो, आगे बढ़ाया जाता है।

जी० जी० कुलकर्णी  
प्रबंधक, कार्मिक व प्रशासन

परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-500 016, दिनांक 21 मार्च 1985

सं० पखप्र-16/9/85-भर्ती—निदेशक, परमाणु खनिज प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग एतद्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के स्थायी वरिष्ठ आशुलिपिक, श्री श्री० भार्यन को, उसी प्रभाग में सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप से की गई स्थापनापत्र नियुक्ति की अवधि 30 नवम्बर, 1984 से लेकर अगले आदेश होने तक और बढ़ाते हैं।

एस० पदमनाभन,  
वरिष्ठ प्रणामन एवं लेखा अधिकारी

अन्तरिक्ष विभाग

इसरो उपग्रह केन्द्र

बंगलूर-560 017, दिनांक 15 मार्च 1985

सं० 020/1(15.4)/85-स्थापना—इसरो उपग्रह केन्द्र के निदेशक, अन्तरिक्ष विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र, बंगलूर के निम्नलिखित व्यक्तियों से प्राप्त त्याग पत्र उनके नाम के सामने दर्शाई तिथि से सहर्ष स्वीकार करते हैं :

| क्र० सं० | नाम         | पदनाम                          | दिनांक                 |
|----------|-------------|--------------------------------|------------------------|
| सर्वश्री |             |                                |                        |
| 1.       | केशव नायक   | वैज्ञानिक अभियंता<br>"एस० बी०" | 28-2-1985<br>(अपराह्न) |
| 2.       | अब्दुला खान | वैज्ञानिक अभियंता<br>"एस० बी०" | 8-3-1985<br>(अपराह्न)  |

सं० 020/1 (15.1)/85-स्थापना—इसरो उपग्रह केन्द्र, के निदेशक निम्नलिखित व्यक्तियों को उनके नाम के सामने दिए गए पदों पर एवं दर्शाई तिथियों के पूर्वाह्न से अगले आदेश प्राप्त होने तक बिल्कुल अनन्तिम एवं अस्थायी आधार पर सहर्ष नियुक्त करते हैं :

| क्र० सं० | नाम                | पदनाम                        | दिनांक   |
|----------|--------------------|------------------------------|----------|
| सर्वश्री |                    |                              |          |
| 1.       | देविप्रसाद कर्णिक  | वैज्ञानिक अभियंता<br>एस० बी० | 16-8-84  |
| 2.       | अशोक कुमार         | वैज्ञानिक अभियंता<br>एस० बी० | 25-10-84 |
| 3.       | आर० राम सुब्रमणियन | वैज्ञानिक अभियंता<br>एस० बी० | 15-11-84 |
| 4.       | एम० ए० सदानंद राव  | वैज्ञानिक अभियंता<br>एस० बी० | 10-12-84 |

एच० एस० रामदास,  
प्रशासन अधिकारी-II

विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केन्द्र

तिरुवनंतपुरम-695 022, दिनांक 15 मार्च 1985

सं० वी० एस० एस० सी०/स्था०/एफ०/1(17)—निदेशक वी० एस० एस० सी०, अंतरिक्ष विभाग के विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केन्द्र तिरुवनंतपुरम में निम्नलिखित कर्मचारियों को पदोन्नति में वैज्ञानिक/ईजीनियर "एस० बी०" के पद पर रु० 650-30-740-35-810-द० री०-35-880-40-1000-द० री०-40-1200 के ग्रेड में उनके नामों के सामने दिए गए तारीखों के पूर्वाह्न से स्थापनापत्र रूप से आगामी आदेश तक एतद्वारा नियुक्त करते हैं :

| क्र० सं० | नाम                   | तारीख   | प्रभाग                     |
|----------|-----------------------|---------|----------------------------|
| 1.       | श्री एस० सिद्धार्थन   | 1-4-83  | टी० ए० एफ०/<br>एस० टी० जी० |
| 2.       | श्री एन० एस० मोहन राव | 1-10-83 | जी० एस० एस०/<br>टेलम       |

जी० मुरलीधरन नायर  
प्रशासन अधिकारी-II (स्था०)  
कृते निदेशक, वी० एस० एस० सी०

## महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 18 फरवरी 1985

सं० 32013/1/83-ई० डब्ल्यू०—राष्ट्रपति ने श्री एल० सी० गुप्ता, सहायक निदेशक (उपस्कर) को दिनांक 10-11-1984 से 4-4-1985 तक की अवधि के लिए अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, नागर विमानन विभाग में तदर्थ आधार पर उपनिदेशक (उपस्कर) के ग्रेड में नियुक्त किया है।

2. श्री एल० सी० गुप्ता को महानिदेशक नागर विमानन, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली के कार्यालय में तैनात किया गया है।

दिनांक 28 फरवरी 1985

सं० ए० 31014/1/84-ई० डब्ल्यू०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नाम के सामने दी गई तारीख से नागर विमानन विभाग में सहायक अग्निशमन अधिकारी के ग्रेड में स्थायी रूप में नियुक्त किया है :—

| क्र० सं० | नाम             | वर्तमान तैनाती स्टेशन                   | सहायक अग्नि-शमन अधिकारी के पद पर पुष्टि की तारीख |
|----------|-----------------|---|--|
| 1        | 2               | 3                                       | 4  |
|          | सर्वश्री        |   |  |
| 1.       | अमलेन्दु बनर्जी | अग्निशमन सेवा प्रशिक्षण केंद्र, कलकत्ता | 15-3-1980  |
| 2.       | एस० आर० विश्वास | बम्बई                                   | 15-3-1980  |
| 3.       | विश्राम सिंह    | लखनऊ                                    | 12-4-1982  |
| 4.       | एच० एस० रावत    | हैदराबाद                                | 12-4-1982  |

दिनांक 8 मार्च 1985

सं० ए० 32013/2/82-ई० डब्ल्यू०—राष्ट्रपति ने श्री के० वी० कृष्णन, विद्युत एवं यांत्रिक अधिकारी को दिनांक 13-3-1984 से 24-9-84 तक की अवधि के लिए नागर विमानन विभाग में सहायक निदेशक (उपस्कर) के ग्रेड में नियुक्त किया है।

2. इस तदर्थ नियुक्ति के फलस्वरूप श्री कृष्णन, सहायक निदेशक (उपस्कर) के ग्रेड में नियमित नियुक्ति का दावा करने के हकदार नहीं होंगे और तदर्थ आधार पर की गई सेवा 2-16 GI/85

न तो ग्रेड में वरीयता के प्रयोजन के लिए और न ही अगले उच्चतर ग्रेड में पदोन्नति की पात्रता के लिए गिनी जाएगी।

3. श्री के० वी० कृष्णन को क्षेत्रीय निदेशक, कलकत्ता क्षेत्र, कलकत्ता के कार्यालय में तैनात किया जाता है।

जी० वी० लाल,  
सहायक निदेशक प्रशासन

## केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान शाला

पुणे-24, दिनांक 22 फरवरी 1985

सं० 608/191/85-प्रशासन—इस कार्यालय की अधिसूचना संख्या 608/191/83-प्रशासन दिनांक 19-9-83 और दिनांक 25-8-84 के सिलसिले में, निदेशक, केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान शाला, पुणे-24, एतद्वारा श्रीमती रो० वि० कारखानीस, हिन्दी अनुवादक, केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान शाला, की हिन्दी अधिकारी के पद पर छः महीनों तक केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान शाला, में वेतनमान रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 पर फरवरी 17, 1985 के पूर्वाह्न से प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति करते हैं। इस कार्यालय की अधिसूचना संख्या 608/191/83-प्रशासन दिनांक 19-9-1983 के अनुसार उनकी प्रतिनियुक्ति की शर्तें तथा नियम वही रहेंगे।

के० एन० पौलोस,  
कार्यप्रभारी प्रशासन अधिकारी  
कृते निदेशक

## रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक फरवरी 1985

## सार्वजनिक अधिसूचना

सं० 82-आर० ई०/161/6—दक्षिण रेलवे के निम्नलिखित खंडों पर स्थित रेलवे लाइनों और परिसरों के सभी उपयोगकर्ताओं के सूचनार्थ एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि निम्न खंडों के सामने विनिर्दिष्ट दिनांक से इन लाइनों पर शिरोपरि कर्पण तारों को 25000 ए० सी० से विद्युन्मय कर दिया गया है। शिरोपरि कर्पण लाइन हर समय विद्युन्मय मानी जाएगी और कोई भी अप्राधिकृत व्यक्ति उपर्युक्त शिरोपरि लाइनों के पास न तो जाएगा और न ही कोई कार्य करेगा।

| खंड                 | दिनांक     |
|---------------------|------------|
| अरकोणम-तिरुत्तणी    | 28-10-1983 |
| तिरुत्तणी-रेणिगुंटा | 25-12-1984 |

दिनांक 22 मार्च 1985

सं० 82-भार० ई०/161/8—पश्चिम रेलवे के निम्न-लिखित खंडों पर स्थित रेलवे लाइनों और परिसरों के सभी उपयोगकर्ताओं के सूचनार्थ एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि निम्न खंडों के सामने विनिर्दिष्ट दिनांक से इन लाइनों पर शिरोपरि कर्षण तारों को 25000 ए० सी० विद्युन्मय कर दिया गया है। शिरोपरि कर्षण लाइन हर समय विद्युन्मय मानी जायेंगी और कोई भी अप्राधिकृत व्यक्ति उपर्युक्त शिरोपरि लाइनों के पास न तो जाएगा और न ही कोई कार्य करेगा।

| खंड   | दिनांक    |
|---|-----------|
| वदोघरा (छोड़कर) समलाया (सहित)<br>(बाजुवा कार्ड सहित) (424 कि० मी०)                              | 15-2-1985 |
| समलाया (छोड़कर)—गोधरा<br>(गोधरा यार्ड 424 कि० मी० से<br>470 कि० मी०)<br>(पहले से ही विद्युन्मय) | 15-2-1985 |
| गोधरा—दाहोद (सहित)<br>(कि० मी० 470 से 542/21-22)  | 31-3-1985 |

ए० एन० बांचू  
सचिव, रेलवे बोर्ड।

उद्योग एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी लां बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स सिप्रा लैदर्स  
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

ग्वालियर-474009, दिनांक 22 मार्च 1983

सं० 1479/पी०एस०/सी०पी०/493—कम्पनी अधि-  
नियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण

में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि मै० सिप्रा लैदर्स  
प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है  
और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एस० करमाकर  
कम्पनी रजिस्ट्रार, मध्य प्रदेश,

कम्पनी अधिनियम, 1956 और त्रिवेणी एस्टेट एजेंसी प्राइवेट  
लिमिटेड के विषय में

बंगलूर दिनांक 25 मार्च 1985

सं० 4550/560/84—कम्पनी अधिनियम, 1956 की  
धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह  
सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन मास के अवसान पर  
त्रावनी एस्टेट एजेंसीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके  
प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा  
और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बंगलूर रीयल एस्टेट  
एंड प्राप्रटीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलूर, दिनांक 25 मार्च 1985

सं० 4574/560/84—कम्पनी अधिनियम 1956 की  
धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह  
सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन मास के अवसान पर  
बंगलूर रीयल एस्टेट एंड प्राप्रटीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम  
इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया  
जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और कावेरा ओसीज प्राइवेट  
लिमिटेड के विषय में

बंगलूर, दिनांक 25 मार्च 1985

सं० 4575/560/84—कम्पनी अधिनियम, 1956 की  
धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना  
दी जाती है कि इस दिनांक से तीन मास के अवसान पर कावेरी  
ओसीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित  
न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी  
विघटित कर दी जाएगी।

वै० सरयनारायण  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार बंगलूर



बालक भाई. टी. एन. एच.

बालक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयुक्त सहायक

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मार्च 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ०/1/37ईई/7-84/1049

--अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

बालक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विज्ञापन करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ए-1503, है तथा जो 98-नेहरू प्लेस, नई दिल्ली  
में स्थित है (और इसमें उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जुन रंज-1, नई दिल्ली  
भारतीय आयुक्त अधिनियम 1961 के अधीन तारीख जुलाई, 84  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खयमाद  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि अधोपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके खयमान प्रतिफल से, ऐसे खयमान प्रतिफल का  
गुण्य प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एंग्रे अन्तरण के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
व्ययित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वस्तुओं  
को, जिसमें भारतीय आयुक्त अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) प्रीति, निती, संजय और  
अंगोला कोहली,  
निवासी-सी०-226, ग्रेटर कैलाश -1,  
नई दिल्ली-48 ।

(अन्तरक)

(2) मास्टर अनुज बेहल,  
मास्टर मनिश तलवार और  
कुमारी दिग्मा तलवार,  
निवासी-22-सुखदेव बिहार,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांदा भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० ए०-1503, तादादी 200 वर्गफीट, 98 नेहरू-  
प्लेस नई दिल्ली ।

आर० पी० राजेश  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 11-3-1985  
मोहर :

प्रकृत आइ. टी. एन. एस. -----

(1) श्री ई. एम. हुनीक।

(अन्तरक)

4

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269(ग) (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एल. विष्णुदास और  
वीरक अभिवनी।

(अन्तरिती)

2

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कोचीन-16

कोचीन दिनांक, 7 मार्च 1985

निर्देश सं० एल० सी० 732/84-85--प्रतः मुझे,  
सचिव चौधुरी

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० अनुसूची के अनुसार है तथा जो एरणाकुलम में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 28-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
परिणत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्यक्ति में कमी करने या उसके बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य सम्पत्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
ये, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख 28-7-1985, उपरजिस्ट्री कार्यालय एरणाकुलम  
के वस्तावेज सं० 2445 में संलग्न अनुसूची के अनुसार एरणा-  
कुलम विज्ञेय सं० सर्वे सं० 620 में 9.350 सेन्ट भूमि।

सचिव चौधुरी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 7-3-1985  
मोहर :

प्रकृष बाई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

साइपु बरकत

कान्साय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कांजीन, दिनांक 7 मार्च 1985

निर्देश सं० एल० सी० 730/84-85 --- अतः मूले,

सचिव चौधुरी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो एरणाकुलम में स्थित  
है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
28-7-1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथामूल्य संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसकी दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
व्यस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
बाई/बा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी बच या अन्य भास्त्रियों  
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री टि० वि० मुकुण्डप्पय्यर  
टि० एस० परमेश्वरन ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति प्राणा विष्णुदास और  
लाजवन्ति डि० अश्विनी ।

(अन्तरिती)

(3) श्री ई० एम० हनीफ ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी  
जनता है कि वह संपत्ति में हितधर है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्चन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
धर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

तारीख 28-7-1984 उपरजिस्ट्री कार्यालय एरणाकुलम के  
दस्तावेज सं० 2444 में संलग्न अनुसूची के अनुसार एरणाकुलम  
जिले के सर्वे सं० 620 में 5 सेन्ट भूमि ।

सचिव चौधुरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 7-3-1985

मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री टि० एस० कल्याण कृष्ण ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमति आशा विष्णुदास और  
लाजवन्ति डि० अधिकारी ।

(अन्तरिती)

(3) श्री ई० एम० हनीफ ।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कोचीन

कोचीन, दिनांक 7 मार्च 1985

निर्देश सं० एल० सी० 731/84-85 --अतः मुझे,  
सचिव चौधरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो एरणाकुलम में स्थित  
है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, एरणाकुलम में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
27-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जांच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

तारीख 28-7-1984 उपरजिस्ट्री कार्यालय एरणाकुलम  
के दस्तावेज सं० 2443 में संलग्न अनुसूची के अनुसार एरणा-  
कुलम विलेज सं० सर्वे सं० 620 में 5 सेन्ट भूमि ।

सचिव चौधरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 7-3-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमति मरियम बि०।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमति आर्यशावि खदीलावि रुक्मिकावि,  
आमीनावि और  
पान्बुम्मावि।

(अन्तरिती)

आउट सरका

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कोचीन

कोचीन दिनांक, 7 मार्च 1985

निदेश सं० एल० सी० 729/84-85 -- अतः मुझे,  
सचिव चौधरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो कालिकट कार-  
पोरेशन में स्थित है (और इससे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वेस्टहिल  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्टमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इष्टमान प्रतिफल से, ऐसे इष्टमान प्रतिफल का  
एक प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या इससे बचने में सीधे  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सीधे के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के बिना  
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अन्तर्की

तारीख 20-7-1984 उपरजिस्ट्री कार्यालय वेस्टहिल के  
दस्तावेज नं० 1471 में सलगन अनुसूची के अनुसार कालिकट  
कारपोरेशन में सर्वे सं० आर०एस० 4-7-306 में 26.5 सेन्ट  
भूमि के साथ एक मकान।

सचिव चौधरी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 7-3-1985.  
मोहर ३

प्रूप. भाई. टी. एन. एस. - - - - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कोचीन

कोचीन, दिनांक 7 मार्च 1985

निदेश सं० एल० सी० 728/84-85 — अतः सुमे,  
सविध चौधरी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके बराबर 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो त्रिनिशिवेकर विलेज में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, त्रिनिशिवेकर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 6-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर्गत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वजह, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अनुसार के शक्ति में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एस० वेंकटेश्वर अय्यर के लिए  
पि० जयगोपाल।

(अन्तरक)

(2) के० ए० हंसा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तारीख 6-7-1984 उपरजिस्ट्री कार्यालय त्रिनिशिवेकर के दस्तावेज सं० 2233 में सलम अनुसूची के अनुसार त्रिनिशिवेकर पेकर विलेज सर्वे सं० 1531 में 21 सेन्ट भूमि के साथ तीन पुराने मकान।

सविध चौधरी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 7-31985

मोहर :

प्रारूप आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कोचीन

कोचीन दिनांक 7 मार्च, 1985

निदेश सं० एल० सी० 727/84-85 --- अतः मुझे,  
सचिव चौधरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो एरणाकुलम विलेज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, ता. 28-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अमान्य प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के पायिर्ष में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3-16 GI/85

(1) श्री ए० पि० जोस,  
ए० पि० जोस,  
मरियाम्मा जोस और  
अन्नकुट्टी।

(अन्तरक)

(2) मित्रुन और  
अरुण ज़ल्लिए  
सि०यटि० कोयीसेफ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तारीख 28-7-1984 एरणाकुलम उपरजिस्ट्री कार्यालय के दस्तावेज सं० 2441 में संलग्न अनुसूची के अनुसार एरणाकुलम विलेज सर्वे व० 700 में 11.296 हेक्टेयर भूमि।

सचिव चौधरी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 7-3-1985

आह्वार :

प्रकाशक का नाम (अ) -----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब की अधीन मध्य

- भारत सरकार

कायालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज नागपुर

नागपुर दिनांक 27 फरवरी, 85

निवेश सं० आर० ए० सी० एक्वी०/66/24/84-85---

अतः मुझे, एम० सी० जोशी,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इससे  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन मध्य प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जम्मा बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी वं० म्यू नं० 1427 है जो वर्धा रोड नागपुर में  
स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नागपुर (डॉक्यूमेंट नं०  
4766/84) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, 31-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
एक प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और  
अन्तरिती (अन्तरितीया) के बावजूद अन्तरक के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बावजूद में कमी करने या जमाने करने में सज्ज  
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या लाभ या अन्य वास्तविकता  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या अन्य अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था छिपाने में सज्ज के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री जागो राम जी कावडे
2. श्री महादेव रामजी "
3. श्री दयालू रामजी "
4. श्री वबने रामजी "

ज० वर्धा रोड, नागपुर।

(अन्तरक)

- (2) डा० श्री गंगाधर लक्ष्मण राव।  
बुफमकर मेमो हास्पीटल  
नागपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
30 दिन के अर्थात् या अन्यस्वस्थ व्यक्ति पर  
सूचना को तारीख से 30 दिन के अर्थात्, जो भी  
अर्थात् बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास  
लिखित या लिखित जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान का आधा हिस्सा निम्नका म्यू नं० 1427 है जिसका  
जिन अं० 375 रकवे फीट और कैंड दुबना 2750 रकवे फीट  
है और जो वर्धा रोड नागपुर में स्थित है।

एम० सी० जोशी

मध्यम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज नागपुर

तारीख : 27-2-1985

मोहः



प्रमुख बाब' टी. एन. एच.

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-क (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 28 फरवरी 1985

निवेश सं० आय० आ० सी०/एफडी०/67/24/84-85--

यतः सुश्री, एम० सी० जोशी,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य और जिसकी सं० 1427 है, का विवेकानन्द नगर में वर्धा रोड पर नागपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नागपुर (डायूमेंट सं० 4766) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-3-1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उनके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिनी (अन्तरिनीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए लय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित तद्देशिक से उक्त अन्तरण निहित से वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के व्यक्तित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ रजिस्ट्री द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किना जाया जा रहा था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-क के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :-

1. (1) श्री जी० रामजी कालते  
(2) श्री महादेव रामजी ,,  
(3) श्री दयालु रामजी ,,  
(4) श्री बाबू रामजी ,,  
वर्धा रोड, नागपुर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मन्दाकिनी गंगाधर, उधमपुर,  
के०/आ० समो हॉस्पिटल,  
नागपुर।

(अन्तरिनी)

को यह सूचना देनी है कि पूर्वाक्त सम्पत्ति के बचन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बचन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि को भी अवधि शेष में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों या से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्राह्यताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम में अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान का आधा हिस्सा जिसका सं० 1427 जो विवेकानन्द नगर, वर्धा रोड पर, नागपुर में स्थित है।

एम० सी० जोशी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, नागपुर।

तारीख : 13-3-1985

मोहर

प्रकृष बाई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 8 मार्च 1985

निवेदन सं० 111-971/अर्जन/84-85--अतः मुझे, पी०

के० दूबे,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 643, 644, 645 और 646,  
आइ नं० ब्रह्मचारी रोड, देवधर है, तथा जो देवधर में  
स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देवधर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 23-7-84

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
विधि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की वास्तविक उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कभी करणी या उससे बचने में सहायता  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य वास्तविकताओं  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-गे की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री कामदेव झा

बल्द श्री आर० एन० झा,

सा० पो० जिला, देवधर।

(2) श्री रविन्द्र कुमार दास

बल्द श्री दिनेशचन्द्र दाम,

सा० पो० जिला देवधर।

(3) श्री अशोक कुमार मिश्रा,

बल्द श्री अर्जुन मिश्रा,

ग्राम--मधुसूदनपुर,

जिला-देवधर।

(अन्तरक)

2. श्री संकरलाल मनवरिया

(2) श्री नन्दकिशोर मनवरिया

बल्द स्व० रामनिवास मनवरिया,

सा० सोनापति,

झरिया,

पो० थाना, झरिया,

जिला धनबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन का कुल रकबा 4 बिघा 15 कठ 5 घूर जो  
पंजिका झोंसा गढ़ी, देवधर में स्थित है एवं जिसका निबंधन  
जिला अवर निबंधक पदाधिकारी देवधर द्वारा पंजीकृत हुआ  
है।

पी० के० दूबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पटना

तारीख 8-3-1985

मोहर :-

प्रकरण आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 13 मार्च 1985

निदेश सं० 111-972/अर्जन/84-85--अतः मुझे, पी०

के० दूबे,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
उक्त पत्रात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० होल्डिंग नं० 30, सफिट हाउस एरिया  
(पूरब) थाना--बिनदुपुर, जमशेदपुर (सिंहभूम) है, तथा  
जो जमशेदपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय में जमशेदपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-7-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विस्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निर्दिष्ट में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तर्क के दायित्व में  
कमी करने या उच्च बचने में सविधा के लिए;  
कील/बा

(ख) इसी किसी आय या किसी धन या अन्य दायित्वों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्-  
तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तः की द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्क  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सुदेश लाल जोसे  
स्व० कणमोरी लाल,  
31-ए, सफिट हाउस, एरिया,  
जमशेदपुर।

(अन्तरक)

2. श्री डा० बलराज निझावन  
वल्द स्व० एल० सुखदयाल निझावन,  
30 सफिट हाउस एरिया,  
जमशेदपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बढ़ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्रुत-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

अन्तरितीकरण :—उक्त सूचना के अधीन और धारा 269-ब के अन्तर्क  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही वर्ण होगा जो उस अध्याय में विष-  
य है।

अनुसूची

एक दो मंजिला मकान मय जमीन के जिसका रकबा  
37 डिममल है तथा जो सफिट हाउस एरिया (पूरब)  
जमशेदपुर में स्थित है एवं पूर्ण रूप से बसिवा सं० 5165  
दिनांक 18-7-84 में वर्णित है तथा जिसका निबंधन अपर  
निबंधन जमशेदपुर द्वारा सम्पन्न हुआ है।

पी० के० दूबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

तारीख 13-3-1985

मोहर :

प्रकृष आर्.टी.एन.एच.-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

\* अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 8 मार्च 1985

निदेश सं० ए०-271/84-85, नौ/953/—अतः सुझे,

जे० मावलीग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डोड सं० 2461 डाक नं० 270 मिनीस-पनटी होचडिंग नं० 979 पुराना 342 (नया) डड नं० 2461 दिनांक 27-4-84 असा हुआ है। मनकटार रोड रिहा बाडी बाड डिब्रूगढ़ (असम) है तथा जो मानकाटा रोड, डिब्रूगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय डिब्रूगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

आई० ए० एस० (रिमानई),  
स्व० सखनन्द दोयहार का पुत्र,  
शिलपुखरी पश्चिम, गोहाटी-3

(अन्तरक)

2. श्री अलताफ अहमद खान,  
प्रांच माईल,  
डिब्रूगढ़ (आसाम)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

साक्षीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का माप एक बिगहा, एक कट्टा पन्द्रह लाख एक लाख रुपये बिगहा के हिसाब से त्रिलिङ्ग दो लाख छपन हजार, तीन सौ रुपये का आधा एक लाख अठ्ठाईस हजार, एक सौ नवस रुपये और होटल दो लाख तैंतालिस हजार एक सौ पचास रुपये।

ई० ज० मावलीग

सूक्ष्म प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

तारीख: 8-3-1985

मोहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 8 मार्च 1985

निर्देश सं० ए०-270/84-85/डी० बी० आर०/952—

अतः मुझे, ई० जे० माब्लौंग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन राक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० डाक नं० 270 मिनिसाएल्टी हॉटलिंग  
नं० 975 पुराना 362 (नया) डिड नं० 2460  
दिनांक 27-4-84, बसा हुआ है, मतकटार रोड़  
रिहा बाडीवाड डिब्रूगढ़ (असम) में स्थित है (और इससे  
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, डिब्रूगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
27-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण में हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को निम्नलिखित अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किन्तु ऐसा चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ब० बाबराहा,  
आई० ए० एस० (रिटायर्ड),  
स्व० सदानन्द दोवराहा,  
मिनपुखरी पश्चिम,  
गौहाटी-3 के पुत्र।

(अन्तरक)

2. हमतिआज अहमद खान,  
पांच माहुल,  
डिब्रूगढ़ (असम)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन का एक माप एक बिगहा दो कट्टा आठ लसा  
एक लाख रुपये के हिसाब से एक लाख, अठ्ठास हजार  
जोड़ बिल्लिंग या मूल्य एक लाख अठ्ठास हजार, एक सौ  
पचास हजार दो लाख छपन हजार तीन सौ रुपये का आधा  
और टोटल दो लाख छहत्तर हजार एक सौ पचास रुपये।

ई० जे० माब्लौंग

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, शिलांग

तारीख : 8-3-1985.

मोहर :

वरुण भाई, डी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 4 मार्च 1985

निवेश सं० ए० सी० रेंज-II/कल०/1984-85-यतः  
मझे, शेख नईमद्दीन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 4 है, तथा जो राजा संतोष रोड़, कलकत्ता-27 में स्थित है (और इससे उपानबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आर० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-7-1984

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरीती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) बन्दारों में हुए किसी भी प्रकार के अवरोध को दूर करने की आवश्यकता है।

(7) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य मास्तिवों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिमों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृत्तिधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-गो की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री प्रताप सिंह  
(2) श्रीमती सावित्री प्रताप सिंह,  
(अन्तरक)  
2. मै० ओप क्रेडिट प्राईवेट लि०  
(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पत्रों के सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

\_\_\_\_\_

जमीन:—24 कट्ठा 9 छिटांक जमीन का साथ मकान  
पता:—4, राजा संतोष रोड, थाना—आलिपुर, कलकत्ता-27  
बिल्लि सं०:—आर० ए० कलकत्ता का का 1984 का आई०  
82231

मे. वि. वि. वि.  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंजन, लखनऊ

तारीख : 4-3-1985  
मोहर :

राज्य बाध'टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 28 फरवरी 1985

निदेश सं० ए० सी०-106/आर०-II/कल०/84-85—

अतः मुझे, एस० के० बैनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सहायक आयुक्तों को यह विज्ञापन करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2 है, तथा जो मऊरभंज रोड, कलकत्ता  
में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आर०  
ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 23-7-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
शायद प्रतीफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के  
राशियों में कमी करने या न्यून करने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4-16GI/85

1. श्री जतिन्द्र नाथ दास तस्कर

(अन्तरक)

2. मेसर्स गिरिराज प्रोपर्टीस प्राइवेट लि०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन:—24 कट्टा जमीन के साथ मकान।

पता:—2, मऊरभंज रोड, धाना-एकबालपुर, मौजा  
मोमिनपुर, कलकत्ता।दलिल सं०:—आर० ए० कलकत्ता का 1984 का  
8574।

एस० के० बैनर्जी

सहायक अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-II, कलकत्ता

तारीख: 1-3-1985

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉय, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 मार्च 1985

निदेश सं० ए० सी० 69/रेंज-4/कल०/84-85—अतः  
मुझे, एस० के० बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० 14 है, तथा जो डा० ए० एच० के०  
बटर्जी लेन, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908  
1908 का 16) के अधीन तारीख 6-7-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आयों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
यन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० इडिया लिनोलियाम लि०

(अन्तरक)

2. मै० पार्ल प्लास्टिक इण्डस्ट्रिज

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन—5 कट्टा 1 छटांक 14 स्वयं० फिट ग्रम  
पता :—14, ए० इच० के बटर्जी लेन, कलकत्ता हावड़ा  
दलिल सं० :— 1984 का 7805।

एस० के० बनर्जी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रॉय-IV, कलकत्ता-6

तारीख : 6-3-1985

मोहर



ब्रह्म बाई. टी. एन. एल. ----

1. श्रीमती गिता मल्लिक

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

2. म० जिनाल्टर मेन्टन्स ट्रस्ट

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 मार्च 1985

निदेश सं० ए० सी०-109/आर०-II/कल०/84-85--

अतः मुझे, शोख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सहायक प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 5 एवं 6 है तथा जो एवेन्यू, कलकत्ता  
में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आर०  
ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 16-7-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उद्घोषणा तथा  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निहित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अप्रोहस्ताक्षरी के पास  
निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन -- 25 कठ, 5 छटांक 41 वर्ग फुट जमीन के  
साथ मकान का 1/5 अंश।

पता -- 5 एवं 6 आलिपुर एवेन्यू, कलकत्ता, याना  
आलिपुर।

दलिल सं० -- 1984 का आर० ए० कलकत्ता का  
आइ०- 8288।

शोख नईमुद्दीन  
सहायक प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज-II, कलकत्ता

तारीख 12-3-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एच.-----

1. सती पाठक

(प्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री अर्जुन कृपालानी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 मार्च 1985

निदेश सं० टी० आर०- 195/84-85/सी० 986/आई०ए०  
सी० एफवी०/आर०-1/कल०/84-85-अत० मुसे, एस० के०  
बैनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1 है तथा जो कोकबार्न लेन, कलकत्ता  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस०  
आर० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 10-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दाखिल में कभी करने या इससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

उक्त संपत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभावहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1. कोकबार्न लेन, कलकत्ता।

2. के०-14 बा०-9 स्कवे० फिट जमीन साथ मकान  
(2/3 वां शेयर)।

दलिल सं० --7967, ता० 10-7-1984।

एस० के० बैनर्जी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

तारीख 14-3-1985

मोहर :-

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 मार्च 1985

निदेश सं० टी० आर०--200/84-85/एम० एल०--  
987--अतः मुझे, एस० के० बैनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 7 है, तथा जो लर्ड निम्बा रोड, कलकत्ता  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आर०  
ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 31-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
सिद्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्ययित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. अनिल कुमार सिन्हा

(अन्तरक)

2. मै० भागचन्द्र प्रोपर्टिस (प्रा०) लि०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना के तामील से 30 दिनों की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
दो दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

7, लार्ड सिन्हा रोड, कलकत्ता।

जमीन साथ मकान।

दलिल सं० --8905, ता० 31-7-1984।

एस० के० बैनर्जी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

तारीख 13-3-1985

मोहर :

**वक्तव्य जारी, टी. एन. एन. —**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंजन-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 मार्च 1985

निदेश सं० टी० आर०-197-84-85/एस० एल०-  
988/1 ए० सी०/एनव०/आर०-1/कल०—अतः सुमे, एस०  
के० बनर्जी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 3 है, तथा जो मदन दत्त सेन, कलकत्ता  
में स्थित है (और इसमें उपाजड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्री की अधिकारी के कार्यालय, एस०  
आर० ए०, कलकत्ता में स्थित में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-7-1984  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती  
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में करी करने या उक्त करने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित हैं—

1. श्री मंगलमय भाट्ट,  
गनेश भाट्ट।

(अन्तरक)

2. श्री काशी नाथ चन्द्र  
और दूसरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षे हैं—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
आपेक्षे या 4 दिनों के भीतर प्रकाशित

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

**वक्तव्य**

3. मदन दत्त सेन, कलकत्ता।

4क०-2 छ०-20 स्के० फुट जमीन साथ मकान।

दलिल सं० -- 7815, ता० 7-7-1984।

एस० के० बनर्जी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंजन-1, कलकत्ता

तारीख : 14-3-1985

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. ए. ----

1. मै० सुजन विनियोग लि०

(अन्तरक)

2. पद्मा लाल जैन

और दूसरे

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 मार्च 1985

निर्देश सं० सी० ए०-23/84-85/एस० एल०-989/  
आई०ए०सी०/एक्वि०/आर०-1/कल०-अतः मुझे, एस० के०  
बैनर्जी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 18-ए है तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता  
में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सी० ए०  
आई०ए०सी०/एक्वि० आर०-1/कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
5-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
धो वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
राशियत्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्त्रियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अवसूची

18-ए, पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता।

5वां फ्लोर, छाने का अधिकारी।

सी० ए० आई० ए० सी० एक्वि० आर०-1 निकट निबन्ध  
दिया।

दलिल सं०—सी० ए०-23, ता० 5-7-1984।

एम० के० बैनर्जी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

तारीख 14-3-1985

मोहर

प्रमुख कार्य: डॉ. एन. एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 मार्च 1985

निवेदन सं० सी० ए० 35/84-85/एस एल०-990/  
आई०ए०सी०/एक्स० आर०-1/कल०-प्रतः मुझे, एस० के०  
बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 8 है, तथा जो लोवार राउडन स्ट्रीट,  
कलकत्ता-17 में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, सी० ए०, आई०ए०सी०, एक्स० आर०-1, कलकत्ता  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 23-7-1984

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
एक प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

1. श्री भारत भूषण मंगला

(अन्तरक)

2. श्रीमती सीता देवी खेतान

एवं श्रीमती पुष्पा देवी खेतान

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित  
बुद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) इसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाम  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या कि वा  
जाना चाहिए था; छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

8 लोवार राउडन स्ट्रीट में अवस्थित सम्पत्ति का 'सि०'  
कलकत्ता में प्लॉट नं० 77 जो सक्षम प्राधिकारी सहायक  
आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रॉज-2, कलकत्ता के पास  
सीरियल सं० सि० ए० 35 के अनुसार 23-7-84 तारीख  
में निबंधित हुआ।

एस० के० बनर्जी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, कलकत्ता

तारीख 14-3-1985

मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 मार्च 1985

निदेश सं० सी० ए० 25/84-85/एम० एल०-991  
आई०ए०सी०/एचिव० आर०-1/कलकत्ता-अतः मुझे, एस०  
के० बूनजी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 25 है तथा जो कैवक स्ट्रीट, कलकत्ता  
में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आई०सी०  
ए०, ए० सी०, एचिव० आर०-1, कलकत्ता में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 13-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्यक्ति से कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

5-16GI/85

1. श्रीमती नलिनि आई० सितलानी

(अन्तरक)

2. श्री सि० आर० दासगुप्ता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

'केवक कोर्ट' बिल्डी का 10 तल्ला में 750 वर्ग फिट  
आयत का प्लॉट नं० 10 सी० से 25 कैवक स्ट्रीट में  
अवस्थित जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त  
निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, कलकत्ता के पास, सीरियल  
नं० सि० ए०, 25 के अनुसार 13-7-84 तारीख  
में निर्दिष्ट हुआ।

एस० के० बूनजी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

तारीख 24-3-1985

मोहर :

प्रारूप आर्द्र. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 मार्च 1984

निर्देश सं० सी० ए० 31/84-85/मीरियल 992/1 ए०  
सी०/एचिव० आर०-1/कलकत्ता-अतः स०, ए० के०  
बैतर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 35/2, है तथा जो चौरंगी रोड, कलकत्ता-  
72 में स्थित है, (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सी०  
ए०, आई०ए०सी०, एचिव० आर०-1, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
20-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित करी गई  
है और मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बन्धन प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के सापेक्ष में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती स्वप्नातारि दुगार

(अन्तरक)

2. श्री विपिन डी० मेहता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० ई-9 जो कुलाण बिल्डिंग के नवां तल्ला में  
35/1 चौरंगी रोड, कलकत्ता-71 में स्थित है जिसका आयतन  
1378 वर्गफिट है जो मध्यम प्राधिकारी (सहायक आयकर  
आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, कलकत्ता के पास मिरीयल  
दि० ए० 31 के आदेश 20-7-1984 तारीख को निर्बंधित  
हुआ।

ए० के० बैतर्जी

मध्यम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

तारीख 14-3-1984

मोहर.



प्रथम भाग टी. प्र. एल. -----

(1) श्रीमती सीता देवी नेभातिया (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती सरला देवी नेभातिया,  
(अन्तरिस्ती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 मार्च 1985

निर्देश सं० ए० सी० एल 2 ता० ल० /1985—

अतः मुझे, एस० के० बनर्जी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 3 है तथा जो लाउकन स्ट्रीट, कलकत्ता  
में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सी०  
ए० आई० ए० सी० एन्यू आर-I, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
24 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिस्ती  
(अन्तरिस्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी बात की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोक्ता अन्तरिस्ती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए या, विधान में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

3 लाउकन स्ट्रीट कलकत्ता, में अब स्थित सम्पत्ति का  
पूर्व भाग का पांच तल्ला में फ्लैट नं० 5 जो सक्षम प्राधिकारी  
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज के  
पास 24 जुलाई 1984 में मिस्त्रियल नं० सि० प० 36 के  
अनुसार विवक्षित हुआ

एस० के० बनर्जी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

दिनांक :— 28-3-85

मोहर :—

प्रकाशक: डी. एन. एल. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 मार्च 1985

निर्देश सं० सी० ए० 26/84-85 एस० एल० 994/आई० ए०

सी०/एक्यू० आर०आई०कल०—अतः मुझे एस० के० बनर्जी  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) चिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 28/1 है तथा जो सेक्सपियर सरणि,  
कलकत्ता, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
सी० ए० आई० ए० सी०, एक्यू आर-1 कलकत्ता, में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
13 जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को व्यवमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे  
व्यवमान प्रतिफल के पक्ष में प्रतिफल से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) को  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य के उक्त अन्तरण विधि से अन्तरित रूप से कीमत  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के द्वारा किसी बात की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्ययित्व में किसी करने या उत्पन्न करने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) इसी किसी बात या किसी बात या अन्य बातों  
की, चिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रभावनाश अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसूची  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गोबर्धन लाल मूगटा

(अन्तरक)

(2) श्री जय कुमार माल एवं  
श्रीमती प्रेम लता माल

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितरक्षक  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्ति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जो 28/1, सेक्सपियर सरणि, कलकत्ता में स्थित  
मकान गंगा जमुना का कुसरा तला में फ्लैट नं० 6 जो  
सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2 के पास 13 जुलाई 1984 तारीख में सिरियल  
नं० सि० यं० 26 के अनुसार निर्बंधित हुआ।

एस० के० बनर्जी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

दिनांक :- 14-3-1985

मोहर :-

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री गोवर्धन लाल मूंगरा

(अन्तरक)

(2) श्री अजय कुमार माल एवं  
श्रीमती प्रेमलता माल

(अन्तरिती)

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 मार्च 1985

निदेश सं० सी० ए० ए०सी० रेंज कलकत्ता— अतः मुझे,  
एस० के० बनर्जीभाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० 28/1 है तथा जो सेक्सपीयर सरणि,  
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय सी० ए०, आई० ए० सी० ए० ए०सी०-1, कलकत्ता  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन दिनांक 19 जुलाई 1985को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-  
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-  
फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे  
अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं पाया  
गया है :—(क) बन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मरिधा  
के दिव; और/वा(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भाषकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

28/1 सेक्सपीयर सरणि कलकत्ता में तैयार किया  
जा रहा है मकान का दुसरा तल्ला में फ्लैट नं० 6 जो सक्षम  
प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन  
रेंज-2, कलकत्ता के पास सिरियल नं० सि० ए० 90 के  
अनुसार 17 जुलाई 1984 तारीख में विवक्षित हुआ।

एस० के० बनर्जी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 कलकत्ता,

दिनांक :— 14-3-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 मार्च 1985

निर्देश सं० सं० ए० सी० रेंज I कलकत्ता /1985—  
मुझे एम० के० बनर्जी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 8 है तथा जो लोवर राउडन स्ट्रीट  
कलकत्ता, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
सी० ए०, आर्डि० ए० सी०, एक्मू आर० I कलकत्ता में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक 17 जुलाई 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री भारत भूषण मंगला,

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सीता देवी खेतान  
एवं श्रीमती पूष्पा देवी खेतान

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

8, लोवर राउडन स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित सम्पत्ति  
का 'सी' ब्लॉक में प्लेट नं० 77 गेरेज और स्टीर रूम जो  
सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, कलकत्ता के पास सिरियल नं० सि० ए० 98  
के अनुसार 17 जुलाई 1984 तारीख में निर्बंधित हुआ।

एम० के० बनर्जी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज I, कलकत्ता

दिनांक :— 14 मार्च 1984

मोहर

प्रकृष आर्. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेंज I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 मार्च 1985

निदेश सं० सी० ए० 63/84-85/997—अतः मुझे,  
एस० के० बनर्जी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिमकी सं० 25 ए है, तथा जो कामाक स्ट्रीट कलकत्ता  
में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है ) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सी०  
ए०, आई० ए० सी० एक्यू आर-1/कल० में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
29 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
द्वारा से कमी करने या नगरे बजट में सुविधा  
से लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—  
मोहर

(1) श्री भारदान इमरूमेन्ट प्रा० लि०:

(अन्तरक)

(2) कमल कुमार खानडेलवाल,  
राज कुमार जैन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करा जाये।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

25 ए, कामाक स्ट्रीट कलकत्ता 4 फ्लोर आफिस सं०  
409 ए, आई० ए० सी, एक्यू आर-1 निकट निबन्ध  
दोया

दलित सं० सी० ए० 168 दिनांक 29-9-84

एस० के० बनर्जी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

दिनांक :- 14-3-1985

मोहर :

प्रमुख आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 मार्च 1985

निदेश सं० सी० ए० 47/ 84-85/ 998—अतः

मुझे, एस० के० बनर्जी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 25 ए० है तथा जो केवलाक स्ट्रीट कलकत्ता  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
सी० ए०, आई ए० सी, एफ्यू आर०-1 कल० में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
14 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके स्वयंसेवक प्रतिफल से, ऐसे स्वयंसेवक प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जाँस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मे, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मर्दन इम्प्रूवमेंट्स (प्रा०) लिमिटेड  
(अन्तरक)

(2) श्री मर्दन सेक डिपोजिट बोल्ड्स (प्रा०)  
लिमिटेड  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जो० नं० 25 कमाक स्ट्रीट में कलकत्ता-16  
में स्थित है का बेसमेंट फ्लोर 3166 वर्ग फिट आयन  
का जो सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I के पास 14-7-1984 तारीख में मिररियन  
नं० 87 के अनुसार निर्वाचित हुआ।

एस० के० बनर्जी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , कलकत्ता

दिनांक : 14-3-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ....

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 मार्च 1985

निदेश सं० सी० ए० 32 / 84-85 999आई०ए०सी०

ए०बी०आर० [कल०— अतः मुझे, एस०के० बैनर्जी  
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन मुख्य प्राधिकारी को यह विज्ञापन करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

श्रीरजिमकी सं० 61 बि है तथा जो पार्क स्ट्रीट कलकत्ता में  
स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सी० ए०,  
आई० ए० सी०, एक्वू० आर-I कल० में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
21 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूल्य यह विज्ञापन  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी बात की वजह, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
हाथिल में जारी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों  
का, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

मोहर :

6-16 GI/85

(1) श्रीमती मोहिती एन० मालहोत्रा

(अन्तरक)

(2) उलि प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

नीलम बिल्डिंग के एक तल्ला अपार्टमेंट नं० 2 डि०  
जो 61 वी पार्क स्ट्रीट में थिन होल्डिंग नं० 207 ब्लॉक  
नं० 15 साउथ डिमिशन कलकत्ता के अन्तर्गत जो  
सक्षम प्राधिकारी (महायुक्त आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन  
रेंज 2 कलकत्ता के पाम निरियन नं० आय सि० ए० 38  
के अनुसार 21 जुलाई 1984 तारीख में निर्बंधित हुआ  
है।

एस० के० बैनर्जी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

दिनांक :- 14-3-1984

मोहर :-

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० डेरा बस्ती 12 /84-85— अतः मुझे  
जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन 11 विधा 6 बिश्वा है तथा जो  
गांव माधोपुर तहसील डेरा बस्ती में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय डेरा बस्ती में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
बाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री करनैल सिंह बराड़ पुत्र करतार सिंह  
बराड़ निवासी 320 ग्रीन लाईन लंदन एन-4  
द्वारा श्री मेहन लाल बिनडाल, डेरा बस्ती  
(अन्तरक)

(2) पै० बाबारंगी राम प्राइवेट लिमिटेड निवासी  
27 सेक्टर 5 चंडीगढ़  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन 11 विधा 6 बिश्वा गांव माधोपुर तहसील  
डेरा बस्ती (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
डेरा बस्ती के विलेख संख्या 540 माह जुलाई 1984 के  
तहत दर्ज है )

जोगिन्द्र सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज लुधियाना

दिनांक :- 11-2-1985

माहूर :-



प्रारम्भ आई.टी.एन.एस.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० डेरा बस्ती/3/84-85— अतः मुझे  
जोगिन्दर सिंह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन 8 बीघा है तथा जो गांव माधोपुर  
तहसील डेरा बस्ती में स्थित है (और इससे उपाय  
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, डेरा बस्ती में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1984  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्राधिकरण, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है कि किसी भाग को वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसे किसी भाग या किसी धन या अन्य जास्तिवों  
को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्खास्त :—

(1) श्री करनैल सिंह  
पुत्र श्री करतार सिंह निवासी  
320 ग्रीन लाइजन लंदन एन-4  
द्वारा श्री मोहन लाल बिडाल,  
डेरा बस्ती।

(अन्तरक)

(2) मै० बाबा रंगी राम प्राइवेट लिमिटेड  
निवासी 27 सैक्टर, 5  
चंडीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन 8 बीघा गांव माधोपुर तहसील डेरा बस्ती।  
(अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी,  
डेरा बस्ती के विलेख संख्या 596 माह जुलाई 1984  
के तहत दर्ज है)

जोगिन्दर सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 11-3-1985  
मोहर :

प्रत्यक्ष बाढ़, टी. एन. एन. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० डेरा बस्ती/4/84-85—अतः मुखे जोगिन्द्र  
सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन 8 बिघा है तथा गांव माधोपुर  
तहसील डेराबस्ती में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, डेरा बस्ती में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरितियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री करनैल सिंह बराड़ पुत्र श्री करतार सिंह  
बराड़ निवासी 320 ग्रीन लाइनज,  
लंदन एन- 4 द्वारा  
श्री मोहन लाल बिडाल, डेरा बस्ती ।  
(अन्तरक)

(2) मे० बाबा रंगीराम प्राइवेट लिमिटेड,  
27, सैक्टर, 5,  
चंडीगढ़,  
(अन्तरितियों)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 8 बिघा गांव माधोपुर तहसील डेरा बस्ती  
(अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
डेरा बस्ती के विलेख संख्या 616 माह जुलाई 1984  
के तहत दर्ज है)

जोगिन्द्र सिंह,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, लुधियाना

दिनांक : 11-3-1984

मोहुर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 मार्च 1985

निर्देश सं० डेरा बस्ती/5/84-85— अतः मुझे  
जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन 6 बीघा है तथा जो गांव माधोपुर  
तहसील डेरा बस्ती में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय डेरा बस्ती में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि उपापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
अन्तर्गत प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

(1) श्री हरपाल सिंह धराड़  
पुत्र श्री करतार सिंह धराड़  
निवासी 320, ग्रीन लाईनज एन 4,  
द्वारा श्री मोहन लाल बिडाल,  
डरा बस्ती।

(अन्तरक)

(2) मै० आशा रंगी राम प्राइवेट लिमिटेड,  
27 सेक्टर,  
चंडीगढ़,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 6 बीघा गांव माधोपुर तहसील डेराबस्ती  
अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी डेरा  
बस्ती के विनोद संख्या 652 माह जुलाई 1984 के तहत  
दर्ज है )

जोगिन्द्र सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 11-8-1985

मोहर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मे, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० खरड / 34 / 84-85— अतः मुझे जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सी० एफ० नं० 67 फेस V है तथा जो मोहाली तहसील खरड जिला रोपड़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खरड में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती मोहनी गुप्ता,  
पति श्री जवाहर लाल गुप्ता,  
मकान नं०-112 सैक्टर 8 ए०  
चंडीगढ़ ।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री रणवीर सिंह डिलों पुत्र श्री चानन सिंह  
2. श्रीमती परमजीत कौर पति रणवीर सिंह डिलों  
3. श्री सुखलीन सिंह पुत्र श्री रणवीर सिंह डिलों,  
4. श्री गुरलीन सिंह पुत्र श्री रणवीर सिंह डिलों  
सग निवासी, मकान नं० 137 फेस V  
मोहाली ।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एफ० सी० एफ० नं० 67 फेस V, मोहाली तहसील खरड जिला रोपड़ (अर्थात् वह जायदाद जोकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खरड के विलेख संख्या नं० 1808 माह जुलाई 1984 के तहत दर्ज है ।

जोगिन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लुधियाना

दिनांक 11-3-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11-3-1985

निदेश सं० चण्डी०/31/84-85--प्रतः मुझे, जोगन्ध सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 3109 है तथा जो सैक्टर 32-बी०  
चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक जुलाई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और ऐसे अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती जसवंत कौर पत्नी हरद्वार हरद्वार सिंह  
निवासी मकान नं० 203 सैक्टर 23 ए०,  
चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री संदीप सिंह संघा पुत्र  
श्री हरद्वार सिंह संघा  
निवासी एम० सी० ओ० नं० 58,  
सैक्टर-26, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सहस्रहस्ताक्षरी

प्लॉट नं० 3109, सैक्टर 23-डी० चण्डीगढ़ (अर्थात् वह  
जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के विसेख संख्या  
नं० 284 माह जुलाई, के तहत दर्ज है।

जोगिन्दर सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 11-3-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 मार्च 1985

निर्देश सं० लुधि०/171/84-85-अतः मूक्षे, जोगिन्दर सिंह  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० फैक्टरी बिल्डिंग नं० 21-सी० है तथा जो  
फोकल प्वाइन्ट, भण्डारी कलां लुधियाना में स्थित है (और हममें  
उत्पादक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
द्वारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधि- :—

1. मैसर्स मुंजाल सर्वटिब प्राइवेट लिमिटेड  
713 इंडस्ट्रियल एरिया बी, लुधियाना।

(अन्तरक)

2. मैसर्स गजीबा इंडस्ट्रीज, 21 सी० फोकल  
प्वाइन्ट, भण्डारी कलां, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फैक्टरी बिल्डिंग नं० 21-सी०, (म्यूनिसिपल नं० बी.-  
XXIX.793) फोकल प्वाइन्ट भण्डारी कलां, लुधियाना में  
स्थित है। (अर्थात् वह जायदाद जोकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी,  
लुधियाना के विलेख संख्या नं० 4068 माह जुलाई के तहत दर्ज है।

जोगिन्दर सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 11-3-1985  
मोहर

प्रकृष बाई. टी. एन. एस.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० खप्पा/4 ए/84-85—अतः मुझे, जोगिन्दर सिंह,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या जमीन 1 कनाल 13 मरले है तथा जो खप्पा  
जिला लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खप्पा  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक जुलाई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
वर्ग प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भुनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7-16GL/85

1. श्री मुनील कुमार पुत्र  
श्री मोहन लाल निवासी  
मकान नं० 104, वाई नं० 12, खप्पा,  
जिला लुधियाना।

(अन्तरक)

2. मैसर्स कैपिटलस्टोन अलाईड इन्वस्ट्मीज  
मलेर कोटला रोड, खप्पा कला जिला,  
लुधियाना।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित हो किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और शब्दों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन 1 कनाल 13 मरले, जो कि जिला लुधियाना  
में स्थित है।

अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकृत अधिकारी  
खप्पा के विलेख संख्या नं० 832 माम जुलाई 1984 के  
तहत दर्ज है।

जोगिन्दर सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 11-3-1985

मोहर :

प्रश्न. आई. टी. एन. एस. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 मार्च 1985

निदेश सं० ए० पी० नं० 5763—अतः मुझे जे० एल०  
गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है और जो  
जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे, यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच गये अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है कि किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
रायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
है या किया जाना चाहिए, छिपाने या सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्री राम नाथ कक्कड़, पुत्र दुर्गादास  
वासी 316—शहीद उधम सिंह नगर,  
जालन्धर।

मुक्तधार मेजर कृष्ण कुमार, तलवाड़  
पुत्र श्री दीवान चन्द।

(अन्तरक)

(2) श्री इन्द्रजीत सिंह और कवल जीत सिंह,  
पुत्र श्री हजूर सिंह,  
वासी—ईई—20, बाग करम बक्श,  
जालन्धर

मार्फत मै० हजूर सिंह एन्ड सन्स  
पंजपोर, जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करवा हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाढ़ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1587 दिनांक  
जुलाई 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा।

जे० एल० गिरधर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, जालन्धर

दिनांक : 6-3-1985

मोहर :



प्रकरण बाई-टी-एन-एल------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

## भाष्य सुरक्षा

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 मार्च 1985

निर्देश सं० ऐ० पी० नं० 5764—अतः मुझे जे०

एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मानसा में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मानसा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) अधीन तारीख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को हासिल में कमी करने या उसके बचने के विविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में विविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के अधीन :—

(1) श्रीमती परसीनी देवी,  
पत्नी श्री गणेश लाल,  
वासी गांव मुखां, चंहुलान,  
तहसील मानसा जिला भटिन्डा।

(अन्तरक)

(2) श्री रूप चन्द पुत्र काकू राम  
श्रीमती राज रानी,  
पत्नी श्री रूप चन्द  
मार्फत मै० मेडिकल हाल मानसा,  
जिला भटिन्डा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों को या किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

प्रमाण

सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 1795 दिनांक जुलाई 1984 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मानसा ने लिखा।

जे० एल० गिरधर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 6-3-1985

मोहुर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 मार्च 1985

निवेश सं० ऐ० पी० नं० 5765—अतः मुझे जे० एल०  
गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० (जैसाकि अनुसूची में लिखा है) तथा जो  
मानसा खुरख में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
मानसा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के  
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जसविन्द्र सिंह पुत्र भरपूर सिंह,  
वासी गांव मानसा खुरख,  
तहसील मानसा, जिला भटिन्डा।

(अन्तरक)

(1) श्री हरजेश्वर सिंह बाजवा,  
पुत्र श्री गुरशरण सिंह,  
चिकित्सा अधिकारी प्रथमिक सेहत केन्द्र,  
सुरसिंह, जिला अमृतसर और  
मनदीप कौर पुत्र करतार सिंह  
अब पत्नी हरजेश्वर सिंह बाजवा,  
वासी उपरोक्त श्रीर कुलवन्त सिंह चहल  
पुत्र करतार सिंह और  
करतार सिंह पुत्र गणजन सिंह  
वासी गांव उदत पेटेवाला तहसील मानसा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसने प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 1861 दिनांक जुलाई  
84 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मानसा ने लिखा।

जे० एल० गिरधर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 6-3-1985  
मोहर :

प्रकृष माह. टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 मार्च 1985

निदेश सं० ए० पी० न० 5776—अतः मुझे, जे० एल०

गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० (जैसा कि अनुसूची में लिखा है) तथा जो मोगा मेहला सिंह में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मोगा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुए किसी नाम की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को शामिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीड/बा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री आरम्भा सिंह,  
पुत्र श्री रुड सिंह,  
मलोट मंडी, जिला फरीदकोट।

(अन्तरक)

(2) श्री मन प्रीत सिंह,  
पुत्र श्री प्यारा सिंह,  
मार्फत मै० सन्ता सिंह एन्ड सन्स,  
जी० टी० रोड, मोगा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशंका—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि विलेख न० 1800 दिनांक जुलाई 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मोगा ने लिखा।

जे० एल० गिरधर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 16-3-1985

माहूर

संख्या: भार. टी. एन. एन. 1885

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 मार्च 1985

निर्देश मठ० ए० पी० नं० 5777—अतः मुझे जे० एल०  
गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सख्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० (जैसा कि अनुसूची में लिखा है) तथा  
जो मोगा मेहला सिंह में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय मोगा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908

(1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रेयमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके श्रेयमान प्रतिफल से, ऐसे श्रेयमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अंतरण से हुई किसी बात की बावत उक्त अधि-  
नियम की अधीन कर देने के अंतरक के शायिक में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था विधान में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) श्री जोगिन्द्र सिंह,  
पुत्र श्री ऊड सिंह,  
बासी भलोट मंडी, जिला फरीदकोट।

(अन्तरक)

(2) श्री पियारा सिंह,  
पुत्र श्री सन्ता सिंह,  
मार्फत श्री सन्ता सिंह एन्ड सन्त,  
जी० टी० रोड, मोगा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों की अवधि या तत्कालीन व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी  
अवधि बड़ा में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
रक्षक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 1801 दिनांक जुलाई  
1984 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मोगा ने लिखा है।

जे० एल० गिरधर  
सख्त प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज जालन्धर

दिनांक : 18-3-1985  
मोहर :

## प्रत्येक भाग टी एन एन -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 मार्च 1985

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5778—अतः मुझे जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मोगा मेहला सिंह में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय मोगा में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आम की शक्ति, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपभाग (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

2. श्री आत्मा सिंह पुत्र रुड सिंह,  
मलोट मंडी, जिला फरीदकोट।

(अन्तरक)

? 2) श्रीमती. जगीर कौर पत्नी, सन्ता सिंह,  
मार्फत मैं० सन्ता सिंह एन्ड मन्स,  
जि० टि० रोड, मोगा।

(अन्तरिती.)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तर्गत

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विशेष नं० 1802 दिनांक जुलाई 1984 को रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी मोगा ने लिखा।

जे० एल० गिरधर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 16-3-1985

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 मार्च 1985

निदेश सं० ए०पी० नं० 5779—अतः मुझे जे० एल०  
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० (जैसा कि अनुसूची में लिखा है) तथा  
जो मोगा महल सिंह में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार की अधिकारों के  
कार्यालय मोगा में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी भाग की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जोगिन्दर सिंह पुत्र रुड सिंह,  
वासी, मलोड्ड मंडी, जिला फरीदकोट।  
(अन्तरक)

(2) श्री हरप्रीत सिंह,  
पुत्र श्री पियारा सिंह,  
पु श्री पियारा सिंह  
माँ 'त'० सन्ता सिंह 'ना सन्त'  
जी० टी० रोड, मोगा।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशंका :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किसे जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1803,  
दिनांक जुलाई 1984 को रजिस्ट्रार की अधिकारी के कार्यालय  
मोगा में लिखा है।

जे० एल० गिरधर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 16-3-1985  
मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 18 मार्च 1985

निदेश सं० ए० पी० नं० 5780—प्रतः मुझे, जे० एल०  
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० (जैसा कि अनुसूची में लिखा है) तथा  
जो भटिण्डा में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में  
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख जुलाई 1894

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की राशि, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावजूद  
में कर्मी करने या उसके दायरे में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) हमें किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

8-16 GI/85

(1) श्री प्रीतम सिंह,  
पुत्र श्री ईश्वर सिंह,  
वासी भटिण्डा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुखविन्द कौर,  
पत्नी श्री अवतार सिंह,  
वासी 3007, एफ० गली नं० 11,  
अजोत रोड, भटिण्डा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में जिसका  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्राह्यताकारी को पाठ  
लिखित में किए जा सकेंगे।

सूचीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1525 दिनांक  
जुलाई 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
भटिण्डा में लिखा है

जे० एल० गिरधर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, जालन्धर

दिनांक : 18-3-1985

मोहर

प्रमुख भाई: टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 18 मार्च 1985

निर्देश सं० ऐ० पी० नं० 5781—अतः मुझे, जे० एल०  
गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सठ० (जसा कि अनुसूची में लिखा है) तथा जो भटिण्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के नियोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया, या जो किताब जमा बाहिर था, लिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्रीतम सिंह,  
पुत्र श्री ईश्वर सिंह,  
वासी भटिण्डा।

(अन्तरक)

(2) श्री जसविन्द्र सिंह,  
पुत्र श्री अवतार सिंह,  
वासी 3007, गली नं० 11,  
अजीत रोड, भटिण्डा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वादप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1526 दिनांक जुलाई 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय, अधिकारी भटिण्डा में लिखा है।

जे० एल० गिरधर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 18-3-1985  
मोहर :



प्ररूप आई.टी.एन. एस.-----

(1) श्रीमती गुरदीप कौर पत्नी प्रीतम सिंह,  
वासी बठिण्डा।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना(2) श्री अवतार सिंह पुत्र जवाला सिंह,  
वासी 3007 एफ० गली नं० 11,  
अजीत रोड, बठिण्डा।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 18 मार्च 1985

निदेश सं० ऐ० पी० नं० 5782—अतः मुझे, जे० एल०  
गिरधर,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० (जैसा कि अनुसूची में लिखा है) तथा जो  
बठिण्डा में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
बठिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16) के अधीन दिनांक जुलाई 1984को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है।—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 15 शी दिनांक  
जुलाई 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बठिण्डा ने लिखा है।जे० एल० गिरधर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक :- 18-3-1985

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भाग 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 18 मार्च 1985

निदेश सं० ए० पी० नं० 5883 -- अतः मुझे, जे०

एल० गिरधर

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० तथा जैसा की अनुसूची में लिखा है जो भठिण्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भठिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1984 को

को प्रदायक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के आयुक्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) प्रोतम सिंह पुत ईशर सिंह  
वासी भठिण्डा,

(अन्तरक)

(2) श्री प्रीतम सिंह पुत केहर सिंह,  
वासी 3007, एफ० गली नं० 11, अजीत रोड  
भठिण्डा,

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जिसकी विलेख नं० 1528 दिनांक जुलाई 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भठिण्डा, में लिखा है।

जे० एल० गिरधर

महाम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

दिनांक 18-3-1985

मोहुर

प्रत्यक्ष मार्ग: श्री. एस. एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 18 मार्च 1985

निदेश सं० ए० पी० नं० 5784— अतः मुझे, जे०

एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा की अनुसूची में लिखा है तथा  
जो मोड मण्डी, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
तलवण्डी सावो में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन दिनांक जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित कर गये हैं और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बहु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की शक्ति, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
धारित करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
मैं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन 2—

(1) श्री राम लाल पुत्र शम्भू राम,  
वासी मोड मण्डी ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कृष्णा देवी पत्नी सुरेन्द्र सिंह,  
बीणा रानी पत्नी गुर्खाचन्द्र सिंह,  
नीलम रानी पत्नी सतपाल  
सुरजीत सिंह पुत्र राम जी दास,  
वासी गोकुल वस्ती, मोडा मण्डी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नोक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वीकृति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जिस की विलेख नं० 766 दिनांक  
जुलाई 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तलवण्डी  
सावो में लिखा ।

जे० एल० गिरधर

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक :— 18-3-1985

मोहर

प्रकाशक: टी. एन. एन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 18 मार्च 1985

निवेश नं० ए० पी० नं० 5785—यतः मुझे जे० एल०  
गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो  
मोड मण्डी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
तलवन्डी सावो में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों को अर्जित है:—

(1) जनक राज पुत्र शम्भू राम,  
वासी मोड मण्डी

(अन्तरक)

(2) श्री सुरिन्द्र सिंह,  
सुखविन्द्र सिंह,  
सत पाल,  
और सुरजीत सिंह पुत्र राम जी दास  
वासी—नोकल वस्ती,  
मोड मण्डी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्धन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्धन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 767 दिनांक  
जुलाई 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी तलवन्डी सावो  
में लिखा है।

जे० एल० गिरधर

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 18-3-1985

मोहर

प्रकरण भाई टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 फरवरी 1985

निर्देश सं० एम० 963/84-85-अतः मुझे जे० पी०

हिलोरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 267 है तथा जो राबर्ट संगज गर्वी  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक 27 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उपवर्ण से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
कार्यालय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के प्रथम विधिविहित व्यक्ति को, अति

(1) राजलाल  
पुत्र श्री बनारसी दास  
307 राम नगर,  
गाजियाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री रामगोपाल  
पुत्र श्री बनारसी दास  
निवासी 303 रामनगर  
गाजियाबाद

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितग्राह्य  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रापटी नं० 267 राबर्टसगंज गर्वी पुरानी मुन्सफी  
गाजियाबाद

जय प्रकाश हिलोरी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक :- 28-2-1985  
मोहर :

प्रत्यक्ष आर्.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 फरवरी 1985

निर्देश सं० एम० 1025/84 -85—अतः मुझे जे०  
पी० हिलोरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० — है तथा जो जड़ोदा, में स्थित है (और  
इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है,  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुजफ्फरनगर, में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
11 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अनाधिक की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिणी  
(अंतरिणीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अंतरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) ईमामुद्दीन

तथा अन्य

जड़ोदा,

मुजफ्फरनगर

(अन्तरक),

(2) श्री आर के० अग्रवाल एन्ड० क०

201 सिविल लाइन मुजफ्फरनगर

श्री जगदीश राय पुत्र

श्री मोती राम

201 सिविल लाइन भोपाराउ

मुजफ्फर नगर

(3) अन्तरिणी

(अन्तरिणी)

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

नं० 1695, 1697, ग्राम जड़ोदा,  
मुजफ्फर नगर

जय प्रकाश हिलोरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 28-2-1985

मोहर

प्रथम भाग : दी. एन. ए. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 फरवरी 1985

निर्देश सं० एम-1122/84-85 — अतः मुझे, जे० पी०  
हिलोरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० — तथा जो रिठानी में स्थित है  
(और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है, रजिस्ट्रार की अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में, रजिस्ट्री  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का (16) के अधीन दिनांक  
2 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में  
शास्त्विक रूप से अधिस्त नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
कार्य में कमी करने या उससे बचने में द्विधा  
के लिए और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में  
अधिविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मेरे में उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
9-16GI/85

(1) जगदीश चन्द्र बलवन्त राय,  
राज कुमार  
श्री कस्तूरी लाल  
श्री विद्या सागर,  
पुत्र गण श्री दीनतराम  
शिवाजी रोड़,  
मेरठ।

(अन्तरक)

(2) मै० दीवार रजिस् प्रा० लि०  
रिठानी।  
मेरठ  
द्वारा श्री राज कुमार पुत्र दीनतराम  
शिवाजी रोड़  
मेरठ

(अन्तरिती)

(3) (अन्तरिती)  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

पाँच हजार गज आराजी बाके रिठानी मेरठ

जय प्रकाश हिलोरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 28 -2-1985

साहूर :

प्रत्यक्ष भाई. टी. एन्. एस्. -----

भाषाकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 फरवरी 1985

निर्देश सं० एम 1276 / 84-85-— अतः मुझे, जे०  
पी० हिलोरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० — है तथा जो मकन पुर में स्थित  
है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय दादरी में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
31 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने की अंतरक के  
वास्तव में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिनमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अंतरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार  
की, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) रघुनाथ सिंह  
पुत्र तारिक सिंह  
ग्राम मकन पुर, लोनी दादरी,  
गाजियाबाद,

(अन्तरकमे)

(2) सैनिक सहकारी आवास  
समिति लि० द्वारा  
सचिव नूतन प्रकाश त्यागी  
पुत्र श्रीम प्रकाश प्रेमी,  
नि० जी० -58 थर्ड नं० नेहरू नगर  
गाजियाबाद ।

(अन्तरित)

(3) अन्तरित

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

रकवाई 11 विधे 18 विषये गाम मकन पुर लोनी  
दादरी जिला गाजियाबाद ।

जय प्रकाश हिलोरी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक :- 27-2-1985

साह्वर :



प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर,

कानपुर, दिनांक 28 फरवरी 1985

निर्देश सं० एम० 1281/84-85—अतः मुझे, जे०  
पी० हिलोरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 80-ए है तथा जो नेशावेला रोड  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16) के अधीन दिनांक 6 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ए० से दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती शकुन्तला देवी  
पत्नी श्री एस० पी० अप्पवाल,  
305 /4-2 पटेल नगर  
देहरादून

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रम्भा त्यागी  
पत्नी श्री आर० के० त्यागी  
बी- 17 8 आवास विकास कालोनी  
सहारनपुर

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती)  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 80 - ए नेशावेला रोड, देहरादून

जे० पी० हिलोरी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, कानपुर

दिनांक :- 28-2-85

मोहुर

प्रयुक्त बार्ह. टी. एन. एच. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 फरवरी 1985

निर्देश सं० एम० 1282/84-85 —अतः मुझे, जे०  
पी० हिलोरी,

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 11/21 है तथा जो राजनगर गाजियाबाद  
में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप  
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजिया-  
बाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख 15 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कोष नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की वास्तु, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरण के समित्व  
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य वास्तुओं  
को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री डी० बी० कुमार  
आर -2 /34 राजनगर  
गाजियाबाद

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नीलीमा कुमारी  
पत्नी डी० बी० कुमार  
आर-2 /34 राजनगर  
गाजियाबाद ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती)  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिनी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सकान नं० 11/21 राजनगर गाजियाबाद

जे० पी० हिलोरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक :- 28-2-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

साहायक, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 फरवरी 1985

निर्देश सं० एम 12861/84-85---अतः मुझे, जे० पी०  
हिलोरी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० 11/212 है तथा जो राजनगर गाजियाबाद  
में स्थित है (और इसमें उपायध्व अनुसूची में और पूर्ण  
रूप में वर्णित है), राजस्वीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
गाजियाबाद में, राजस्वीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक 5 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती  
(अंतरिस्मिन्) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को चिन्ह भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या वा किन्ना जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री जिम्मी सिंह पत्नी सरूप सिंह  
69, सेक्टर 9  
चन्डीगढ़,

(अन्तरक)

(2) किसन दास पुत्र  
रमेश्वर दास  
आर 10/150 राजनगर  
गाजियाबाद

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती)  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 11/212 ब्लॉक II राजनगर, गाजियाबाद

जे० पी० हिलोरी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज कानपुर

दिनांक :— 28-2-1985

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० आय० एन 1287/84-85--

अतः मुझे जे० पी० हिलेरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जे० 89 है तथा जो पटेल नगर गाजियाबाद में  
में स्थित है और इससे उपायुक्त अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, गाजियाबाद, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 15 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की जागत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और या/

(ख) ऐसी किसी जान या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) गोपाल दास  
पुत्र श्री चेत राम  
निवासी जे-89, पटेल नगर  
गाजियाबाद

(अन्तरक)

(2) रसिक कान्त खन्डेलवाल  
पुत्र श्री प्रेम लाल खन्डेलवाल  
गिवरी जे० 49 पटेल नगर  
गाजियाबाद

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती)

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना बाड़ी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिध  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाकोष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जमाहस्ताभरों के पात  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक भूकान जिसका सं० जे० 89 जो सेक्टर नं० 7  
आवासिक कालोनी पटेल नगर गाजियाबाद में स्थित  
है।

जे० पी० हिलेरी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज कानपुर

दिनांक :— 28-2-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 फरवरी 1985

निर्देश सं० एम० 1288/84-85—अतः, मुझे, जे० पी०  
हिलोरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2/45 है तथा जो राज नगर, गाजियाबाद  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)

के अधीन दिनांक 3 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्रीमती रानी गुप्ता

पत्नी ओम प्रकाश गुप्ता,

निवासी 220, मुकुन्द नगर, गाजियाबाद

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सन्तोष कुमारी

पत्नी श्री सोरन सिंह

निवासी थाटी पुर कालोनी

ग्वानियर, मध्य प्रदेश

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

एक मकान जिसका नं० आर-2/35 जो कि राज  
नगर, गाजियाबाद में स्थित है

जे० पी० हिलोरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 28-2-1985

मोहर :

प्रत्यक्ष बत। टी. एन. एम. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 फरवरी 1985

निर्देश सं० एम० 1295/84-85—अतः मुझे, जे० पी०  
हिलोरी।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इससे  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 103 है तथा जो डासना में स्थित  
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक 9 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निर्देश में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आम की वस्तु, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाधित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) मलखान सिंह

राजाराम,

पुत्र श्री कूड़े सिंह

सदर पुर डामना

गाजियाबाद।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स हिवारिड एग्रीकल्चरल लि०

37 मेरी निकेतन माऊन्टमेरी चर्चरोड

बान्द्रा, बम्बई

द्वारा श्री मनोहर लाल टन्डन

37 मेरी निकेतन माऊन्टमेरी, चर्च रोड, बान्द्रा,

बम्बई

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

खसरा नं० 103 (रकबा छः बीघे एक बिस्वा आठ  
बिस्वंगी ग्राम डासना (गाजियाबाद)।

जे० पी० हिलोरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 28-2-1985

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 फरवरी 1985

निर्देश सं० एम-1301/84-85 —अतः मुझे, जे०  
पी० हिलोरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिनकी सं० 8-ए०-बी० है तथा जो पटेल नगर में  
स्थित है (और इससे उगावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता/अधिकारी के कार्यालय मेरठ में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक 5 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
सबसे प्रतिपात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नावत, उक्त अधि-  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक थे  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य वस्तुओं  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

10-16 GI/85

(1) श्रीमती विमला गुप्ता  
पत्नी डा० पी० पान्डे  
8-ए पटेल नगर  
मेरठ

(अन्तरक)

(2) श्री ठाकुर दाम  
पुत्र श्री रूप चन्द  
8-बी पटेल नगर,  
मेरठ

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती  
(वह व्यक्ति जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बातें:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

एम सकान सं० ए-8-बी पटेल नगर मेरठ।

जे० पी० हिलोरी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज कानपुर

दिनांक 28-2-1985

मोहर :

प्रमाण आदेश, सी. एस. एम. 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर,

कानपुर, दिनांक 28 फरवरी 1985

निर्देश नं० एम-1307/84-85-प्रतः मुझे, जे० पी० हिलोरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन मुख्य प्राधिकारी को यह सूचना देने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ए-44 है तथा जो डिफेंस कालोनी में स्थित है (और इसमें कपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक, 7 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिक (अन्तरिक) के बीच ऐसे अंतरण के लिए उचित धारा प्रदात प्रतिफल, विस्तारित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है--

(क) अंतरण से हुई सभी धन की वास्तविक, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित प्रयोग प्रकट नहीं किया गया या या किन्हीं राजस्व बाह्य के दायित्व से सुविधा के लिए,

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) कर्तव्य जे० बागची

जी-11, जी० आ० ए०

विमस वे केम्प

नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमति सविता गुप्ता पत्नी डा० एम० प्रकाश

मिश्रन गम्भाउरड,

मेरठ

(अन्तरक)

(3) अन्तरिक

(यह व्यक्ति जिसके आधे भाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

यह सम्पत्ति के अर्जन में अन्तरक का कोई भी आधे भाग

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 42 दिनों के अन्तर में या उसके बाद की तारीख पर सूचना की तारीख से 30 दिनों के अन्तर में जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 42 दिनों के अन्तर में या उसके बाद की तारीख पर सूचना की तारीख से 30 दिनों के अन्तर में जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फाट नं० ए-44 डिफेंस कालोनी, मेरठ।

जय प्रकाश हिलोरी  
मुख्य प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, कानपुर

दिनांक : 28-2-1985

मोहर :



प्रकृष बाई.टी.एन.एल.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 फरवरी 1985

निर्देश सं० एम० 1314/84-85—अतः, मुझे, जे०  
पी० हिलोरी,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 74 है तथा जो नार्थ पटेल नगर में स्थित  
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1909 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
31 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के  
दृष्टिकोण से कभी करने या उसके बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, बिना भारतीय भाषा-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भाषा-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोक्तार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहीए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित :—

(1) विजय कुमार सोधी  
186 भापर नगर मेरठ

(अन्तरक)

(2) श्री रामकरण मेहता  
पटेल नगर  
मेरठ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

मकान नं० 74 उत्तरी पटेल नगर, मेरठ।

जे० पी० हिलोरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक :- 28-2-1985

मोहर :-

प्रश्न नम्बर टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 फरवरी 1985

निर्देश सं० एम-1315/84-85--अतः, मुझे, जे० पी० हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 27 है तथा जो छत्ता अन्नतराम में स्थित है (और इससे उपानद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28 जुलाई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है--

(क) अन्तरण से कुछ किसी बात की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के दायित्व में कमी करने या उसके चुकने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्नाट--

(1) हाजी मकसूद अली  
छत्ता अन्नतराम  
मेरठ।

(अन्तरक)

(1) श्री अब्दुल बहाव पुत्र  
श्री अब्दुल कयूम साबुन गोदाम  
मेरठ

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाही करना है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनसूची

1/2 हिस्सा प्लॉट नं० 27 छत्ता अन्नतराम मेरठ।

जय प्रकाश हिलोरी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर,

दिनांक :- 28-2-1984  
मोहर :-

प्रकट नम्बर, टी. एन. एच.-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 फरवरी 1985

निर्देश सं० एम० 1319/84-85—अतः मुझे, जे० पी०  
हिलोरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ०-29 से०-6 है तथा जो नोयेडा  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय,  
नोयेडा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख 1-8-1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमें यह विश्वास  
करने का कारण है कि सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का बड़ा  
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है—

(क) कर्तव्य त है कि किसी आय की वास्तविक व्यवमान  
प्रतिफल के अधीन कर देने के अन्तर्गत के  
अधिकार को कम करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
है, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित धारितियों, बयानों :—

1. श्री निर्मल शर्मा

(अन्तरक)

2. मै० भवेन्दरी इन्डिया (प्रा०) लि०,  
411-मेषदूत बिल्डिंग्स,  
94-नेहरू प्लेस,  
नई दिल्ली-191

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में  
सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के साथ  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

प्रतिसूची

प्लेट नं० एफ-29—सेक० 6 नोयेडा।

जे० पी० हिलोरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, कानपुर

तारीख: 28-2-1985

माहुर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 फरवरी 1985

निर्देश सं० एम० 1320/84-85-अतः मुझे, जे०  
पी० हिलारी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ए-19, सेक्टर-III है तथा जो नोयेडा  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय,  
नोयेडा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 31-7-84

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण यह है कि किसी आय का वास्तविक दृश्यमान आय-  
निर्वाह की मधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिबो  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए या विज्ञापन में प्रकाशित  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री० पूर्णेश्वर (इन्डिया) प्रा० लि०,  
ए-19-सेक्टर III,  
नोयेडा द्वारा अब्दुल मेसन,  
ए-19-सेक्टर-III,  
नोयेडा।

(अन्तरक)

2. श्री गंगा राम हास्टिंग (प्रा०) लि०,  
ब्राग श्याम सुन्दर,  
3108, बहादुर गढ़ रोड,  
दिल्ली-6।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्णता सम्पत्ति के अर्जन के लिये  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधाएं :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
वर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पाठ लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० ए-19, सेक्टर III, नोयेडा, गाजियाबाद।

जय प्रकाश हिलोरी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख: 28-2-1985

सांहर :

प्रकाश बाई, टी. एन. एल.

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 फरवरी 1985

निर्देश सं० 1321/84-85—अतः मुझे, जे० पी०  
हिलोरी,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा  
269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डी-15, से० II है तथा जो नोयेडा  
में स्थित है (और इससे उपायव्य अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नोयेडा  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 12-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके अद्यतन प्रतिफल से, ऐसे अद्यतन प्रतिफल का पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसमें गड़बड़ में सुविधा  
से निम्न और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिनमें भारतीय मायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
द्वारा अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री विजय कुमार वर्मान,  
एवं श्रीमती कामिनी वर्मान,  
144/74, करोल बाग,  
दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मै० दिल्ली टैलर्स प्रा० लि०,  
करोलबाग,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना में राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वभाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकते हैं।

लक्ष्योक्तः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

प्लेट नं० डी-15 सेक्टर II, नोयेडा, गाजियाबाद।

जय प्रकाश हिलोरी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 28-2-1985  
घोहर

उक्त भाग टी. एन. एफ.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

**प्राप्त सूचना**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 फरवरी 1985

निर्देश सं० एम०-1322/84-85—अतः मुझे,  
जे० पी० हिलोरी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शीला काटेज है तथा जो हाथीपाव मसूरी  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मसूरी  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 10-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल से कम के व्यवमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
इसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का पन्ध्र  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निश्चित में  
सांख्यिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक है हुए किसी भाग की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन धार होने के अन्तरक के  
संयोजन में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री देवगज गुप्ता  
शीला काटेज,  
मसूरी, देहरादून।

(अन्तरक)

2. श्रीमती प्रभा गुप्ता,  
पत्नी श्री मूलचन्द  
श्रीमती शीला गुप्ता—  
पत्नी श्री मुर्धार गुप्ता,  
तथा अन्य,  
निरंजनपुर, केन्द्रीय दून,  
देहरादून।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बचन के सम्बन्ध में कोई भी आशयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसने प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

शीला काटेज, हाथी पांव, मसूरी, देहरादून।

जे० पी० हिलोरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीखः 28-2-1985

मोहरः

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 फरवरी 1985

निर्देश सं० एम-1330/84-85—अतः मुझे, जे० पी०  
हिलोरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 4/215 है तथा जो देहरादून में स्थित  
है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 24-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

11-1 6GI/85

1. श्रीमती शारदा रानी

पत्नी श्री आनन्द प्रकाश गुप्ता  
30 सां, सेवक आश्रम रोड,  
देहरादून।

(अन्तरक)

2. श्री अशोक कुमार कंसल

1/17, जे० पी० पी० डी० स्कीम,  
समीप, इरला मस्जिद,  
बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि के बाद में सम्पन्न होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 4/2/5, सीमेंट रोड, देहरादून।

जय प्रकाश हिलोरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 28-2-1985

माहूर :

प्रमाण वाही टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 260 थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायान्वय मन्त्रायक आधकार कालात्त निरोक्षण ।

अर्जन गैज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 फरवरी, 1985

निर्देश सं० एम० 1332/84-85—अतः मन्त्रे, जे०  
पी० हिलोरी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख में यहीन सक्षम पाधिकर्ता को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० शशीपुर, रुड़की है तथा जो रुड़की में स्थित है (ग्रौर इससे उपांबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रुड़की में, रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-7-1984

का पूर्ववर्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यूनो यह निवेदन करने का कारण है कि यथापूर्ववर्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतराल (अंतरकों) और संश्लेषी बाजारियों के दृश्यमान प्रतिफल का प्रभाव प्रतीकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधिगत है बाजारियों रूप से अधिक नहीं किया गया है

(क) १. १९५५-५६ में १०० करोड़ रुपये का बजट  
२. १९५६-५७ में १०० करोड़ रुपये का बजट  
३. १९५७-५८ में १०० करोड़ रुपये का बजट  
४. १९५८-५९ में १०० करोड़ रुपये का बजट  
५. १९५९-६० में १०० करोड़ रुपये का बजट

(अ) कौसी परियोजना का क्या किसी भी जो अन्य अभियानों को, जिन्हें भारतीय सरकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का तहत अधिनियम, 1957 (1957 का 7) के तहत 1957 अधिनियम प्रमाण नहीं दिया गया है। विषयगत कार्य का विवरण के विषय के लिए:

सतः बब, जस्ता अभिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) में, जस्ता अभिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) की प्रतीति, निर्देशित व्यक्ति। अधिनियम :-

1. श्रीमती। मुकुन्दर कौर  
पत्नी श्री स्व० जी० किसन सिंह,  
मो०, राजपूतान,  
पूर्वी रुड़की,  
सहारनपुर।

2. श्रीमती शुषमा अग्रवाल,  
पत्नी श्री वी० के० अग्रवाल,  
6/2, चन्द्रपुरी,  
रुड़की।  
श्रीमती ललिता गुप्ता  
पत्नी श्री आनन्द प्रकाश गुप्ता,  
लकनऊ,  
महाराजपुर।

(अन्तरिती)

### 3. अन्तर्गतः

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह प्रमाण और प्रत्यक्ष साक्ष्य अस्पष्टि के अर्थों के लिए मार्गदर्शक करता है।

सर्वतः सर्वत्र ही सत्य ही सर्वत्र ही काहेची भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना को राज्यपाल को प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्पश्चात् की व्यतिरिक्त वस सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि कम हो, अवश्य जारी करनी होगी। इस अवधि के अंतर्गत सूचना को प्रकाशित करने के लिए प्रकाशक को सूचना के प्रकाशन के लिए आवश्यक सभी व्यय भुगतान करने के लिए उत्तरदायी होगा।

(ग) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन में पीछे एक स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास मिलान्त में किया जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अनुच्छेद 20-क में परिभाषित हैं, इसमें दिये जा सकने वाले अर्थों में प्रयुक्त हैं।

बसस भूमे

प्लॉट (22120 स्क्वा. फिट) ग्राम शर्मापुर, रुड़की

जय प्रकाश हिलोरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर)

तारीख : 28-2-1985

माहर :



प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कासपुर, दिनांक 28 फरवरी 1985

निर्देश सं० एम-1343/84-85—अतः मुझे, जे पी०  
हिलोरी,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, मेरे विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो दिल्ली रोड, मेरठ में स्थित है  
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 23-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित रूप में  
विक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय का दावद उस अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व से  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और या/

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
इशारेनाम अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अनुज गुप्ता,  
राजीव गुप्ता,  
संजीव गुप्ता,  
पुत्र श्री दामोदर दास  
आदर्श नगर,  
मेरठ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती अंगूरी देवी  
पत्नी श्री गोपीचन्द माहेश्वरी,  
बी-16, शम्भूनगर,  
मेरठ।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लेट (789 वर्गज) दिल्ली रोड, मेरठ।

जय प्रकाश हिलोरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 28-2-1985

मोहर :

प्रारूप भाग, टी. एन. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय: सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 फरवरी 1985

निदेश सं० एम-1344/84-85—अतः मुझे, जे०  
पी० हिलोरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० 68-ए, है तथा जो साकेत, मेरठ में स्थित  
है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय, मेरठ में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 21-7-84

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बन्धु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व को  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
जहाँ/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिमों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-  
र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
भा या किया गया बाणिज्य या, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राकेश

पुत्र श्री मदन मोहन,  
निशाकान प्रेस,  
बेगम ब्रिज,  
मेरठ।

(अन्तरक)

2. श्री दीवान रबर इण्डस्ट्रीज,  
पो० बाक्स नं० 143,  
रिठानी, द्वारा—  
श्री बी० एस० दीवान,  
डायरेक्टर,  
मेरठ।

प्रा० लि०,

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग  
सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त उक्तों के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक मकान 68-ए, साकेत, मेरठ।

जय प्रकाश हिलोरी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 27-2-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 फरवरी 1985

निदेश सं० एम-1345/84-85--अतः मुझे, जे० पी०  
हिलोरी,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 58, 62/3, 62/1 है तथा जो माखा  
सहारनपुर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
सहारनपुर में, रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 6-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अन्तरिती  
(अन्तरिचितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त  
अधिनियम की अधीन कर देने की अन्तरक की  
वास्तविक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री पाहुमल  
श्री गोवर्धनदास  
और अन्य,  
ग्राम---माखा, पो० बेहर,  
सहारनपुर।

(अन्तरक)

2. श्री कालूराम  
पुत्र श्री राम सिंह  
2, गौतम नगर,  
नई दिल्ली-49।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सं० 58, 62/3, 62/1, ग्राम माखा, परगना कंजाबाद  
सहारनपुर।

जय प्रकाश हिलोरी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 28-2-1985

मोहर :

प्रकृष्ट आई.टी.एस.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 फरवरी 1985

निदेश सं० एम-1348/84-85--अतः मुझे,  
जे० पी० हिलोरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ग के अधीन गक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० एफ०-133 है तथा जो नेहरू नगर,  
में स्थित है (और जो राजपत्र अधिसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), राजपत्र की अधिसूची के कार्यालय, राजिया-  
बाद में, राजपत्रावली अधिसूची, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 23-7-1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से मुझे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरण) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के अधीन ऐसे अन्तरण के लिए तो पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित सूचक से उक्त अन्तरण लिखित  
के वास्तविक रूप से अधिक होने का प्रमाण है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का दाख उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर राज के अन्तरण के वास्तविक रूप से  
कमी करने या उससे अधिक में सूचना के लिए  
आर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अधीनस्थ अन्तरण के अन्तर्गत सूचना के लिए दिया गया  
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्याख्या, अर्थात् :-

1. श्रीमती गरमजीत स्थाल  
पत्नी श्री बी० ए० स्थाल  
7, बेलमास फोर्ड,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती नीता गर्ग  
पत्नी श्री महेश चन्द्र गर्ग,  
252, चण्डीताल,  
राजियाबाद।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए  
आय दाखना किया गया है।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि के अन्तर्गत व्यक्ति पर सूचना  
का दाखना या सूचना के अन्तर्गत, या भी, अन्तर्गत  
का से प्रकाशित नहीं हुई, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के अन्तर्गत सूचना के अन्तर्गत या हित-  
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
द्वारा प्रकाशित या सूचना के अन्तर्गत।

स्पष्टीकरण:- इसका प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, बहुत बड़ा है जो इस अध्याय में दिया  
गया है।

मनुष्य

म० नं० सेन्ड एफ०-133, नेहरू नगर, राजियाबाद

जय प्रकाश हिलोरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 28-2-1985

मोहर



प्रकृष भाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 फरवरी 1985

निवेदन सं० एम०-1353/84-85-अतः मुझे,

जे० पी० हिलोरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खेती है तथा जो हबीबपुर में स्थित है  
(और इससे उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिपति के कार्यालय, दादरी में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
23-7-84

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
रजिस्ट्रीकृत किया गया है अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ए० दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री विजय कुमार

पुत्र श्री सत्यपाल,  
निवासी-बी 12/433,  
टैगोर इस्टेट,  
बरनाला,  
हरियाणा।

2. मै० लोक प्रिय सहकारी आवास समिति,  
सी-43 डिफेंस कालोनी,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

खेती जो कि हबीबपुर तह० दादरी में स्थित है।

जय प्रकाश हिलोरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, कानपुर

तारीख : 28-2-1985

मोहर :

प्रकृष बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 फरवरी 1985

निदेश सं० एम० 1354/84-85—अतः सुधे, जे० पी०

हिलोरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 14-9-16/3/6-10 है तथा जो हदीमुकद  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दादरी  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 23-7-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसकी ह्यमान प्रतिफल से, ऐसे ह्यमान प्रतिफल का  
संग्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधिक के वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के  
बागितल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी भन या अन्य वास्तिक  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
12-16 GI/85

1. श्री पवन कुमार,  
पुत्र श्री सत्यपाल,  
बी-12/433,  
टंगोर स्टेट,  
बरनाला,  
हरियाणा।

(अन्तरक)

2. म० लोक प्रिय सहकारी आवास समिति लि०,  
सी०-43 डिफेंस कालोनी,  
डी० डी० ए० थापिंग कामप्लीक्स,  
नई दिल्ली,  
द्वारा ए० के० गुप्ता, सेक्रेटरी

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में  
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए  
कार्यवाहियां कराया है।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाकोब:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

नं० 14-9-16 3/7-1/2 भाग

3-6-10 2/2-1/6 भाग

हदीमुकद स्थित दादरी।

जय प्रकाश हिलोरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख: 28-2-1985

मोहर:

प्रकृष भाई टी. एन. एस

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, वानपुर

कानपुर, दिनांक 27 फरवरी 1985

निर्देश सं० एम-1361/84-85-अतः मुझे, जे० पी०  
हिलोरी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके अध्याय 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ए-13 है तथा जो कवि नगर गाजियाबाद  
में स्थित है (और इसमें उगावड़ अतुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत अधिवारी के कार्यालय, गाजियाबाद  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 23-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप में बांँधत नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
बाधित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. श्रीमती अंगूरी देवी  
पत्नी स्व० करतार सिंह,  
दि०-19/5 लाल क्वार्टर,  
गाजियाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री परमात्मा शरन  
पुत्र स्व० लाला रेवती शरन,  
नि० रेलवे रोड,  
बाजारिया,  
गाजियाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त भायकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भवन नं० के० ए० 13, कवि नगर, गाजियाबाद।

जय प्रकाश हिलोरी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, वानपुर

तारीख : 27-2-1985

माहुर :



प्रथम भाग: टी. एन. एच. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 फरवरी 1985

निदेश सं० एम० 1362-ए/84-85—अतः मुझे, जे० पी० हिलोरी,

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० — है तथा जो देवबंद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिवारी के कार्यालय, देवबंद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में दर्ज नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जमशेद अली

मोह० बडयाऊल हक,

देवबंद,

सहारनपुर।

(अन्तरक)

2. श्री मुखतार अली,

मो० अब्दुल हक,

देवबंद,

सहारनपुर।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसका अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

एक मकान कस्बा देवबंद सहारनपुर (क्षेत्रफल 245.34 वर्ग मीटर)।

जय प्रकाश हिलोरी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, कानपुर

तारीख: 28-2-1985

मोहर:

**प्रथम भाग टी.एच.एच.**

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
269-ब (1) में बर्षीय सूचना

**भारत सरकार****सहायक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जुन रंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 फरवरी 1985

निदेश सं० एम०-1362/84-85-अतः मुझे, जे०  
पी० हिलोरी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 53 है, तथा जो नेहरू नगर, गाजियाबाद  
में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजिया-  
बाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 11-7-84

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के  
बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी नाम की वास्त, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
बाहिर में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए बार/बा

(ख) ऐसी किसी नाम या किसी धन या वस्तु वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० सरकारी मेटलस,  
पेटेट मार्ग,  
गाजियाबाद  
द्वारा सामिनाथ  
पुत्र श्री नन्द लाल अपि,  
गाजियाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री भानू प्रकाश  
पुत्र श्री परमानन्द  
ग्रा० वैर ता० प्र० सिकन्दराबाद,  
जि० बुलन्दशहर।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

प्लॉट नं० 53 ब्लॉक बी० सेक्टर 3 नेहरू नगर,  
गाजियाबाद।

जय प्रकाश हिलोरी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, कानपुर

तारीख : 27-2-1985

मोहर

प्रत्येक भाग में दो प्रतियाँ होंगी

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 फरवरी 1985

निदेश सं० एम-1368/84-85—अतः मुझे, जे० पी०  
हिलोरी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 5/8, 4/10 है तथा जो भूपतनाला,  
ज्वालापुर में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिवारी के कार्यालय,  
हरिद्वार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 14-8-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का  
प्रत्येक प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब बाधा नया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निहित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाधा की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उक्त अन्तरण में सुविधा के लिए;  
बाँट/बा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री स्वामी शान्ता नन्द,  
जगदीश आश्रम,  
खड़खड़ी,  
हरिद्वार।

(अन्तरक)

2. श्री सुधीर कुमार गुप्ता।  
श्रीमती सन्तोष गुप्ता,  
श्रीमती कमलेश रानी,  
मोह० लाटो वाली,  
कनखल।  
श्री जितेश चन्द जैन,  
उमेशचन्द जैन,  
श्री रोशनलाल  
18, रानीपुर मोड़,  
हरिद्वार।  
तथा अन्य।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में  
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बन्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि खसरा न० 4/8, 4/10, भूपतनाला कला, ज्वाला-  
पुर, हरिद्वार।

जय प्रकाश हिलोरी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 28-2-1985  
मोहर :

प्रकृष माह. टी. एन. एस. -----

भाष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 फरवरी 1985

निदेश सं० एम-1369-ए०/84-85-अतः मुझे, जे०  
पी० हिलोरी,

भाष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 340 है, तथा जो कैलागढ़ रोड़ में स्थित  
है (और इससे उपायद्वय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 23 8-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके द्यमान प्रतिफल से ऐसे द्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वजह, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाधित में करी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तविकता  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एस० एन० सिन्हा,  
40 मधु गंज,  
देहरादून।

(अन्तरक)

2. श्रीमती जितेंद्र पीटर  
पत्नी श्री जेम्स पीटर  
340, कैलागढ़ रोड़,  
देहरादून।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बालोब :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकारण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति सं० 340 कैलागढ़ रोड़, देहरादून।

जय प्रकाश हिलोरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 28-2-1985

मोहर

प्ररूप माई. टी. एन. एस. ....

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (4) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 फरवरी 1985

निदेश सं० एम-1371/84-85—अनः मुझे, जे० पी०  
हिलोरी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 145 है, तथा बनखन्डी ग्राम में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिवारी के कार्यालय, देहरादून में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 31-8-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और  
अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्सरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राज किशन शर्मा  
145, बनखन्डी ग्राम,  
ऋषि केश,  
देहरादून।

(अन्तरक)

2. श्री सुरेन्द्र कुमार मंडी,  
17 तिलक मार्ग,  
ऋषि केश,  
देहरादून।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

संपत्ति सं० 145—बनखन्डी ग्राम, ऋषिकेश, देहरादून।

जय प्रकाश हिलोरी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 28-2-1985

मोहर :

प्रमुख बाई. टी. एन. एस. - - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बान्पुर

कानपुर, दिनांक 28 फरवरी 1985

निवेदन सं० एम-1372/84-85--अतः मुझे, जे० पी०  
हिलोरी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 15/28/2 हेमकुन्ज कालोनी है तथा जो  
बल्लारपुर रोड में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, देहरादून में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-8-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
कार्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री लालिम राय खन्ना  
39/7, टैगोर कालोनी,  
देहरादून।  
व अन्य।

(अन्तरक)

2. श्री मोहनन्दर सिंह आनन्द  
12/424 निरमल नगर,  
खेरवाड़ी,  
बोन्दा ईस्ट,  
बाम्बे-400051।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में  
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के साथ  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

संपत्ति सं० 15/ 28/2 बल्लारपुर रोड [(हेम कुन्ज  
कालोनी) चक्राता रोड, देहरादून]

जय प्रकाश हिलोरी

सहायक आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 28-2-1985

मोहर:

रक्षक आर्. टी. एन. एम. . . . .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

शरम सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 फरवरी 1985

निदेश सं० एम-1373/84-85—अतः मुझे, जे० पी०  
हिलोरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1000/2 है तथा जो सेन्ट्रल होप टाउन  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, देहरादून  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 17-8-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतराकर्ता) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वापस, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वापस में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्य-कृत  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रयुक्त करने किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

13-16GI/85

1. श्री मैनूदीन,  
पुत्र श्री मो० यामीन  
(2) श्री असलम  
पुत्र मो० यामीन  
ग्राम सेन्ट्रल होप टाउन,  
देहरादून।

(अन्तरक)

2. मै० त्यागी एल० पी० जी० वाल्वस एण्ड रेगुलेटर्स  
(प्रा०) लि०,

3 किरन इन्क्लेव,  
माडल टाउन,  
गाजियाबाद  
द्वारा श्री० एन० पी० एस० त्यागी,  
सी०-37, डिफेंस कालोनी,  
मेरठ।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
आवश्यकता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अधिक अवधि समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

खसरा नं० 1000/2 (रकबा 82 एकड़)

नं० 1001 (रकबा 2.29 एकड़)

ग्राम—सेन्ट्रल होप टाउन, देहरादून।

जय प्रकाश हिलोरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 28-2-85

माहुर

परूप आई.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 फरवरी 1985

निदेश सं० एम०-1374/84-85—अतः मुझे, जे०

पी० हिलोरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 154/3 है तथा जो राजपुर रोड में स्थित  
है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 15-8-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मूल्य यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उक्तके दृश्यमान प्रतिफल के ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निर्दिष्ट में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एन० एन० बंजी,  
154/3, राजपुर रोड,  
देहरादून।

(अन्तरक)

2. डा० उपा बृध आर्या,  
74/17, राजपुर रोड,  
देहरादून

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सं० नं० 154/3 राजपुर रोड, देहरादून।

जय प्रकाश हिलोरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 28-2-1985

मोहर:



प्ररूप आर्.टी.एन.एस.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 फरवरी 1985

निदेश सं० एम-1376/84-85—अतः मुझे, जे० पी०  
हिलोरी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बी०-32, सेक्टर 7 है तथा जो सूर्यनगर  
में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दादरी  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 23-8-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
कारण का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एने दृश्यमान प्रतिफल के  
बहुत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए सब  
प्राप्त तथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निमित्त में दारुणिक रूप से अभिष्ट नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व से कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. लेफ्टि० हरेन्द्र सिंह,  
एस० आई०/742;  
आर० के० पुरम,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती इंदिरा नरुला,  
18/9, पश्चिमी पटेल नगर,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिभोगकारी के पास  
निहित में किया जा सके।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति सं० बी०-32 सेक्टर 7 सूर्यनगर, दादरी,  
गाजियाबाद।

जय प्रकाश हिलोरी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 28-2-1985  
मोहर :

प्रकरण बाई.टी.एन.एफ.:-

भाषांतर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 फरवरी 1985

निदेश सं० एम०-1378/84-85—अतः मुझे जे०

पी० हिलोरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवेक करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 32212 है तथा जो सेन्ट्रल होप टाउन में  
स्थित है (और इसमें उपोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 2-8-84

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चदश प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरक में हुई किसी बात की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
द्वारिक में कमी करने या उक्त बचत में सुविधा  
की विधि; और/वा

(ख) एही किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाता चाहिए या छिपाने में  
सुविधा की विधि;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की, अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्री शाहीर हुसैन,  
यासीन, पुढगण  
श्री इब्राहीम,  
सेला कुई,  
देहरादून।

(अन्तरक)

2. मै० इण्डियन एड० पी जी० लेन्डर्स लि०  
11-चान्द मार्केट,  
4762/63, होजकाजी,  
नई दिल्ली

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तव्य :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खसरा नं० 32212 सेन्ट्रल होप टाउन देहरादून।

जय प्रकाश हिलोरी

सक्षम प्राधिकारी

-सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज कानपुर

तारीख : 28-2-1985

मोहर :

प्रमाण भाई.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 फरवरी 1985

निदेश सं० एम०-1380/84-85—अतः मुझे, जे०  
पी० हिलोरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को यह निवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 5-ए, बेलहम लेन है तथा जो लक्ष्मी रोड़  
देहरादून में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 10-8-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई  
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुए किसी भी आय की वसूल, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वाशित्व में कमी करने या उक्त करने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सूपनंदर सिंह,  
श्री जसवंत सिंह,  
तथा अय,  
दुग्गल बिजा,  
डिम्मा रोड़,  
मान्गो, जमशेदपुर।

(अन्तरक)

2. बेलहम स्वायज स्कूल,  
सरकुलर रोड़,  
देहरादून।  
द्वारा—श्री एम० के० कन्धारी,  
प्रिन्सिपल।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि; जो भी  
बराबर बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों के या किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अनौद्देशिकरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें पूर्वोक्त हस्तों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि नं० 5-ए, (3 40 बीघा) जो कि बेलहम लेन,  
लक्ष्मी रोड़, देहरादून में स्थित है।

जय प्रकाश हिलोरी  
सूक्ष्म प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 28-2-1985

मोहर :

प्रकृत बाई. टी. एम. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 फरवरी 1985

निदेश सं० एम०-1408/84-85— मुझे जे०

पी० हिलोरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सख्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० 9/231 है तथा जो ब्लॉक 9 नया  
राजनगर में स्थित है (और इसमें उपाय अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार/कर्ता अधिकारी के कार्यालय  
गाजियाबाद में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख 17-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की इष्टमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
इसके इष्टमान प्रतिफल से, ऐसे इष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री आर० पी० बक्शी,  
301, बाउन्ड्री रोड, मेरठ।

(अन्तरक)

(2) श्री गंगाराम शर्मा, राजीव शर्मा,  
श्री सुनीता शर्मा, संदीप शर्मा,  
99, साकेत, मेरठ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग  
में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कर्मवाह्यता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण है—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 9/231, ब्लॉक 9, राज नगर (कालोनी)  
गाजियाबाद।

जय प्रकाश हिलोरी  
सख्त प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज-4 कानपुर

तारीख : 28-2-1985

माहेंड

राजपत्र, वी. ए. ए. 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 फरवरी 1985

निदेश सं० एजम-1416/84-85—अतः मुझे जे०

पी० हिलोरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० 45 है तथा जो सरस्वती सोनी मार्ग  
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख 14-8-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के कम्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके कम्यमान प्रतिफल से, ऐसे कम्यमान प्रतिफल का पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या  
किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री विरूप सिंह,  
पुत्र श्री उधम सिंह,  
45, सरस्वती सोनी मार्ग,  
देहरादून।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नीलम विनायक,  
पत्नी श्री रामेश कुमार,  
32, ई- टगोर नगर,  
लुधियाना।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अवसुची

म० नं० 45 सरस्वती सोनी मार्ग देहरादून।

जे० पी० हिलोरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 28-2-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 मार्च 1985

निदेश सं० के० 187/84-85—अतः मुझे जे० पी०

हिलोरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 319 आदि है तथा जो सतवारी कानपुर  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 17-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिगण्यो) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आब की जाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिबों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना आक्षिप्त था, छिपाने में सक्षमता  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिस्तः—

(1) श्री मुन्दर लाल डाबुहवा  
ग्राम रसिया भागवन्त,  
जिला कानपुर।

(अन्तरक)

(2) टीजर्स हाउसिंग को-ओपरेटिव सोसायटी  
77/1, हालसी रोड़,  
कानपुर।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)

(4) क्रेतागण।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधो-  
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति  
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

खेत स्थित सतवारी जिला कानपुर।

जे० पी० हिलोरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 6-3-1985

मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.इत.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 मार्च 1985

निदेश सं० के-186-84-85—अतः मुझे जे० पी०

हिलोरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 230 से 232 है तथा जो देहली मुलतानपुर  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख 17-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि तथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों और अंत-  
स्ति (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निर्मानित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) एसी किसी आब या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किता जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्ग  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

14—16 G/183

(1) राम किशन पुत्र मंजरी आदि  
नि० ग्राम दहिया,  
तहः व जिला कानपुर।

(अन्तरक)

(2) टीचर्स हाउसिंग सोसायटी  
77/1, हालसी रोड,  
कानपुर।

(3) क्रेतागण।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) क्रेतागण।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में सहितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेन स्थित देहली मुजानपुर जिला कानपुर।

जे० पी० हिलोरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 6-3-1985

मोहर :

प्रकट, भाई, टी. एन. एच. -----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 मार्च 1985

निदेश सं० के-224/84-85-अत मुझे जे० पी०  
हिलोरी

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके बजाय 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाषा  
269-ब के अधीन इसमें प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 657, 661, आदि है तथा जो देहली  
सुजानपुर में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय  
कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
का 16) के अधीन तारीख 7 7-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम को व्यवमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का बन्धु  
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उक्त भाषा का  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भाषा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की भाषा 269-ब की उपभाषा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

- (1) श्री छांट लाल पुत्र कन्हई  
निवासी देहली सुजानपुर,  
जिला कानपुर।
- (2) आदर्श को-ओपरेटिव हाउसिंग सोसायटी  
गांधी ग्राम, कानपुर।
- (3) क्रेतागण

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में  
सम्पत्ति है)

क्रेतागण

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधो-  
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति  
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अधिक अवधि में समाप्त होती हो, में भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
रहित किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपण :- इसमें प्रकट शब्दों और वचनों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

लेख स्थित देहली सुजानपुर जिला कानपुर।

जे० पी० हिलोरी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 6-3-1985

सोहर :



प्रकृष आर्.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 13 मार्च 1985

निदेश सं० के-236/84-85—अतः मुझे, जे० पी० हिलोरी,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० 385 है तथा जो कानपुर में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिवारी के कार्यालय कानपुर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
13-8-1984

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी क्रय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री गंगादीन,  
नि० रामादेवी चौराहा,  
हरेजेंद्र नगर, कानपुर। (अन्तरक)
- (2) सजारी सहकारी भावास समिति लि०  
द्वारा सचिव सुधीरसिंह,  
104/ए/4, रामबाग,  
कानपुर। (अन्तरितो)

3. क्रेतागण।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) क्रेता।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधो-  
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति  
में हितबद्ध है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

भाराजी नं० 385 रुकवा 2 बीघा 12 बिस्वा ग्राम  
टटिया मनाऊ कानपुर।

जे० पी० हिलोरी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, कानपुर

दिनांक : 13-3-1985

मोहर :

प्रथम भाग टी. एन. एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 13 मार्च 1985

निदेश सं० एम०-212/84-85--अतः मुझे जे० पी० हिलोरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन वकाम प्राधिकारी को, यह विव्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 7/117 है तथा जो स्वरूप नगर में स्थित है (और इसमें उल्लेख अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के लिये प्रतिकूल प्रतिफल के लिए बन्दारिह की गई है और मुझे यह विव्वात करने का कारण है कि वधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्तके लियेमान प्रतिफल से, ऐसे लियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निहित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी बाव की वजह, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के कविरण में कमी करने या उक्त करने में सुविधा के लिए, और/वा

(ख) ऐसी किसी बाव या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती के० एस० रेडे सिनफ, श्रीमती ओ० फेर एवं अन्य

7/118, स्वरूप नगर, कानपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री घनश्याम तिवारी,

7/117, स्वरूप नगर कानपुर।

(अन्तरिती)

(3) केता।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

(4) केता।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अग्रो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट सं० 80 (संक्रान्त सं० 7/118) स्वरूप नगर कानपुर।

जे० पी० हिलोरी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 13-3-1985

मोहर :

प्रमुख आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रैज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 मार्च 1985

निर्देश सं० नं० 1280/84-85-अ. ग. जे० पी  
हिलोरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 678 है तथा जो केन्द्रीय इन में स्थित  
है (और इसमें उपरोक्त अनुसूची में आने पर पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रार अथवा रजिस्ट्रार के कार्यालय देहरादून में रजिस्ट्रार  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
9-7-1984

को सूचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और  
अन्तरिती (अन्तरिती) को बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक  
लिखित में दर्शाया गया है जो कि नीचे दिया गया है :-

(ब) अन्तरक त है किसी बात की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
कारण से कमी कर या उक्त करने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ग) एका किसी बात या किसी धन या अन्य मास्तिबों  
को, जिसमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवर्ज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यह: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री फूल सिंह उर्फ फूलर,  
पुत्र सी० बाबू,  
निवासी पथरी बाग, देहरादून।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कमलेश रतुड़ी,  
पत्नी श्री चन्द्र प्रकाश रतुड़ी,  
नि. ग्राम श्याम पुर-प्रगना-परवा,  
जिला देहरादून।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

क्यों यह सूचना आने पर उक्त पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निम्न  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में प्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
सम्पत्ति का अर्जन किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिभूताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि सं० नं० 676 रकबा 1-14 व नं० 677 रकबा  
1-05 कुल रकबा 2-19 स्थित भूजा देहरादून खास प्रधान  
केन्द्रीय इत देहरादून।

जे० पी० हिलोरी  
मकम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रैज, कानपुर

तारीख: 14-3-1985

माहुर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 25 फरवरी 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल-5631—

अतः मुझे श्रीमती एम० के० ग्रौलख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० भूमि एवं मकान म्यु० पा० मकान नं०  
44/4 है तथा जो न्यू पलासिया इंदौर में स्थित है (और  
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इंदौर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ने प्रतिशत से अधिक है  
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य भास्तिश्रों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) डा० एस० एस० आहुजा,  
निवासी-74, बंगले, भोपाल ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुभागी पांत श्री जीवाजी नाडकरणी  
निवासी-मकान नं० 5/2, यशवंत निवास  
इंदौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ हलगे जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि एवं म्यु० पा० मकान नं० 44/4 न्यू पलासिया  
इंदौर में स्थित है । यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका  
सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी  
में निहित है ।

श्रीमती एस० के० ग्रौलख  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 25-2-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 25 फरवरी 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल 5632---

अतः मुझे श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्मी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 248 है तथा जो साकेत नगर  
इंदौर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल ग्लोबली लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक या  
दायित्व में कमी करने या उसमें बचाने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जयचन्द,  
पिता श्री शिवमल वाधवानी  
निवासी—अन्तर्पूर्ण बिल्डिंग,  
मानक बाग, इंदौर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सायादेवी,  
पति श्री सत्यभान सिधल,  
निवासी—14, माटा बाजार,  
इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 248, साकेत नगर, इंदौर में स्थित है।  
यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती  
द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37जी में निहित है।

श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्मी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 25-2-1985  
मोहर

**प्ररूप बाह्य. टी. एन. एस. ----**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 25 फरवरी 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल 5633—

अतः मुझे श्रीमती एम० के० श्रीलक्ष्मी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सम्पत्ति प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि सर्वे नं० 376/1 है तथा जो ग्राम  
बांगर, तह० देवास में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
देवास में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,  
एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच  
अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के ब्यय  
में कमी करने या सबसे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अनुवन्तार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किता जाना जा रहा था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

- (1) 1. श्री जोरावर सिंह,  
पिता श्री देवी सिंह,  
2. सजनसिंह पिता देवीसिंह,  
3. मायरावर्ध पिता देवी सिंह,  
4. गुजरातसिंह पिता जोरावर सिंह  
निवासी—बांगर, जिला देवास।

(अन्तरक)

- (2) फोरघाम इंजीनियर्स वर्क्स प्रा० लि०,  
पोस्ट मांगलिया जिला इंदौर,  
नरफे खास मु० श्रीपाद जोशी,  
पिन्ना प्रभागर जोशी,  
इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे नं० 376/1, ग्राम बांगर तह देवास में स्थित  
है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण  
अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37जी में निहित है।

श्रीमती एम० के० श्रीलक्ष्मी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 25-2-1985

मोहर :

प्रारूप अधिनियम, टी. एन. एस.

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 मार्च 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल 5634—

अतः मुझे श्रीमती एस० के० ओलख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खुली भूमि ख० नं० 762 है तथा जो खजराना, इंदौर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि बंधापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कांभित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा एकत्र नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या एकत्रित करने की आवश्यकता के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

15—16GI/85

- (1) 1. श्री एस० एस० भार्गव  
पिता स्व० श्री मुन्तालान भार्गव,  
2. श्रीमती शारदा भार्गव,  
पत्नी श्री एस० एस० भार्गव  
निवासी—1, कल्याण नगर एक्सटेंशन,  
काठा ।

(अन्तरक)

- (2) 1. कुमारी विनोद भार्गव,  
पुत्री श्री विनय कुमार भार्गव,  
2. श्रीमती अरुणा भार्गव,  
पत्नी श्री विनय कुमार भार्गव  
निवासी—1, बी विन्डर्स कालोनी,  
इंदौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रवृत्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली भूमि ख० नं० 762 खजराना इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर संपत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37जी में निहित है।

श्रीमती एस० के० ओलख  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, भोपाल

दिनांक : 6-3-1985  
मोहर :





## प्रथम भाग, टी. ए. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 मार्च 1983

निर्देश सं० आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल-5 636—यतः,  
मुझे, श्रीमती एस० के० ओलख,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसके अन्तर्गत इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थायी संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० दो मंजिला मकान नं० 58 है, तथा जो  
पुराना वार्ड नं० 14, बजाज खाना, रतलाम में स्थित है (और  
इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
राजस्वीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रजिस्ट्रेशन  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
जुलाई 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मैं यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित या वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या मन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिनियम के  
सूचना के लिए;

अतः मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वय  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 1—

1. (1) श्री नाना लाल पिता कशरीमल भण्डारी,  
(2) श्रीमती सूरजबाई पति नानालाल भण्डारी,  
(3) श्री माणकलाल पिता कशरीमल भण्डारी निवासी  
बजाजखाना, रतलाम  
(4) सुजानमल पिता नानालाल तलेरा,  
53 स्टेशन रोड, रतलाम,  
(5) श्री सयणलाल पिता सूरजमल बोहरा नि० धाम  
बाबाय रतलाम सदस्यगण श्री नानालाल  
भण्डारी परमार्थी ट्रस्ट बोर्ड, रतलाम  
(अन्तरक)

2. श्री इन्दर मल पिता नानालाल जी माण्डोट  
निवासी—कखड तह० पोरतावद जिला झाबुआ  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों की अवधि या अन्तरिती व्यक्तियों पर  
सूचना को उचित से 30 दिनों की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

मकान नं० 58, पुराना वार्ड नं० 14, बजाज खाना रतलाम  
में स्थित है। यह वह स्थावर संपत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण  
अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

श्रीमती एस० के० ओलख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 6-3-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 मार्च 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल-5637--यतः,

मुझे, श्रीमती एस० के० श्रीलख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 4/1 है, तथा जो निशातपुरा,  
भोपाल में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में आर  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
भोपाल में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
वायित्व के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

ततः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री सईद अहमद खां, पिता अ० गफफार खां  
निशातपुरा, भोपाल

(अन्तरक)

2. निशातपुरा गृह निर्माण सहकारी समिति भोपाल  
द्वारा अध्यक्ष श्रीमती आर० के० कघाटी, भोपाल  
(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि खसरा नं० 4/1, निशातपुरा भोपाल में स्थित है। यह  
वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा  
सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

श्रीमती एन० के० श्रीलख  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 8-3-1985

सांहर ४

प्रकरण आई.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 मार्च 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल-5638—यतः

मुझे, श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्मी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 12/903 है, तथा जो गांधी रोड़ मुरार, ग्वालियर में स्थित है) और इससे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख, जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उसमें बचत में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अजय कपूर पिता किशोर कपूर एवं सी० कॉमिल-गानी पत्नी किशोर चन्द द्वारा मु० आम अजय कुमार एवं सी० सुलोचना कपूर पत्नी अरुण कुमार द्वारा मु० आम श्री किशोर चन्द जयदेवगंज नगर, लक्ष्मर ग्वालियर

(अन्तरक)

2. अखिल भारतीय किरार श्रविय महासभा द्वारा बलवन्त सिंह पिता पद्मलाल निवासी—शब्द प्रताप आश्रम लक्ष्मर पदन किरार श्रविय छात्रावास समिति, ग्वालियर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 12/903, गांधी रोड़, मुरार, ग्वालियर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37-जी में निहित है।

श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्मी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 8-3-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 मार्च 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5635-अतः,  
मुझे, श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्मी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सम्पत्ति, नं० 22/434 है, तथा जो गांधी  
नगर कालोनी, ग्वालियर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के द्वारा किसी भाग की वास्तविक उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य भास्तिबों  
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती शकुंतला पत्नी श्री रवीन्द्र सिंह जी चौहान  
निवासी—39-40, गांधी नगर, ग्वालियर।  
(अन्तरक)

2. मैसर्स जी०डी०एस० विश्वनाथ सिंह होल्डिंग्स प्राइवेट  
लिमिटेड ग्वालियर ज़रिए राजेन्द्र गोपाल सिंह आत्मज  
साहू निवासी—खेड़ापति कालोनी, ग्वालियर  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है,

अनुसूची

सम्पत्ति नं० 22/434, गांधी नगर कालोनी, ग्वालियर  
में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण  
अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37-जी में निहित है।

श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्मी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 8-3-1985  
गोहर :

प्रारूप आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भाउत सरस्वात

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 मार्च 1985

निर्देश सं० आई०ए० सी०/अर्जन/भोपाल-5640—अतः,

मुझे, श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्मी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० प्लॉट नं० 4, पलासिया स्कीम नं० 11/सी०,  
इंदौर म्यु० नं० 19/8 है, तथा जो न्यू पलासिया, इंदौर में  
स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक में  
हाथिल न कमी करने या उससे बचने में सहायता  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मनोहरलाल गोविंदनलाल  
241, मार्केट नगर, इंदौर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती प्रमोद पत्नी डा० विष्णु प्रसाद सिंहल,  
19/8, न्यू पलासिया, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पक्ष निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 4, पलासिया स्कीम नं० 11/सी०, इंदौर म्यु०  
नं० 19/8, न्यू पलासिया इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर  
सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित  
फार्म नम्बर 37-जी में निहित है।

श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्मी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 8-3-1985

माहुर :

एकप बाईं टी. ए. ए. ए.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचन.

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 मार्च 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल-5641—अतः,  
मुझे, श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्मी,  
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सूचन प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० मकान नं० 12 (तल मंजिल एवं प्रथम  
मंजिल) है, तथा जो महारानी रोड़, इंदौर में स्थित है (और  
इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1984  
को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वतः सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
से कमी करने या उसमें उच्चने में सविधा के लिए,  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वस्तुओं  
को, जिनके भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्रीमती बतूलबाई पत्नी अब्दुल हुसैन,  
निवासी—सैफी जुवली स्ट्रीट बम्बई
2. मेमुनाबाई पत्नी फखरुद्दीन,  
निवासी—नजना पेथ, अकोला ।

(अन्तरक)

2. 1. श्री माह० खेमवती पिता अब्दुल्ला भाई,  
100 गांधी नगर, इंदौर
2. इब्राहीम पिता शेख अली, रानीपुरा, इंदौर ।

(अन्तरिती)

यह वह सूचना जारी करके पूर्णतः सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

सक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाजार:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी  
अवधि बाह में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के एक  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

प्रत्यक्षी

तल मंजिल एवं प्रथम मंजिल मकान नं० 12, महारानी  
रोड़, इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका  
सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37-जी  
में निहित है।

श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्मी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 8-3-1985

मोहर :

प्रकट आई. टी. एन. एस. -----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 मार्च 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5642—अतः मुझे, श्रीमती एस० के० श्रीलख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० म० नं० 12 है, तथा जो महारानी रोड़ इंदौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अर्जन, तारीख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी लाभ की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे रचना में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --  
16-16GI/85

1. (1) श्रीमती बतूलबाई पति अब्दुल हुसैन,  
168, सैफी जुबली स्ट्रीट रूम नं० 45, पाँचवा  
माला बम्बई-37

(2) संमुत्ताबाई पति फखरुद्दीन  
निवासी—ताजना पेठ, अकोला।

(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती सैफद्दीन उर्फ सैफी पिता अब्दुल्ला भाई  
100, गांधी नगर, इंदौर

(2) शम्मीर हुसैन पिता याकूब अली रानीपुरा,  
इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म० नं० 12, महारानी रोड़, इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37-जी में निहित है।

श्रीमती एस० के० श्रीलख  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 8-3-1985

मोहर

प्रमुख भाग. टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 मार्च 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/5643—अतः सुचे, श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्मी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि पं० नं० 6 सर्वे० नं० 355/1, 357/2, 355/3, 356/1/1, 356/1/2, 356/1/3, 356/1/4, 356/1/5, 353/1, 157/1 है, तथा जो ग्राम छोटा बांगड़वा, इंदौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के मिथः और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्य को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के खोजगार अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. श्री रमाशंकर पिता  
रामदुलारे  
2. कृष्णाबाई पति  
रमाशंकर,  
निवासी—छोटा बांगड़वा,  
तहसील व जिला इंदौर।

(अन्तरक)

(2) लक्ष्मी गृह निर्माण,  
सहाकारी संख्या मर्यादित,  
इंदौर के अध्यक्ष,  
श्री गोविन्द बाबू पिता  
सीतल यादव 83,  
कालोनी नगर,  
इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद से समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रतिष्ठाकारी के पाठ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही पर्यं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमोदी

भूमि पं० नं० 6 (सर्वे० नं० 355/1, 357/1, 355/3, 355/1/1, 356/1/2, 356/1/3, 356/1/4, 356/1/5, 353/1, 157/1 ग्राम छोटा बांगड़वा एवम् ग्राम सिरपुर तह० इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37-जी में निहित है।

श्रीमती एस०के० श्रीलक्ष्मी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 8-3-1985

मोहर :



माहूर ३।

प्रकृष बाई, टी. एन. एस.

बाणकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

## आयुक्त

कार्यालय, सहायक बाणकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 मार्च 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/5 645/—अतः मुझे,  
श्रीमती एस०के० श्रीलख,

बाणकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 108 पर बना हुआ मकान  
नं० 108 है तथा जो कंचन बाग, इंदौर में स्थित है (और  
इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई 1984  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित आस्तिक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्ययित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन का अन्य वास्तविक  
कारण, जिन्हें भारतीय बाणकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा  
णकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री भूपत राय पिता  
श्री चंद्रलालजी पारीख,  
निवासी-92,  
कंचन बाग,  
इंदौर।

(अन्तरक)

(2) डा० लक्ष्मीलाल जैन पिता  
श्री केशरीलाल जैन,  
निवासी-108,  
कंचनबाग,  
इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुमोदन

प्लॉट नं० 108 पर बना हुआ मकान नं० 108 कंचन  
बाग, इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका  
संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी  
में निहित है।

श्रीमती एस०के० श्रीलख  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक बाणकर आयुक्त (निरीक्षी)  
अर्जन रंज, भोपाल

तारीख : 8-3-1985  
मोहर :

प्रकाश बाबू, टी. एन. एल.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 मार्च 1985

निदेश सं०आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/5646—अतः मुझे,  
श्रीमती एस०के० श्रीलख,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि हल्का नं० 15/1 है, तथा जो इंदौर  
में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, जुलाई 1984।

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
वर्तमान के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी भाव को बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक में क्षति  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

(1) श्री लक्ष्मीनारायण पिता.  
उमराव सिंह,  
निवासी—माणिकबाग रोड,  
इंदौर।

(अन्तरक)

(2) विकास अपार्टमेंट गृह निर्माण सहकारी संस्थान  
मर्यादित तरफे अध्यक्ष बापूराव पिता  
श्री पांडुरंग म्हुसे,  
गुलमोहर कालोनी,  
इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्तः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उत्पन्न की व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शर्तों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि हल्का नं० 15/1, इंदौर में स्थित है। यह वह  
स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा  
सत्यापित फार्म नंबर 37जी में निहित है।

श्रीमती एस०के० श्रीलख  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षी)  
अर्जन रेंज, भोपाल

अतः यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित :—

तारीख : 8-3-1985  
मोहर :

प्रकृष माह, टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल दिनांक 8 मार्च 1985

निदेश सं०आई०ए०सी०/अर्जुन/भोपाल/5647—अतः मुझे,

श्रीमती एस०के० प्रौलख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 25 (नया नं० 26) है  
तथा जो जूना पीठा, इंदौर में स्थित है (और इससे उपब्रज  
अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का पन्नाह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
ग्रास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) मन्तुन से हुए किसी भाग को बाध, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के मन्तुन के बाधित  
नहीं करने या उक्त बचने में सूचना के लिए  
कोर/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी भन या अन्य वास्तवों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री कैलाशचन्द्र पिता  
नंदकिशोर,  
निवासी-25,  
जूना पीठा,  
इंदौर।

(अन्तरक)

(2) श्री नरोत्तम पिता  
दयारामजी ठक्कर 272,  
सिरेमल बापना मार्ग,  
इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 25 (नया नं० 26, जूना पीठा इंदौर में  
स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण  
अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित  
है।

श्रीमती एस०के० प्रौलख  
सक्षम प्राधिकारी  
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त  
अर्जुन रेंज, भोपाल)  
आयकर भवन  
मैदा जिल के पास, भोपाल

तारीख : 8-3-1985

मोहर :

भारत आर्.टी.एन.एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल दिनांक 8 मार्च 1985

निदेश सं०आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/5648/अतः मुझे  
श्रीमती एस०के० श्रीलक्ष्मी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 25 नया नं० 26 है, तथा  
जो जूनापीठा, इंदौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-  
सूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन जुलाई 1984।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिसूचित—

(1) श्री कैलाश चन्द्र पिता  
नंद किशोर,  
निवासी-26,  
जूनापीठा,  
इंदौर।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहनलाल पिता  
दयाराम ठाकुर,  
निवासी-272,  
सिरेमल,  
वापना मार्ग,  
इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नगोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 25 नया नं० 26, जूना पीठा, इंदौर में  
स्थित है।

श्रीमति एस०के० श्रीलक्ष्मी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल  
आयकर भवन  
मैदा मिल के पास, भोपाल

तारीख : 8-3-1985

मोहुर :

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल दिनांक 8 मार्च 1985

निदेश सं०आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/5649—अतः मुझे,  
श्रीमती एस०के० श्रीलक्ष्मी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 1050 (नया नं० 2364/23/  
2369 (का भाग) का भाग नं० 2369 डायवराशन प्लॉट  
नं० 372, शीट नं० 153/ए कारपोरेशन प्लॉट नं० 104  
है, तथा जो राइट टाउन वार्ड, मदन महल में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
जुलाई 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अनुसूची अन्तरितों द्वारा प्रयुक्त नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मेसर्स सिधई परममुख पार्टनर शिप फर्म  
मार्फत भागीदारान्,

1. श्री सिधई ग्यानचंद
2. पसधई पूरनचंद

3. श्री सिधई लक्ष्मीचंद क्रमांक 1 से 3 तक  
आत्मज स्व० सिधई प्रेमचंद जैन

4 श्री रमेश कुमार

5. सुकेश कुमार क०

4 एवं 5 दोनों आत्म

स्व० सिधई धरमचंद जैन,

निवासी—सभी सराफाचौराहा,

कोतवानी वार्ड,

जबलपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री हनुमान पेपर वर्क्स सोल  
प्रोपरायटर सागर अग्रवाल  
आत्मज स्व० गोपीराम अग्रवाल,  
निवासी—गांधीगंज,  
रायगढ़ द्वारा  
मु० आस श्री राधेश्याम अग्रवालनि—  
गांधीगंज,  
रायगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रामाण्यकारी के  
पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

मकान पुराना नंबर 1050 (नया नं० 2364/23/  
2369, का भाग नं० 2369, डायवराशन प्लॉट नं० 372,  
शीट नं० 153/ए कारपोरेशन प्लॉट नं० 104, राइट टाउन,  
मदन महल वार्ड, हेल्थ केम्प, जबलपुर में स्थित है। यह  
वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा  
सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

श्रीमती एस०के० श्रीलक्ष्मी

सक्षम प्राधिकारी

(निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त

अर्जन रेंज, भोपाल)

आयकर भवन

मैदा मिल के पान, भोपाल

तारीख : 8-3-1985

मोहर :

**राज्य बाई. दी. एच. एच.**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल दिनांक 8 मार्च 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/अर्जुन/भोपाल/5650—अतः मुझे,  
श्रीमती एस०के० श्रीलख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 283 (ओल्ड) एवम् 899  
(नया) है, तथा जो साथ में खुली भूमि नेपियर टाउन,  
जबलपुर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-  
लय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन, जुलाई 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
बोर्ड/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

उक्त उक्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

17-16 GI 114

(1) श्रीमति कमलाबाई,  
राजय कुमार,  
अजय कुमार एवम् कु० अंजना जैन द्वारा  
संरक्षक श्रीमती कमलाबाई,  
निवासी-802/805 नरसहैया,  
जबलपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति कुलवंत कीर  
एवम् रवीन्द्र सिंह,  
निवासी-290/3,  
नेपियर टाउन,  
जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 283 (पुराना) एवम् 899 (नया) नेपियर  
टाउन जबलपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है  
जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर  
37 जी में लिखित है।

श्रीमती एस०के० श्रीलख  
सक्षम प्राधिकारी  
(निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त  
अर्जुन रेंज, भोपाल)  
आयकर भवन  
मैदा मिल के पास, भोपाल

तारीख : 8-3-1985

मोहर :

प्रथम भाग: टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल दिनांक 8 मार्च 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/अर्जुन/भोपाल/5651--अतः मुझे,

श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्मी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 19 एवम् 20 है, तथा जो स्टेट बैंक ऑफ इंडिया आफिसर्स कालोनी, लक्ष्मीपुर चैरीताल, जबलपुर में स्थित है। और इससे उपवृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में से आन्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी बाव की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शास्त्र में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किन्मी भन या अन्य आय के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नेमीचंद पिता

पन्नालाल जैन व मुशीला जैन 21,  
स्टेट बैंक आफिसर्स कालोनी लक्ष्मीपुर,  
जबलपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री नीलकंठ अग्रवाल पिता

स्व० भवानी अग्रवाल,  
निवासी—चीफ विजीनेंस,  
आफीसर्स सेंट्रल आफिस ऑफ  
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया,  
बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 19 एवम् 20, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया आफिसर्स कालोनी, लक्ष्मीपुर वार्ड चैरीताल, जबलपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्मी  
सक्षम प्राधिकारी  
(निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त  
अर्जुन रेंज, भोपाल)  
आयकर भवन  
मैदा मिल के पास, भोपाल

तारीख : 8-3-1985  
मोहर :



## प्रथम भाग टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल दिनांक 14 मार्च 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/5652—अतः मुझे,

श्रीमती एस०के० श्रीलक्ष्मी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं०-105 है, तथा जो जमालपुरा, डी सेक्टर, भोपाल में स्थित है और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बाबत में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री भेरूमल पिता  
तुलाराम,  
निवासी—संत कंवरराव नगर,  
भोपाल।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरुशोक्तम दास पिता  
डोलमल,  
निवासी-20,  
रिज रोड,  
ईदगाह हिल्स,  
भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 105, जमालपुरा, डी सेक्टर, भोपाल में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा स्थापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

श्रीमती एस०के० श्रीलक्ष्मी  
सक्षम प्राधिकारी  
(निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त  
अर्जन रेंज, भोपाल)  
आयकर भवन  
सैदा मिल के पास, भोपाल

तारीख : 14-3-1985

मोहर :

सहायक आयुक्त, भोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल दिनांक 14 मार्च 1985

निर्देश सं० आई०ए०सी०/अर्जुन/भोपाल/5653—प्रतः भूसे,

श्रीमती एस०के० श्रीलक्ष्मी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इससे पहले इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि ख० न० 210 एवम 212 है, तथा जो मौजा नरेली शंकरा, भोपाल में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अधिनियम में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मिश्रीलाल पिता,  
खुशीलाल,  
निवासी—ग्राम नरेला शंकरा,  
भोपाल ।

(अन्तरक)

(2) श्री हजरत निजामुद्दीन गृह निर्माण सहाकारी,  
समीति,  
गोविन्दपुरा,  
भोपाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि ख० न० 210 एवम 212, मौजा नरेला शंकरा, भोपाल में स्थित है । यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरितह द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है ।

श्रीमती एस०के० श्रीलक्ष्मी  
सक्षम प्राधिकारी  
(निरीक्षण सहायक आयुक्त आयुक्त  
अर्जुन रेंज, भोपाल)  
आयकर भवन  
मैदा मिल के पास, भोपाल

तारीख : 14-3-1985

मोहर :

प्रकरण चार' डी. एन. एच. - - - - -

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
बाब 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल दिनांक 14 मार्च 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/अर्जुन/भोपाल/5654/—अतःमुझे,  
श्रीमती एस०के० औलख

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 32 है, तथा जो राणा प्रताप  
वार्ड, सिविल लाईन्स, कटनी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, कटनी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आम या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाव में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रविशंकर पिता  
एच०पी० तिवारी द्वारा  
मु० ग्राम श्री एन० भास्कर राव पिता  
हनुमंत राव,  
निवासी—वेंकट बिल्डिंग,  
खिरहनी फाटक,  
कटनी।

(अन्तरक)

(2) श्री डा० एन० अजीत कुमार पिता  
श्री केशव राव,  
निवासी—मुखानाक वार्ड,  
भूलेलाल मंदिर रोड़,  
कटनी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रतिष्ठाकारी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 32, राणा प्रताप वार्ड, सिविल लाईन्स,  
कटनी में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका  
संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी  
में निहित है।

श्रीमती एस०के० औलख  
सक्षम प्राधिकारी  
(निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त  
अर्जुन रेंज, भोपाल)  
आयकर भवन  
मैदा मिल के पास, भोपाल

तारीख : 14-3-1985

माहुर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 1 मार्च 1985

निदेश सं० जी० आई० आ० सं० 48/37ईई/एक्यू०—यतः

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस नं० 1 है तथा जो 11, एम० जी०  
मार्ग, हबीबुल्ला, कम्पाउण्ड, लखनऊ में स्थित है (और इससे  
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणिज्य है), रजिस्ट्रीकर्ता  
आधिकारी के कार्यालय, करारनामा जोकि अर्जन क्षेत्र लखनऊ में  
आयकर अधिनियम, 1961 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 23-7-1984,

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गृह्य है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) कस्तूर से हुई किसी काम की वस्तु, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के कारण से  
कवित्त में कोई काम या उक्त वस्तु के अधिभा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः—

(1) मेसर्स हलवासिया प्रापर्टीज (प्रा०) लि०  
हलवासिया कोट, हजरत गंज, लखनऊ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती विजय गुप्ता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जांचे ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

आफिस नं० 1 सातवें फ्लोर पर पैमाइसी 380 वर्ग फिट  
कामर्स हाउस में स्थित 11, एम० जी० मार्ग हबीबुल्ला  
कम्पाउण्ड लखनऊ करारनामा जोकि अर्जन क्षेत्र क्रमसंख्या 63  
पर दिनांक 23-7-1984 को सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा  
पंजीकृत किया जा चुका है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

दिनांक : 1-3-1985

मोहर :

प्रमुख कार्य, टी. एम. एम.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 1 मार्च 1985

निर्देश सं० जी० आई० आर० सं० 49/37ईई/एफ्यू०/—

अतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस नं० 18 और 19 है तथा जो 11, एम०  
हबीबउल्ला कम्पाउण्ड लखनऊ में स्थित है (और इससे उपावृद्ध  
अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, अर्जुन क्षेत्र में आयकर अधिनियम 1961 में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 190 (1909 का 16) के अधीन,  
दिनांक 23-7-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और भूले यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, को अन्तर्गत  
की विधि के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन ह—

(1) मेसर्स हनुवासिया प्रापर्टीज (प्रा०) लि.  
हनुवासिया कोट, हजरत गंज, लखनऊ।

(अन्तरक)

(2) 1. श्रीमती गौरी त्रिपाठी  
2. श्री राहुल त्रिपाठी  
3. श्री संजय त्रिपाठी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में होत-  
वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधांतरताधारी के  
पक्ष निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

आफिस नं० 18 और 19 छठवें फ्लोर पर पैमाईसी 550 वर्गफिट  
काममें हाउस में स्थित 11, एम० जी० मार्ग हबीबउल्ला कम्पाउण्ड  
लखनऊ करारनामा जो कि अर्जुन क्षेत्र क्रम संख्या 64 पर दिनांक  
23-7-1984 को सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा पंजीकृत  
किया जा चुका है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन क्षेत्र, लखनऊ

दिनांक : 1-3-1985

मोहर :

प्रारूप आर्द्द. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 1 मार्च 1985

जी० आर्द्द० आर० सं० 50,3नईएकवी०—अतः सुधे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस नं० 17 है तथा जो 11 एम० जी० मार्ग  
हबीबुल्ला कम्पाउण्ड लखनऊ में स्थित है (और इससे उपायुक्त  
अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, अर्जन क्षेत्र में, आयकर अधिनियम 1961  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक 23-7-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के लक्ष्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और  
किया गया है मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इसमान प्रतिफल से, ऐसे इसमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय बाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एभी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स हलवासिया प्रापट्रिज (प्रा०) लि०  
हलवासिया कोर्ट हजरत गंज, लखनऊ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चन्द्रा देवी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

निरीक्षण

आफिस नं० 17, सातवें फ्लोर पर, पैमाइसी 275 वर्ग फिट  
कामसं हाउस में, स्थित 11, एम० जी० मार्ग, हबीबुल्ला कम्पाउण्ड,  
लखनऊ, करारनामा जो कि अर्जन क्षेत्र में सक्षम प्राधिकारी लखनऊ  
द्वारा दिनांक 23-7-1984 को क्रम संख्या 65 पर पंजीकृत  
किया जा चुका है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी,

निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त

(अर्जन क्षेत्र) लखनऊ

दिनांक : 1-3-1985

मोहर

प्रकृष बाई. टी. एन. एड.

(1) मेसर्स हलवामिया प्रापटी (प्रा०) लि०  
हलवामिया कोर्ट, हजरत गंज, लखनऊ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) मास्टर रमन सरना

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 1 मार्च 1985

जी० आई० आर० सं० 51/37 ईई/एक्वी०—यतः मुझे,  
ए० प्रसाद,

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;और जिसकी सं० आफिस नं० 18 है तथा जो 11, एम० जी०  
मार्ग हबीबुल्ला मार्ग कम्पाउण्ड लखनऊ में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, अर्जन क्षेत्र में भारतीय आयकर अधिनियम  
1961 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, दिनांक 23—

—1984

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।(क) अन्तरण से हुई किसी बात को धारण, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

प्रमुखता

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अर्थानुसार अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।आफिस नं० 18 मासवें प्लोर पर, पैमाइसी 275 बर्गफिट  
कामस हाउस में स्थित 11, एम० जी० मार्ग हबीबुल्ला कम्पाउण्ड  
लखनऊ, करारनामा जो कि अर्जन क्षेत्र क्रम संख्या 66 पर दिनांक  
23-7-1984 को सक्षम प्राधिकारी, लखनऊ द्वारा पंजीकृत  
किया जा चुका है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्

दिनांक : 1-3-1985

मोहर :

प्रकाश आइ. टी. एम. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 1 मार्च 1985

जी० आई० आर० सं० 52/37ईई,एक्वी०—यतः, मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन गठन प्राधिकरणों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस नं० 19 है तथा जो 11, एम० जी० मार्ग हवीबुल्ला कम्पाउण्ड लखनऊ में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करारनामा जोकि अर्जन क्षेत्र लखनऊ में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 23-7-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मेसर्स हलवासिया प्रापटीज (प्रा०) लि०  
हलवासिया कोर्ट, हजरत गंज, लखनऊ।  
(अन्तरक)
- (2) मास्टर हृदयप्रीत सिंह सरना।  
(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही लर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आफिस नं० 19, सातवें तल पर पैमाहसी 275 वर्गफिट कामर्स हाउस में स्थित 11, एम० जी० मार्ग हवीबुल्ला कम्पाउण्ड लखनऊ, करारनामा जोकि अर्जन क्षेत्र क्रम संख्या 67 पर दिनांक 23-7-1984 को मक्षम प्राधिकारी लखनऊ, द्वारा पंजीकृत किया जा चुका है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज लखनऊ

दिनांक : 1-3-1985

माहूर :



## प्रमुख नोट: टी. एन. एड.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 1 मार्च 1985

जी० आई० आर० सं० 53/37ईई/एकवी०—यतः मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस नं० 13 और 14-ए है तथा जो 11, एम० जी० मार्ग हबीबुल्ला कम्पाउण्ड लखनऊ में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय करारनामा जोकि अर्जन क्षेत्र लखनऊ में भारतीय आयकर अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 23-7-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, ए० व्ययमान प्रतिफल का उचित प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुए किसी बाव की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी बाव या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स हलवासिया प्रापर्टीज (प्रा०) लि०  
हलवासिया कोट हजरत गंज, लखनऊ।

(अन्तरक)

(2) मांस्टर जितिन कुमार अग्रवाल (नाबा०)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक है—

(क) इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्पन्न्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

न्यायोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आफिस नं० 13 और 14-ए फोर्थ (4 तल) पैमाइसी 410 वगं फिट कामर्स हाउस में स्थित 11, एम० जी० मार्ग हबीबुल्ला कम्पाउण्ड, लखनऊ करारनामा जोकि अर्जन क्षेत्र क्रम संख्या 68 पर दिनांक 23-7-1984 को सक्षम प्राधिकारी, लखनऊ द्वारा पंजीकृत किया जा चुका है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

दिनांक : 1-3-1985

मोहर :

प्रमाण नम्बर टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 12 मार्च 1985

निर्देशन जी० आई० आर० सं० बी-128/एचबी०-यतः मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके बराबर 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक किता दुकान मध्य 5 किता दुकानात मोहल्ला  
चाहमीर बदायूं में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय बदायूं में स्थित है रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी माल की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उसके बढ़ने में सूचना के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में विधि  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री शाकिरउल्ला खां ।

(अन्तरक)

(2) बदायूं फाइनेंस प्रा० लि० कम्पनी

बाबूराम मार्केट, बदायूं

द्वारा मैनेजिंग पार्टनर, श्री शान्ति लाल

(अन्तरिती)

(3) जेता

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

बन्धुत्व

एक किता दुकान मध्य 5 किता दुकानात स्थित चाहमीर,  
बदायूं (जैसा फार्म 37-जी संख्या 5830 में वर्णित है) जिसका  
पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बदायूं के कार्यालय में जुलाई,  
1984 को किया जा चुका है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

दिनांक : 12-3-1985

मोहर :

प्रश्न नम्बर टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 12 मार्च 1985

निर्देश जी० आई० आर० सं० एस-359/एनवी०—यस: मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आराजी भूमिधरी नं० 709, 710 और 711  
ग्राम-अकरमपुर, तह० व जिला-उन्नाव में स्थित है (और इसमें  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, उन्नाव में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक है कि किसी बाव की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कहे जाने के अन्तरक के  
बाविले में कमी करने या उक्त अन्तरक के अन्तरक  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाव या किसी धन या अन्य वास्तिकों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भूतकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिये था. छिपाने में  
भूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा:—

(1) श्री भीखा ।

(अन्तरक)

(2) मेमर्स सदफ लेदर काम्पलेक्स प्रा० लि०

105, 196, चमन गंज, कानपुर

द्वारा आयरेक्ट

श्री मो० इस्माईल सैय्यद ।

(अन्तरिती)

(3) विप्रेता ।

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बोधन:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ॥

सन्तुष्ट

आराजी भूमिधरी नं० 709, 710 और 711 टोडल पैमाइसी  
4 बीघा, 8 बिस्वा और 5 बिस्वान्सो स्थित ग्राम अकबर पुर है  
और जिला-उन्नाव (जैसा फार्म 37-जी संख्या 2806 में वर्णित  
है), जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी उन्नाव के कार्यालय  
में जुलाई 1984 को किया जा चुका है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन क्षेत्र, लखनऊ

दिनांक : 12-3-1985

सोहण्ड

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 12 मार्च 1985

निर्देश सं० जी० आर० एस-360/एस्वी०—यतः, सुखे,  
ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
20,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान मय भूमि है तथा जो मोहल्ला दिनदारपुरा  
मुरादाबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुरादाबाद  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक 12-7-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँके यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की  
बायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. श्री विनीत कुमार रस्तोगी  
2. मास्टर रिन्कू (नाबा०)

(अन्तरक)

(2) 1. श्री सर्वेश कुमार अग्रवाल  
2. श्रीमती सुषमा अग्रवाल

(अन्तरिती)

(3) फेता

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपाध :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान मय भूमि पैमाइसी 270-20 वर्ग-मीटर स्थित मोहल्ला  
दिनदारपुरा मुरादाबाद (जैसा फार्म 37-जी संख्या 4161  
में वर्णित है) जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुरादाबाद  
के कार्यालय में दिनांक 12-7-1984 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

दिनांक : 12-3-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय: सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 1 मार्च 1985

निदेश जी० आई० आर० सं० बी०, 77/एडव्ही०—यतः, मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आराजी है तथा जो 18, मदन मोहन मालवीय  
मार्ग, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपरिद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक जुलाई 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के नीचे ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

(1) मेसर्स आम्रपाली सहकारी गृह निर्माण समिति लि०  
विशेष्वर नगर लखनऊ ।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री वामुदेव ग्राम ग्राम  
2. श्रीमती पुष्पा बी० जगत्यानी  
3. श्री अशोक बी० जगत्यानी  
4. श्री किशोर बी० जगत्यानी  
5. श्रीमती धीर बी० जगत्यानी

(अन्तरिती)

(3) क्रेता

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है ।

अनुसूची

आराजी पमाइसी 5720 वर्गफुट स्थित 18, मदन मोहन  
मालवीय मार्ग, लखनऊ जैसा फार्म 37-जी संख्या 8698 में  
वर्णित है), जिसको पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लखनऊ के  
कार्यालय में जुलाई 1984 को किया जा चुका है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र लखनऊ

दिनांक : 1-3-1985

माहुर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 12 मार्च 1985

निदेश सं० गुड़गाँवा/149/84-85—अतः मुझे, आर०

के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 43क 18म० वाली जो कि गांव डुडाहेड़ा (गुडगाँवा) पर स्थित है एक लाख रु० से अधिक के उचित बाजार मूल्य वाली अचल सम्पत्ति (जिसका अधिक विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है) को, जिसका अन्तरण (ट्रांसफर) और रजिस्ट्रेशन रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के गुड़गाँवा स्थित कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 13-7-84 को रजिस्ट्रेशन सं० 4045,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, चिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था; छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) डा० हरबंस कौर बिरक पुत्री श्री गुरचरण सिंह द्वारा श्रीमती प्रमीन मेहता पत्नी एडमिरल एन० आर० मेहता

नि०—23, लाला लाजपत राय मार्ग, नई दिल्ली।

(अंतरक)

(2) मे० डोमिनेण्ट ऑफसेट प्रा० नि०,

के-3, हौजबाग, नई दिल्ली,

द्वारा श्री अनिल रघवीर (डायरेक्टर एवम प्रिंसिपल ऑफीसर)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त पद्यों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 43क 18म० डुडाहेड़ा (गुड़गाँवा) में स्थित है, जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, गुड़गाँवा में रजिस्ट्री संख्या 4045, दिनांक 13-7-84 पर दिया है।

आ०के० भयाना

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, रोहतक

दिनांक : 12-3-85

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 13 मार्च 1985

निदेश सं० गुडगांव/621/84-85--अत मुझे, आर०  
के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 1 बीघा 8 1/2 बिस्वा खांडसा में स्थित  
जिला० गुडगांव संख्या वाली, एक लाख रु. से अधिक के उचित  
बाजार मूल्य वाली अचल सम्पत्ति (जिसका और अधिक  
विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है) को जिसका अन्तरण  
(ट्रांसफर) और रजिस्ट्रेशन, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के गुडगांव  
स्थित कार्यालय से रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16) के अधीन, दिनांक 4-7-84, को रजिस्ट्रेशन सं० 3803

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

19-16GI/85

(1) श्री मलखान, बीरबल, रामजी, सुमेर सिंह पुत्रान  
श्री रणपत व भागमल, भूपसिंह पुत्रान श्री सुरजन  
व त्रिवेनी पत्नी तथा मुखदेवी व महादेवी पुत्रीयां  
और मन्न राम पुत्र श्री सुरजन  
गांव-खांडसा, जिला गुडगांव।

(अन्तरक)

(2) मे० महालक्ष्मी टेक्सटाइल्स 410 लोटस हाउस  
33 मैरीन लाइन्स बम्बई द्वारा  
श्री एस० के० महगल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि 1 बीघा 8 1/2 बिस्वा जो कि गांव खांडसा में स्थित  
है, जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता गुडगांव स्थित कार्यालय  
से रजिस्ट्री संख्या 3803 दिनांक 4-7-1984 पर दिया  
है।

आर० के० भयाना

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रॉज, रोहतक।

दिनांक 13-3-85

ओहर

प्रकृष बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 13 मार्च 1985

निर्देश सं० गुड़गांव/622/84-85—अंत मुझे, आर० के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है भूमि, बीघा 8 1/5 बिस्वा खांडसा पर स्थित जिला० गुड़गांव मंख्या वाली, एक लाख ६० से अधिक के उचित बाजार मूल्य वाली अचल सम्पत्ति (जिसका और अधिक विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है) को जिसका अन्तरण (ट्रांसफर) और रजिस्ट्रेशन, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के गुड़गांव स्थित कार्यालय से रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन रजिस्ट्रेशन सं० 3804 के अन्तर्गत किया गया है दिनांक 4-7-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टान्त प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मदनबान, बीरबल, रामजस व सुमेर सिंह पुत्रगण श्री रणपत व भागमल, भूप सिंह पुत्रगण श्री सुरजन, मन्तराम पुत्र श्री सुरजन तथा महादेवी व सुखदेवी पुत्रीयां व श्रीमती जीवनी पत्नी श्री सुरजन गांव—खांडसा जिला—गुड़गांव ।

(अन्तरक)

(2) मे० प्रप्रो (विवेक डाईस) 410 लोटस हाउस, 33 मैरीन लाईन्स बम्बई द्वारा श्री सुभाष सहगल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशंक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभावस्थाधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि 1 बीघा 8 1/5 बिस्वा जो कि गांव खांडसा से स्थित है, जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता गुड़गांव के कार्यालय से रजिस्ट्री मंख्या 3804 दिनांक 4-7-1984 पर दिया है ।

आर० के० भयाना

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 13-3-1985

साहचर :



प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 13 मार्च 1985

निर्देश सं० गुड़गांव/623/84-85-अतः मुझे, आर०  
के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 1 बीघा 8 1/2 बिस्वा खांडना पर  
स्थित जिला गुड़गांव संख्या वाली, एक लाख रु० से अधिक के  
उचित बाजार मूल्य वाली अचल सम्पत्ति (जिसका और अधिक  
विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है) का, जिसका अन्तरण  
(ट्रांसफर) और रजिस्ट्रेशन, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के गुड़गांव  
स्थित कार्यालय से रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन, रजिस्ट्रेशन सं० 3805, के अन्तर्गत किया  
गया है दिनांक 4-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

(1) श्री मलखान, बीरबन, रामजस, सुमे पुत्रगण श्री  
रणपत्र व भागमल, भूपसिंह पुत्रगण श्री सुरजन व  
सन्त राम पुत्र और महादेवी व सुखदेवी पुत्रीयां  
श्री सुरजन गांव खांडना  
जिला गुड़गांव ।

(अन्तरक)

(2) मे० पंजाब रंग उद्योग 410 लोट्स हाऊस---33  
मैरीन लाइन्स अम्बई द्वारा श्री एस० के० सहगल  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

भूमि 1 बीघा 8 1/5 बिस्वा जो कि गांव खांडना से स्थित  
है, जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांव  
में रजिस्ट्री संख्या 3805 दिनांक 4-7-1984 पर दिया है ।

आर०के० भयाना

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रंज, रोहतक

दिनांक : 13-3-85

मोहर :

प्रकृष भाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सडुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 13 मार्च 1995

सं० गुड़गांव/624/84-85—अतः मुझे आर० के० भयाना  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० एक खुली जमीन गांव खांडसा पर जि० गुड़गांव  
में स्थित है एक लाख रुपये से अधिक के उचित बाजार मूल्य वाली  
अंचल सम्पत्ति (जिसका और अधिक विवरण नीचे अनुसूची में  
दिया गया है) को जिसका अन्तरण (ट्रांसफर) और रजिस्ट्रेशन,  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के गुड़गांव स्थित कार्यालय में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन रजिस्ट्रेशन  
सं० 3806 के अन्तर्गत किया गया है दिनांक 4-7-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्य-  
मान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतर्हस्ता (अंतर्हस्तियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
कार्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरितता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मल्लरवान, बीरबल, राम जभ सुमेर सिंह पुत्रगण  
श्री रणपत पुत्र श्री हनुवन्त, भागमल, भूपमिह,  
पुत्रगण श्री सुरजन, राम देवी, सुख देवी पुत्रियाँ  
श्री सुरजन व श्रीमती तिरबेनी पत्नी श्री सुरजन  
गां० खांडसा जि० गुड़गांव

(अन्तरक)

2. मै० पोपटेकम 410 लारेंस हाउस 33 मैरीन लाइन्स  
बम्बई बजरिया श्री आर० के० सहगल।

(अन्तरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि रकबा 1 बीघा 8 बिस्वा गांव खांडसा जिला  
गुड़गांव में स्थित है। जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के  
कार्यालय स्थित गुड़गांव रजिस्ट्री संख्या 3806 दिनांक 4-7-84  
पर दिया है।

आर० के० भयाना

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 13-3-1985

मोहर :

शक्य बाई टी. एम. एरु. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 13 मार्च 1985

सं० गुडगांव/625/84-85—अतः मुझे आर० के० भयाना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है

और जिसकी भूमि है जो गांव खाडसा जिला गुडगांव में स्थित है एक लाख रुपये में अधिक के उचित बाजार मूल्य वाली अचल सम्पत्ति (जिसका अधिक विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है) को जिसका अंतरण ट्रांसफर और रजिस्ट्रेशन, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के गुडगांव स्थित कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन रजिस्ट्रेशन सं० 3807 के अन्तर्गत किया गया है दिनांक 4 जुलाई 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अध्यापनोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बराबर प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निर्धारित उद्देश्य से उक्त अंतरण भविष्य के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुए किसी बाव की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए कोट/वा

(ख) ऐसे किसी बाव या किसी धन या अन्य वास्तुकी को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, जियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भल्लवान, बीरबल, रामजस, सुमेरसिंह पुत्र गण श्री रणपत, भागमल, भूपसिंह मुत्रगण श्री सुरजन, राम देवी, सुत्र देवी और श्रीमती त्रिवेनी गां० खाडसा जिला गुडगांव।

(अन्तरक)

2. मै० प्रोप्रेशिव डाईस्टफ 410 लोटग हाउस 33 मैरीन लाइन्स बम्बई द्वारा श्री एस० के० सहगल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 1 बीघा 8½ बिस्वा गांव खाडसा में स्थित है। जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता गुडगांव स्थित कार्यालय में रजिस्ट्री संख्या 3807 दिनांक 4-7-84 पर दिया है।

आर० के० भयाना  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, रोहतक

दिनांक : 12-3-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 13 मार्च, 1985

सं० रेखाड़ी/8/84-85—अतः मुझे, आर० के० भयाना  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 106 कनाल गांव खजूरी  
तहसील रिवाड़ी में स्थित एक लाख रुपये से अधिक के उचित  
वाली अचल सम्पत्ति जिसका और अधिक विवरण  
नीचे अनुसूची में दिया गया है) को जिसका अन्तरण (ट्रांसफर)  
और रजिस्ट्रेशन, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी रिवाड़ी स्थित कार्यालय  
रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
रजिस्ट्रेशन सं० 1071 के अन्तर्गत किया है दिनांक 5-7-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रकीर्णार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ब की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री आमाराम पुत्र श्री भीमा गांव, खजूरी डा० डूंगर-  
वास त० रिवाड़ी जि० महेन्द्रगढ़।

(अन्तरक)

2. मै० खोडे डिस्टीलरीज लि० द्वारा श्री के० एल०  
रामाचन्द्रा न० 10 मेन रोड गांधी नगर बंगलौर-  
560009।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि 106 कनाल जो कि गांव खजूरी त० रिवाड़ी  
स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता रिवाड़ी के  
कार्यालय में रजिस्ट्री सं० 1071 दिनांक 5-7-84 पर रिया  
है।

आर० के० भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, रोहतक

तारीख : 13-3-85

सोहर :

प्रकृष्य आई.टी.एन.एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की,  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

1. श्री राम लाल खुराना नि० 3सी/45, एन० आई० टी०  
फरीदाबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शकुन्तला देवी पत्नी श्री साहिब राम म० नं०  
3सी/45, एन० आई० टी० फरीदाबाद।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 13 मार्च 1985

निर्देश सं० बल्लभगढ़/36/84-85—अतः मुझे आर०  
के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० म० नं० 3सी-45 एन० आई० टी० फरीदाबाद  
में स्थित है संख्या वाली एक लाख रुपये से अधिक के उचित  
बाजार मूल्य वाली अचल सम्पत्ति (जिसका श्रीर अधिक विवरण  
नीचे अनुसूची में दिया गया है) को जिसका अन्तरण (ट्रांसफर)  
श्रीर रजिस्ट्रेशन, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के बल्लभगढ़ स्थित  
कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन रजिस्ट्रेशन सं० 6709 के अन्तर्गत किया गया है  
तारीख 28 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के बध्नाय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 3सी-45, एन०आई० टी० फरीदाबाद  
में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय,  
बल्लभगढ़ में रजिस्ट्री संख्या 6709 दिनांक 28-7-84 पर  
दिया गया है।

आर० के० भयाना

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 13-3-85

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 11 मार्च 1985

निर्देश सं० सं० बल्लभगढ़/38/84-85—अतः मुझे आर०  
के० भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है जो सेक्टर 15-ए, फरीदाबाद में म०  
नं० 761 में स्थित है संख्या वाली, एक लाख रुपये से अधिक  
के उचित बाजार मूल्य वाली अचल सम्पत्ति (जिसका और अधिक  
विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है) को जिसका अन्तरण  
(ट्रांसफर) और रजिस्ट्रेशन, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
बल्लभगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 18908 (1908 का 16)  
के अधीन रजिस्ट्रेशन सं० 6788 के अन्तर्गत किया गया है।  
तारीख 30 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई  
है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और  
अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
जिहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वर्षाव में कभी करने या उससे बचने में मजिधा  
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जा रहा था जिन्होंने या जिन्होंने  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सुभाष चन्द गोयल, श्री कृष्ण देव गोयल पुत्रगण  
स्व० श्री त्रिलायती राम गोयल नि० 485, सेक्टर-  
15 ए, फरीदाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री मन्त कुमार जैन पुत्र श्री सुलतान सिंह म० नं०  
20 चर्च जैन, भोगल, नई दिल्ली।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विभा  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 761, सेक्टर-15 ए, फरीदाबाद में  
स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय  
बल्लभगढ़ में रजिस्ट्रीसंख्या 6788 दिनांक 30-7-84 पर दिया  
है।

आर० के० भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, रोहतक

तारीख: 11-3-85

मोहर

प्रत्यक्ष बाध. टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 2 मार्च 1985

निर्देश सं० पानीपत/45/84-85—अतः मुझे, आर० के०  
भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1816 तरफ इन्मार पानीपत जिसका रकबा  
46 बीघा 16 बिस्वा संख्या वाली, एक लाख रुपये से अधिक  
के उचित बाजार मूल्य वाली अचल सम्पत्ति (जिसका और अधिक  
विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है) को जिसका अन्तरण  
(ट्रांसफर) और रजिस्ट्रेशन, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के पानीपत  
स्थित कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 5 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी बाध की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
वर्गीकरण में कमी करने या उससे बचने में अविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिय  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में अविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :—

20—16GI/85

1. सर्वश्री मनरामदास पुत्र खिलाराम पुत्र मुलतानी राम,  
गुरदियाल तिलकराज, मुलबराज, अमृतलाल  
पुत्रगण श्री मनरामदास पुत्र खिलाराम, निवासी  
गण, म० नं० 369/एल माडल टाउन, पानीपत।

(अन्तरक)

2. लुधियाना हीजरी एण्ड टेक्सटाइल्स एसोसिएशन  
चौक माधोपुरी लुधियाना बजरिया श्री श्रीबजीर  
चन्द, प्रधान एसोसिएशन उपरोक्त पुत्र श्री सुख  
रामदास निवासी सुन्दर नगर, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि जो कि तरफ इन्मार पानीपत में स्थित है  
जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय पानीपत  
रजिस्ट्री संख्या 1816, दिनांक 5-7-84 पर दिया है।

आर० के० भयाना

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 2-3-85

मोहर

प्रत्यक्ष बाई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 2 मार्च 1985

निर्देश सं० पानीपत/46/84-85—अंतः मुझे आर० के०

भयाना

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य : 100,000  
से अधिक है

और जिसकी सं० 3 बीघा 17 बी० है, जो तरफ इन्सार् पानीपत पर  
स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पानीपत में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 6 जुलाई 1984 को रजिस्ट्रेशन सं० 1825

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सम्यमान  
प्रतिफल के लिए बन्तारित की गई है, और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके सम्यमान प्रतिफल से ऐसे सम्यमान प्रतिफल का पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(बन्तारितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में त्रुटि के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या बनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
बन्तारिती इबाए प्रकट नहीं किया गया वा या किसी  
भावा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सर्वश्री सतीश कुमार पुत्र अरदारी लाल पुत्र तीर्थराम,  
सुभाष चन्द्र पुत्र रामलाल पुत्र तीर्थ राम, निवासी,  
म० नं० 457 बाई नं० 1 पानीपत।

(अन्तरक)

2. लुधियाना होजरी एण्ड टेक्सटाइल एसोसिएशन  
चौक माधोपुरी लुधियाना द्वारा श्री तरसेमलाल यहाँ  
सचिव पुत्र ला० बाबूलाल नि० लुधियाना।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि जो कि तरफ इन्सार् पानीपत में स्थित है जिसके  
का अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय पानीपत रजिस्ट्री  
संख्या 1825 दिनांक 6-7-84 पर दिया है।

आर० के० भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 2-3-85  
मोहर



प्रकरण भाग 1 टी. एन. एन. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 2 मार्च 1985

निर्देश सं० पानीपत/47/84-85:—अतः मुझे आर० के०  
भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 12 मर्नाल 12 मरले जो तरफ मुखदुमजादगान पानीपत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के पानीपत स्थित कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6 जुलाई 1984 को रजिस्ट्री सं० 1826

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ, किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने में अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :-

1. सर्वश्री रामलाल पुत्र तीर्थराम, सतीस कुमार, हरीश कुमार पुत्रगण सरदारी लाल पुत्र तीर्थ राम, निवासी—म० नं० 457 बाई 1 पानीपत।

(अन्तरक)

2. लुधियाना हीजरी एण्ड टेक्सटाईल एसोसिएशन चौक माधो पुरी लुधियाना बजरिये श्री तरसेम लाल जैन महासचिव पुत्र सा० बाबू लाल जैन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति भूमि जो कि मुखदुमजादगान पानीपत में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय पानीपत रजिस्ट्री संख्या 1826 दिनांक 6-7-84 पर दिया गया है।

आर० के० भयाना

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, रोहतक

तारीख : 2-3-85

मोहर :

प्रकृष बाई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 12 मार्च 1985

निर्देश सं० अम्बाला/45/84-85—अतः मुझे आर० के०  
भयाना

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 4104/4105 है जो सराफा  
बाजार अम्बाला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के अम्बाला  
स्थित कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 4 जुलाई 1984 को रजिस्ट्रेशन  
सं० 3301

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के  
बाजिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिनमें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री धनश्याम दास पुत्र श्री सालिगराम निवासी-111/  
201, हर्षनगर कानपुर यू० पी०।

(अन्तरक)

2. श्री राधेश्याम पुत्र श्री सम्पत राम, श्रीमती ब्रजबाला  
पत्नी श्री कुलदीप सिंह पुत्र श्री राधेश्याम, श्रीमती  
शान्ता देवी पत्नी प्रदीप सिंह पुत्र श्री राधेश्याम  
निवासी-60, 61, गोविन्द नगर अम्बाला छावनी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास  
निहित में किए जा सकेंगे।

स्वाधीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 4104/4105 जो कि सराफा बाजार  
अम्बाला छावनी में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्री-  
कर्ता के कार्यालय अम्बाला में रजिस्ट्री संख्या 3301 दिनांक  
4-7-84 पर दिया है।

आर० के० भयाना

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 12-3-85

मोहर :

अध्यापक डॉ. एन. ए. ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 12 मार्च 1985

निर्देश सं० अम्बाला/52/84-85—अतः मुझे, आर० के०  
भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 4 कनाल है जो सिधावाला तहसील अम्बाला  
में स्थित है और इससे उपायधन अनुसूची में और जो पूर्ण रूप  
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अम्बाला स्थित कार्यालय  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 11 जुलाई 1984 की रजिस्ट्रेशन सं० 3519

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तित्व के  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-अ के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सर्वश्री रामलाल पुत्र होता राम पुत्र श्री गणेश दास,  
महेन्द्र केमार पुत्र हीरानन्द निवासी जनसूई,  
तहसील ब जिला अम्बाला।

2. श्री रामेश्वर लाल पुत्र श्री पूर्ण चन्द्र, तुलसीदास  
पुत्र जय दयाल पुत्र श्री खुशियाराम सीताराम  
हरभगवान जगदीशचन्द्र पुत्रगण श्री विशनदास  
पुत्र श्री सेवाराम, निवासी-नसीरपुर, तहसील ब  
जिला --अम्बाला।

(अन्तरक)

2. (1) सर्वश्री रोशनलाल सिखा पुत्र पं० रामजस  
पुत्र पं० जगन्नाथ निवासी बाधशाशीबाग, अम्बाला

(2) श्री गुरदयाल सिंह पुत्र श्री हीरा सिंह पुत्र  
हरविन्द सिंह निवासी सिधावाला, तह० ब जिला  
अम्बाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जो कि भूमि 4 कनाल सिधावाला में स्थित है जिसका  
अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय अम्बाला रजिस्ट्री  
संख्या 3519 दिनांक 11-7-84 पर दिया है।

आर० के० भयाना

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

तारीख: 12-3-85

मोहर:

## प्रथम भाग की पुनः पुनः-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 12 मार्च 1985

निर्देश सं० अम्बाला/60/84-85—अतः मुझे, आर० के०  
भयाना

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 395, जो माडल टाउन अम्बाला  
शहर में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अम्बाला स्थित  
कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख 24 जुलाई 1984 रजिस्ट्रेशन सं० 3818

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
को बिना और/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
सम्पत्ति अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनाय अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थना है—

1. श्री राम लाल पुत्र श्री सोभाराम पुत्र श्री गुरदित्त  
मल निवासी मकान नं० 10521/6 अम्बाला  
शहर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती गीता कोहली धर्मपत्नी श्री अनिल कुमार  
कोहली पुत्र श्री मनोहर लाल निवासी मकान नं०  
20 अजीत नगर अम्बाला छावनी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसाब किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोव्यवस्थापक के पास लिखित  
में किया जा सके।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

सम्पत्ति मकान नं० 395 जो कि माडल टाउन अम्बाला  
शहर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्री-  
कर्ता के कार्यालय अम्बाला में रजिस्ट्री संख्या 3818 दिनांक  
24-7-84 पर दिया है।

आर० के० भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 12-3-85  
मोहर

प्रथम भाग. डी. एन. एल. -----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 19 फरवरी 1985

निर्देश सं० करनाल/148/84-85- अतः मुझे, आर० के०

भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट और गोदाम है जो धरोड़ा में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी स्थित कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30 जुलाई 1984 रजिस्ट्रेशन सं० 3988

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के शायित्य से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या दिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती शामो देवी विजवा श्री साधूराम, निवासी धरोड़ा।

(अन्तरक)

2. सर्वश्री प्रेम चन्द, महेन्द्रपाल, सुरेन्द्र सिंह, वीरन्द्र कुमार, सतीश कुमार, वजिन्द्र कुमार सुत्रगण श्री जयभगवान पुत्र श्री तारा चन्द व श्री कंवर भान पुत्र श्री हरि किशन दास व राम गोपाल पुत्र श्री राम सूर्य व अमर नाथ पुत्र श्री बनारसीदास द्वारा सुन्दरलाल जय भगवान कमीशन एजेंट धरोड़ा।

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति प्लॉट व गोदाम जो कि धरोड़ा में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय करनाल में रजिस्ट्री संख्या 3988 दिनांक 30-7-84 पर दिया है।

आर० के० भयाना

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

तारीख : 19-2-85

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, मदुराई

मदुराई, दिनांक 8 मार्च 1985

निदेश सं० 163/जुलाई/84—अतः मुझे, बी राम  
मुन्तुराम लिंगम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डोर नं० 81 (टी एस० नं० 33) है तथा  
जो टाउन हाल रोड़ मदुरै में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय जे० एस आर० मदुरै में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई  
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से ऐसे द्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निर्दिष्ट में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
हासिल में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) एम के मोहमद मियान  
या एम० के० मियाकान ।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० मोहमद हनिफा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(भूमि और निर्माण में डोर सं० 81 (टी० एस०  
सं० 33 टाउन हाल रोड़ मदुरै दस्तावेज सं० 3555/84)

बी एम० मुन्तुराम लिंगम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, मदुराई

दिनांक : 8-3-1985

मोहर :

प्रकरण आई. टी. एन. एस. -----

(1) एम० एम० एस जगत जोति

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) आर मोहनलाल और अन्यो ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रार्जन रेंज, मद्रास

मद्राई, दिनांक 8 मार्च 1985

निदेश सं० 164/जुलाई/84—अतः मुझे वी एम  
मुन्नुरामलिंगम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डोर सं० 57 (टी. एस. नं० 2056/2  
है तथा जो कामराजर सालै, मदुरै में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय जाट सब-रजिस्ट्रार, मदुरै (दस्तावेज  
सं० 3568/84, 3569/84, 3570/84, 3571/84 और  
3572/84 3573/84) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1984

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
एकद्वि प्रतशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तिनों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

21—16GI/85

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और बर्णों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

(भूमि और निर्माण में डोर सं 57 (टी० एस०  
सं० 2056/2) कामराजर सालै, मदुरै—दस्तावेज सं०  
3568/84, 3569/84, 3570/84, 3571/84 3572/84  
और 3573/84)

वी एम मुन्नुरामलिंगम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रार्जन रेंज, मद्राई

दिनांक : 8-3-1985

मोहर :

प्ररूप आई. ट. एन. एच. - - -

(1) श्री के० पुस्तोतम ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एस० जयराम

(अन्तरिती) - 1

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 मार्च 1985

निदेश सं० 165/जुलाई/84—अतः मुझे, एम० वी०  
मुत्तुरामलिंगम

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/- रु. से अधिक है,  
और जिसकी सं० ओर एस० सं० 78, वलयनगुलम गांव  
है तथा जो मदुरै दक्षिण तालुका (तमिलनाडु) में स्थित है  
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जायंट सब-रजिस्ट्रार  
मदुरै, (सं० 3730/84, 3750/84), में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और वृद्धे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में व्यक्ति के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में संधि  
के लिए;

वतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अपांश :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अपांश :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अन्तरक

9 एकड़ और 1 मंट (पूजा भूमि में ओर एस० सं०  
78 वलयनगुलम गांव, मदुरै सबुन तालुक दस्तावेज सं०  
3730/84 और 3750/84

वी० एस मुत्तुरामलिंगम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, मद्रास

दिनांक : 8-3-1985

मोहर :



प्ररूप आई.टी.एन.एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

प्रकाशित करके

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 मार्च 1985

निदेश सं० 166/जुलाई/84—अतः मुझे, बी.एम०

मुत्तुरामलिंगम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 8 टी.एस० सं० 1149 है,  
तथा जो मदुरै टाउन में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनु-  
सूची-में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी  
के कार्यालय जे० एस० आर० ए०, मदुरै (वस्तावेज सं०  
3757, 3758, 3759, 3760, 3761, 3762) में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे  
दायमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तर के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कटित  
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वस्तु, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधिनियम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अलगरसामि पिल्लै और अन्य

(अन्तरक)

(2) श्री रामचन्द्रन और चन्द्रादेवी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण, मदुरै, टाउन वस्तावेज सं० 3758  
3759, 3760, 3761, 3762/84

बी० एम० मुत्तुरामलिंगम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

दिनांक : 8-3-1985

मोहर :

प्रकृष लम्बी सी. एन. एल. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1957 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 मार्च, 1985

निर्देश सं० 10/जुलाई/84/रेंज II—अतः मुझे, श्रीमती  
एम० सामुवेल  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि एस० नं० 713/1, 71441, 715/2.4  
ब 716/2, 734/2 है तथा जो कवंदमपाडि गाँव में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कवन्दम्पाति लेख सं०  
789/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
एम्बु प्रतियोगिता से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) ए० आर० चिन्नया गौडर और अन्नय

(अन्तरक)

(2) श्री येंगोडगोडर और उनके पुत्र

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि :—एस० नं० 713/1.2, 714, 715/2.4, 716/2,  
734/2 युडुकुमारपालयम कवंदपाडि लेख सं० 789/84

एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 4-3-1985

मोहर :

प्रकृष्ट बाई.टी.एच.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 मार्च 1985

निदेश सं० 24/जुलाई/84/रेंज-2—अतः मुझे, एम०  
सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० भूमि इसके है तथा जो नेगमम में स्थित  
है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सत्यमंगलम लेख  
1517/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई  
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-  
पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-  
फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिफल से अधिक है  
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे  
अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रकोटवार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या वा किना जाया जाहिए वा, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पञ्चयम्मल और उनके पुत्र

(अन्तरक)

(2) श्री रामास्वामी गौवर वरम्पालयम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिता करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि दक्कड़ गांव नेगमम गांव सत्यमंगलम लेख सं०  
1517/84

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 4-3-1985

मोहर :

इसका भाग. टी. एन. एच.-----

(1) राजबेलु और हलेगोवन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री राजकुमार गाडियन

और मां देवकुंजरप्रमाल ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 मार्च 1985

निदेश सं० 58/जुलाई/84/रेंज-2—अतः मुझे, एम०  
सामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 289/4 सर्वे नं० डोरनं 8ए, 8ए, 8बी  
है तथा जो कल्लकुरिन्ची में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
के कार्यालय कल्लकुरिन्ची में लेख सं० 1592/84 में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है कि मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना था, छिपाने में सविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ब के अनुसार  
मे, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-ब की उपभाषा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के प्राप्त  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि :— 8 ए, 8ए, 8 बी कल्लकुरिन्ची, लेख सं०  
1592/84 और मकान

एम० सामुबेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 4-3-1985

मोहर :

प्रारम्भ जाह. टी. एम. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) .

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 मार्च 1985

निदेश सठ० 58/जुलाई/84/ रेंज-2--अतः मुझे, एम०  
सामुबेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी प्लट भूमि पेतनायकुनूर है तथा जो  
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है ) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आनेमलै  
लेख सठ० 828/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
है, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री के० वेणुस्वामी

(अन्तरक)

(2) श्री एन० पलनिगोडर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

बन्सुजी

भूमि पेतनायकुनूर लेख स० 828/84 आनेमलै ।

एम० सामुबेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 4-3-1985

माहूर :

प्रश्न बाह्य टी. एन. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 मार्च 1985

निर्देश सं० 73/जुलाई/84/रेंज-2—अतः, मुझे, एम०  
सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि और मकान 84, न्यू नं० 55,  
अरुणाचल नायकन स्ट्रीट र तथा जो मद्रास-2 में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में उ और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास सेंट्रल लेख सं०  
713/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसकी दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
हासिल में कमी करने या इससे बचने में सविधा  
के लिए; और/या

(ब) ऐसे किसी बाब या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिनियम :—

(1) श्री रेखचंद रेखा और अन्य

(अन्तरक)

(2) श्री सी० भूपति ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

भूमि और मकान 84 न्यू नं० 55 अरुणाचल नायकन,  
स्ट्रीट, मद्रास-2, सेंट्रल । लेख नं० 713/84

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2 मद्रास

दिनांक : 4-3-1985

मोहर :

प्रमुख मार्ग. टी. एन. कृष्ण.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रैंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 मार्च 1985

निदेश सं० 74/जुलाई/84/रैंज-2—अतः, मुझे, एम०  
सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० 3 IV स्ट्रीट ट्रस्ट कास स्ट्रीट है तथा जो  
मंडवेलिपाकुम, मद्रास-28 में स्थित है (और इससे उपाय  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय मद्रास, सेंट्रल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1984

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती  
(अंतरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण अखिल में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 14) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

22—10CT/85

(1) श्री अलिय म। फिलिप और  
श्री टामस फिलिप ।

(अन्तरक)

(2) श्री एन० बी० पांडुरंगम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करा जा रही है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ष  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मृमि और मकान नं० 3 VI ट्रस्ट कास स्ट्रीट,  
मंडवेलिपाकुम-मद्रास-28 सेंट्रल लेख सं० 710/84

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रैंज-2, मद्रास

दिनांक : 4-3-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री आर० श्रीनिवासन ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती अरुणा रंगनाथन ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 मार्च 1985

निदेश सं० 77/जुलाई/84/रेंज-2—अतः मुझे, श्रीमति एम०

सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि और मकान 13/11, स्ट्रीट नंवनम  
एक्सटेंशन है तथा जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारों के कार्यालय मद्रास सेंट्रल लेख सं० 682/84 में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
म. म. उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताधारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान 13/11, नंदनम एक्सटेंशन  
मद्रास सेंट्रल लेख सं० 682/84

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 4-3-1985

मोहर :



प्रकाशनाई.टी.एच.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) को बर्धन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 मार्च 1985

निदेश सं० 78 जुलाई/84/रेंज-II--अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग को बर्धन सक्षम प्राधिकारी को यह विचार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० 19ए, बालाजी नगर 1 स्ट्रीट है तथा जो रायपेट्टा, मद्रास-14 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास सेंट्रल लेख सं० 688/84 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विचार करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नीयित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधिवत से वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को बर्धन कर देने के अंतरक के बर्धन में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को बर्धन, निम्नीयित व्यक्तियों, वर्णित है—

(1) श्रीमती एम० निर्मला ।

(अन्तरण)

(2) श्री के० कुण्डम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को बर्धन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्धन के सम्बन्ध में कोई भी वादार्थ :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिद्धित में किया जा सके।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान 19 ए, बालाजी नगर 1 स्ट्रीट रायपेट्टा, मद्रास-14 मद्रास सेंट्रल लेख सं० 688/84

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 2-3-1985  
मोहर :

सूचना नं० टी. एन. एन. -----

(1) श्री वी० वी० रामसामि वेदियार।

(अन्तरक)

(2) श्री वी० वी० आर० शेलवराज  
और अन्य।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 25 फरवरी 1985

निवेश सं० 87 जुलाई/84/रेंज-II—अतः मुझे, श्रीमती  
एम० सामुवेलआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० भूमि एस नं० 343/6 है तथा जो  
ट्रिप्लीकेन में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
ट्रिप्लीकेन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16) के अधीन जुलाई 1984को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिणी (अन्तरिणीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
बाका गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाबत में कभी कहने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि :—2070फीट एस० नं० 343/1, ट्रिप्लीकेन,  
ट्रिप्लीकेन, लेख सं० 492/84एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 25-2-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एन.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक: 2 मार्च 1985

निर्देश सं० 89/जुलाई/84/रेंज-11—अतः, मुझे, श्रीमती

एम० सामुवेल,

भाषकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिमकी सं० 31 (पुराना नं० 10 में वेंकटेशनायकन स्ट्रीट  
है तथा जो चेपाक, मद्रास-5 में स्थित है (और इससे उपबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय ट्रिप्लीकेन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1984

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
बहुत प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निहित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के वास्तव  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय भाषकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
पुनः-भाषकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री आर० वणम्मुरम ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एफ० मुहम्मद हबीबा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और सनान :— और सं० 31 (पुराना नं० 10)  
वेंकटेशनायकन स्ट्रीट, चेपाक, मद्रास-5  
श्रेष्ठ सं० 444/ट्रिप्लीकेन ।

एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 2-3-1985 .

मोहर :

प्रश्न भाई, डी. एन. एम. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 मार्च 1985

निदेश सं० 96/जुलाई 84/रेंज-II--अतः मुझे, श्रीमती  
एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 11 (पुराना नं० 8) बंदी, वेंकटेश नाय-  
कन स्ट्रीट है, जो ट्रिप्लीकेन, मद्रास-5 में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ट्रिप्लीकेन लेख सं०  
440/84 से रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने की अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उसके बढ़ने में सुविधा के लिए;  
बीड/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था जिनमें से सुविधा  
के लिए;

अतः आप, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री एस० जयरामन

श्री ज० आलाजी,

(अन्तरक)

2. श्री जैन स्वेतांबर मूर्ति पूजक ट्रस्ट,  
ट्रस्टी--जे० गौतमचंद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान न्यू डोर नं० 11 (पुराना नं० 8),  
बंदी वेंकटेश नायकन स्ट्रीट, ट्रिप्लीकेन, मद्रास-5। ट्रिप्लीकेन  
लेख सं० 440/84।

एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख 2-3-1985

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 मार्च 1985

निदेश सं० 91/लजुलाई 84/रेंज-11--अतः मुझे, श्रीमती  
एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि और मकान है 31 (पुराना नं० 11)  
मास्क स्ट्रीट है, जो चेपाक, मद्रास-5 में स्थित है (और  
इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)।  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ट्रिप्लीकेन लेख सं०  
465/84 से, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितीयों) के बीच उसे, अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उसके बचने में सुविधा को सिधे;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन बन्ध वास्तविकों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
को सिधे;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. कुमारी आर० सुभद्रा देवी।

(अन्तरक)

2. डा० टी० आर० चन्द्र दास।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पत्र  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान ---डोर नं० 31 (पुराना नं० 11)  
मास्क स्ट्रीट, चेपाक, मद्रास ट्रिप्लीकेन---लेख सं० 465/84

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज- , मद्रास

तारीख : 4-3-1985

मोहर :

प्रकृष बाई. टी. एम. एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज- , मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 मार्च 1985

निदेश सं० 92/जुलाई/84/रंज-11--अतः मुझे, श्रीमती  
एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ( जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है ), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 29, (पुराना नं० 26) फेरोस  
साहिब स्ट्रीट है, जो रायपेट्टा, मद्रास-14 में स्थित है (और  
इससे उपान्वत अनुसूची से और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ट्रिप्लीकेन लेख सं०  
476/84 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ज्ञान बहादुर  
हाजी मुहम्मद,  
प्रबुल अजीस,  
नाजर साहिब,  
वाक्फ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती के० कृष्णम्मान  
और अन्यो।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान -- 29, (पुराना नं० 26) फेरोस  
साहिब स्ट्रीट, रायपेट्टा, मद्रास-14। ट्रिप्लीकेन लेख सं० 476  
/84।

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज-II, मद्रास

तारीख 4-3-1985  
मोहर

प्रकरण 2, भाग 1, टी. एम. ए. 13/253

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 मार्च 1985

निदेश सं० 240/जुलाई 84/रेंज-II—अतः मुझे,

श्रीमती एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० हार्टी० एम्रीकल्वरल भूमि 605 नं० 57/  
1, हिस्सा, टी० एम० नं० 13/253 है, जो ग्लाक नंग  
अडमार लेख सं० 1162/84 हिस्सा में स्थित है (और  
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीलर्ता अधिकारी के कार्यालय, अडयार लेख सं०  
1962/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित सुबोध से उक्त अन्तरण निश्चित में  
वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री पदमनाम घास राम वर्मा  
बै० पालर राजगुड श्री एस पदनाम अत्यर

(अन्तरक)

2. डा० नितान तेरडिपुषा मायू

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जांचे।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
रहित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि 05 नं० 57/1 (हिस्सा) टी० एम० नं० 13/  
253, हिस्सा ग्लाक नं० 21, अडयार लेख सं० 1962/84

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
यों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 4-3-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री पद्मनाभ दास राम वर्मा,  
पवर एजेंट  
एस० पद्मनाभ प्रम्यर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुशीला माथ्यू

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 मार्च 1985

निदेश सं० 241/जुलाई 84/रेंज-11--अत मुझे,

श्रीमती एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० हाटि० एग्रिकल्चरल भूमि, ओ० एस० नं०  
57/1, हिस्सा टी० एम० नं० 13/253, है, जो हिस्सा  
ब्लॉक नं० 21, रूर गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, अडयार लेख सं० 1961/84 में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख जुलाई 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

हाटि० एग्रिकल्चरल भूमि 05 नं० 57/1, हिस्सा टी०  
एस० नं० 13/253 हिस्सा ब्लॉक नं० 21, उरूर गांव--  
अडयार/लेख सं० 1961/84।

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 4-3-1985

मोहर



आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 मार्च 1985

निवेश सं० 252/जुलाई 84—अतः मुझे, श्रीमती  
एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ब्लाक नं० 16, टी० एस० 7/2,  
कोट्टरपुरम गांव, श्रीदापेठ है, जो अडयार में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अडयार लेख सं०  
2140/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, जुलाई 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित  
है वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्य  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा है लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या  
या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सी० पी० सुब्बरामन्

(अन्तरक)

2. श्री रामसामि बालसुब्रमणियम्

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि टी० एस० नं० 7/2, ब्लाक नं० 16, कोट्टरपुरम  
गांव अडयार सब डिस्ट्रिक्ट श्रीदापेठ तालुक अडयार लेख  
सं० 2140/84।

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 4-3-1985

मोहर:

**इस अधिनियम का नाम**

**भायकट अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) की अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 25 फरवरी 1985

निर्देश सं० 280/जुलाई 84/रेंज-II-अतः मुझे, श्रीमती

एम० सामुवेल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पुराना नं० 551/हिस्सा न्यू नं० 1034/हिस्सा टी० एच० रोड़ है, जो मद्रास-19 आर० एस० नं० 174/हिस्सा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुवोदियूर लेख सं० 2123/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई 84

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसकी दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी नाम की वापस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व से कमी करने या उक्त सूचना में सूचना से निवृत्ति; और/वा

(ख) ऐसी किसी नाम का किसी वन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या ना किया जाना चाहिए या छिपाने में सूचना के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्रीमती कणम्माल और दूसरे

(अन्तरक)

2. श्री पन्नीरसोलवम् और अन्यो

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन को सिए कार्यवाही कराता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्तव्य

भूमि और मकान:—पुराना नं० 551/हिस्सा न्यू नं० 1034/हिस्सा टी० एच० रोड़, मद्रास-19, आर० एस० नं० 174/हिस्सा लेख सं० 2123/84। तिरुवोदियूर।

एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 25-2-1985

मोहर:

प्रत्यक्ष कार्य, टी.एन.एस. - - -

1. श्री टी. ए. एस. वेलु

(अन्तरक)

2. मेसर्स गीवस्ता एन्टरप्राइजेस

(अन्तरिती)

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 भाग 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 मार्च 1985

निर्देश सं० 286/जुलाई 84/रेंज- ---अतः मुझे,

श्रीमती एम० सामुवेल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग  
 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि आडिनूर गांव, गांव सं० 225,  
 है, जो श्रीपेरंबुदूर, चेंगलपट डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (और  
 इससे उपाय अतुल्य में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास मार्च लेख सं०  
 1986/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से ऐसे व्यवमान प्रतिफल का पन्द्रह  
 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया  
 प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित  
 में वास्तविक रूप से, कथित नहीं किया गया है :-

(क) अनुसूचि है कि किसी बात की बावत, उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
 अधिनियम में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
 के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसे किसी आदमी की धन या अन्य वास्तवों  
 को कि वह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
 अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
 अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
 जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण  
 में, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-ब की उपभागा (1)  
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
 कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
 की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
 बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास  
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-  
 भाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
 दिया गया है।

भूमि:—भूमि नं० 225, आडिनूर गांव श्रीपेरंबुदूर  
 तालुक चेंगलपट डिस्ट्रिक्ट मद्रास मार्च लेख सं० 1986/84

एम० सामुवेल  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 2-3-1985

मोहर:

प्रथम भाग: टी. एच. एच. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

राजपत्र में सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 मार्च 1985

निवेश सं० 81/जुलाई 84/रेंज- —अतः मुझे, श्रीमती  
एम० सामुवेल,  
नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विज्ञापन करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० 64, कुन्नतूर रोड, है जो पोरूर में स्थित  
है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आलंदूर लेख सं०  
2191/89 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1984  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और  
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय  
गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उपबन्ध से उक्त अंतरक  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय. की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अंतरक के  
कार्य में कभी कटौत या कटौत करने से सूचना  
के लिए; कोई/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिये था, डिवाइडेंडों  
वर्षा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
नहीं है, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्तित :-

1. श्री पी० वेंकटेश्वरन्,  
और अन्यो।

(अन्तरक)

1. श्री के० श्रीधरन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्तन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्तन के संबंध में कोई भी बाधोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में संपादित होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फैक्टर :- 64, कुन्नतूर, रोड पोरूर आलंदूर—लेख  
सं० 2191/84।

एम० सामुवेल  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 8-3-1985  
मोहर :

प्रकृष आर्.टी.एन.एस.-----

1. श्री एस० सभापति

(अन्तरक)

बाबुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती एस० सरोजा

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 मार्च 1985

निदेश सं० 83/जुलाई 84/रेंज-I—अतः मुझे, श्रीमती  
एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 11, कलिका कालानि नुगम्बाकम् है, जो  
मद्रास-61 आर० एस० नं० 65/1 65/2ए० में स्थित है  
(और इससे उपानुद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय, आलंदूर—लेख सं०  
2134/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बावत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय बाबुकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
उद्देश्यार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जांच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
नाम निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मद्रास

भूमि और मकान :—11, कलिका कालानि, नंगमल्लूर,  
मद्रास-61 आलंदूर—लेख सं० 2134/84।

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 8-3-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 मार्च 1985

निदेश सं० 181/जुलाई 84/रेंज-II—अतः मुझे,  
श्रीमती एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवरण करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 22, राजा अण्णामल्लै चेट्टी रोड, है  
जो पुरशवाक्कम्, मद्रास-7 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, पुरशवाक्कम् लेख सं० 1304/84 में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरणों के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
आस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जसराज एम० जैन,  
और बाबूलाल एम० जैन।

(अन्तरक)

2. मेसर्स बसन्त रिसोर्सिज लि०,  
बाई डायरेक्टर  
पी० एन० बेंगानि।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 2बी, II फ्लोर, डोर नं० 22/1बी, राजा  
अण्णामल्लै चेट्टी रोड, पुरशवाक्कम्, मद्रास-7, पुरशवाक्कम्  
लेख सं० 1304/84।

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 8-3-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 मार्च 1985,

निदेश सं० 190/जुलाई 84/रेंज-II—अतः मुझे, श्रीमती

एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 24, नागेश्वर अय्यर रोड है, जो नुगम्बा-  
क्कम में स्थित है (और इससे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
थोसंड लेट्स लेख सं० 360/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई  
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दखलान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दखलान प्रतिफल से इसे दखलान प्रतिफल का  
बहुत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
किया गया प्रतिफल, निर्धारित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाष की वास्त, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावजूद  
में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए]

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निर्धारित व्यक्तिगत, अर्थात्—

24—6GI/85

1. श्री राजमा रामन  
और श्री टी० रामन।

(अन्तरक)

2. श्री टी० उमासा,  
एस० ए० सीयद,  
और अब्दुल कादर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करत हूँ।

इस सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बलापः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण 5—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि:—24, नागेश्वर अय्यर रोड, मद्रास-34 नुग-  
म्बाक्कम थोसंडलेट्स—लेख सं० 360/84।

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 8-3-1985

मोहर

**इसमें बाई टी. एन. ए.**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना**

**माध्यम**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

**अर्जन रेंज-II, मद्रास**

**मद्रास, दिनांक 8 मार्च 1985**

**निदेश सं० 204/जुलाई 84/रज-II—अतः मुझे,**

**श्रीमती एम० सामुवेल,**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सहायक प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है**

**और जिसकी सं० प्लॉट नं० 151ए०, अय्यावू नायडू कालनी अय्यावू नायडू लेन है, जो अरुम्बाक्कम गांव, मद्रास-29 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोडम्बाक्कम लेख सं० 1918/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1984**

**को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए इस पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—**

**कि अन्तरक से हुई किसी बात की वजह से, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविले से कमी करने या उसमें वृद्धि करने में सुविधा के लिए; और/वा**

**(क) ऐसी किसी आय या किसी धन के अन्तर्गतियों के विषय में भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बंधन प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए।**

**अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—**

**1. श्री एस० शेषाद्री**

**(अन्तरक)**

**2. श्री बी० जगदीशन**

**(अन्तरिती)**

**को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहियां करता हूँ।**

**उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—**

**(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;**

**(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बोध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखिकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।**

**स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।**

**सम्पत्ति**

**प्लॉट नं० 151ए, अय्यावू नायडू कालनी, अय्यावू नायडू लेन—अरुम्बाक्कम गांव, मद्रास-29 कोडम्बाक्कम—लेख सं० 1918/84।**

**एम० सामुवेल  
सहायक प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास**

**तारीख : 8-3-1985**

**मोहर**



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 मार्च 1985

निदेश सं० 205/जुलाई 84/रेंज-2—अतः मुझे,

श्रीमती एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो कोडम्बाक्कम् में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोडम्बाक्कम्, लेख सं० 1920/84 में, भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भी बात उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एम० एच० सेट्टी।

(अन्तरक)

2. श्री वेहनास सेट्टी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

टी० एस० नं० 14/हिस्सा ब्लॉक नं० 71, 12वां अविन्यू, अशोक नगर, कोडम्बाक्कम् गांव, कोडम्बाक्कम्—  
लेख सं० 1920/84।

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 8-3-1985

मोहर :

प्रकरण आई.डी.एन.एस.-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 मार्च 1985

निर्देश सं० 213/जुलाई 84/रेंज-II—अतः मुझे,  
श्रीमती एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो कोडम्बाकम् में स्थित है (और  
इससे उपाजड़ में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, कोडम्बाकम् लेख सं०  
1753/84 में, भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री आर० बालकृष्णन् ।

(अन्तरक) ।

2. श्री पी० ए० विश्वनाथन् ।

(अन्तरिती) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि :—कोडम्बाकम्—प्लॉट नं० 59/कोडम्बाकम् लेख  
सं० 1753/84।

श्रीमती एम० सामुवेल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 8-3-1985

मोहर ■

प्रकृष वाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(1) श्री टी० जी० श्रीनिवासन ।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० राजाराम ।

(अन्तरिस्ती)

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 मार्च 85

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भ्रष्टाचार के साथ  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कभी करने या उन्हें करने में रुचि  
के लिए; कोई/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
में प्रयोजनार्थ अन्तरिस्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

नोट: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, या, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

भूमि :- प्लॉट नं० 8 बी०, ब्लॉक नं० 45, रत्नमाल स्ट्रीट,  
मुकुण्ड नायकर कालनी, कोडम्बाकम, कोडम्बाकम लेख सं०  
18 39/84 ।

श्रीमती एम० सामुवेल  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 8-3-85  
मोहर :

रूप बाई टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

सौरभ सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास दिनांक 8 मार्च 1985

निदेश सं० 221/जुलाई, 84/रेंज-2—अतः मुझे,

श्रीमती एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

प्लॉट नं० 105, ब्लॉक नं० 26 टी. एस. नं० 74, है, जो नं० 109, पुलियूर, मेजर ट्रस्टपुरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोडम्बाक्कम लेख सं० 1865/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को वास्तविक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भव या अन्य वास्तविकों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भवनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जी० एन० सुब्रमणियन्  
पवर एजेंट प्राफ  
श्री टी० एन० बालसुब्रमणियम ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सी० कौशल्या देवी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जांच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाढ़ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित रख किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोद्वितीय के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान :—109, पुलियूर, मेजर ट्रस्टपुरम, ब्लॉक नं० 26, मद्रास-24, कोडम्बाक्कम लेख सं० 1865/84 ।

श्रीमति एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 8-3-1985

मोहर :

प्रारूप जारी, टी० एन० एस० -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 मार्च 1985

निदेश सं० 229/जुलाई 84/रेंज-II—अतः मुझे,  
श्रीमति एम० सामुवेल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सी०, डोर नं० 13, गिरी रोड, I स्ट्रीट,  
टी० नगर है, जो मद्रास-17 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध  
अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, टी० नगर लेख सं० 935/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 जुलाई, 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्त-  
रितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को बिना भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए त. छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिति :—

(1) श्रीमति विजय लक्ष्मी नारायणन और  
अन्य।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० के० सुन्दराजन और  
शकुन्तला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान :—प्लॉट सी०, डोर नं० 13, गिरी रोड,  
I स्ट्रीट, टी० नगर, मद्रास-17।

श्रीमति एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 8-3-1985

मोहर :

प्रारूप भाई.टी.एन.एस. -----

(1) श्री टी० सध्याशिवराव ।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहन कावले ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास दिनांक 8 मार्च, 1985

निदेश सं० 234/जुलाई, 84/रेंज-II

—अतः मुझे,

श्रीमति एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रील जिमकी सं० 10, महालक्ष्मी स्ट्रीट, है, जो टी० नगर मद्रास-17 में स्थित है (श्रीर हमने उपावृद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर लेख सं० 917/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 16 जुलाई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए।

अतः अधः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार अधः, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

10, महालक्ष्मी स्ट्रीट, टी० नगर मद्रास-17, टी० नगर, लेख सं० 917/84 ।

श्रीमति एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 8-3-1985

मोहर

इच्छा बाई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री टी० सदाशिव राव ।

(अन्तरिक्ष)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री आर० स्वामीनाथन ।

(अन्तरिक्षी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 मार्च 1985

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

निर्देश सं० 235/जुलाई, 84/रेंज-II—अतः मुझे,

श्रीमति एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 10, महालक्ष्मी स्ट्रीट, है, जो टी० नगर में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर, लेख सं० 915/84  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 18)  
के अधीन, जुलाई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बहुत प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक्ष (अन्तरिक्षों) और  
अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरिक्ष के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरिक्ष  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरिक्ष के द्वारा किसी नाम की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरिक्ष के  
बाधक में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी नाम या किसी धन अन्य वास्तवों  
की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

25-16 GI/85

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

10, महालक्ष्मी स्ट्रीट, टी० नगर/मद्रास-17 टी० नगर,  
लेख सं० 915/84 ।

श्रीमति एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 8-3-1985

महेश :

प्रकृत बाई. टी. एन. एच.-----

(1) टी० सधाशिव राव ।

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री टी० पी० मंजुला ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 मार्च 1985

निदेश सं० 236/जुलाई 84/रेंज-II—अतः मुझे,

श्रीमति एम० सामुवेल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० नगर में स्थित है (और इससे उपायय अनु-सूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर लेख सं० 914/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय भाव-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

10, महालक्ष्मी स्ट्रीट, टी० नगर, मद्रास-17 टी० नगर,  
लेख सं० 914/84 ।

श्रीमति एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)  
अर्जन रेंज-II मद्रास

तारीख : 8-3-1985  
मोहर :



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री टी० सदाशिवराव ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एन० चक्रपाणि ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 मार्च 1985

निदेश सं० 237/ जुलाई/84 रेंज-II—अतः मुझे,

श्रीमति एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है, तथा जो टी० नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर लेख सं० 916/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 16 जुलाई, 1984 :

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जातिनों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपात :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पत्र लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है :

अनुसूची

10, महालक्ष्मी स्ट्रीट, टी० नगर, मद्रास-17, लेख सं० 916/84 ।

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 8-3-1985  
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन. एस.-----

(1) श्री टी० सदाशिव राव ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री सुब्बा राव ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 मार्च, 1985

निर्देश सं० 238/जुलाई 84/ ज-II-अतः मन्त्र

श्रीमति एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है, तथा जो टी० नगर में स्थित है (और इससे उपरिबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर लेख सं० 918/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 16 जुलाई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकता को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अवधि

10, महालक्ष्मी स्ट्रीट/टी० नगर मद्रास-17 लेख सं० 918/84

एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 8-3-1985

मोहर :

प्रथम भाग. टी. एन. एड. -----

(1) श्री के. एन. एन. राजन ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री पी. एज. महाबुद्दीन ।

(अन्तरित)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

उक्त अन्तरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः—

मद्रास दिनांक 8 मार्च 1985

निर्देश सं. 273/जुलाई 84/रेंज-ii —अतः मुझे,

श्रीमति एम. सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. 8 एल. नानेश्वर अय्यर रोड, है, तथा जो मद्रास-  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास नार्थ लेख  
सं. 1892/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, 16 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
शत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण अधिनियम में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के संचयन में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
रहित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रामाण्यकारी के  
पास निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

धूमि :—डोर नं. 8 एल. नानेश्वर अय्यर रोड, नूगम्मा  
क्वम मद्रास-34 मद्रास नार्थ लेख सं. 1892/84

श्रीमति एम. सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-ii, मद्रास

तारीख : 8-3-1985  
मोहर :

प्रकृष बाई टी. एन. एस. ---

(1) श्री ए० एम० नटराज गौडर ।

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री बी० ए० नटराजन गौडर ।

(अन्तरिती)

साहस चड्ढा

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 मार्च 1985

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप :-

निदेश सं० 63/जून 84/रेंज-II —अतः मुझे,  
श्रीमति एम० सामुवेल  
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

• और जिसकी सं० है तथा जो मर्चनायकनपालयम, पोल्याय्यी में स्थित  
है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय, आनैमल लेख सं० 863/84  
में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन 16 जुलाई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जन :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अन्तरण के लिए  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कुछ भूमि :- आनैमल गांव, पोल्याय्यी, तिरुपूर, आनैमल  
लेख सं० 863/84

श्रीमति एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 12-3-1985

मोहर :

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

(1) श्री एन० वेशिकाचारियार ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एम० एस० सुब्रमणियन ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 मार्च 1985

निवेश सं० 98/जुलाई 84/रेंज-II—अतः मुझे, श्रीमति

एम० सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मैलापुर गांव है, जो मैलापुर गांव में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-  
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर लेख सं० 959/84 में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अर्धिन, 16 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधिन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान :—आर० एस० नं० 3940/21 एण्ड  
3944/19 लेख सं० 959/84 मैलापुर ।

श्रीमति एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज- मद्रास

तारीख : 12-3-1985  
मोहर :

प्रश्न बाह्य, टी. एम. एम. एम. एम.

(1) श्री आर० नारायण सामि ।

(अन्तरक)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री के० बाल सुब्रमणियम और अन्य ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 मार्च 1985

निदेश सं० 123/जुलाई 84/रेंज II—अतः मुझे,

श्रीमति एम० सामुवेल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० संगनूर, टाटाबाद में स्थित है (और इससे  
उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, गांधीपुरम लेख सं० 2688/84 में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख जुलाई, 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अमान्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके अमान्यमान प्रतिफल से, ऐसे अमान्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के द्वारा किसी भाग की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के बाधित  
में कमी करने या उत्तरे बचने में सविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
संबंधित अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, जिसने में सविधा  
में कि;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान :—सर्वे नं० 499 टी.एस.नं० 11/750  
न्यू टी० एस० नं० 171, 172, 173, 174, लेख सं० 2688/84  
गांधीपुरम ।

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 12-3-1985

सोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री ए० सदाशिवम्

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री आर० अलगेन्द्रम एण्ड ब्रदर्स

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

मद्रास, दिनांक 12 मार्च, 1985

निर्देश सं०/ई/84/रेंज-II 141/जुलाई:—अतः मुझे, श्रीमती

एम सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या है, जो कोयम्बतूर ठीक में स्थित है

(और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है)

रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोयम्बतूर लेख सं०  
3221/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908

का 16 के अधीन, 16 जुलाई, 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के लक्ष्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

26-16GI/85

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि:— डा० नंजप्पा रोड, टी०एस०नं न्यू 1/126,  
कोयम्बतूर

(कोयम्बतूर/लेख सं० 3221/84)

श्रीमति एम०सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, मद्रास।

तारीख: 12-3-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

1. श्री ए० आरुमुगम और अन्यो ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री के० सत्या (मैतूर)

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 मार्च 1985

निर्देश सं० 150/जुलाई 84/रेंज II—अतः मुझे, श्रीमती  
एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या है, जो कोयम्बटूर ठीक में स्थित है,  
(और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर लेख सं०  
2855/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाधित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान: आर० एन० पुरम रामलिंगम रोड  
कोयम्बटूर लेख सं० 2855/85

श्रीमति एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 12-3-1985

मोहर :



प्ररूप आई.टी.एच.एच.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सादर सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 मार्च, 1985

सं० 212/जुलाई/84:—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,  
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मूल्या टी० एस० नं० 22, है, जो पुलिसूर  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोडम्बाकम,  
लेख सं० 1748/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम:

1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई, 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
को मिले; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा को मिले।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सी० पी० चेल्स्ट्री

(अन्तरक)

2. श्रीमती एम० के० सरोजा

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

म टी० एस० नं० 22, प्लॉट नं० 78, ट्रस्टपुरम, लेख  
सं० 1748/84 कोडम्बाकम

एम० सामुवेल,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 12-3-1985

मोहर :

प्रकृष माई.डी.एन.एल.-----

1. श्री पदमनाभ दास राम वर्मा  
फामेर महाराजा, टिवागूर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती सूरि कलारभाल फरनाखो

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
ग्रजैन रेंज II मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 मार्च 1985

निवेश सं० 242/जुलाई-84-रेंज II—प्रतः मुझे, श्रीमति  
एम सामुबेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० उरुर गाँव शेदा पेट में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, ग्रजयार लेख सं०  
1960/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, जुलाई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रसोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि के बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे० नं० 57/1 टी एस० नं० 13/253 हिस्सा  
ब्लॉक नं० 21 अरुर गांवशेदापेट तालुक लेख सं० 1960/84  
ग्रजयार।

श्रीमति एम० सामुबेल,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
ग्रजैन रेंज मद्रास,

तारीख : 12-3-85  
मोहर

प्रकृष बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 मार्च 1985

निदेश सं० 244/जुलाई, 1984--अतः मुझे, श्रीमती

एम० सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० ऊरुर गांव, श्रौदापेट तालुका में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकाारी के कार्यालय, अड्यार (लेख सं० 1950/84) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नगरीय जुलाई, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के लक्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यपि पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके लक्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे लक्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पर्याप्तार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :-

(1) श्री पद्मनाभ शान रामा बर्मा

फार्मर महिराणा,

आफ दूबतकर,

(अन्तरक)

(2) श्री रायल बिल्डिंग कारपोरेशन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि--डी० एस० न० 13/253 ब्लॉक 21 आफ ऊरुर गांव, श्रौदापेट।

(लेख सं० 1850/84)।

एम० सामुवेल

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 12-3-1985

मोहर :-

प्रत्यक्ष आई. टी. एच. एच. -----

- (1) श्री डी० के० वासु और  
श्री डी० के० विजयरामन।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

- (2) श्री के० रामनाथन और अन्य।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 मार्च 1985

निदेश सं० 247/जुलाई, 1984-अतः मुझे, श्रीमती

एम० सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ग  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिनकी सं० है तथा जो कोट्टूर गांव से स्थित है (और  
इसमें उपावद्ध अनुसूची से और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिभारी के कार्यालय, अड्यार (लेख सं० 1968/84  
1897/84 से रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख जुलाई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्तेमाल  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके इस्तेमाल प्रतिफल से, ऐसे इस्तेमाल प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि--आर० एम० नं० 13/1 (हिस्सा) और 14/1  
हिस्सा कोट्टूर गांव, मद्रास।  
लेख सं० 1896/84 1897/84/अड्यार )।

श्रीमती एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 12-3-1985

माहूर :

( ۛۛۛۛۛ )

(1974)

(10/10/2011) 12:07:12 24:07:12 40:07:12, 12/10/12

अर्थात् २-७, ११११

महाराष्ट्र, दिल्ली 12 मार्च 1985

निवेदन सं. 250/एनए, 1984-अतः, श्रीमती

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

अवधूत अर्थात् १९६१, १९६१ (१९६१ का ४३) (विशेष अध्याय)

1944-1945, 1946-1947, 1948-1949, 1950-1951, 1952-1953, 1954-1955, 1956-1957, 1958-1959, 1960-1961, 1962-1963, 1964-1965, 1966-1967, 1968-1969, 1970-1971, 1972-1973, 1974-1975, 1976-1977, 1978-1979, 1980-1981, 1982-1983, 1984-1985, 1986-1987, 1988-1989, 1990-1991, 1992-1993, 1994-1995, 1996-1997, 1998-1999, 2000-2001, 2002-2003, 2004-2005, 2006-2007, 2008-2009, 2010-2011, 2012-2013, 2014-2015, 2016-2017, 2018-2019, 2020-2021, 2022-2023, 2024-2025, 2026-2027, 2028-2029, 2030-2031, 2032-2033, 2034-2035, 2036-2037, 2038-2039, 2040-2041, 2042-2043, 2044-2045, 2046-2047, 2048-2049, 2050-2051, 2052-2053, 2054-2055, 2056-2057, 2058-2059, 2060-2061, 2062-2063, 2064-2065, 2066-2067, 2068-2069, 2070-2071, 2072-2073, 2074-2075, 2076-2077, 2078-2079, 2080-2081, 2082-2083, 2084-2085, 2086-2087, 2088-2089, 2090-2091, 2092-2093, 2094-2095, 2096-2097, 2098-2099, 2100-2101, 2102-2103, 2104-2105, 2106-2107, 2108-2109, 2110-2111, 2112-2113, 2114-2115, 2116-2117, 2118-2119, 2120-2121, 2122-2123, 2124-2125, 2126-2127, 2128-2129, 2130-2131, 2132-2133, 2134-2135, 2136-2137, 2138-2139, 2140-2141, 2142-2143, 2144-2145, 2146-2147, 2148-2149, 2150-2151, 2152-2153, 2154-2155, 2156-2157, 2158-2159, 2160-2161, 2162-2163, 2164-2165, 2166-2167, 2168-2169, 2170-2171, 2172-2173, 2174-2175, 2176-2177, 2178-2179, 2180-2181, 2182-2183, 2184-2185, 2186-2187, 2188-2189, 2190-2191, 2192-2193, 2194-2195, 2196-2197, 2198-2199, 2200-2201, 2202-2203, 2204-2205, 2206-2207, 2208-2209, 2210-2211, 2212-2213, 2214-2215, 2216-2217, 2218-2219, 2220-2221, 2222-2223, 2224-2225, 2226-2227, 2228-2229, 2230-2231, 2232-2233, 2234-2235, 2236-2237, 2238-2239, 2240-2241, 2242-2243, 2244-2245, 2246-2247, 2248-2249, 2250-2251, 2252-2253, 2254-2255, 2256-2257, 2258-2259, 2260-2261, 2262-2263, 2264-2265, 2266-2267, 2268-2269, 2270-2271, 2272-2273, 2274-2275, 2276-2277, 2278-2279, 2280-2281, 2282-2283, 2284-2285, 2286-2287, 2288-2289, 2290-2291, 2292-2293, 2294-2295, 2296-2297, 2298-2299, 2300-2301, 2302-2303, 2304-2305, 2306-2307, 2308-2309, 2310-2311, 2312-2313, 2314-2315, 2316-2317, 2318-2319, 2320-2321, 2322-2323, 2324-2325, 2326-2327, 2328-2329, 2330-2331, 2332-2333, 2334-2335, 2336-2337, 2338-2339, 2340-2341, 2342-2343, 2344-2345, 2346-2347, 2348-2349, 2350-2351, 2352-2353, 2354-2355, 2356-2357, 2358-2359, 2360-2361, 2362-2363, 2364-2365, 2366-2367, 2368-2369, 2370-2371, 2372-2373, 2374-2375, 2376-2377, 2378-2379, 2380-2381, 2382-2383, 2384-2385, 2386-2387, 2388-2389, 2390-2391, 2392-2393, 2394-2395, 2396-2397, 2398-2399, 2400-2401, 2402-2403, 2404-2405, 2406-2407, 2408-2409, 2410-2411, 2412-2413, 2414-2415, 2416-2417, 2418-2419, 2420-2421, 2422-2423, 2424-2425, 2426-2427, 2428-2429, 2430-2431, 2432-2433, 2434-2435, 2436-2437, 2438-2439, 2440-2441, 2442-2443, 2444-2445, 2446-2447, 2448-2449, 2450-2451, 2452-2453, 2454-2455, 2456-2457, 2458-2459, 2460-2461, 2462-2463, 2464-2465, 2466-2467, 2468-2469, 2470-2471, 2472-2473, 2474-2475, 2476-2477, 2478-2479, 2480-2481, 2482-2483, 2484-2485, 2486-2487, 2488-2489, 2490-2491, 2492-2493, 2494-2495, 2496-2497, 2498-2499, 2500-2501, 2502-2503, 2504-2505, 2506-2507, 2508-2509, 2510-2511, 2512-2513, 2514-2515, 2516-2517, 2518-2519, 2520-2521, 2522-2523, 2524-2525, 2526-2527, 2528-2529, 2530-2531, 2532-2533, 2534-2535, 2536-2537, 2538-2539, 2540-2541, 2542-2543, 2544-2545, 2546-2547, 2548-2549, 2550-2551, 2552-2553, 2554-2555, 2556-2557, 2558-2559, 2560-2561, 2562-2563, 2564-2565, 2566-2567, 2568-2569, 2570-2571, 2572-2573, 2574-2575, 2576-2577, 2578-2579, 2580-2581, 2582-2583, 2584-2585, 2586-2587, 2588-2589, 2590-2591, 2592-2593, 2594-2595, 2596-2597, 2598-2599, 2600-2601, 2602-2603, 2604-2605, 2606-2607, 2608-2609, 2610-2611, 2612-2613, 2614-2615, 2616-2617, 2618-2619, 2620-2621, 2622-2623, 2624-2625, 2626-2627, 2628-2629, 2630-2631, 2632-2633, 2634-2635, 2636-2637, 2638-2639, 2640-2641, 2642-2643, 2644-2645, 2646-2647, 2648-2649, 2650-2651, 2652-2653, 2654-2655, 2656-2657, 2658-2659, 2660-2661, 2662-2663, 2664-2665, 2666-2667, 2668-2669, 2670-2671, 2672-2673, 2674-2675, 2676-2677, 2678-2679, 2680-2681, 2682-2683, 2684-2685, 2686-2687, 26

23,000,000

1. The first part of the document is a list of names and titles, including "The Hon. Mr. Justice" and "The Hon. Mr. Justice".

सुविभागी के कर्णधार, प्रख्यात (विद्यार्थी सं० 1892/84) हैं।

रविशंकर शर्मा, 1908 (1908-09) के अधीन, 1908

प्राप्त, १९८४

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

১৯৬৩ সালের ১৫ই আগস্ট তারিখে।

[illegible][illegible]

—

(3) 31.12.2019 31.12.2020 31.12.2021 31.12.2022 31.12.2023 31.12.2024 31.12.2025 31.12.2026 31.12.2027 31.12.2028 31.12.2029 31.12.2030 31.12.2031 31.12.2032 31.12.2033 31.12.2034 31.12.2035 31.12.2036 31.12.2037 31.12.2038 31.12.2039 31.12.2040 31.12.2041 31.12.2042 31.12.2043 31.12.2044 31.12.2045 31.12.2046 31.12.2047 31.12.2048 31.12.2049 31.12.2050 31.12.2051 31.12.2052 31.12.2053 31.12.2054 31.12.2055 31.12.2056 31.12.2057 31.12.2058 31.12.2059 31.12.2060 31.12.2061 31.12.2062 31.12.2063 31.12.2064 31.12.2065 31.12.2066 31.12.2067 31.12.2068 31.12.2069 31.12.2070 31.12.2071 31.12.2072 31.12.2073 31.12.2074 31.12.2075 31.12.2076 31.12.2077 31.12.2078 31.12.2079 31.12.2080 31.12.2081 31.12.2082 31.12.2083 31.12.2084 31.12.2085 31.12.2086 31.12.2087 31.12.2088 31.12.2089 31.12.2090 31.12.2091 31.12.2092 31.12.2093 31.12.2094 31.12.2095 31.12.2096 31.12.2097 31.12.2098 31.12.2099 31.12.2100 31.12.2101 31.12.2102 31.12.2103 31.12.2104 31.12.2105 31.12.2106 31.12.2107 31.12.2108 31.12.2109 31.12.2110 31.12.2111 31.12.2112 31.12.2113 31.12.2114 31.12.2115 31.12.2116 31.12.2117 31.12.2118 31.12.2119 31.12.2120 31.12.2121 31.12.2122 31.12.2123 31.12.2124 31.12.2125 31.12.2126 31.12.2127 31.12.2128 31.12.2129 31.12.2130 31.12.2131 31.12.2132 31.12.2133 31.12.2134 31.12.2135 31.12.2136 31.12.2137 31.12.2138 31.12.2139 31.12.2140 31.12.2141 31.12.2142 31.12.2143 31.12.2144 31.12.2145 31.12.2146 31.12.2147 31.12.2148 31.12.2149 31.12.2150 31.12.2151 31.12.2152 31.12.2153 31.12.2154 31.12.2155 31.12.2156 31.12.2157 31.12.2158 31.12.2159 31.12.2160 31.12.2161 31.12.2162 31.12.2163 31.12.2164 31.12.2165 31.12.2166 31.12.2167 31.12.2168 31.12.2169 31.12.2170 31.12.2171 31.12.2172 31.12.2173 31.12.2174 31.12.2175 31.12.2176 31.12.2177 31.12.2178 31.12.2179 31.12.2180 31.12.2181 31.12.2182 31.12.2183 31.12.2184 31.12.2185 31.12.2186 31.12.2187 31.12.2188 31.12.2189 31.12.2190 31.12.2191 31.12.2192 31.12.2193 31.12.2194 31.12.2195 31.12.2196 31.12.2197 31.12.2198 31.12.2199 31.12.2200 31.12.2201 31.12.2202 31.12.2203 31.12.2204 31.12.2205 31.12.2206 31.12.2207 31.12.2208 31.12.2209 31.12.2210 31.12.2211 31.12.2212 31.12.2213 31.12.2214 31.12.2215 31.12.2216 31.12.2217 31.12.2218 31.12.2219 31.12.2220 31.12.2221 31.12.2222 31.12.2223 31.12.2224 31.12.2225 31.12.2226 31.12.2227 31.12.2228 31.12.2229 31.12.2230 31.12.2231 31.12.2232 31.12.2233 31.12.2234 31.12.2235 31.12.2236 31.12.2237 31.12.2238 31.12.2239 31.12.2240 31.12.2241 31.12.2242 31.12.2243 31.12.2244 31.12.2245 31.12.2246 31.12.2247 31.12.2248 31.12.2249 31.12.2250 31.12.2251 31.12.2252 31.12.2253 31.12.2254 31.12.2255 31.12.2256 31.12.2257 31.12.2258 31.12.2259 31.12.2260 31.12.2261 31.12.2262 31.12.2263 31.12.2264 31.12.2265 31.12.2266 31.12.2267 31.12.2268 31.12.2269 31.12.2270 31.12.2271 31.12.2272 31.12.2273 31.12.2274 31.12.2275 31.12.2276 31.12.2277 31.12.2278 31.12.2279 31.12.2280 31.12.2281 31.12.2282 31.12.2283 31.12.2284 31.12.2285 31.12.2286 31.12.2287 31.12.2288 31.12.2289 31.12.2290 31.12.2291 31.12.2292 31.12.2293 31.12.2294 31.12.2295 31.12.2296 31.12.2297 31.12.2298 31.12.2299 31.12.2300 31.12.2301 31.12.2302 31.12.2303 31.12.2304 31.12.2305 31.12.2306 31.12.2307 31.12.2308 31.12.2309 31.12.2310 31.12.2311 31.12.2312 31.12.2313 31.12.2314 31.12.2315 31.12.2316 31.12.2317 31.12.2318 31.12.2319 31.12.2320 31.12.2321 31.12.2322 31.12.2323 31.12.2324 31.12.2325 31.12.2326 31.12.2327 31.12.2328 31.12.2329 31.12.2330 31.12.2331 31.12.2332 31.12.2333 31.12.2334 31.12.2335 31.12.2336 31.12.2337 31.12.2338 31.12.2339 31.12.2340 31.12.2341 31.12.2342 31.12.2343 31.12.2344 31.12.2345 31.12.2346 31.12.2347 31.12.2348 31.12.2349 31.12.2350 31.12.2351 31.12.2352 31.12.2353 31.12.2354 31.12.2355 31.12.2356 31.12.2357 31.12.2358 31.12.2359 31.12.2360 31.12.2361 31.12.2362 31.12.2363 31.12.2364 31.12.2365 31.12.2366 31.12.2367 31.12.2368 31.12.2369 31.12.2370 31.12.2371 31.12.2372 31.12.2373 31.12.2374 31.12.2375 31.12.2376 31.12.2377 31.12.2378 31.12.2379 31.12.2380 31.12.2381 31.12.2382 31.12.2383 31.12.2384 31.12.2385 31.12.2386 31.12.2387 31.12.2388 31.12.2389 31.12.2390

अधिनियम को अधीन कर देने के आदेश को अधिनियम

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

112/2118

1722 1722 1722 1722 1722 1722 1722 (1722)

2261, 1922

1957 (1957 27)

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

1. The first of these is the fact that the

فَلْيُحْيِي الْمَيِّتَ

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

12-3-1985 : 12-3-1985

श्रीमती पं०. राजकुमार  
राज्य प्राधिकारी,  
सहस्रकर्म (निरीक्षण)  
अवध वि०, मथुरा

12166  
1911-1912, 1913-1914, 1915-1916, 1917-1918, 1919-1920, 1921-1922, 1923-1924, 1925-1926, 1927-1928, 1929-1930, 1931-1932, 1933-1934, 1935-1936, 1937-1938, 1939-1940, 1941-1942, 1943-1944, 1945-1946, 1947-1948, 1949-1950, 1951-1952, 1953-1954, 1955-1956, 1957-1958, 1959-1960, 1961-1962, 1963-1964, 1965-1966, 1967-1968, 1969-1970, 1971-1972, 1973-1974, 1975-1976, 1977-1978, 1979-1980, 1981-1982, 1983-1984, 1985-1986, 1987-1988, 1989-1990, 1991-1992, 1993-1994, 1995-1996, 1997-1998, 1999-2000, 2001-2002, 2003-2004, 2005-2006, 2007-2008, 2009-2010, 2011-2012, 2013-2014, 2015-2016, 2017-2018, 2019-2020, 2021-2022, 2023-2024, 2025-2026, 2027-2028, 2029-2030, 2031-2032, 2033-2034, 2035-2036, 2037-2038, 2039-2040, 2041-2042, 2043-2044, 2045-2046, 2047-2048, 2049-2050, 2051-2052, 2053-2054, 2055-2056, 2057-2058, 2059-2060, 2061-2062, 2063-2064, 2065-2066, 2067-2068, 2069-2070, 2071-2072, 2073-2074, 2075-2076, 2077-2078, 2079-2080, 2081-2082, 2083-2084, 2085-2086, 2087-2088, 2089-2090, 2091-2092, 2093-2094, 2095-2096, 2097-2098, 2099-2100, 2101-2102, 2103-2104, 2105-2106, 2107-2108, 2109-2110, 2111-2112, 2113-2114, 2115-2116, 2117-2118, 2119-2120, 2121-2122, 2123-2124, 2125-2126, 2127-2128, 2129-2130, 2131-2132, 2133-2134, 2135-2136, 2137-2138, 2139-2140, 2141-2142, 2143-2144, 2145-2146, 2147-2148, 2149-2150, 2151-2152, 2153-2154, 2155-2156, 2157-2158, 2159-2160, 2161-2162, 2163-2164, 2165-2166, 2167-2168, 2169-2170, 2171-2172, 2173-2174, 2175-2176, 2177-2178, 2179-2180, 2181-2182, 2183-2184, 2185-2186, 2187-2188, 2189-2190, 2191-2192, 2193-2194, 2195-2196, 2197-2198, 2199-2200, 2201-2202, 2203-2204, 2205-2206, 2207-2208, 2209-2210, 2211-2212, 2213-2214, 2215-2216, 2217-2218, 2219-2220, 2221-2222, 2223-2224, 2225-2226, 2227-2228, 2229-2230, 2231-2232, 2233-2234, 2235-2236, 2237-2238, 2239-2240, 2241-2242, 2243-2244, 2245-2246, 2247-2248, 2249-2250, 2251-2252, 2253-2254, 2255-2256, 2257-2258, 2259-2260, 2261-2262, 2263-2264, 2265-2266, 2267-2268, 2269-2270, 2271-2272, 2273-2274, 2275-2276, 2277-2278, 2279-2280, 2281-2282, 2283-2284, 2285-2286, 2287-2288, 2289-2290, 2291-2292, 2293-2294, 2295-2296, 2297-2298, 2299-2300, 2301-2302, 2303-2304, 2305-2306, 2307-2308, 2309-2310, 2311-2312, 2313-2314, 2315-2316, 2317-2318, 2319-2320, 2321-2322, 2323-2324, 2325-2326, 2327-2328, 2329-2330, 2331-2332, 2333-2334, 2335-2336, 2337-2338, 2339-2340, 2341-2342, 2343-2344, 2345-2346, 2347-2348, 2349-2350, 2351-2352, 2353-2354, 2355-2356, 2357-2358, 2359-2360, 2361-2362, 2363-2364, 2365-2366, 2367-2368, 2369-2370, 2371-2372, 2373-2374, 2375-2376, 2377-2378, 2379-2380, 2381-2382, 2383-2384, 2385-2386, 2387-2388, 2389-2390, 2391-2392, 2393-2394, 2395-2396, 2397-2398, 2399-2400, 2401-2402, 2403-2404, 2405-2406, 2407-2408, 2409-2410, 2411-2412, 2413-2414, 2415-2416, 2417-2418, 2419-2420, 2421-2422, 2423-2424, 2425-2426, 2427-2428, 2429-2430, 2431-2432, 2433-2434, 2435-2436, 2437-2438, 2439-2440, 2441-2442, 2443-2444, 2445-2446, 2447-2448, 2449-2450, 2451-2452, 2453-2454, 2455-2456, 2457-2458, 2459-2460, 2461-2462, 2463-2464, 2465-2466, 2467-2468, 2469-2470, 2471-2472, 2473-2474, 2475-2476, 2477-2478, 2479-2480, 2481-2482, 2483-2484, 2485-2486, 2487-2488, 2489-2490, 2491-2492, 2493-2494, 2495-2496, 2497-2498, 2499-2500, 2501-2502, 2503-2504, 2505-2506, 2507-2508, 2509-2510, 2511-2512, 2513-2514, 2515-2516, 2517-2518, 2519-2520, 2521-2522, 2523-2524, 2525-2526, 2527-2528, 2529-2530, 2531-2532, 2533-2534, 2535-2536, 2537-2538, 2539-2540, 2541-2542, 2543-2544, 2545-2546, 2547-2548, 2549-2550, 2551-2552, 2553-2554, 2555-2556, 2557-2558, 2559-2560, 2561-2562, 2563-2564, 2565-2566, 2567-2568, 2569-2570, 2571-2572, 2573-2574, 2575-2576, 2577-2578, 2579-2580, 2581-2582, 2583-2584, 2585-2586, 2587-2588, 2589-2590, 2591-2592, 2593-2594, 2595-2596, 2597-2598, 2599-2600, 2601-2602, 2603-2604, 2605-2606, 2607-2608, 2609-2610, 2611-2612, 2613-2614, 2615-2616, 2617-2618, 2619-2620, 2621-2622, 2623-2624, 2625-2626, 2627-2628, 2629-2630, 2631-2632, 2633-2634, 2635-2636, 2637-2638, 2639-2640, 2641-2642, 2643-2644, 2645-2646, 2647-2648, 2649-2650, 2651-2652, 2653-2

अनन्तर

১৯৮০ খ্রিঃ  
 ১৯৮০ খ্রিঃ ১৯৮০ খ্রিঃ ১৯৮০ খ্রিঃ ১৯৮০ খ্রিঃ ১৯৮০ খ্রিঃ  
 ১৯৮০ খ্রিঃ ১৯৮০ খ্রিঃ ১৯৮০ খ্রিঃ ১৯৮০ খ্রিঃ ১৯৮০ খ্রিঃ  
 ১৯৮০ খ্রিঃ ১৯৮০ খ্রিঃ ১৯৮০ খ্রিঃ ১৯৮০ খ্রিঃ ১৯৮০ খ্রিঃ

(ख) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तिथि से 45 दिन के भीतर उचित स्थान पर प्रकाशन में निबद्ध किमी अन्य आर्थिक द्वाय अधिनियमों के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

(क) सड़ना के प्रक्रम में कठोरता की तापमान ४५ डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक पर सड़ना की गतिवृत्ति ३० दिन की अवधि, जो भी अधिक हो, को मान्य देते हैं, जो भी आवश्यक हो उसे फर्श और दीवारों में से किसी एकमें देखा।

—: १११११ १२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ —

[illegible]

1-2 1074 1171 1171 1171

प्रथम भाग टी. एम. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 मार्च 1985

निदेश सं० 257/जुलाई, 1984—अतः मुझे, श्रीमती  
एम०, सामुवेल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो पुल्लम्बाड़ी में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण  
अधिकारी के कार्यालय, पुल्लम्बाड़ी (लेख सं० 1419/84)  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख जुलाई, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहेगा था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्रीमती आईषा बीबी ।

और

श्री अमीर सुलतान ।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद अली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्चन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी वादों :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रतिभन्नाक्षरी के नाम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान—एस० एफ० नं० 391/3 0.77  
384/90.18/384/15 0.13 पुल्लम्बाड़ी  
(पुल्लम्बाड़ी लेख सं० 1419/84)

श्रीमती एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)—  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 12-3-1985

मोहर :

प्रथम भाग टी.एन.एस. -----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, मद्रास

मद्रास, 12 मार्च 1985

निदेश सं० 169/जुलाई, 84/रंज-II—प्रति: मुझे, श्रीमती  
एम० सामुवेल,  
भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० है तथा जो तिरुप्पुर टाउन, में स्थित  
है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और जो पूर्णरूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तिरुप्पुर, लेख सं० 1213/84  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन दिनांक जुलाई, 84  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को अग्रिम  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि वशापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके अग्रिम प्रतिफल से, ऐसे अग्रिम प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिती  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए जब बाका  
रहा प्रतिफल निम्नलिखित उक्त से उक्त अंतरण अधिक  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक से हुए किसी बात की दृष्टि, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कभी करने या उससे बचने में संधि  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी बात या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भाषाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में  
संधि के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
की अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात्:—  
27-16GI/85

1. श्रीमती सीतालक्ष्मी अम्मल, तथा अन्य ।

(अन्तरक)

2. श्री के० पी कृष्णन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाद:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के  
45 दिनों की अवधि या तत्समवन्धी व्यक्तियों के  
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में कुछ  
कुछ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोद्विगम्यता के  
पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सुमिओर सकान टी०एस० नं० 268/5, डोर 24/23, चार्ड  
ईश्वरन कोइल विधि, तिरुप्पुर, टाउन, लेख सं० 1213/84  
तिरुप्पुर ।

श्रीमती एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज 2, मद्रास

दिनांक: 12-3-1985

सोहर :

प्रकृष्य आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री एम० सुन्दर राजन चेदियार।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री ए० वेईक मोहिदीन,

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास दिनांक 12 अतः 1985

निर्देश सं० 158/जुलाई, 84/—असे:मुझे, श्रीमती एम०  
सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है जो कोयम्बटूर टाउन, अनुपपर पालयम्,  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप  
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता

अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर, लेख सं० 3114, 3115,  
3116, 3117, तथा 3118/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक व  
वास्तव में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान टी० एस० नं० 9/112, कोयम्बटूर,  
अनुपपर, पालयम्, लेख सं० 3115, 3116, 3117 तथा  
3118/84, कोयम्बटूर।

श्रीमती एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 12-3-1985

मोहर :



प्रारूप भाग-टी. एन. एस.-----

1. श्री बी० एस० पंडरिनाथन ।

(अन्तररक्ष)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. मैसर्स रामा एण्ड कं० ।

(अन्तररक्षी)

साहाय्य सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाही करता है ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 मार्च 1985

निर्देश सं० 143/जुलाई/84/—अतः मुझे, श्रीमती एम०  
सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है जो कोयम्बटूर में स्थित है

और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्णरूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर, लेख सं० 3255/  
84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन दिनांक जुलाई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरित  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय बना गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में व्यव-  
हिक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दायित्व, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावजूद  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
कई/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रवचनार्थ अन्तरित होना प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उत्सम्भन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशु  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

भूमि और मकान 31 बेरिवाद चेट्टियार से आउट  
मेट्रोपालियम कोयम्बटूर लेख सं० 3255/84 कोयम्बटूर।

श्रीमती एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2 मद्रास

दिनांक : 12-3-1985

मोहर :-

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

1 श्रीमती सीतलक्ष्मी और अन्य।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

अन्तरक

2. श्री पी वडिवेल ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 मार्च, 1985

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० 160/जुलाई, 84—अतः मुझे, श्रीमती एम०  
सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० है जो तिरुप्पुर टाउन में  
स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुप्पुर लेख  
सं० 1214/84, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरक की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

नमूना

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

भूमि और मकान 24, टी० एस० नं० 26 8/5/5  
ईश्वरन कोइल स्ट्रीट, तिरुप्पुर टाउन, लेख सं० 1214/84  
तिरुप्पुर ।

श्रीमती एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक 12-3-1985 :  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 मार्च 1985

निदेश सं० 161/जुलाई, 84/—अतः मुझे श्रीमती एम०  
सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अनुचची के अनुसार है तथा जो कोतगिरी में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के

कार्यालय, कोतगिरी, लेख सं० 705/84, में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
जुलाई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिद्धित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. एजुकेशनल सर्विसेस  
वै० हेबर धार० लखसम  
मद्रास

(अन्तरक)

2. हेल्प बिस्डन, प्रोजेक्ट होम  
मद्रास।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान धार० एस० नं० 1283/2ए,  
1283/14 बी घाफ कोतगिरि "शफल काटेज" लेख सं० 705/84  
कोतगिरि।

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक 12-3-1985 :

मोहर :

प्रमुख भाग: टी. एम्. इ.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 मार्च 1985

निदेश सं० 80/जुलाई, 84/रेंज-II—अतः मुझे, श्रीमती  
एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पक्षस्थ 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 134/2ए/20 नं० 173, शेलैयूर  
गांव है, जो शैदापेट, तालुक चेगलपेट, डिस्ट्रिक्ट, में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ताम्बरम लेख 4353/84.  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक जुलाई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के सावित्य  
में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिति :—

1. श्री एस० शीनियप्पनाडार,

(अन्तरक)

2. डा० आर० तंगप्पन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बचन की सूचना में कोई भी बाधा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्त-  
क्षेप किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान सर्वे नं० 134/2 ए/2सी नं० 173,  
शेलैयूर, गांव, शैदापेट तालुक चेगलपेट डिस्ट्रिक्ट, ताम्बरम/  
लेख, सं० 4353/84।

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 8-3-1985

माहूर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 मार्च 1985

निदेश सं० 105/जुलाई-84/रेंज-II अतः मुझे,

श्रीमती एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर एस० नं० 132/1 तिरुमूर्तिनगर  
6 स्ट्रीट है तथा जो नुंगम्बाकम मद्रास-34 में स्थित है (और  
इससे उपावृद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मैलापुर लेख सं० 981/84  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई  
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,  
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे  
अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के वास्तविक में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों बर्णित :-

(1) श्री पी० आर० नारायणन और  
पी० आर वेण्कटाचलम

(अन्तरक)

(2) श्री ए० चन्द्रराजन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

भूमि-तिरुमूर्ति नगर-6 स्ट्रीट नुंगम्बाकम मद्रास-34  
मैलापुर ।

(लेख सं० 981/84 )

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 8-3-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्री एम० बी० सूर्यनारायणन ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री बी० लमगराजन और श्रीमती एन शांता ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

, उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

मद्रास, दिनांक 8 मार्च 1985

निर्देश सं० 193/जुलाई 84/रेंज-2—अतः मुझे श्रीमती एम० सामुवेल

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकेंगे।

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 27 फस्ट फ्लोर, कलिकुडरम गांव है तथा जो इंदिरा नगर में स्थित है (और इससे उपायय्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शेदापैठ लेख सं० 721/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1984

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उसमें बचने में मविधा के लिए और/या

प्लॉट नं० 27 (कलिकुडरम) गांव इंदिरा नगर शेदापैठ  
लेख सं० 721/84

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रीमती एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 8-3-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री जी० गोंधडपाणि नाथडू ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री सज्जनराज और धरमचन्द ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 मार्च 1985

निदेश सं० 196/जुलाई 84/रेंज-2—अतः मुझे, श्रीमती

एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि और मकान ब्लाक 20 टी० एस० नं० 32  
है तथा जो शौदापेठ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय शौदापेठ लेख सं० 698/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1984  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को, बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

28—16GI/85

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान ब्लाक 20, टी० एस० 32 शौदापेठ  
नं० 315 शौदापेठ ।

लेख सं० 698/84

श्रीमती एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 8-3-1985

साहू :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री पी० कण्णन ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री वी० नटराजन ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 मार्च 1985

निदेश सं० 206/जुलाई 84/रेंज-2—अतः मुझे, श्रीमती  
एम० सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० नं० 9 ब्लाक नं० 58 कोडम्बाक्कम  
गांव है तथा जो कोडम्बाक्कम, मद्रास में स्थित है (और  
इससे उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोडम्बाक्कम लेख सं०  
1947/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसकी दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और सक्कान-डोर सं० 29 7वीं एवेन्यू, अणोक नगर,  
मद्रास-83 कोडम्बाक्कम ।

लेख सं० 1947/84

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 8-3-1985

मोहर :

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास



प्रथम भाग: टी. एन. एस.

(1) श्री के. आर. रामन।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती आर. विजयलक्ष्मी।

(अन्तरिती)

यदि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 मार्च 1985

निदेश सं. 223/जुलाई 84/रेंज-II—अतः मुझे श्रीमती एम. सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लॉट नं. 10ई मुरुगेश नायकर स्ट्रीट है तथा जो कोडम्बाक्कम मद्रास-24 में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोडम्बाक्कम, लेख सं. 1851/84 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिश्रित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने की वस्तुओं के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, चिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान - प्लॉट नं. 10ई मुरुगेश नायकर, स्ट्रीट, कोडम्बाक्कम मद्रास-24 कोडम्बाक्कम।

लेख सं. 1851/84

एम. सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा

दिनांक : 8-3-1985

मोहर

प्रकरण बाई, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 मार्च 1985

निदेश सं० 224/जुलाई 84/रेंज-2--अतः मुझे, श्रीमती  
एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 20 है तथा जो रामन स्ट्रीट टी नगर,  
मद्रास-17 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टी  
नगर लेख सं० 805/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चद्व प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं  
दिखा गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने की अन्तरक के  
धारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए; और/वा

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बी० एस० बालसुब्रमणियम ।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० आर० उलगम्मै ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करवा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सूचीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अवसूची

भूमि और प्लकान :—20 रामन स्ट्रीट, टी० नगर, मद्रास  
टी नगर मद्रास-17

(लेख सं० 803/84)

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 8-3-1985

मोहर

प्रथम बार, टी. एन. एस.-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

आगत सहायक

कार्यालय, सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 मार्च 1985

निर्देश सं० 225/जुलाई 84/रेंज-II-अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सहायक प्राधिकारी को, यह विवक्षा करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 6, II फ्लोर, ब्लाक नं० 82 और 1/28 हिस्सा भूमि में है, तथा जो टी० नगर में स्थित है और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर लेख सं० 804/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और वृद्ध यह विवक्षा करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिकी (अंतरिकियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय नाया नया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के साधित में कमी करने या उसके बचने में सुविधा दी जाए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तविक को जिन्हें भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किता जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा दी जाए;

अतः यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एम० एम० सतशतवी ।

(अन्तरक)

2. श्री एस० मंयन और मल्लिगा मंयन

(अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन में निम्न कार्रवाई करने का है ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 6, II फ्लोर, ब्लाक नं० 82, 1/28 हिस्सा भूमि में टी० नगर—लेख सं० 804/84 ।

एम० सामुवेल  
सहायक प्राधिकारी  
सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रासतारीख : 8-3-1985  
मोहर ।

प्रारूप. भा. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 मार्च 1985

निर्देश सं० 274/जुलाई 84/रेंज-2 - अतः मुझे, श्रीमती

एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि और मकान-डोर नं० 9, नागेश्वर  
अय्यर रोड, है, तथा जो नुंगम्बाक्कम मद्रास-34 में स्थित है (और  
इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, मद्रास नार्थ लेख सं० 1893/84 में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बहु प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुए किसी बाब की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कभी करने या इससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य वास्तवों  
के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्रीमती एन० सुब्बलक्ष्मी

(अन्तरक)

2. श्री ए० पी० अब्दुल तलाम पी० ए० शहाबुद्दीन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
व्यक्त व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पाब लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

सामुवेल

भूमि और मकान --डोर नं० 9 नागेश्वर अय्यर रोड,  
नुंगम्बाक्कम मद्रास-34, मद्रास नार्थ लेख सं० 1893/84।

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 8-3-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 मार्च 1985

निर्देश सं० 281/जुलाई 84/रेंज-2—अतः, मुझे, श्रीमती

एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), का धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 35, सर्वे नं० 526, है, तथा जो तिरुवोट्टियूर  
मन्न डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
तिरुवोट्टियूर लेख सं० 2134/84 में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

1. श्री ए० एम० तामस

(अन्तरक)

2. श्री डी० रामाकांडन्

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

भूमि और मकान :—35, तिरुवोट्टियूर गांव, सर्वे नं०  
526, तिरुवोट्टियूर लेख सं० 2134/84।

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 8-3-1985

मोहर :

प्रकट जाह. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

सार्वजनिक सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 मार्च 1985

निर्देश सं० 99/जुलाई 1984/रेंज-II—अतः मुझे,  
श्रीमती एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) कि धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु में अधिक है

और जिसकी सं० 25, बालाजी नगर-2 स्ट्रीट, रायपेट्टा है, तथा  
जो मद्रास-4 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
मैलापुर, लेख सं० 1037/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल  
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

1. श्री टी० वी० वी० गोपालम् श्रैयास टी० वी० गोपालम्  
(अन्तरक)

2. मेसर्स एस० एस० विल्डर्स

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन की सम्बन्ध में कोई भी वाक्य :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सन्दीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

समाप्त

(क) अन्तरण से हुई किसी जाब की वाक्य उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में  
अधी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
जारी/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

भूमि और मकान :- सं० 25, बालाजी नगर-2 स्ट्रीट,  
रायपेट्टा मद्रास-14, मैलापुर—लेख सं० 1037/84।

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 8-3-1985

मोहर :

प्ररूप बाह्य. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 मार्च 1985

निर्देश सं० 100/जुलाई 84/रेंज-II—अतः मुझे,

श्रीमती एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 31, वेंकटाचल मुदाली स्ट्रीट, है, तथा जो  
रायपेट्टा, मद्रास-14 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, मैलापुर लेख सं० 1031/84 में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
जुलाई 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, विहित अन्तरण आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, विधान में सविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

29—16GI/85

1. श्रीमती आर० पी० सुशीला और अन्यो  
(अन्तरक)
2. श्रीमती मुस्ताज बेगम अलैयास, सत्मा कानी  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान :—डोर नं० 31, वेंकटाचल मुदाली  
स्ट्रीट, रायपेट्टा, मैलापुर, लेख सं० 1031/84।

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 8-3-1985

मोहर :

प्रारूप बाईं टी.एच.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सहायक आयकर अधिकारी

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 मार्च 1985

निर्देश सं० 104/जुलाई 84/रेंज-2—अतः मुझे, श्रीमती  
एम० सामुवेल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि और मकान है, तथा जो मैलापुर में  
स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर  
लेख सं० 998/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और  
अन्तरिणी (अन्तरिणी) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए दाय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक  
सिद्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की जागत, उक्त  
अधिनियम के अधीन उक्त धारा के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उक्त धारा में दाय  
क किए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रावधानों के अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या कि वास्तव में दाय पाया, छिपाने में दाय  
क किए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री टी० पांडियन

(अन्तरक)

2. श्री ए० जीनि बुरे और अन्य

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्धन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्धन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवश  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
सिद्धित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान :—डोरनं० 7, सुल्लिवन्स गार्डन लेन—  
मैलापुर—मद्रास-4, मैलापुर—लेख सं० 998/84।

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 8-3-1985

मोहर :



राजपत्र, 13 अप्रैल 1985

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

कार्यवाही

कार्यालय, सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 मार्च 1985

निर्देश सं० 106/जुलाई 1984/रेंज-II—अतः, मुझे,  
श्रीमती एम० सामुवेल,  
भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० 96, लस चर्च रोड, मैलापुर है, तथा जो  
मद्रास-28 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर  
लेख सं० 981/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1984,  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बहु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तर के लिए तब शायद नया प्रति-  
कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधि में वास्त-  
विक रूप से अधिक नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
भाषाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग का उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री पी० आर० नारायणन और पी० आर० वेंकटाधरम  
(अन्तरक)
2. श्रीमती विजया पोबुस्वामी  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सूचना के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाद—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, की भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिट-  
नबध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी के  
पास निश्चित से किया जा सकता है।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि :—लस चर्च रोड, मैलापुर, मद्रास-28/मैलापुर—  
लेख सं० 981/84।

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 8-3-1985

मोहर

प्रकट बाह्य टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 मार्च 1985

निर्देश सं० 107/जुलाई 84/रेंज-2--अतः मुझे,

श्रीमती एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 17, ग्रोन्वेस रोड, आर० ए०  
पुरम है, तथा जो मद्रास-28 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, मैलापुर--लेख सं० 950/84 में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
जुलाई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है

कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) कथन में है कि किसी बाव को वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
राशिय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वय  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती वी० माधुरी

(अन्तरक)

2. श्री आर० उमापति

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति :—इसमें प्रयुक्त वाक्यों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि :—प्लॉट नं० 17, ग्रोन्वेस रोड, आर० ए० पुरम—  
मद्रास-28 मैलापुर--लेख सं० 950/84।

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 8-3-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एम्.एस.-----

1. श्री एस० पी० वेंकटरामन्

(अन्तरक)

2. मैसर्स मंजुनाथ एन्टर्प्राइज

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास कार्यालय

मद्रास, दिनांक 8 मार्च 1985

निर्देश सं० 108/जुलाई 84/रेंज-2—यतः, मुझे,

श्रीमती एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

श्रीरजिमकी सं० प्लॉट नं० 517, ईस्ट सर्कुलर रोड, है, तथा  
जो मद्रास-28 में स्थित है (श्रीरजिमसे उपाबद्ध अनुमूची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, मैलापुर—लेख सं० 948/84 में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई  
1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और  
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशये —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाक्षताधरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसंधान

भूमि :—प्लॉट नं० 517, ईस्ट सर्कुलर रोड, मद्रास-28,  
मैलापुर—लेख सं० 948/84।

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 8-3-1985

मोहर

प्रथम भाई.टी.एन.एस-----

1. श्रीमती कल्याणी शंकरन और अन्यो

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

2. मैसर्स एस० एस० बिल्डर्स

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास कार्यालय

मद्रास, दिनांक 8 मार्च 1985

निर्देश सं० 109/जुलाई 84/रेंज-2—यतः, मुझे,  
श्रीमती एम० सामुनेल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० 65, लाइट्स रोड, रायपेट्टा है, तथा जो  
मद्रास-14 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
मैलापुर—लेख सं० 934/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1984  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
कार्यत्व में कमी करने या उससे बचने में कृत्रिमता  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में कृत्रिमता  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति की बर्चन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और नदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान :—और नं० 65, लाइट्स रोड, रायपेट्टा  
मद्रास-14—मैलापुर—लेख सं० 934/84।

एम० सामुनेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 8-3-1985

मोहर

प्रकाश जाई.टी.एन.एच. -----

(1) श्रीमती कदला एस० राजन-पावर एजेंट  
एस० उन्नावर ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री राबर्ट प्रिविशराज सिंग ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 मार्च 1985

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

निर्देश सं० 112/जुलाई 84/रेंज-II—अतः मुझे, श्रीमती  
एम० सामुवेल,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० 31, ऐम्पेरूमाल मुदली स्ट्रीट है, जो  
रामपेट्टा, मद्रास-14 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, मेलापुर लेख सं० 909/84 में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
जुलाई 1984।को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वाचित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तिवों  
की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अनुसूची

भूमि और भूकान-डोर नं० 31, ऐम्पेरूमाल मुदली  
स्ट्रीट रामपेट्टा, मद्रास-14, मेलापुर-लेख सं० 909/84।एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज II, मद्रासअतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्तः :—तारीख 8-3-1985  
मोहर :

प्रारूप भाई.टी.एन.एस. -----

(1) श्रीमती जे. विजया ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री अब्दुल हमीद ।

(अन्तरिती)

## भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास दिनांक 8 मार्च 1985

निर्देश सं० 191/जुलाई/84/रेंज II—अतः मुझे, श्रीमती

एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पञ्चा 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 19, राम नाथकन स्ट्रीट तुंगम्बाकम  
मद्रास-34 है, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय थासंडलैट्स, लेख सं० 69/84 में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन 16 जुलाई 1984  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक  
रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने की अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सविधा  
के लिए और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करना है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हस्तावृद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिये  
गये हैं।

अनुसूची

भूमि और मकान—न्यू० नं० 19, 11, राम नाथकन  
स्ट्रीट, तुंगम्बाकम, मद्रास -34, थासंडलैट्स-लेख सं० 384/  
84।

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 8-3-1985

माहुर :

प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती कृष्णा रत्नवाल ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती टी० टी० रत्तिनाम्बाल ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास दिनांक 8 मार्च 1985

निदेश सं० 192/जुलाई 84/रेंज-II—अतः मुझे, श्रीमती  
एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर०एस० नं० 124/1/127/1 और  
128/4, 693/45140 हिस्सा भूमि में है, जो मद्रास में  
स्थित है (और इसमें उपायुक्त में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, थोसंडलेट्स लेख  
सं० 366/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16 के अधीन दिनांक 16 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है

और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीयत  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनाम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

30—16CT/85

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट-आर०एस०नं० 124/1, 127/1 और 128/4,  
और भूमि में 693/45140 हिस्सा (18 ग्राउन्ड्स एण्ड 1940  
स्कू० थोसंडलेट्स-लेख सं० 366/84।

एम० सामुवेल  
मध्यम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 8-31985

मोहर :

प्रथम भाई.टी.एन.ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 मार्च 1985

निर्देश सं० 210/जुलाई/84/रेंज-II—अतः मुझे, श्रीमती  
एम० सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2 दक्षिण शिवन कोडल स्ट्रीट, टी०एस०  
नं० 49 हिस्सा /ब्लॉक "बी" है, जो कोडम्बाक्कम् गांव में  
स्थित है (और इसमें उपाय अन्तःसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोडम्बाक्कम्  
लेख सं० 2002/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 16 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि वधापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिनमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) से उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन प्रयोजनार्थ अन्तरित संपत्तियों, अर्थात्—

(1) श्रीमती वी० कमला और अन्य।

(अन्तरक)

(2) सोम, वल्लियम्मै आन्चि।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अधिसूची

भूमि और मकान—4, दक्षिण शिवन कोडल स्ट्रीट  
वडपल्लिन, मद्रास-26, कोडम्बाक्कम्/लेख सं० 2002/84।

एम० सामुवेल  
मध्यम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 8-3-1985

माहुर :



प्ररूप आई.टी.एस.एस. -----

(1) श्रीमती आर० पदमालक्ष्मी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) ऐश्वर्या फाइनान्स कोममवलूर

(अन्तरिती)

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 मार्च 1985

निवेश सं० 277/जुलाई 84/रेंज-II—अतः मुझे, श्रीमती

एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,0000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० के० सातनूर पुत्तूर गांव एस० एफ० नं० 1/9,  
2.27 सेंटेम है, जो में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुभूति में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
मद्रास नार्थ/लेख सं० 1903/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
बन्धन प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में प्रकाशित जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वाणिज्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

भूमि के सातनूर पुत्तूर गांव, एस० एफ० नं० 1/9, मद्रास  
नार्थ/लेख सं० 1903/84 ।

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रा;

दिनांक : 8-3-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 फरवरी 1985

निदेश सं० आर०-1348/83-84—यतः मुझे, आर०

भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 14 है, तथा जो कामवा, मरगोवा, गोवा में स्थित  
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक 30-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-  
फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्हु प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया  
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वाचित्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
का या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स आर० आर० कन्स्ट्रक्शन्स,  
मरगोवा—गोवा ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ऐवने गोमस,  
मरगोवा—गोवा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1149/84, दिनांक 30-7-84)

सम्पत्ति है, जिसका सं० 14, जो मरगोवा, गोवा, में स्थित  
है ।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 22-2-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 फरवरी 1985

निदेश सं० आर०-1296/37ईई/84-85—यतः मुझे,

आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शाप नं० 6 है, तथा जो हवापि हॉम, सेंट इनेज, पणजी, गोवा में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 30-7-1984.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिणी (अन्तरिणीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स सुपर कन्स्ट्रक्शन्स,  
हिल क्रीन अपार्टमेंट्स, आर्नाटनहो;  
सापुरा, गोवा—25 ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स लयुमि सैबिल बारेट्टो,  
सांता क्रुज, इलहास, गोवा ।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1117/84 दिनांक 30-7-84)

शाप नं० 6, जो सेंट इनेज, पणजी, गोवा, में स्थित है।

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, बंगलूर

दिनांक : 22-2-85

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 फरवरी 1985

निदेश सं० आर०-1365/37ईई/84-85—यतः मुझे,  
आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
अन्तरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 99 है, तथा जो आलटो डे पोखोरिम बारडेज,  
गोवा, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप  
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16) के अधीन, दिनांक 30-7-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी नाम की वास्त, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के पयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 260-घ के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री आनटोनियो एफ० डु रोसारिवो,  
सौजा स्काविपर, नं० 1594, पोर्बावहु,  
कलन्गुटे बारडेज—गोवा ।

(अन्तरक)

(2) श्री अनिल पी० बलावालकर,  
कोरलिम मापुसा,  
बारडेज, गोवा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1154/84 दिनांक 30-7-84)

सम्पत्ति है, जिसका सर्वे नं० 99, जो अपालटो डे पोखोरिम,  
बारडेज, गोवा में स्थित है ।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 22-2-1985

मांहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 फरवरी 1985

निदेश सं० आर०-1395/37ईई/83-84—यतः सुझे,

आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शाप नं० 1 है, तथा जो पणजी म्यूनिसिपल मार्केट,  
पणजी में स्थित है, (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, दिनांक 31-7-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसंस हिंदुस्तान बिल्डिंग,  
210, गोविन्दा बिल्डिंग,  
पणजी, गोवा ।

(अन्तरक)

(2) श्री बालाचन्द्रा आर० देसाय,  
पणजी, गोवा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(वस्तुविज सं० 1176/84 दिनांक 31-7-84)

शाप नं० 1, जो गाबना जेम्बर्स, पणजी म्यूनिसिपल मार्केट,  
पणजी, गोवा में स्थित है ।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 22-2-1985

मोहर :

प्रकृष्ट आई. टी. एन. एन. - - - - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 21 फरवरी 1985

निदेश सं० आर०-1340/84-85/37ईई-कत: मुझे,

आर० भारद्वाज,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बी०-9 है, तथा जो मापुसा, बारडेज, गोवा में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 30-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के उद्देश्य के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दबाए प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) भर्तृमान रिपल ए. टेड डवल्लर्स,  
बै० श्री वट्टाप्रसाद ए० कामत,  
एफ०/1, इंदिरा अपारमेंट्स, काटानो  
आनन्दपुरा रोड, पणजी, गोवा।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स सीमा एम्० शिरसेट,  
पक्का, बारडेज, गोवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शर्त :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1142/84, दिनांक 30-7-84)

सम्पत्ति है जिसका सं० बी०-9, जो आनन्द अपारमेंट्स, मापुसा, बारडेज, गोवा में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 21-2-85

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 फरवरी 1985

निदेश सं० आर०-1109/37ईई/84-85---यतः मुझे,

आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 3 है, तथा जो तलैगोवा, गोवा में स्थित है  
(और इससे उपबाड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक  
28-7-84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
31-16GI/85

(1) श्री गिरीश ए० किनि, I फ्लोर, म्युनिसिपल बिल्डिंग,  
नियर पणजी गोवा  
2-एन०, दोरादो सिनेमा ।

(अन्तरक)

(2) श्री आन्टोनियो स्कावियर  
गोमस पेरेरा, पणजी—गोवा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1110/84 दिनांक 28-7-84)  
प्लॉट नं० 3, जो तलैगोवा, गोवा, में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 22-2-85

सोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 फरवरी 1985

निदेश सं० आर०-1376/37ईई/84-85—यत मुझे,

आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शाप नं० 5 है, तथा जो मरगोवा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची से और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 30-7-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेनम सुनिवाम रिक्लटर्स,  
कामदेनु, डॉक्टर दादा वैद्य रोड,  
पणजी, गोवा ।

(अन्तरक)

(2) श्री विक्टर डिसौजा,  
केर/आफ मेसर्स बथानिया डिसौजा,  
II-II, सी० ब्रीज, 81, मोटिरोड,  
माहिम, बम्बई-16 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है :

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1164/84 तां० 30-7-84)

शाप नं० 5, जो मरगोवा, में स्थित है ।

आर० भारद्वाज

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 22-2-1985

मोहर :



प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 फरवरी 1985

निदेश सं० आर०-1370/37-ईई/84-85—यतः मुझे,

आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 47 है, तथा जो लेक व्यू कालोनी मिरामर,  
पणजी, गोवा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, दिनांक 30-7-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है

और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक  
(अंतरकों) और और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के  
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्त-  
रण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी भण या अन्य आस्तिकों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. जोसे एम० गोवेया पिटो और  
2. मेसर्स मरे क्रिश्चियन गोवेया पिटो,  
नियर हैड पोस्ट आफिस पणजी, गोवा।

(अन्तरक)

- (2) श्री अनतोनि लोबो,  
विन्डमरे, IX- फ्लोर, बी० जे० रोड,  
बान्द्रा (वेस्ट), बम्बई-50।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1158/84, दिनांक 30-7-84)

प्लॉट नं० 47, जो लेक व्यू कालोनी मिरामर, पणजी, गोवा  
में स्थित है।

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 22-2-1985

मोहर

प्रश्न आई. टी. एन. एस. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आर० भारद्वाज

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 फरवरी 1985

निवेश सठ० आर०-1373/84-85/37ईई-यतः मुझे,

आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शाप नं० 4 है, तथा जो बिल्डिंग 'ए' नियर पणजी  
मार्केट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16) के अधीन, दिनांक 30-7-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके, यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को  
एक प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरितों  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है—

(1) श्री मियल काब्राल,  
पनजिम, गोवा ।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० जे०० कोडिग्यूस,  
सेंट इनेज, पनजिम,  
गोवा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(दस्तावेज सं० 1161/84, दिनांक 30-7-84)

शाप नं० 4, बिल्डिंग 'ए', जो नियर पणजी मार्केट, पणजी,  
में स्थित है ।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अजन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 22-2-85

मोहर

प्रारूप आर्.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 22 फरवरी 1985

निदेश सं० आर०-1384/37-ईई/84-85--अत मुझे,

आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञापित करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1 और 2 है, तथा जो मापुसा, गोवा  
में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 31-7-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम की ख़यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके ख़यमान प्रतिफल से, ऐसे ख़यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतर्द्विती  
(अंतर्द्वितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर  
अधिनियम के अधीन कर देने की अन्तर्गत की  
बायित्व में कमी करने या उतसे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैक्स मझान बिल्डर्स,  
मापुसा,  
भारखेज,  
गोवा।

(अन्तरक)

2. श्री दिनानाथ पान्डुरंग सरदेसाई  
पनजिम,  
गोवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
ग्रहण किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पक्ष में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1172/84, ता० 31-7-84)

प्लॉट नं० 1 और 2, जो मापुसा, गोवा, में स्थित

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 22-2-1985

मोहर

प्रमुख बाई, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 21 फरवरी 1985

निदेश सं० आर 1329/37-ईई/84-85---धतः  
मुझे, आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी न० प्लॉट न० 8 है, तथा जो मरगोवा, गोवा  
में स्थित है (और इसे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय, बेंगलूर  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख 10-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंत-  
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी बात की वजह, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के बजाय के  
वास्तविक में कभी करने या करने के लिये की जाये

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में  
अविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैनेर्स आर० आर० कन्स्ट्रक्शन्स,  
मरगोवा,  
गोवा ।

(अन्तरक)

2. श्री आत्माराम सदाशिव,  
नायक, कुन्डेकर,  
II-एस०-4,  
लक्ष्मी को-ऑपरेटिव सोसायटी,  
कामवा,  
मरगोवा,  
गोवा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि कम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्तकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

सदस्य

(दस्तावेज सं० 1139/84, ता० 10-7-84)

प्लॉट न० 8, जो कामवा, मरगोवा, गोवा में स्थित

है।

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, बेंगलूर

तारीख 21-2-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 22 फरवरी 1985

निदेश सं० आर०-1372/37-ईई/84-85-अतः

मुझे, आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी म० -- है, तथा जो मोलोरम कोला विलेज,  
कनाकोना, तालुका, गोवा में स्थित है (और इससे उपावड  
अनुधूची में और पूर्ण रूप से वणिज है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, बेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जावस्ता गोविन्दा नैक्यू,  
और मनिहाबाई गोविन्दा नैक्यू,  
धापसोरे त्रेविय,  
खलसेटे,  
गोवा।

(अन्तरक)

2. श्री श्रीरंगा विष्णुम प्रभु देसाई,  
मोलोरम,  
कोला,  
कनाकोना,  
गोवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1160/4, ता० 30-7-84)

सम्पत्ति है जिसका मोलोरम कोला विलेज, कनाकोना  
तालुका, गोवा डिस्ट्रिक्ट में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 22-2-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

**आयकर अधिनियम**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉय, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 फरवरी 1985

निदेश सं० नं० आर०-1368/84-85/37-ईई-अतः

मुझे, आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं०--- है, तथा जो मोलेरम कोला विलेज, गोवा में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-7-1984

बंगलूर से रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, कार्यालय, के तारीख को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि गद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिय तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित से वास्तविक रूप में अधिक नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आम की शक्ति, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के कारण से नहीं करने या उक्त करने के लिये बाधित है; और/या

(ख) एंसी किसी आम या किसी भन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रत्येकमार्फ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या बाधित जाना चाहिए या, जियाने से अन्तरण के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री वेंकटेश भाविन्दा नेक्यू,

उसकी पत्नी गोदावरी वेंकटकुसा नेक्यू,  
मोलोरेम,  
कोला,  
कनाकोना, तालुक,  
गोवा डिस्ट्रिक्ट ।

(अन्तरक)

2. श्री श्रीराम विसनुम प्रभु देसाई,

मोलोरेम,  
कोला,  
कनाकोना,  
गोवा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बंधोस्ताकड़ी या पाब निश्चित में किए जा सकेंगे ।

संज्ञाकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1156/84, ता० 30-7-84)

सम्पत्ति है जो मोलेरम कोला विलेज, गोवा में स्थित है ।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रॉय, बंगलूर

तारीख 22-2-1985

मोहर

प्रकरण बाई. टी. एन. एस.-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 22 फरवरी 1985

निदेश सं० न० आर०-1345/37-ईई०/84-85--आत :

मुझे, आर० भारद्वाज,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० -- है, तथा जो मरगोवा, गोवा से स्थित  
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेंगलूर में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 30-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्त-  
रित की गई है और मुझे यह विश्वास

का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्तों) और अन्तरिकी  
(अन्तरिकियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिससे --  
वास्तविक रूप से अधिगत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने की अन्तरक के  
वास्तव से कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिनमें भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अन्तर्गत अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिष्ट --

32-16GI/85

1. श्री वेङ्कट दत्ताराम सिनै  
कुन्कोलियनवार और उसके पति--  
आचा बैकुण्ठ कुन्कोलियनवार,  
बंबई।

(2) सुरेन्द्रा दत्ताराम सिनै  
कुन्कोलियनवार और उनकी पत्नी  
पुष्पा सुरेन्द्रा कुन्कोलियनवार,  
मरगोवा,  
गोवा।

(अन्तरक)

2. मेसर्स जे० एस० कन्स्ट्रक्शन्स,  
म्यूनिसिपल बिल्डिंग,  
1 फ्लोर,  
स्टेशन रोड,  
मरगोवा,  
गोवा।

(अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

संज्ञा

संज्ञाकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1147/84, ता० 30-7-84)

सम्पत्ति है जिसका चालता न० 27 और 30, पि० टी०  
शीट न० 214, जो मरगोवा, गोवा, में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 22-2-1985

मोहर :

प्रश्न बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 22 फरवरी 1985

निदेश सं० न० आर०-1107/37-ई०/84-88-घट

मुझे, आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2 है तथा जो तल्लेगोवा, गोवा में स्थित  
है (और इससे उपायधन अनुसूची से और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेंगलूर में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
मारीख 2-7-1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्त-  
रित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिलसिले में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक से हुई किसी बात की बाध, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अंतरक के बाधित  
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वस्तुओं  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गिरीश ए० किनि,  
1 फ्लोर,  
म्यूनिसिपल बिल्डिंग,  
पनजि,  
गोवा।

(अंतरक)

2. श्री ए० डि० वी० केंदनी स्कावियर,  
मरगोवा,  
गोवा।

(अंतरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई जांच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताधारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

सहस्रकी

(हस्ताक्षर सं० 1108/84, ता० 28-7-84)  
प्लेट न० 2, जो तल्लेगोवा, गोवा, में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
धर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 22-2-1985  
सोहर :



प्रथम भाग, टी.एन.एस. -----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 22 फरवरी 1985

निदेश सं० नं० आर०-1109/37-ईई०/84-85--अतः

मुझे, आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 13 और 14 है, तथा जो तलेगोवा,  
गोवा से स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची से और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकारी अधिकारी के कार्यालय,  
बेंगलूर से रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 28-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित बाजार मूल्य से कम की इश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्त-  
रित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिणी  
(अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
हास्ताक्षर रूप से स्वीकृत नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के दायित्व में  
कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए  
बॉर/बा

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
के, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तर्लिखी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किसी भाग बांटिए या, छिपाने में सुविधा  
के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति/वस्तुओं का नाम है —

1. श्री गिरीश ए० किनि,  
1 फ्लोर,  
म्यूनिसिपल बिल्डिंग,  
नियर--इ० एल० बोरादो सिनेमा,  
पनजी,  
गोवा।

(अन्तरक)

2. श्रीमती निशा गोमस,  
के०/आफ डाक्टर आलवारदो डि कोस्टा,  
मिरामर,  
पनजी,  
गोवा।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन में लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
रक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1109/84, ता० 28-7-84)

प्लेट नं० 13 और 14, जो तलेगोवा, गोवा, से स्थित

है।

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बेंगलूर

तारीख 22-2-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एच.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 26 फरवरी 1985

निदेश सं० नोटिस नं० आर०/1192/84-85--अतः

मुझे, आर० भारद्वाज,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
हमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 103 है, तथा जो बालमट्टा  
रोड, मंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, बेंगलूर से रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-7-84  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित-बाजार मूल्य से काय के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्त-  
रित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसी अंतरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
अस्तित्व रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्य-अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती अस्मिता आर० कान्त,  
वाइफ/आफ श्री रमाकांत जमनादास,  
जी० टी० रोड,  
मंगलूर।

(अन्तरक)

2. डा० यू० एस० कृष्ण नायक,  
प्लॉट नं० 103,  
हीरा मोती अपार्टमेंट्स,  
बालमट्टा रोड,  
मंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्ज के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्ज के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया  
गया है।

अन्तरक

(वस्तावेज सं० 1112/84, ता० 27-7-84)  
प्लॉट नं० 103, अफीरा मोती अपार्टमेंट्स, बालमट्टा  
रोड, मंगलूर।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, बेंगलूर

तारीख 26-2-1985  
साहू

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

## साहाय्य सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 2 मार्च 85

निदेश सं० नोटिस नं० आर०/1391/84-85 —अतः

मुझे आई भारतवाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 5 है, जो कोम्बा मारगोवा, गोवा में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता: 31-7-84

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता बिलेख के अनुसार अंतरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के  
बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्क के दायित्व  
में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रवचनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मे० आर० आर० कन्स्ट्रक्शन्स  
मारगोवा,  
गोवा ।

(अन्तरक)

(2) फ्रान्सिसका सेलिना  
अकोनसो गनसालवेस  
हेच नं० 150,  
कोम्बा,  
मारगोवा,  
गोवा ।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 1173/84-85 ता: 31-7-1947  
प्लॉट नं० 4 में कोम्बा नाम से परिचित बिल्डिंग कन्स्ट्रक्शन  
हो रहा है, इसमें प्लॉट नं० 5 जो कोम्बा, मारगोवा, गोवा में स्थित  
है)

आर० भारतवाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, बेंगलूर

तारीख : 2-3-1985  
मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 7 मार्च, 1985

निदेश सं० नं० सि० आर० 62/आर०-1128/84-85—

अतः मुझे, आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शाप नं० 7 है, जो शिवसागर अपार्टमेंट्स में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय, बेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता: 28-7-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्री मेलविन रोज़म्यूस घोर

हिस बैंक,

फैरा बालटा,

मापुसा, गोवा।

(अन्तरक)

(2) गेबेलिना डिसोजा

पिरना, बारडेज, गोवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृतसूची

(दस्तावेज सं० 1111/84 ता: 28-7-84)

सम्पत्ति है जिसका शाप नं० 7, जो शिवसागर अपार्टमेंट्स मापुसा, गोवा में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 7-3-1985

माहुर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 7 मार्च, 1985

निदेश सं० सी० आर० 62/आर०-1320/84-85—

अतः मुझे, आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टि०एस० 13.3 एण्ड 10.1 (भाग) है, तथा जो कस्बा बाजार, मंगलूर में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-7-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, घटे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए न्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निमित्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अंतरक से हुई किसी आय की वापस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक को वापस में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स मुक्ता अलियास,  
गौरिबाई,  
नेल्लिकाइ रोड,  
मंगलूर ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स यनेपोया होटल्स,  
बंवर रोड,  
मंगलूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1133/84 तारीख 30-7-84)

57 सेंस भूमि है जो कस्बा बाजार, मंगलूर सिटी इन टि० एस० नं० 13.3 एण्ड 10.1 (भाग), में स्थित है ।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 7-2-1985

सोहर

प्रकृष बाई० टी० एन्० एस्० —————

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सहायक बायकर आयुक्त

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर दिनांक 26 फरवरी 85

भिवेस सं० नोटिस नं० 43950/84-85 — अतः

मुझे, आर० भारद्वाज

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति चितका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है।

अगर जिसकी सं० 43 है, तथा जो परमुडे विलेज मंगलूर में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मंगलूर तालुक में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 31-8-84

को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमात्र प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य इसके व्ययमान प्रतिफल से ऐसे व्ययमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वारस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य वास्तवों को चित्त भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) रीटा मेनिजिज
2. श्री विन्सेंट वालडर
3. जारेन्स वालडर
4. श्री सेबास्टिन वालडर,  
परमुडे विलेज,  
मंगलूर तालुक।

(अन्तरक)

- (2) श्री बी० पासकाल पिन्दो  
सन आफ बापटिस्ट पिन्दो  
परमुर विलेज  
मंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में कितना बच किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1094/84-85 तारीख 31-8-84  
सब सम्पत्ति है जिसका सं० 43, जो परमुडे विलेज, मंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 26-2-85  
मोहर :

प्रकृष्ट आर्.टी.एन.एच.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 4 मार्च 1985

निर्देश नोटिस नं० 43871/84-85— अतः मुझे,

आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 8711, आर० एम० नं० 73-1बी० है तथा जो कार्दी विलेज, मंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, मंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम / के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
33-16 GU/85

1. श्री जी० अनन्ता राव  
"रवि किरण",  
लक्ष्मी सदन गार्डन,  
कार्दी विलेज,  
मंगलूर-575003।

(अन्तरक)

2. श्री के० एस० उपाध्याय,  
श्रीमती लीला राव जी उपाध्याय,  
लक्ष्मी सदन काटेज,  
डी० नं० 3-30-2370,  
लक्ष्मी सदन गार्डन,  
कार्दी, मंगलूर-575003।

(अन्तरक)

को यह सूचना धारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जांचें :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनसूची

(दस्तावेज सं० 699/84-85, दि० अगस्त 84)

सब सम्पत्ति है जिसका सं० 87-ए, आर० एम० सं० 73-1बी०, जो कार्दी विलेज, मंगलूर में स्थित है।

र० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 4-3-1985

मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड, बंगलूर,

बंगलूर, दिनांक 4 मार्च 1985

निदेश नोटिस सं० 15795/84-85-अतः मुझे,  
आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पदार्थ 'आयकर अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 173 है, तथा जो यादवगिरि एक्सटेंशन  
वाणिज्यिलास मोहल्ला, मैसूर में स्थित है (और इससे उपाखंड  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, मैसूर में, रजिस्ट्रीक अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1984  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती  
(अंतरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निहित है वास्त-  
विक रूप से संपत्ति नहीं किया गया है।

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वानत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के बाधित से  
करी कर देने का दृश्यमान रूप से अधिभा के लिए,  
अंतरक

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का  
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वये  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री श्रीकण्ठा जोरुम चन्द्रशेखर,  
120/1, 10 मून,  
राज महल विलास,  
एक्सटेंशन,  
बंगलूर।

(अन्तरक)

2. श्री बी० जयरामा शेट्टी,  
नं० 249,  
बुन्दावन एक्सटेंशन,  
देवराज मोहल्ला,  
मैसूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2680/84-85, ता० 9-8-84)

सब संपत्ति है जिसका सं० 173 जो यादवगिरि एक्स-  
टेंशन, वाणिज्यिलास मोहल्ला, मैसूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोड, बंगलूर

तारीख 4-3-1985  
मोहर



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 6 मार्च 1985

निदेश नोटिस नं० 44532/84-85--प्रतः मुक्त,  
आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० सर्वे सं० 58, 59, 60/1 और 62/1,  
है तथा जो वाचेनहट्टी विलेज, कसबा होली, मागडी तालुक  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची से और पूर्ण रूप  
से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मागडी  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 30-10-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार-मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री देवीरम्मा

और कुछ लोग,  
वाचेनहट्टी विलेज,  
कसबा होली,  
मागडी तालुक।

(अन्तरक)

2. श्री पी० एस० गुजराल,

नं० 54, 1 मून,

1 मैन रोड,

11 ब्लॉक,

सुधामनगर,

बेंगलूर-27।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1663/84-85, ता० 30-10-84)

सब सम्पत्ति है जिनका सर्वे सं० 58, 59, 60/1,  
और 62/1 जो वाचेनहट्टी विलेज, कसबा होली, मागडी  
तालुक बेंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 6-3-1985

माहिर :

प्ररूप भाई टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेड्डी, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 1 मार्च 1985

निदेश नोटिस नं० 44849/84-85--अत सुभे,

आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० 72/1 है, तथा जो कन्निकाहम रोड,  
बेंगलूर में स्थित है (और इसमें एपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकारी अधिकारी के कार्यालय,  
गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 10-10-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और सुभे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितीयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
बाड/बा

(ख) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री तामस अलेक्सांडर

न० 2, कट्टिमन्नाहम रोड,  
बेंगलूर-560052।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मोली अब्राहम,

वेफ०/आ० पी० डी० अब्राहम,  
प्लॉट न० 3 बी०,  
हैलान्ड टावर्न,  
ब्लॉक 1,  
जलान उलू कलान्वा,  
कोलालम्पुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ङ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज स० 2125/84-85, ता० 10-10-84)

सम्पत्ति है जिसका स० 72/1 है तथा जो कन्निकाहम  
रोड बेंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेड्डी, बेंगलूर

तारीख : 1-3-1985

मोहर :

प्ररूप भाषा टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ  
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 1 मार्च 1985

निदेश नोटिस सं० 4485/84-85—अतः मुझे,

आर० भारद्वाज,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञापित करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 3 में सं० 50 है, तथा जो गंगेनहल्ली बेंगलूर नार्थ तालुक में स्थित है (और इसमें उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अधोपूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिसित में वास्तविक रूप में केचित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वारस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या सबसे शर्तों में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या किसी आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, विधानों में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम का भाग 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

1. श्री टी० पी० वेणुगोपाद,  
44/4, 1 फ्लोर,  
4 मैन रोड,  
मल्लेश्वरम्,  
बेंगलूर-55।

(अन्तरक)

2. श्रीमती एम० एम० बालाम्बा एन० राव,  
न० 7,  
5 मैन रोड,  
मल्लेश्वरम्,  
बेंगलूर-43।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2265/84-85, ता० अक्टूबर 84)  
सब संपत्ति है जिनका सं० सर्वे सं० 3 में सं० 3  
जो गंगेनहल्ली बेंगलूर नार्थ तालुक में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जेन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 1-3-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 1 मार्च 1985

निदेश नं० नोटिस नं० 45033/84-85—अतः मुझे,

प्रारं० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा  
269-घ के अधीन-सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी स० 21/1 है, तथा जो 1 फ़ास वीलर रोड़,  
बेंगलूर में स्थित है (और इससे उदात्त अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
शिवाजीनगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 30-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

उतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित गणितयों, अर्थात् :—

1. श्री वै० रायप्पा,  
नं० 14,  
अचूतराया मुदलियार रोड़,  
फेजर टाउन,  
बेंगलूर-5।

(अन्तरक)

2. श्रीमती रकानुमिसा,  
नं० 18,  
11 फ़ास,  
चांदनी चौक रोड़,  
बेंगलूर-560051

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाढ़ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

सं. निरूपण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज नं० 2573/84-85, दि० 30-11-84)

सब सम्पत्ति है जिसका नं० 21/1 जो 1 फ़ास, वीलर  
रोड़, बेंगलूर में स्थित है।

प्रारं० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 1-3-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. = - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 2 मार्च 1985

निदेश नोटिस नं० 45172/84-85-प्रतः मुझे,

भार० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथावत सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 277/9, है तबच जो मागडी रोड  
रोड एक्सटेंशन, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपावृद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, श्रीरामपुरम में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-11-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और भले यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और (अन्त-  
रितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल  
मिन्मलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप  
से अंतरित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1. श्री ए० एस० शरनप्पा,  
सन/आफ श्री आर० ए० मन्गमा बसप्पा,  
पी० बी० रोड,  
दावनगेरे।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कालम्मा  
नं० 476,  
8 मैन रोड,  
विजयनगर,  
बेंगलूर-401

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(स्तावेज 2978/84-85, ता० 13-12-84)

सब सम्पत्ति है जिसका सं० 277/9 जो मागडी रोड  
कांड रोड एक्सटेंशन, बेंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, बेंगलूर

तारीख : 2-3-1985

मोहर :

प्रमुख आई. टी. एन. एन. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 6 मार्च 1985

निदेश सं० नोटिस नं० 45184/84-85—अतः मुझे,  
आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जो कि धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 55 है, तथा जो सेंट्रल एक्सेचेंज हाउस,  
बिल्डिंग कोऑपरेटिव हाउस सोसायटी लिमिटेड केम्पापुरा  
अग्रहारा बेंगलूर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, श्रीरामपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-11-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के बीच तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी बात की वजह, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री एल० के० गणेश राव,  
नं० 7,  
न्यू है स्कूल रोड,  
विश्वेश्वरपुरम,  
बेंगलूर-41

(अन्तरक)

2. श्री एम० सी० लिंगप्पा,  
नं० 84/2,  
रामचन्द्र अग्रहारा,  
5 रोड, चामराजपेट,  
बेंगलूर-181

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पक्ष  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में किया  
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2633/84-85, ता० 17-11-84)

सब सम्पत्ति है जिसका सं० 55 जो सेंट्रल एक्सेचेंज  
हाउस बिल्डिंग कोऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड केम्पापुरा  
अग्रहारा, बेंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 6-3-1985

मोहर :

प्रारूप आहू.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 28 फरवरी 1985

निदेश नोटिस नं० 43718/84-85—अतः मुझे,

आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञापन करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० (30 पुराना सं० 26) है, तथा जो पेलेस क्रॉस रोड, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाध्व अनुसूची के और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेंगलूर गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ता: 6-8-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

34-16 GI/85

(1) श्री० रामय्या  
नं० 2, क्रॉस  
सौराष्ट्रपेट,  
बेंगलूर-53।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० पी० दिलीप कुमार  
नं० 6, मुनिस्वामी रोड  
टास्कर टोन  
बेंगलूर-51।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1441/84-85 तारीख 6-8-84)

सम्पत्ति है जिसका सं० 30 (26) जो पेलेस क्रॉस रोड (नीति पोरशान) बेंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 28-2-1985  
मोहर :

प्रकाशक: टी. एन. ए. ---

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज बेंगलूर

बेंगलूर दिनांक 28 फरवरी, 1985

निवेश सं० नोटिस सं० 43854/84-85—अतः मझे,  
आर भारद्वाज  
वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० 33 है, तथा जो एस०जे०पी० रोड, कास  
बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधी नगर  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 3-8-84

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित तद्वक्तों से उक्त अन्तरण निश्चित  
में वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरक से हुए किसी बात की वास्तविक व्यवसाय  
प्रतिफल के अर्ध के अर्ध के अन्तरक के अन्तरक  
में कमी करने या इससे बढ़ने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी वस्तु या वस्तु वास्तविक  
को जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के द्वारा :—

(1) श्री नरेन्द्र कपूर  
नं० 1, यूनियन स्ट्रीट,  
बेंगलूर-1

(अङ्कतरक)

(2) श्री सी० आर० सन्तोष कुमार  
श्री जी०आर० नंजुन्डा स्वामी  
श्री बी० डान, कृष्णय्या शेड्डीट  
नं० 246, आर० बी० रोड,  
विश्वेश्वरपुर  
बेंगलूर-4

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरों के पास  
निश्चित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 1401/84-85 ता: 3-7-84)

सब सम्पत्ति है जिसकी सं० 33, नया सं० 6 जो एस० जे०  
पी० रोड कास, बेंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 28-2-1985  
मोहर



सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर दिनांक 28 फरवरी, 85

निदेश सं० नोटिस नं० 43829/84-85—अतः

मझे, आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिस  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 10 पुराना सं० 2911 है, तथा जो ओडिकोप्पल  
वाणिज्यिलासपुरन टेम्पल रोड देवराज मोहला, मैसूर में स्थित है  
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैसूर में रजिस्ट्रीकर अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-8-84  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों (अर्जित) :—

(1) श्री पी०वी० सत्यनारायण शेट्टी ।

2. श्रीमति सुन्दराम

3. श्रीमति एस० शोभा सुदीर ।

4. कुमारी पी० एस० सुनीता,

डी० नं० 100(101)

अशोका रोड,

मैसूर ।

(अन्तरक)

(2) श्री के० एस० मंजूनाथ और

श्री एम० सी० कृष्णय्या शेट्टी

नं० 52, विजया फैनान्स कारपोरेशन

देवराज अर्स रोड,

मैसूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2391/84-85 ता: 22-5-84)

सम्पत्ति है जिसकी सं० तथा सं० 10 पुराना सं० 2911  
जो ओडिकोप्पल वाणिज्यिलासा टेम्पल रोड देवराज मोहला  
मैसूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 28-2-1985

मोहर

## प्रमुख बाइंडी एन.एस.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर दिनांक 28 फरवरी, 1985

निदेश सं० नोटिस यं० 43917/84-85-अतः

मह, आर० भारद्वाज

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 38-2-8 है, तथा जो सैन रोड, शिवनहल्ली बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाखंड अनसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजाजीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-8-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उच्च बचत में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार अतः, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्नातः—

(1) श्रीमति नरसम्मा

केयर आफ,

श्री आर० राज,

नं० 32, II ब्लाक,

के०एस०आर०टी०सी० क्वार्टर्स

शांति नगर,

बेंगलूर-27

(अंतरक)

(2) श्रीमति पुष्पावति

केयर आफ

श्री सी० रामच नायडू

कम्प्यूटर सेक्शन,

ए०टी०ए०,

बेंगलूर-16।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सब सम्पत्ति है जिसकी पुरान डिविजनल सं० 2 नया डिविजन सं० 11, डोर नं० 38 : 2-8 जो III सैन रोड, शिवनहल्ली, बेंगलूर हू स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 28-2-1985  
मोहर।

प्रारूप आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर दिनांक 1 मार्च, 1985

निदेश सं० नोटिस नं० 44368/84-85—अतः मझे,  
आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 85 बी में है, तथा जो जेप्पिनमागर विलेज  
आर० एस० नं० 76-11-1ए जेप्पु वार्ड, मंगलूर में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मंगलूर सिटी में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
29-8-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जी० ए० कृष्ण  
नं० 17, रघुपात लेझीट  
नं० 2, एस० आर० पी० नगर,  
कोयम्बतूर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति बंकुम्मा  
केयर आफ,  
मोहम्मद इस्माइल  
गुड रोड फ्रांस रोड,  
मंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1006/84-85 तारीख 29-8-84)

सब सम्पत्ति है जिसका सं० 85 बी में आर० एस० सं०  
76-11ए1 ए जो जेप्पिनमागर, विलेज, जेप्पु वार्ड, मंगलूर में  
स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 1-3-1985  
मांहर

प्रकरण जारी, टी. पुन. ए. सु. 3-9-84

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, बेंगलूर

बेंगलूर दिनांक 1 मार्च 1985

निदेश सं० नोटिस नं० 44509/84-85 —यसः

मुझे, आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 9/5 है, तथा जो अब्दुल हफीज रोड, काक्स टोन  
बेंगलूर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर,  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 3-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कीत  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वसुली, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के भास्त्व  
में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए या किन्नामे में सविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अधिनियमों में अन्तरक है—

(1) मेजर डी०टी०ए० मुन्दराज,  
श्रीमति राणी बाई,  
नं०-14  
आफीससं कालोनी  
बान्सवाडी रोड, सिविल स्टेशन,  
बेंगलूर-560033।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति एमिलिया गेरटूड नजरत,  
केयर आफ  
लेट पी० सुन्दरमूर्ती रोड  
काक्स टोन,  
बेंगलूर-5।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तन्मन्वन्वी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्णहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1419/84-85 तारीख 3-9-84)

सब सम्पत्ति है जिसकी सं० 9/5 जो अब्दुल हफीज रोड,  
काक्स टोन बेंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, बेंगलूर

तारीख : 1-3-1985

मोहुर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सम्पत्ति

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, बेंगलूर

बेंगलूर, जिलांक 1 मार्च 1985

निदेश सं० नोटिस सं० 44388/84-85--अतः मुझे, आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 4/5 है तथा जो सदरस रोड, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर से रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29 दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय शिवाजीनगर में धारा 269 ए.बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के पास रजिस्ट्रीकृत किया गया है मझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसमें तब्दील में सुविधा के लिए, और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, द्वारा:—

(1) श्रीमती बी० प्रभावती,  
1 एच० अरुणस रोड,  
तीसरा क्रम  
बेंगलूर-42।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एस० एल० लक्ष्मी देवी,  
श्री एस० एल० विजय कुमार,  
श्री एस० एल० उमापति,  
श्री एस० एल० नारायण,  
श्री एस० एल० धनुराज,  
श्रीमती एम० एल० बिमला देवी  
4/5 सौदर्य रोड, बेंगलूर  
श्री एल० एल० पांडुरंगन,  
नं० 39, फ्रूट स्ट्रीट,  
बेंगलूर-1।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् की व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहोत्साहरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनारसी

(वस्तावेज सं० 1907/84-85 ता० 29-9-84)

सब सम्पत्ति जिसकी सं० 4/5 है जो सौदर्य रोड, बेंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, बेंगलूर

तारीख : 1-3-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 2 मार्च 1985

निदेश सं० नोटिफ नं० 45874/84-85—अतः मुझे

आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात्, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खाता नं० 431 है तथा जो 1 क्राम रोड,  
रावटसनपेट में जी० एफ० में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
घनुसूची से और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिधारी  
के कार्यालय, बंगारपेट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 30 जुलाई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को, बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
घायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधितः :—

(1) श्री पी० सुरजमल सन/आफ  
श्री पूनमचन्द धारीवाल,  
1. क्राम रोड,  
रावटसनपेट के० जी० एफ० ।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० ए० सुभान,  
सन/आफ श्री एस० ए० लातिफ,  
बी० कोटा,  
पालमनार तालुक,  
चित्तूर डिस्ट्रिक्ट,  
आंध्र प्रदेश ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है :

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1533/84-85 ता० 30-7-84)

सब सम्पत्ति जिनकी सं० खाता सं० 431 है जो 1 क्राम  
रोड, रावटसनपेट के० जी० एफ० में स्थित है ।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 2-3-1985

मोहर :

मुख्य भाग टी. एन. ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-अ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेड्डी, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 6 मार्च 1985

निदेश सं० नोटिस सं० 43894/84-85-अतः मुझे,  
आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 833/1 है तथा जो अत्तावर  
विलेज फलनोर वाई मंगलूर में स्थित है (और इससे उपाध्व  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, मंगलूर से रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 अगस्त, 1984 को  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने, अनुसूच के  
बाधित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए और/वा

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसार  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों का बर्णन है--  
35-16 GI/85

(1) श्री रघुचन्द्रन शेटी,  
श्री एम० बी० शेटी,  
श्री वीरभरगजा शेटी,  
श्री चन्द्रराज जैन,  
श्री जसन्तल जैन,  
श्री पुरस्वनाथ शेटी,  
श्री ज्ञानचन्द्र कूलूर,  
जैन काम्पाउन्ड,  
अत्तावर, मंगलूर।

(अन्तरक)

(2) डा० एम० ए० मोहम्मद कुन्ही,  
हेल्यार्ड क्वार्टर्स,  
वामलेन, मंगलूर।

(अन्तर्गति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

राज्यीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
वर्ण होना, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 720/84-85, तारीख 16-8-84)  
सब सम्पत्ति जिसकी सं० आर० एस० नं० 833-1 है  
है तथा जो अत्तावर विलेज फलनोर वाई, मंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिनारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेड्डी, बंगलूर

तारीख : 6-3-1985  
मोहूर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 मार्च 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एनयू०/2/एस० प्रार०

1/7-84/406-अतः, मुझे, प्रार० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 3909/14 है तथा जो सदर बाजार  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
बायलब में कमी करने या उससे बचने में सावधानी  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कमल किशोर

सुपुत्र स्व० श्री भोला नाथ  
निवासी 504 मेन बाजार,  
तेलीबारा, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री मूल चन्द मालु

अभिभावक श्री विकास कुमार मालु-  
श्री जमना लाल मालु  
अभिभावक श्री मनोहर कुमार मालु,  
निवासी ए० टी० रोड, जोरहाट,  
वर्तमान 3909 गली बर्ना,  
सदर बाजार, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

1/2 भाग प्रो० नं० 3909, बार्ड नं० 14, गली बर्ना,  
सदर बाजार, दिल्ली, तादावी 73 वर्ग गज,

प्रार० पी० राजेश,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 5-3-1985

मोहर :



प्रकृष माह. टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना  
भाइत सुडकाइ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 मार्च 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू-2/एस-आर-1/7-84/

407-अतः, मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) चिसे इतने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 3909/14 है तथा जो गली बर्नी  
सदर बाजार, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख जुलाई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
मास्तीबक रूप में कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तीबों  
को चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नरेश कुमार  
सुपुत्र श्री अयोध्या प्रसाद,  
2674, मेन बाजार,  
तेलीवारा दिल्ली-6।

(अन्तरक)

2. श्री बजरंग लाल मालु  
अभिभावक सुमित कुमार मालु,  
राज कुमार मालु  
अभिभावक विक्रम कुमार मालु,  
निवासी 3909, गली बर्नी,  
सदर बाजार, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग प्रो० नं० 3909 वाई नं० 14, गली बर्नी,  
सदर बाजार, दिल्ली, तादादी 73 वर्ग गज।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 5-3-1985

मोहर :

प्रकरण बाई, टी. एन. एच. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2 दिल्ली

दिल्ली, दिनांक 15 मार्च, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू-2/एस० आर०-1/7-

84/409-अतः, मुझे, आर० पी० राजेश,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 71/ई है, तथा जो मानसरोवर गार्डन,  
बसई-दारापुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई  
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से  
एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-  
रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंत-  
रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने की वस्तुओं के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, जिन्हें नें सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सरस्वती देवी पत्नी  
श्री बोलत राम शर्मा,  
निवासी 82-बी, रमेश नगर,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. कुमारी कमल सचदेवा  
सुपुत्र स्व० श्री पी० एस० सचदेवा  
और जी० सचदेवा  
सुपुत्र श्री पी० एस० सचदेवा,  
निवासी जे-12/71,  
राजोरी गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्तिकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 71, ब्लॉक ई, तादादी 200 वर्ग हगज,  
खसरा नं० 2328, मानसरोवर गार्डन, ग्राम बसई दारापुर,  
दिल्ली राज्य, दिल्ली।

आर० पी० राजेश  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 2, दिल्ली  
नई दिल्ली-110002

दिनांक: 15-3-85  
मोहर

प्रकृष बाई.टी.एन.एस. -----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 मार्च, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर-1/  
7-84/414, —अतः मुझे आर० पी० राजेश,  
भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० बी-8 है, तथा जो मानसरोवर गाँव,  
बसई बारापुर, दिल्ली में स्थित है और इससे उपायद अनुसूची  
में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके ह्यमान प्रतिफल से, ऐसे ह्यमान प्रतिफल का  
अन्तर्गत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए व्यय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वजह, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाधित न कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तव,  
को जिन्हें भारतीय भाषकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रभावनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्थात्।—

1. श्री कृष्ण कुमार गोरावारा सुपुत्र श्री लोकनाथ गोरावारा  
निवासी एल-16, सरोजिनी नगर, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)

2. श्री दर्शन सिंह, सुपुत्र एस० अछर सिंह और  
श्रीमती प्रकाश कौर पत्नी एस० दर्शन सिंह,  
निवासी मकान नं० 3885, गली पुलिस चौकी वाली,  
कन्हैया नगर, श्री नगर, नई दिल्ली-35.  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधकः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त भाषकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० बी-89, तादादी, 297 वर्ग गज, खसरा नं०  
2329, मानस रोवर गाँव, ग्राम बसई बारापुर, दिल्ली।

आर० पी० राजेश  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक भाषकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

दिनांक: 5-3-85  
मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 मार्च 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०आर०-1/7-84,  
466—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 75/एन, है, तथा जो कीर्ति नगर, बसई  
दारापुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायान अनुसूची में  
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) दिनांक जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
द्वारिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
गाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राम सरूप, कंवर सुपुत्र श्री बृज लाल कंवर,  
निवासी एन-75 कीर्ति नगर, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री मोहन लाल सेठी  
सुपुत्र श्री कन्हैयालाल सेठी,  
श्रीमती सुशीला सेठी पत्नी श्री मोहनलाल सेठी,  
निवासी एल-101, कीर्तिनगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

सिगल स्टोरी, मकान प्लॉट नं० 75, ब्लॉक 'एन'  
कीर्ति नगर, एरिया बसई दारापुर, दिल्ली, 1008 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक: 5-3-1985

माहुर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 मार्च, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०आर०-1/7/84/  
468—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 255 सी/8 है, तथा जो भरोला, मजलीस, पार्क,  
दिल्ली में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक जुलाई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरत की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सतपाल गुगलानी सुपुत्र श्री लक्ष्मण दास गुगलानी,  
निवासी 3424, महिन्द्रा पार्क, रानी बाग,  
शकुर घस्ती, दिल्ली-34

(अन्तरक)

2. श्री खेम चन्द जावा सुपुत्र श्री ईश्वर दाम जावा,  
निवासी सी-255/सी, मजलीस पार्क, गली नं० 8,  
दिल्ली-33

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सकान नं० 255-सी, ब्लॉक 'सी' गली नं० 8, तादादी  
111 वर्ग गज, खसरा नं० 262/258/217/4, ग्राम भरोला,  
मजलीस, पार्क, दिल्ली ।

आर० पी० राजेश  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक: 5-3-1985  
मोहर :

प्ररूप. आई. टी. एन. एस्. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 मार्च, 1985

निर्देश सं० आई० ए०सी०/एक्यू०/2/एस०आर०-1/7-84/  
483-अतः मुझे, आर० पी० राजेण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० 10/13 है, तथा जो शक्ती नगर, दिल्ली में  
स्थित है और इससे उपायुक्त अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक जुलाई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उमके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य है उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाबिल  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरकों द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री महावीर प्रसाद (एच० यू० एफ०), द्वारा  
कर्ता श्री महावीर प्रसाद सुपुत्र स्व० श्री कांशी राम,  
निवासी 1/92, अशोक बिहार-1, दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री शिव कुमार सुपुत्र स्व० श्री भगवान दास,  
मंडी घनश्यामगंज, पोस्ट ग्राफिम बरोत, जिला मेरठ  
(यू० पी०)

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जांच—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो 30  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० 10, ब्लॉक नं० 13, तादादी, 120.56 वर्ग गज,  
शक्ती नगर, दिल्ली ।

आर० पी० राजेण

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक: 5-3-1985

गोहर 2

प्ररूप आई.टी.एच.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 मार्च, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/7-84/398—

अतः मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 25/बी-2/4 है, तथा जो अराधना, भवन,  
नैनीवाला बाग, आजादपुर, में स्थित है (और इससे उपाय  
अनुसूची में और जो पूर्णरूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर  
अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक जुलाई, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक  
पर कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
36—6 GI/85

1. मै० अजय इन्टरप्राइजेज, प्रा० लि०  
करोज सिनेमा, बिल्डिंग, जंगपुरा, एक्सटेंशन,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री अमिनुद्दीन एंड मोहम्मद उमर  
मुपुत्र गण श्री अजिमुद्दीन,  
मकान नं० 8, मिथोरा कला, चौकी नं० 2,  
दिल्ली-52

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

स्पेस नं० 25, ग्राउन्ड फ्लोर, प्लॉट नं० बी-2/4,  
तादादी, 238, वर्ग फीट, अराधना भवन, नैनीवाला बाग,  
आजादपुर दिल्ली ।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 2, नई दिल्ली

दिनांक : 1-3-1985

मोहर :

प्रकृष्ट भाई. टी. एम. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 मार्च, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू 2/37ईई/7-84/400-

अतः मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जी-14/ए-2 है, तथा जो मिलन सिनेमा, कम्पलेक्स, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकार के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक जुलाई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अधिनियम लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने का उनसे बचने में सुविधा के लिए; नई/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धर्म-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. शिवलोक प्रोपर्टीज,  
आदिनाथ श्री हाउसिंग अपो० सुपर बाजार,  
कनाट प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. कुमारी, सानीया, मल्होत्रा, और अरन० आरडू जी०  
मल्होत्रा, निवासी 117, जोधपुर, आफिस, मेस,  
नियर इन्डिया गेट, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० जी-14, प्लॉट नं० ए/2, मिलन सिनेमा,  
कम्पलेक्स, नई दिल्ली, ताबादी 84 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, दिल्ली/नई दिल्ली

दिनांक : 1-3-1985

मोहर



प्रकाशक: टी. एन. एस.

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 मार्च, 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/2/37ईई/7-84/401—

अतः मुझे, आर० पी० राजेश

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आई-7 है, तथा जो ए-1/2, आजादपुर कमिश्नरियल कम्प्लेक्स, दिल्ली में

स्थित है (और इससे उपाधुद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961

के अधीन दिनांक जुलाई, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यन्त्रापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देनेके अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्त करने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधिनियम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० टी० एम० अपार्टमेंट, प्रा० लि०  
आदिनाथ श्री हाउस, अपो० सुपर बाजार,  
कनाट प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती ज्ञानकोर पत्नी मेजर सुभा सिंह धारीवाल,  
निवासी-2, सिखली, मार्फत 56-ए० पी० ओ०

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० प्लट, नं० आई-7, प्लट नं० ए-1/2, आजादपुर कमिश्नरियल कम्प्लेक्स, दिल्ली, तादावी 325 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 1-3-1985

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

**आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना**

**आयकर अधिनियम**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 मार्च, 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/2/37ईई/7-84/402--

अतः मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 301 है, तथा जो ए/2, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक जुलाई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए लग पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; और/या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधात (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. शिवलोक प्रोपर्टीज,  
आधिनाथ श्री हाउस, अपो० सुपर बाजार,  
कनाट प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शशी मल्होत्रा, पत्नी श्री खुशालचन्द  
निवासी 52/24, राजास रोड, करोल बाग, नई दिल्ली  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध बंध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखाधिकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 301, ए/2, नजफगढ़ रोड, कमर्शियल  
कम्पलेक्स, नई दिल्ली तावादी 500 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 1-3-1985

मोहर :

प्रमुख आई. टी. एम. एस. -----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

**आज्ञापन**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 मार्च, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू०/2/37ईई/7-84/

403--अतः मुझे, आर० पी० राजेश

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी०-3 है तथा जो करमपुरा, कम्युनिटी  
सेन्टर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची  
में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर  
अधिनियम-1961 के अधीन, तारीख जुलाई, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का  
सन्दर्भ प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन यह होने के अन्तर्गत के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

(1) म० उपल बिल्डर्स,  
ए०-6, रिंग रोड, एन० डी० एस० ई० भाग-1  
नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) कुमारी ज्योति नांगिया अभिभावक,  
श्रीमती बेला नांगिया  
निवासी-डी० 22, राजौरी गार्डन  
नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख सं. 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक फ्लैट अपर ग्राउन्ड फ्लोर सी-3, करमपुरा,  
कम्युनिटी सेन्टर, नई दिल्ली, तादादी 531 वर्गफीट।

आर० पी० राजेश  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, दिल्ली/नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

तारीख : 1-3-85  
मोहर :-

उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सहायक आयुक्त

कार्यालय सहायक आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 मार्च, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू०/2/37ईई/7-84/  
404--अतः मुझे, आर० पी० राजेश

सहायक आयुक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी०-3 है तथा जो करमपुरा, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जुन रंज-2, नई दिल्ली भारतीय आयुक्त अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख जुलाई 84

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी भाव की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कटू देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयुक्त अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानों के अन्तर्गत हारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) मं० उपल बिल्डर्स  
ए०-8, रिंग रोड, एन० डी० एस० ई०-1,  
नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) कुमारी दमिनी गुप्ता,  
यु०/जी० श्रीमती मंजु गुप्ता  
19-यु०-ए०, जवाहर नगर, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही कराता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन से संबंध में कोई भी आरोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेप :- इसने प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० सी०-3, अपर ग्राउन्ड फ्लोर, करमपुरा कम्युनिटी सेन्टर, दिल्ली-तादादी 531 वर्गफीट।

आर० पी० राजेश

सक्षम अधिकारी

सहायक आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, 2 नई दिल्ली

तारीख : 1-3-85

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 मार्च 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/7-84/

405--अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी०-3 है तथा जो करमपुरा कम्युनिटी  
सेन्टर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधि-  
नियम-1961 के अधीन तारीख जुलाई-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथामूर्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तिनों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैं उपल खिल्दर्स  
ए०-6, रिंग रोड, एन०डी०एम०ई०-1,  
नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) मास्टर निशान्त विरमानी,  
अभिभावक श्रीमती कमल विरमानी  
निवासी-आर० 36, राजौरी गार्डन  
नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन संबंध में कोई भी बाधोपे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

एक फ्लैट अपर ग्राउन्ड फ्लोर सी०-3, करमपुरा कम्युनिटी  
सेन्टर, नई दिल्ली-तादावी 531 वर्गफीट।

आर० पी० राजे  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, दिल्ली/नई दिल्ली

तारीख : 1-3-85

मोहर :

प्रकृष बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/7-84/

406-अतः मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० सी०-3, है तथा जो करमपुरा, कम्युनिटी सेक्टर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख जुलाई-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) म० उपल बिल्डर्स

ए०-6, रिंग रोड, एन०डी०एम०ई० भाग-1  
नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) कुमारी दिपिका नांगिया

यू०-जी० श्रीमती बिला नांगिया  
निवासी डी०-22, राजौरी गार्डन  
नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० सी०-3, ग्राउन्ड फ्लोर, करमपुरा, कम्युनिटी सेक्टर, नई दिल्ली, तादादी 531 वर्गफीट।

आर० पी० राजेश  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, दिल्ली/नई दिल्ली

तारीख : 4-3-1985

जोहर

प्रश्न भाई. टी. एन. एच. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 मार्च, 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/2/37ईई/7-84/407--

प्रतः मुझे धार० पी० राजेश,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
269-ब के अधीन सभ्य प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जी-2 है, तथा जो 4771/23 भरत राम रोड,  
दरिया गंज, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची  
में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम,  
1961 के अधीन दिनांक जुलाई, 1984

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास है  
का कारण है कि अध्यापनोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ए०में दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में  
पास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वारत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी भत या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

37—16 GI/85

(1) जैना, प्रोपर्टीज, प्रा० लि०

आविनाथ, श्री हाउस, अपी० सुपर बाजार,  
कानाट प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) कुमारी, पुष्पा, हान्डा, सुपुत्र श्री एच० डी० हान्डा,  
निवासी 18 (यू० एफ०), गंज रोड,  
सीमला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० जी-2, महावीर श्री हाउस, 4771/23  
भरत राम रोड, दरिया गंज, नई दिल्ली, तादादी 330 वर्ग  
फीट।

धार० पी० राजेश,

सहायक अधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण))

अर्जन रेंज, 2, दिल्ली/नई दिल्ली

दिनांक : 1-3-85

मोहर :

प्रकाशक: टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मार्च 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू/2/37ईई/7-84/407ए

अतः सुष्टे आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बी.एच.-23 है तथा जो पूर्वी शालीमार बाग  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अर्जेंट रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम  
1961 के अधीन तारीख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अन्तरितीतियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नलिखित में  
आस्तिक रूप में कोषित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
तात्पर्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग का उल्लेख (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती दया रानी ब्रेजा  
निवासी-सी.सी. 1/29, माडल टाउन,  
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैं चन्दगी राम एन्ड सन्स,  
67-राजस्थानी उद्योग नगर,  
जी० टी० करनाल रोड, दिल्ली  
मैं हृषम चन्द एन्ड सन्स, (एच यू एफ)  
2285 गली अन्तार तिनारी बाजार, दिल्ली-6  
श्रीमती सीता देवी पत्नी श्री चन्दगी राम मिस्तल,  
और श्रीमती वृष्णा देवी,  
पत्नी श्री हृषम चन्द मिस्तल,  
निवासी-2605, छत्ता प्रताप सिंह,  
किनारी बाजार, दिल्ली-6

/ (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बचन के संबंध में कोई भी आशंका :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, जहाँ-जहाँ-जहाँ के पास  
निहित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रो० सं० बी० एच०-23, पूर्वी शालीमार बाग, दिल्ली  
तादादी 3534 वर्गफीट।

आर० पी० राजेश  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जेंट रेंज-2, दिल्ली/नई दिल्ली

दिनांक : 15-3-1985

मोहर :



प्रारूप भाई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1985

निदेश सं० आर० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/7-84/

408--अतः मुझे, आर० पी० राजेश

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 4 है तथा जो 1/3 ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय भायकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है 3--

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कालित्व में कमी करने या उचित करने में सूचना के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) गारदा अपार्टमेंट (प्रा० लि०)  
ए-6, रिंग रोड एन० डी० एस० ई० भाग-1  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरिन्दर कुमार गुप्ता  
7-म्युनिसिपल मार्केट,  
हैरिंग पार्क के साथ, जम्मू

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्युत्साहरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 4, 1/3 ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली लोवर  
ग्राउन्ड फ्लोर, 215 वर्गफीट।

आर० पी० राजेश  
सक्षम अधिकारी

सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, दिल्ली/नई दिल्ली

दिनांक : 4-3-1985

माहुर ॥

हृदय भाई: टी. एन. एल. ----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत-सम्बन्ध

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1985

निदेश सं० आई० ए० सी० /एफयू/2/37ईई/7-84/

409---अतः मुझे आर० पी० राजेश

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हृदय  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2 है तथा जो एम० जी० हाउस वजीरपुर,  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम  
1961 के अधीन तारीख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरक से हुई किसी भाष की वास्तु, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
बाड/बा

(ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
के जिन्हें भारतीय भाष-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों को सूचित :-

(1) म० एम० जी० बिल्डर्स एण्ड कं० प्रा० लि०  
704 न्यू दिल्ली हाउस,  
बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री राज कुमार सरदाना,  
बी-एच/562, बी शालीमार बाग,  
दिल्ली-33 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पात्र  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

समाप्तीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

नमस्ते

कमिश्नल स्पेस, प्लॉट नं० 2, एम० जी० हाउस, कम्युनिटी  
सेंटर, वजीरपुर, दिल्ली-33 तादादी 65 वर्गफीट

आर० पी० राजेश

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली/नई दिल्ली

दिनांक : 4-3-1985

मोहर

प्रत्येक आई.टी.एन. एत.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफयू/2/37ईई/7-84/410----

अतः मुझे आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 10, 11/सी० 3 है तथा जो करमपुरा, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) निम्नलिखित प्राधिकारी के कार्यालय अर्जेंट रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित दृष्टिकोण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) म० उषा विल्डर्स,  
ए-6, रिग रोड एन० डी० एस्० ई०-1,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मास्टर गौतम अग्रवाल,  
मार्फत श्रीमती कमल अग्रवाल,  
निवासी-19 ए, यु०-ए०,  
जवाहर नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के साथ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुतान नं० 10 और 11, ग्राउंड फ्लोर, सी-3, करमपुरा  
नई दिल्ली, तादादी 648 वर्गफीट।

आर० पी० राजेश  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जेंट रेंज-2, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 4-3-1985

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जेंट रैंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/7-84/  
411--अतः मुझे आर० पी० राजेश

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विचार करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
100,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० 5 है तथा जो 1/3 ईस्ट पटेल नगर, नई  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जेंट  
रैंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961  
के अधीन तारीख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विचार  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविध से वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की वापस, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्यय से कमी करने या उसके बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या वा किन्ना नामा आदि, जिन्होंने के  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन विनियमित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) शादरा अपार्टमेंट प्रा० लि०,  
ए-6, रिंग रोड, एन०डी०एस०ई०-1  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री पट्टीक चाउ एन्ड चाउ ही हवा,  
5597 बसन्त रोड पहाड़गंज,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा महाहस्ताक्षरी के पास  
जिहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रस्तुत हवाओं कीट वगैरे, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

प्रमुखी

फ्लैट नं० 5 लोवर ग्राउन्ड फ्लोर, 1/3 ईस्ट पटेल नगर,  
नई दिल्ली।

तादादी 491 वर्गफीट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रैंज-2, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 4-3-1985

मोहर

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/7-84/  
412-ए-प्रतः मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 101/1311 है तथा जो फजल रोड,  
अजमेरी गेट, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाय  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर  
अधिनियम 1961 के अधीन तारीख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उक्त करने में सुविधा को विरोध;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाता था कि या, छिपाने में सुविधा  
को दिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) म० एक्सप्रेस विल्डर्स प्रा० लि०,  
बी-177, ग्रेटर कैलाश 1,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री जे० पी० गुप्ता,  
4247 पतली गली, नई मंडला,  
दिल्ली।

अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रो० न० 101, तादासी 130 वर्गगज, 1311 फजल  
रोड, अजमेरी गेट, नई दिल्ली।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 4-3-1985

मोहर

प्रकाश जाई. टी. एन. एस. ----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 मार्च 1985

निदेश सं० आई० ए० पी०/एन्यू०/2/37ईई/7-84/

413—अतः मुझे, आर० पी० राजेश

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवेक करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 5/प, 7, 8, 9 है तथा जो रणजीत नगर,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावज अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीवर्ती अधिकारी के कार्यालय  
अर्जन रैंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम  
1961 के अधीन तारीख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के समान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और इसे यह विस्तार करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके समान प्रतिफल से, ऐसे समान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीवों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निश्चित  
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी भाग की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन काय होने के अन्तरक के सापेक्ष  
से कमी करने या उक्त करने में सूचना के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य जास्तिवों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना था, छिपाने में सूचना के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सुमन गुप्ता,  
श्रीमती आन्ता चौपड़ा,  
निवासी-17/26, पंजाबी बाग,  
नई दिल्ली-26

(अन्तरक)

(2) श्री मुकेश गुप्ता,  
सुपुत्र श्री आर० के० गुप्ता,  
प्रोप० सं० सरस्वती इन्टरप्राइजेज,  
7006/14, देव नगर,  
करोल बाग, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

धनसूची

स्पेस नं० 5, पहली मंजिल, भमराट भवन, प्लॉट नं०  
7-7, 8, 9 रणजीत नगर, नई दिल्ली ।  
तादादी 512 बरफीड ।

आर० पी० राजेश  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रैंज-2, नई दिल्ली

दिनांक 1-3-1985  
मोहुर :

अक्षय बाई. टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1985

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/7-84/

414—अन: मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
10,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 5 है तथा जो 1/3 ईस्ट पटेल नगर,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961  
के अधीन तारीख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-  
रितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

38--6 GI/85

(1) शारदा अपार्टमेंट प्रा० लि०  
ए-6, रिग रोड, एन० डी० एस० ई०-1  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै० वडें टेक्नीक,  
29, वीर नरीमन रोड,  
बम्बई-23।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 5, दूसरी मंजिल, 1/3 ईस्ट पटेल नगर,  
नई दिल्ली।

तादादी 495 वर्गफीट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 4-3-1985

माहुर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत का राजपत्र

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/7-84/

415-अतः मुझे, आर० पी० राजेश

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जी० 42 से 45 है तथा जो ओल्ड रोहतक  
रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायध्व अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961  
के अधीन तारीख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यहाँ यह दिखाना  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तविक रूप से  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
द्विविध में कमी करने या उससे बचने में द्विविध  
अधिनियम के अधीन कर देने के सम्बन्ध में  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था. अधिनियम में  
द्विविध के लिए:

अतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों के प्रति :-

(1) रूपा कन्सल्टेशन कं० प्रा० लि०  
जी०एल-4, अशांता इस्टेट,  
24, गाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नीता वर्सनी,  
पत्नी श्री राज वर्सनी,  
के-34, एन० डी०एस० ई०-2,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमय  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरों के साथ  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त सबों और वनों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उक्त अधिनियम में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० जी० 42, 43, 44, 45 ग्राउन्ड फ्लोर, 700  
वर्गफीट, 1-ओल्ड रोहतक रोड नई दिल्ली।

आर० पी० राजेश

सूक्ष्म प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 4-3-1985

मोहर :



प्रश्न क्रम. टी. एम. ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1985

निर्देश सं० आई०ए० सी०/एक्यू/2/37ईई/7-84/416---

अतः मुझे आर० पी० राजेश  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञापित करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 11270 है तथा जो डोरी वालन, दिल्ली  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन  
रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के  
अधीन तारीख जुलाई 1984

को दूबोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम की दायमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय शिवाजीनगर में धारा  
269 ए. बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मुख/के पास  
रजिस्ट्रीकृत किया गया है मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि सम्भाव्यता सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिणी  
(अंतरिणीयों) के बीच पूर्ण अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीयत नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी भाव की वास्तव उक्त अधि-  
नियम की अधीन कर एवं के अन्तर्क के दायित्व में  
कमी करने या उक्त करने में बाधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय भाव-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
को प्रयोजनार्थ अंतरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वय  
में है, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री हर्बंस कपूर  
सुपुत्र श्री के० एस० कपूर  
निवासी-आई-33, किर्ती नगर,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राज गिरोवा,  
पत्नी श्री पी० आर० गिरोवा,  
निवासी-11270 डोरीवालन,  
वर्मा बिल्डिंग दिल्ली।

(अन्तरिणी)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिन को लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधिन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :-

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
रक्षक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्ति:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रो० न० 11270 वर्मा बिल्डिंग, डोरीवालन, दिल्ली,  
तादादी 200 वर्गफीट।

आर० पी० राजेश  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 4-3-1985

मोहर :-

प्रमुख आई. टी. एम. एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/7-84/417-

अतः मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विषयगत करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जी-31 से जी-38 है तथा जो 1 ओल्ड  
रोहताक रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उभावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर  
अधिनियम 1961 के अधीन तारीख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाबत में कभी करने का उद्देश्य कथने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए, या, जिसमें से मुनि  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अन्तरक  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) रूपा कन्सल्टेशन कं० प्रा० लि०  
जी-एल-4, अशोक इस्टेट,  
24 वाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मास्टर अमित खन्ना,  
सुपुत्र श्री पी० के० खन्ना,  
10/64, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी साक्ष्य :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में अभावध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभावधकारणों के पत्र  
लिखित में उक्त जास्तियों

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अन्तर्गत 1961 का 43 में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अधिनियम में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० जी-31 से जी-38, ग्राउन्ड फ्लोर, प्लॉट नं०  
1—ओल्ड रोहताक रोड, दिल्ली, तादावी 1400 वर्गफीट।

आर० पी० राजेश

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 4-3-1985

मोहर

प्रश्न बाई.टी.एम.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के अधीन सूचना

माउत घरदार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/7-84/418--

अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-न के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जी-39, 40, 41 है तथा जो 1-मोल्ड रोहतक रोड, दिल्ली में स्थित है (और इससे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) रूपा कन्सल्टेशन कं० प्रा० लि०  
जी एल-4, अशोक इस्टेट,  
24, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) कुमारी रेखा वर्सनी,  
के-34, एन० डी० एम० ई०-2, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितग्रह किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० जी-39, 40, 41 ग्राउन्ड फ्लोर, प्लॉट नं०  
1-मोल्ड रोहतक रोड, नई दिल्ली ।  
तादावी 525 वर्गफीट ।

आर० पी० राजेश  
सक्षम प्राधिकारी /  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 4-3-1985

सोहर :

प्रमुख आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 मार्च 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एम्पू०/2/37-ईई/7-84/421—

यतः मुने, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसमें इसमें  
इसके सम्मत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बी-11 है, तथा जो 1-ग्रोल्ड रोहतक रोड,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961  
के अधीन, तारीख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बराबर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निहित से वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक है कि किसी बाव की बावत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) इसी किसी बाव या किसी भव या अन्य वास्तवों  
को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भव कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
सार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या  
स जिया जाता अर्थात् या छिपावे में सुविधा के  
लिए;

ततः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित है—

1. रूपा कन्सल्टेशन प्रा० लि० जी-एल-4; प्रशोका इस्टेट,  
24-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली  
(अन्तरक)

2. श्री सुरिन्दर सिंह जुनेजा,  
निवासी—सी-35, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
करवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और गदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

वेसमेंट नं० बी-11, नादादी 275 वर्ग फीट, 1-ग्रोल्ड  
रोहतक रोड, नई दिल्ली।

आर० पी० राजेश  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 5-3-1985  
मोहर।

अध्याय 1. टी. एन. ए. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 मार्च 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/7-84/422—

यतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बी-1 है, तथा जो बी/1-2, मुखर्जी नगर,  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जुन रेंज-2,  
नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन,  
तारीख जुलाई 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
थाबा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कृत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण है कि किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
कारित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किता जाना जा रहा था किताने में सुविधा  
के लिए;

1. श्रीमती निर्मल सहगल,  
निवासी—ई-14, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली  
(अन्तरक)

2. श्री एस० सी० बत्रा,  
निवासी—1255, मुखर्जी नगर, दिल्ली  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

बेसमेंट नं० 1, बिल्डिंग नं० बी/1-2, तादादी 428  
वर्ग फीट, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9।

आर० पी० राजेश  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अध्याय (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 5-3-1985

मोहर

अल्प आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 मार्च 1985

निर्देश सं० आर्.टी.एन.सी०/एक्यू०/2/37-ईई/7-84/425—

यतः, मुझे, आर० पी० राजेश,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'संशोधित अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1311 है, तथा जो फजल रोड़, अजमेरी गेट,  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उद्भावित अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन  
रेंज-2, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के  
अधीन, तारीख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
विविध में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आद की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सहायता  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० एकमप्रेस विल्लर्स प्रा० लि०  
बी-177, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री अशोक अग्रवाल,  
बी-7/107, सफदर जंग इनकुलेव, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० 1311, फजल रोड़, अजमेरी गेट, दिल्ली, तादादी  
235 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन, रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 5-3-1985

मांहर :

रक्षक बाई. टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 मार्च 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37-ईई/7-84/427—

यतः, सुमे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 12/4 है, तथा जो रेकवेट कोर्ट रोड, सिविल लाइन, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख जुलाई 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मंचे दृष्ट विवक्षित करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी त्रास की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में वसी करने या उसमें बचने में सविधा के लिए; और/वा

(ख) किसी निजी काम या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पञ्चदश अर्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहे था, छिपाने में सविधा के लिए;

1. मै० हाइ टावर बिल्डर्स,

4-रेकवेट कोर्ट रोड, सिविल र लाइन, दिल्ली-54  
(अन्तरक)

2. श्री एम० बी० भारतीय

निवासी—डी-247 ऊपर का मंजिल, डिफेंस कालोनी,  
नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

इस सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होगी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वि-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सन्तुष्टी

काटेज नं० 12, 4-रेकवेट कोर्ट रोड, सिविल लाइन,  
दिल्ली-54, ताबादी 3100 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नोटः—उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

39—16 GI/85

तारीख : 1-3-1985

मोहर :

प्रकृष माह. टी. एम. एम. ....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 मार्च 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37-ईई/7-84/428—

अतः, मुझे, प्रार० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2 है, तथा जो एम० जी० हाउस, बजीरपुर,  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, प्रजन  
रेंज-2, दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन,  
जुलाई 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
उठने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
सम्बन्ध प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 47) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

1. मै० एम० जी० बिल्डर्स एण्ड कं० प्रा० लि०,  
704 न्यू दिल्ली-हाउस, बारा खम्बा रोड, नई दिल्ली  
(अन्तरक)

2. मै० प्रमोका प्रोपर्टीज एण्ड इन्वेस्टमेंट कं०  
1421/97 राशन ऑफिस रोड, तीनगर, दिल्ली-85  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है  
है, वही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० प्लॉट नं० 2, एम० जी० हाउस, कम्युनिटी सेन्टर,  
बजीरपुर, दिल्ली, तादादी 150 वर्ग फीट।

प्रार० पी० राजेश  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
प्रजन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 5-3-1985  
मोहूर :



प्रकाशक: टी. एन. एच. - - - - -

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सादा उद्देश्य

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37-ईई/7-84/429---

अतः, मुझे, आर० पी० राजेश,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) चिन्ते इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी-3 है, तथा जो करम पुरा, कम्युनिटी  
सेन्टर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम,  
1961 के अधीन, तारीख जुलाई 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरक से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावजूद  
में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए  
बाद/बा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहीए था छिपाने में सविधा के  
लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरक  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन :-

1. मै० उप्पल बुल्डस,  
ए-6, रिग रोड, एन० डी० एस० ई० भाग-1, नई  
दिल्ली।  
(अन्तरक)

2. मास्टर अभय गुप्ता, अभिभावक श्रीमती मंजु गुप्ता,  
निवासी ब 19, यू० ए०, जवाहर नगर, नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पात लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रो० नं०-सी-3, ग्राउंड फ्लोर, करम पुरा, कम्युनिटी सेन्टर,  
नई दिल्ली, सादादी-531 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 4-3-1985  
मोहर

**इसका नाम: डी.एन.ए.**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के अधीन सूचना**

**भारत सरकार**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, दिल्ली**

नई दिल्ली, दिनांक 5 मार्च 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37वईई/7-84/430—

यतः, मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 2 है, तथा जो एम० जी० हाउस, वजीरपुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 अधीन, तारीख जूलाई 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के माध्यम से कमी करने या उससे बचने में सक्षम के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों को, बिना भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सक्षम के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० एम० जी० विल्डर्स एण्ड क० प्रा० लि०  
704-न्यू दिल्ली हाउस, बाग खम्बा रोड, नई दिल्ली  
(अन्तरक)

2. श्री प्रेम प्रकाश अग्रवाल,  
पी-26, नवीन शाहपुरा, दिल्ली-32

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निम्न कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गोडाउन स्पेस प्लॉट नं० 2, एम० जी० हाउस, कम्यूनिटी सेन्टर, वजीरपुर, दिल्ली तादादी 300 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 5-3-1985

मोहर

प्रकृष आर्. टी. एन. एन. एन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 मार्च 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37 ईई/7-84/431—

यतः, मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका म० 4 है, तथा जो सर्वप्रिया विहार, दिल्ली में  
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली  
भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख जुलाई  
1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
हाथिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती उषिल बंसल,

निवासी—4/59, रमेश नगर, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री विनोद कुमार उज्ज्वल, कर्ता विनोद कुमार उज्ज्वल  
(एच० यू० एक०)

डब्ल्यू-26, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 4, ब्लॉक एक्सटेन्शन, सर्वप्रिया विहार को-  
ऑपरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसाइटी लि० दिल्ली, तादावी  
291.55 वर्ग गज।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 5-3-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 मार्च 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37 ईई/7-84/438---  
यतः, मुझे, आर० पी० राजेश,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० 605 है, तथा जो झंडेवालान टावर, नई  
दिल्ली-5 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम, 1961  
के अधीन, तारीख जुलाई 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक को  
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, विभाग के लिए;

यतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. स्कीपर कन्सल्टेशन कं० प्रा० लि०  
22—बारा खम्बा रोड, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुशीला गुप्ता,  
निवासी—एल-13, एन० डी० एस० ई०-8, नई दिल्ली  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्चन के निम्न  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाधाएँ:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 605, झंडेवालान, टावर, नई दिल्ली, तादादी—  
525 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 5-3-1985  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर-3/7-84/

442--यसः, मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 167/एम है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित हो गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं पाया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें रचना या सुधार के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए; और/या

यसः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री बी० एस० मृग,
- (2) बुधेडियर ज्ञान सागर मृग, और
- (3) श्री श्रमूत सागर,

निवासी—112-ए, नई कालोनी, गुडगांव,  
(हरियाणा)

(अन्तरक)

2. मै० रजनी ट्रेडिंग कं० प्रा० लि०,  
डी-90, ईस्ट आफ कैलाश, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 167, ब्लॉक 'एम' तादादी 400 वर्ग गज, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली ।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली/नई दिल्ली-110002

तारीख : 28-2-1985

मोहर :

प्रकरण आई. टी. एन. एच. = - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०ए० सी०/एचयू०/1/एस० आर०-3/7-84/  
443—अतः मुझे, आर०पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विज्ञापन करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० 111-एम/13, है तथा जो लाजपत नगर,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीजर्त आधिकारी के कार्यालय,  
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापयोजित सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एम्मे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्च प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में  
आम्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम का धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था दिखाने में सविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

(1) श्री पुष्कर नाथ कोहली,  
विश्वनाथ कोहली और  
श्री प्रेम नाथ कोहली,  
निवासी-11-डी/9,  
लाजपत नगर,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री शिव महेन्द्र कुमार सिंह,  
निवासी-111-एम/13,  
लाजपत नगर,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशंका :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रो० सं० 111-एम/13, लाजपत नगर, नई दिल्ली,  
ता.वा.दी 200 वर्गगज।

आर०पी० राजेश  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 28-2-1985

मोहर :

प्रत्यक्ष आई. टी. एन. एव. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/1/एस०आर०-3/7-84/

445—अतः मुझे, आर०पी० राजेश,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इससे पहले इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ई-292 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को बिना भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार करने, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
40—6GL/85

(1) श्री देव राज मदन, सुपुत्र  
श्री चैत राम मदन,  
निवासी-ई/292,  
ग्रेटर कैलाश-1,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक कुमार धवन और  
नवीन कुमार धवन,  
निवासी-ई-11,  
इस्ट ग्रीफ कैलाश,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० ई-292, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली, तादादी  
208 वर्ग गज।

आर०पी० राजेश  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

तारीख : 28-2-1985

मोहर :

प्रकृत आर्.टी.एन.एस

भाषक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषक आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 28 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०ए०सो०/एक्यू०/1/एस०आर०-3/7-84/  
446—अतः मुझे, आर०पी० राजेश,

भाषक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस०-199, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय भाव-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, भा  
व-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वय  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्रेम प्रकाश सिन्हा,  
निवासी—11306/14,  
भारम नगर,  
कुतब रोड,  
नई दिल्ली।

(अन्तरी)

(2) सै० चान्द कन्सट्रक्शन कं०,  
1206, सूर्या किरण बिल्डिंग,  
के०जी० मार्ग,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए  
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
निहित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

नियुक्ती

प्लॉट नं० एस-199, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली,  
तादादी 300 वर्गगज।

आर० पी० राजेश  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक भाषक आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रैंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 28-2-1985  
मोहर :



प्रकृप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी 1985

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/1/एस०आर०-3/7-84/

447—अतः मुझे, आर०पी० राजेश,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर-257 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावय अनुसूची में  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि वचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके वर्तमान प्रतिफल से, ऐसे वर्तमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय प्राप्ति  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरक लिखित में  
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय का बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एक किसी आय या किसी धन या अन्य जातिधन  
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कान्ती राय भगत,  
निवासी-डी-9,  
कैलाश कालोनी,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री बी०के० गुजरात और  
श्रीमती श्रीला गुजराल,  
निवासी-डी-20,  
कैलाश कालोनी,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिन के लिए  
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों यह  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाद  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

धनुषी

प्रो० नं० आर-257, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली,  
ता.दि 11/93 वर्गफीट।

आर० पी० राजेश  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 28-2-1985  
मोहर :

एक भाग टी. एम. ए.

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना**

**भारत सरकार**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 28 फरवरी 1985

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/1/एच०आर०-3/7-84/

449—अतः मुझे, आर०पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० 20-पार्ट 'सी'/46 है तथा जो रेटेंडम रोड, नई दिल्ली में स्थित है और इससे उपायुक्त अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकृत अधिगार के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन ताराख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. सै० पंजाब प्रोपर्टीज लि०,  
बी/45-47 कनाट प्लेस,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मैजर्स जमुना हिन्दुजा इन्वेस्टमेंट एण्ड  
ट्रेडिंग प्रा० लि०,  
730 श्रीनिवास,  
11-रोड खार,  
वेस्ट बम्बे-52,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्यः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्युत्पादकी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

पार्ट "सी" तादावी 574 93 वर्ग गज, प्रो० नं० 20,  
46-रेटेंडम रोड, नई दिल्ली।

आर०पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 28-2-1985

मोहर :

प्रमाण आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी 1985

निर्देश सं० आई०ए०सा०/एक्यू०/1/एस०आर०-3/7-84/  
450—अतः मुझे, आर०पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भाग डी, भूमि 20/46 है तथा जो  
रेटेंडन रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार/कतौ अधिकारी  
के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रार/करण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधिन तारीख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके इत्यमान प्रतिफल से, ऐसे इत्यमान प्रतिफल का पन्ध्र  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविकरूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत की व्यक्ति  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, बिना भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. डा० महेन्द्र प्रसाद जैन,  
निवासी-एस-529,  
ग्रेटर कैलाश-2,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मे० एस०पी० दिग्विजा इस्टेट (प्रा० लि०),  
730-श्रीनिवास,  
11-रोड,  
खार,  
वेस्ट बम्बई-52,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नभोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

पार्ट 'डी', ताबाके 574.93 वर्ग गज, भूमि नं० 20,  
ब्लाक नं० 1, 46-रेटेंडन रोड, नई दिल्ली, 7-पृथ्वी राज  
रोड के पीछे।

आर०पी० राजेश  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 28-2-1985  
मोहर :

**प्रखण्ड साहू, टी. एन. एस**

**भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की**

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

**आपका कदम**

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 28 फरवरी 1985

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/1/एस०आर०-3/7-84

451—अतः मूले, आर०पी० राजेश

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'स्वतंत्र अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,00,000/- रु. से अधिक है।

श्रीर जिसकी भाग बी भूमि 20-बा/46 है तथा जो रेदेन्डन रोड, नई दिल्ली में स्थित है ? श्रीर जससे उपायय अनुसूचा में पुर्व रूप से वर्णित हैमे, रजिस्ट्रीकृत अधिकारा के कायोलय, दिल्ली में भारतीय रजिस्टर्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतर्क (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रसि-फल निर्धारित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) बत्तारक से हुए किसी भाव की वापस, उससे  
बहिष्कृत्य की कमीन कर देने के बत्तारक की  
बाधित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
की शिष्ट; और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिष्टी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा में विषय।

अतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग को अन्तर्गण्य  
 नै, नै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
 को अधीन, निम्नलिखित ध्याकियों, अर्थात् इ—

(1) श्रीमती पद्मा रानी जैन,  
निवासा-के ०-25,  
लाजपत नगर-2,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिक)

(2) मैजर्स ए०पा० हिन्दुजा इस्टेट एण्ड  
फाइनेन्स प्रा० लि०,  
315-जी,  
न्यू चार्मी रोड,  
बम्बे-4

( अन्तरिती )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को जर्जर को निह  
कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के व्ययन के सम्बन्ध में कोई भी नालायक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर संपत्ति में हितवशुष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों की रीति का, जो उस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

पार्ट "बी", 639.86 वर्गगज, भूमि नं० 20 (पार्ट)  
प्लॉट नं० 1, 46-रेटेन्डन रोड, 7-पृथ्वी राज रोड के  
पीछे/नई दिल्ली।

आर०पी० राजेश  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 1 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 28-2-1985  
मोहर :

प्रारम्भ बाह्य टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 28 फरवरी 1985

निर्देश सं० आई०ए०सं०/एक्यू०/1/एस०आर०-3/7-84/  
452—अतः मुझे, आर०पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बा-3/23, है तथा जो सवसन्त विहार,  
नई दिल्ली में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची  
पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रारका अधिकारी के कार्यालय  
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वाम्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथाप्राप्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके स्वाम्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्वाम्यमान प्रतिफल का  
बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एक अन्तरण के लिए तय  
थाबा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाबत में कमी करने या उसमें घटने में सुविधा  
के लिए; बाहु/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वह किसी  
काला बाहु/या या छिपाने के सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरक  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री आर० एल० हुसीजा,  
निवासी-बी-3/23,  
बसन्त विहार,  
नई दिल्ली।

(अन्तरि)

(०) श्रीमती सुमन डा० कड़कड़ी,  
निवासी-ए-14/8,  
बसन्त विहार,  
नई दिल्ली-57

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अधिक बाय में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथवा स्वामी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकारण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० बी-3/23, बसन्त विहार नई दिल्ली एरिया  
1000 वर्गफीट।

आर० क० राजेश  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रैंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 28-2-1985  
मोहर :

प्रश्न नम्बर, बी. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी 1985

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-भार-3/7-  
84/454— प्रतः मुझे, प्रार० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस-493, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-32, नई  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक जुलाई 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गंधीनगर में  
धारा 269 ए.बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी सम्मुख  
के पास रजिस्ट्रीकृत किया गया है मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके ह्यमान प्रतिफल से, ऐसे ह्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती निर्मल कुमारी धई पत्नी तिलक राज धई  
निवासी—2350, फेज रोड, करोल बाग,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) हरविन्दर पाल सिंह सुपुत्र एस० अवतार सिंह,  
डाइरेक्टर में० साप्टिफीकेटेड होल्डिंग प्रा० लि०  
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
यहां में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोहस्ताक्षरी को  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

प्रो० नं० एस-493, ग्रेटर कैलाश-3, नई दिल्ली, तादावी-  
550 वर्षगज ।

प्रार० पी० राजेश  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
प्रजन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 28-2-85

माहूर :

प्रकृष आइट. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-आर-3/7-  
84/458—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
हस्तके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य,  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डब्ल्यू-108, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई  
दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, दिल्ली, में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 156)  
के अधीन, दिनांक जुलाई 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि बधापूर्वक, सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
कार्य में कमी करने या उससे बचने में श्रमिधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी बात या किसी भू या अन्य वास्तव्य  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बच-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ने  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में श्रमिधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

41-16GI/85

(1) श्री सुरजीत सिंह सेठी, कर्ता एच० यू०एफ०  
90-एन, ब्लॉक 'ई' न्यू इलीपुर, कलकत्ता—53 ।  
(अन्तरक)

(2) मे० सुपर कैसेट इण्डस्ट्रीज प्रा० लि०  
24-डी० डी० ए० मार्केट, गुलमोहर पार्क,  
नई दिल्ली ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 108, ब्लॉक 'डब्ल्यू' तावादी 565.5 वर्गगज  
ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली ।

आर० पी० राजेश  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 28-2-85

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मार्च 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-आर-3/7-  
84/461-अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आगत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
एक लाख रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एच-19ए, है तथा जो कैलाश कालोनी, नई  
दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक जुलाई 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित के  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
जनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मेला राम धवन सुपुत्र श्री गुरदास मल धवन  
निवासी—एच-19ए, कैलाश कालोनी,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री राम निवास गुप्ता सुपुत्र श्री मुरारी लाल गुप्ता  
निवासी—सी-4, लाजपत नगर-III,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखाक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान नं० एच/19-ए, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली, ता. 12  
311 वर्गगज ।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 11-3-85

मोहर :



प्रकट नम्बर टी. एन. एस. ६६६

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी 1985

निदेश सं. आई० आई० ए० सी०/एफ्यू०/1/एस०-आर-  
3/7-84/469-अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस-57, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक जुलाई 1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अधिनियम  
में कमी करने या उक्त बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) अपनी किसी आय या किसी धन या अन्य आभित्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकट हूँ—

(1) श्रीमती प्रेमवती ओबराय पत्नी श्री ओम प्रकाश  
ओबराय,  
निवासी—60/1, चोरंवी रोड, लकता ।  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुमती कजरीवाल पत्नी श्री बी० एन०  
कजरीवाल,  
बी० एन० कजरीवाल सुपुत्र श्री एन० पी० कजरीवाल,  
निवासी—सी-6, साउथ एक्सटेंशन, भाग-2,  
नई दिल्ली 5  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जांच ह—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रो० सदान नं० 57, ब्लॉक 'एस' तावादी 500 वर्गगज,  
ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली ।

आर० पी० राजेश  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 28-2-85

माहुर

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-आर-3/7-  
84/489ए—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ई-155, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री राज जसवंत सिंह  
निवासी—सी-150 ग्रेटर कैलाश-1  
नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री तेजवन्त सिंह (डाइरेक्टर)  
मे० डिसेण्ट कन्स्ट्रक्शन एण्ड प्रोपर्टीज प्रा० लि०  
22 बारा खम्बा रोड नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपेक्ष्यताक्षरी के नाम लिखित में एक ज्ञापन के द्वारा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० सं० ई-155 ग्रेटर कैलाश-2 नई दिल्ली तादाद  
251 वर्गगज।आर० पी० राजेश  
सक्षम प्राधिकारीसहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, दिल्ली नई दिल्ली-110002

दिनांक : 28-2-1985

मोहुर

प्रकाश जाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस-आर-3/7-  
84/471—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस-285, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली  
में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालयों, दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 161 के अधीन  
दिनांक जुलाई 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी भग या अन्य भास्त्रियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री मूल सुखवंस सिंह सुपुत्र श्री मंगल सिंह,  
निवासी—एस-285, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती हरीता सिंह पत्नी श्री सरबजित सिंह,  
निवासी—सी-301, डिफेंस कालोनी,  
नई दिल्ली।

(अन्तरितों)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करती हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपे :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित  
बुद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों  
पास लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

1/4 भाग अविभाजित हिस्से प्रो० नं० एस-285, ग्रेटर  
कैलाश-1, नई दिल्ली, ताबादी 1200 वर्ग फुट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 28-2-1985

मोहर :

प्रकृष आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

जर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी 1985

निदेश सं० आर्.टी.एन.एस. 1/एस०-आर-3/7-  
84/472-अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस-129, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक  
जुलाई, 1984,

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पक्ष में प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी भाव की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मे० मोहन बिल्डर्स  
52/42, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री विजय माधव पाल चौधरी,  
निवासी—ए०-सी०-99, माल्ट लेक सीटी,  
कलकत्ता।

(अन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बचन के संबंध में कोई भी बाधों :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

पहली मंजिल, मकान नं० एस०-129, ग्रेटर कैलाश-2,  
नई दिल्ली, तादावी-300 वर्ग गज।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

जर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 28-2-1985

मोहर

प्ररूप नम्बर: टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यान्वय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/1/एस-आर-3/7-

84/473-बी-अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके अन्तर्गत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जे-12, है तथा जो जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जातिवा को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्णित :-

- (1) 1. श्री हरजजीत सिंह  
2. श्री दिलबाग  
निवासी—5-कोल डिपो, गोल माकट,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती पुष्पा बादीया,  
निवासी—जी-28, जंगपुरा, एक्सटेंशन,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्रो० नं० जे-12, जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली तादादी  
200 वर्गगज ।

आर० पी० राजेश  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 28-2-1985

माहुर :

## प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-आर०-3/7-84/473-सी०-अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सी०-47, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री सुनील भाटिया और श्री पी० के० भाटिया द्वारा जो० ए० श्रीमती राज कुमारी भाटिया निवासी--ए-18, कैलाश-कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री अनन्त वीर जोली और श्रीमती कुसुम जोली, निवासी--ई-195, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भू० हिस्सा प्रो० नं० सी०-47, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली, तहसील-300 वर्गगज।

आर० पी० राजेश  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, दिल्ली नई दिल्ली-110002

दिनांक : 28-2-85  
मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मार्च 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/7-84/976—

यतः, मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 32-ई है तथा जो जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली,  
भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक जुलाई  
1984

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निर्मूलनिष्ठ उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के  
कारण से कमी करने या उसके बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निर्मूलनिष्ठ व्यक्तियों, अर्थात्

42—16GI/85

(1) श्रीमती प्रकाश पी० सिंह, एस० महिन्दर सिंह  
श्रीमती जोगिन्दर कौर, श्रीमती गुरदीप कमटेकर,  
निवासी—एम-59, ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली  
(अन्तरक)

(2) श्री राम प्रकाश सेठी,  
32-ई, जंगपुरा, एक्सटेंशन,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० 32-ई, जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली, तादावी  
288 वर्गगज और बना हुआ 2640 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 11-3-85

मोहर :

प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

साध्य सहायक

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मार्च 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/7-84/977--

यतः, मुझे, आर० पी० राजेश,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवक्षा करने का  
अवसर है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1303-ए/89, है तथा जो नेहरू प्लेस, नई  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायध्व अनुसूची में पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-I,  
नई दिल्ली, भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक  
जुलाई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवक्षा करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया/प्रतिफल, निम्नलिखित  
सूचक से उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक रूप से वर्णित  
नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
कार्य में कभी करने या उसके करने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय भाव-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भाव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या वा किया जाना चाहिए था. क्रियामें में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) मै० स्कीपर सेल्स प्रा० लि०  
22-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) कुमारी रितीका नारंग,  
निवासी—ए-43, न्यू फ्रेंड्स कालोनी,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशय :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उसके समान व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

प्रमुख

फ्लेट नं० 1303-ए/89 नेहरू प्लेस, तादादी 352 वर्गफीट,  
नई दिल्ली।

आर० पी० राजेश  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक : 11-3-1985

मोहर :



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मार्च 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/71-84/978—

अन: मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० स्पेस 8 ब्लाक ई है तथा जो नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक जुलाई 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

उतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मे० नेहरू प्लेस, होटल्स लि०  
अरोज सिनेमा बिल्डिंग, जंगपुरा एक्सटेंशन,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती वेद एम० दत्ता पत्नी श्री महेश दत्ता और  
श्री अरविन्द दत्ता सुर श्री महेश दत्ता,  
निवासी—सी-61/62, निजामुद्दीन वेस्ट,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्पेस नं० 8, ब्लाक 'ई' 8 मंजिल होटल कम-कमर्शियल कम्प्लेक्स  
नेहरू प्लेस नई दिल्ली, तादादी 484 वर्गफीट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 2-3-85

मोहर :

## प्रारूप नोट, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2

नई दिल्ली दिनांक 2 मार्च 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/7-84/979—

अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 19, स्पेस ब्लाक ई है तथा जो नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक जुलाई 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भण या अन्य जातिस्तवों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भुनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्णित :-

(1) मे० नेहरू प्लेस होटल्स लि०  
इरोज सिनेमा बिल्डिंग, जंगपुरा एक्सटेंशन,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० एस० कोठारी सुपुत्र श्री के० एस० कोठारी,  
निवासी—जे-202, साकेत, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि नाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्पेस नं० 19, ब्लाक 'ई', होटल कमर्शियल कम्प्लेक्स, 6वीं मंजिल, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, तादादी-638 वर्गफीट।

आर० पी० राजेश  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 2-3-1985  
माहुर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 मार्च 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्सयू/1/37ईई/7-84/980—

यतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसकेपश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
100,000/- रु. से अधिक है

और जिमकी स्पेस नं० 11, ब्लॉक ई है तथा जो नेहरू प्लेस,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूचि में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली भारतीय आयकर  
अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बढत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० नेहरू प्लेस होटल्स लि०  
इरोज सीनेमा बिल्डिंग, जंगपुरा एक्सटेंशन,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै० पी० सरन प्रोपर्टीज प्रा० लि०  
ई-213, ग्रेटर कैलाश-2,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

स्पेस नं० 11, ब्लॉक 'ई' होटल कर्मणियल कमप्लेक्स  
नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, तादादी-484 वर्ग फीट (6वीं  
मंजिल)।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

दिनांक : 2-3-1985

मोहर :

प्रकृ. आई. टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मार्च 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई/7-84/

981—यतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी स्पेस सं० 32 है तथा जो 17 बाराखम्भा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक जुलाई 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवहार प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविकता, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० गुजराल इस्टेट्स प्रा० लि०  
17 बाराखम्भा रोड,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती निर्मल ब्लागना पत्नी  
श्री पी० एच० ग्लाकना,  
श्री अनिमेश कुमार सचर  
सुपुत्र स्व० श्री एच० के० सचर,  
निवासी-ई-71,  
एन० डी० एस० ई-1,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अचल के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के वर्धन के संबंध में कोई भी वाक्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्तर्गत 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अन्तर्गत में दिया गया है।

अनुसूची

स्पेस नं० 32, लोवर ग्राउन्ड फ्लोअर, विजया बिल्डींग  
17 बाराखम्भा रोड, नई दिल्ली, तादावी 178.8 वर्ग  
फीट है ।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 नई दिल्ली

दिनांक 12-3-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज नई दिल्ली,

नई दिल्ली, दिनांक 2 मार्च 1985

निरेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/7-84/

982—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० स्पेस 20 ब्लाक है तथा जो नेहरू प्लेस नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज 1 नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० नेहरू प्लेस होटल्स लि०  
इरोज सीनेमा बिल्डींग,  
जंगपुरा एक्सटेंशन,  
नई दिल्ली,

? अन्तरक में

? 2) डा० राम कुमार भाटिया  
सुपुल श्री पी० एल० भाटिया,  
निवासी -ई-160, ग्रेटर कैलाश-2,  
नई दिल्ली,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्पेस नं० 30 ब्लाक, ई० 8 मंजिल, होटल कम कर्न-सिलय कमप्लेक्स, नेहरू प्लेस नई दिल्ली, तादादी 651 वर्ग फीट,

आर० पी० राजेश  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 1 नई दिल्ली

दिनांक : 2-3-1985

मोहर :

प्रकृष आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय : सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 मार्च 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/7-84/

983—यतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषय करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स्पेस सं० 11, ब्लाक-ई है तथा जो नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-I नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक जुलाई 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानों के अन्तर्गत द्वारा पकड़ नहीं लिया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविध के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैं० नेहरू प्लेस होटल लि०  
इरोज सीनेमा बिल्डिंग,  
जंगपुरा एक्स्प्रेसवे,  
नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री जे० ने० दमानी और  
श्रीमती बिजया दमानी,  
श्री अनुप दमानी,  
निवासी-ई-20 डीफेंस कालोनी,  
नई दिल्ली,।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नमूना

स्पेस नं० 11, ब्लाक ई-8 वीं मंजिल, नेहरू प्लेस,  
होटल कर्मशियल कमप्लेक्स, नई दिल्ली, तादादी 484  
वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

दिनांक : 2-3-1985  
मोहर :-

प्रारूप आई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मार्च 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/37ईई/7-84/

984—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० स्पेस, 38, है तथा जो 17, बाराखम्बा रोड नई दिल्ली, में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक जुलाई 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण सं हुई किसी नाम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी नाम या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या लिखत में सुविधा के लिए;

(1) मै० सुब्रह्मण्य एस्टेट (प्रा० लि०),  
17 बाराखम्बा रोड,  
नई दिल्ली,

(अन्तरक)

(2) मिस्टर मोहिन्दर कुमार गांगुली  
सुपुत्र श्री पी० सी० गांगुली, निवासी  
ए-47 माउथ एक्ट्रेसमन  
भाग-1,  
नई दिल्ली,

(अन्तरिणी)

यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधाएं :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्पेस नं० 38; लीवर फ्रान्ज फ्लोरविजया बिल्डींग,  
17 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, तादादी -133.9 वर्ग-  
फीट,

आर० पी० राजेश

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली 110002

दिनांक : 12-3-1985

मोहर

धृति: अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

43-16GI/85

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मै० गुजराल इस्टेट्स प्रा० लि०  
17 बाराखम्बा रोड  
नई दिल्ली।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रैंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 मार्च 1985

निर्देश सं० आई० ए० सं० /एक्यू०/1/37ईई7-84/  
985—अन : मुझे आर० पी० राजेश ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० स्पेस 11 है तथा जो 17 बाराखम्बा  
रोड, नई दिल्ली, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकांश  
के कार्यालय अर्जुन रैंज-1 नई दिल्ली, भारतीय आयकर  
अधिनियम, 1961, के अर्धतः दिनांक जुलाई 1984  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकड़ नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) श्री ध्रुव गुप्ता,  
सुपुत्र श्री जगदीश गुप्ता,  
निवासी 20 सुबदेव बिहार,  
नई दिल्ली,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तारक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

स्पेस नं० 11, पहली बेसमेंट बिजया बिल्डिंग  
17 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, तादादा 221.4 वर्ग  
फीट है,

आर० पी० राजेश  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रैंज-1, नई दिल्ली

दिनांक 12-3-1985

मोहर :



प्रमुख आर्द्र टी. एन. एस. -----

भाषक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषक आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मार्च 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यू/1/37ईई/7-84

986—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

भाषक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० स्पेस 63/ है तथा जो 17 बाराखम्बा रोड  
नई दिल्ली, में स्थित है (और हमने उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप में वर्णित है), राजस्वीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, अर्जन रेंज -1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर  
अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से प्रभावित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी भाष की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
भावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या अन्य वास्तविक  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिति :-

1 मै० गुजराल इस्टेट्स प्रा० लि०

17 बाराखम्बा रोड,  
नई दिल्ली,

(अन्तरक)

2 मै० सरोज प्रोपर्टीज एण्ड कन्स्ट्रक्शन प्रा० लि०

के० डी०/ए,

अशोक विहार -1,

नई दिल्ली 52

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्धु  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

स्पेस न० 65 लॉवर ग्राउन्ड विया बिल्डींग, 17  
बाराखम्बा रोड नई दिल्ली, तादादी 361.10 वर्ग:  
फीट,

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

दिनांक :- 12-3-1984

मोहोर :-

प्रकट नम्बर टी. एन. एन. - 269-ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज नई दिल्ली,

नई दिल्ली, दिनांक 12 मार्च 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यू० /1/37ईई/7-84/  
987—अनः मुमे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० स्पेस 51/ है तथा जो 17 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन दिनांक जुलाई 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में श्रमिधा के लिए बाध/या

(ख) वही किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता की निषेध

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
अ. नं०, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की सहायक (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगत, अधिनियम

(1) मै० गुजरान इस्टेट्स, प्रा० लि०  
17 बाराखम्बा रोड,  
नई दिल्ली,

(अन्तरक)

(2) मै० पोलीडोयलूस  
301, मेघदूत,  
94 नेहरू प्लेस,  
नई दिल्ली,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्पेस नं० 51 नोवर ग्राउन्ड फ्लोर विजया बिल्डिंग  
17 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, तातादादी 276.9  
वर्ग फीट।

आर० पी० रामेश  
सजम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 12-3-1985

मोहर

प्रकरण भाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मार्च, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/7-84/  
987-ए—यन०, मुं०, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम खानपुर,  
तहसील—महगौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपायुक्त  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, अर्जुन रंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर  
अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में भूमिका  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 1957 अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
दुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती उषा सिंह,  
निवासी—ई-14, माकेन, नई दिल्ली,  
श्री जगमोहन सिंह,  
निवासी—ई०-14, माकेन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती दीपक जोहर  
निवासी—बी-102, ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली,  
श्री मती अमिता सिंह,  
निवासी-1670 दखीनी राय स्ट्रीट,  
दरिया गंज, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने के पूर्व उक्त संपत्ति के बर्तन के लिए  
कार्यवाहियां कराई हैं।

उक्त संपत्ति के बर्तन में सम्बन्ध में कोई भी बाधाएं :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों प  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सहस्र

कृषि भूमि—तादादी खसरा नं० 280/2, 280/3,  
280/4 और 277/3, तादादी 4 बीघे और 16 बिस्त्रे,  
ग्राम—खानपुर, तहसील—महगौली, नई दिल्ली।

आर० पी० राजेश  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 11-3-85  
मोहर :

प्रकट बाई.टी.एन.एच.-----

भाषक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषक आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मार्च, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/7-84/  
989—यतः, मुझे, आर० पी० राजेश,

भाषक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सख्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी में प्लॉट 4 है तथा जो कस्तुरबा गांधी मार्ग,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम,  
1961 के अधीन, तारीख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए समय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण है कि किसी भाष की भाष, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तविक से कम करने का उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
में प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या कि या जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगत, अर्थात् :—

(1) बुगे० ए० एस० भुजवाला (रिटा०),  
कुमारी एस० भुजवाला,  
श्री एच० भुजवाला,  
निवासी-डी०-11/9, अंगारी नगर, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)

(2) श्री देव रतन राठी  
मुपुत्र, श्री गणेशलाल राठी,  
निवासी—42-रानी सांसी रोड,  
नई दिल्ली-55।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 4, चौथी मंजूर, 15-क० जी० मार्ग, नई  
दिल्ली-1, नादादी 538.39 वर्गफीट, और 30 वर्गफीट  
टेरेस।

आर० पी० राजेश  
सहायक प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

तारीख : 11-3-1985

मोहर

व्यवस्थापक, टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मार्च 85

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/7-84/

990—अतः मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
धारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स्पष्ट संख्या 36 है तथा जो 17 बाराखम्बा  
रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची  
में पूर्व ख से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अर्जुन रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम—  
1961 के अधीन तारीख जुलाई-84

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दाखिल में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहेए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० गुजराल इस्टेट्स प्रा० लि०  
17-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) मै० सरोज प्रोपर्टीज एण्ड कन्सल्टन्स प्रा० लि०  
कैन्टीन-1-ए०, अशोक विहार भाग-1,  
दिल्ली-52

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्समंती व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हस्त-  
क्षेप किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

स्पेस नं० 36, लोवर ग्राउन्ड फ्लोर विजया बिल्डिंग,  
17-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली तादादी 198.2 वर्गफीट।

(आर० पी० राजेश)

सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 12-3-1985

सहस्र

प्रमुख आर्.टी.एच.एस.-----

राष्ट्रिय अधिनियम 1961 (1961 का 43) को धारा  
269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी द्वारा

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मार्च 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एफयू०/1/37ईई/7-84--

991--अतः मुझे आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० स्पेस नं० 185 है तथा जो 17-बाराखम्बा  
रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय अर्जुन रेंज-2, नई दिल्ली में आयकर अधिनियम  
1961 के अधीन तारीख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे, यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने की अन्तरक में  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
वस्तु, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा इकट्ठा नहीं किया  
जमा या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-क के अनुसार  
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) मै० गुजरात इस्टेट्स प्रा० लि०  
17-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती लता गुप्ता,  
पत्नी श्री जे० पी० गुप्ता,  
निवासी 207, मुखदेव विहार,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को बर्चन के लिए  
कार्यवाही कराता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के संप्रसारण में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् की अवधि में 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के संप्रसारण में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितधारक  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपवादपूर्वक को बाध  
विहित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होना, जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

स्पेस नं० 105, पहली मंजिल, बेसमेंट विजया बिल्डिंग  
17 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, तादादी 389.4 वर्ग,  
फीट ,

आर० पी० राजेश  
सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, नई दिल्ली

दिनांक :- 2-3-1985

मोहर

प्ररूप लाई. टी. एन्. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कन्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 मार्च 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी० एष्यू०/1/ 37ईई 7/84/992—

अतः मुझे आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 9 स्पेस ब्लॉक ई है तथा जो नेहरू प्लेस नई  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप  
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1  
नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन  
तारीख जुलाई, 84

प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और  
गया गया है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-  
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल  
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी काने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भू या अन्य जास्तियों  
को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भूकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

44-16GI/85

(1) मे० नेहरू प्लेस होटल लि०  
इरोज सिनेमा बिल्डिंग,  
जदगपुरा एक्सटेंशन,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) लेफ्टी० कर्नल जय देव सिंह खेरा,  
सुपुत्र श्री आर० एल० खेरा  
श्रीमती उषा खेरा  
पत्नी लेफ्टी० कर्नल जय देव सिंह खेरा  
विक्रम जीत सिंह खेरा  
अभय जीत सिंह खेरा  
सुपुत्र लेफ्टी० कर्नल जय देव सिंह खेरा  
निवासी—35-श्री राम रोड, सिविल लाइन,  
दिल्ली।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें पर्यक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

स्पेस सं० 9, ब्लॉक 'ई' 8 मंजिल, नेहरू प्लेस, होटल कम  
कमसियल कम्प्लेक्स, नई दिल्ली, तादादी-484 वर्गफीट

आर० पी० राजेश  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

तारीख : 2-3-1985

मोहूर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 मार्च 1985

निदेश सं० आई० ए० सी० एम्पू 1/37ईई/7-84/993

अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० स्पेस 14 ब्लाक ई है, तथा जो नेहरू प्लेस नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपानुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन तारीख जुलाई, 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० नेहरू प्लेस होटल्स लि०  
रोज सिनेमा बिल्डिंग,  
जंगपुरा एक्सटेंशन,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री कुलदीप सिंह बोलन  
सुपुत्र श्री धरम सिंह  
974-आर्या समाज रोड,  
करोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

स्पेस नं० 14 : ब्लाक ई 6 मंजिल, होटल कम-कमसियल  
कम्प्लेक्स, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, तादादी-638 वर्गफीट।

आर० पी० राजेश  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

तारीख : 2-3-1985

मोहर : [Signature]



प्रकृष जाई. टी. एम. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मार्च 1985

निदेश सं० आई० ए० सी० एयू०/1/37ईई/7-84/995

अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० स्पेस 39 है, तथा जो 28 बाराखम्बा रोड  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन  
रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन  
तारीख जुलाई, 84

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(2) मै० गोपाल दास इस्टेट्स एण्ड हाउसिंग प्रा० लि०  
28-बी० बाराखम्बा रोड,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री राजीव जैन  
सुपुत्र श्री टी० के० जैन  
निवासी-107, बनारसी दास इस्टेट  
तिमारपुर, दिल्ली-8।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् की व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और रशों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

स्पेस नं० 39 सोमर आउन्ड फ्लोर, डा० गोपाल दास भवन  
28-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, तादादी-117.32 वर्गफीट।

आर० पी० राजेश  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

तारीख : 12-3-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मार्च, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/7-84/996,

अतः मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 114 है, तथा जो बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रार कर्ता अधिकार के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली  
में भारतीय आयकर अधिनियम-1971, के अधीन तारीख जुलाई, 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि गथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तर्सीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या कक्षा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० शिव कपूर जोगेन्द्र कपूर  
निवासी-2720 अजमल खां रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री कृष्ण लाल वर्मा  
निवासी-पी०-16,  
साउथ एक्सटेंशन-2,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रो० न० 114 तादादी 595 वर्गफीट 21-बाराखम्बा रोड  
नई दिल्ली।

आर० पी० राजेश  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

तारीख : 11-3-1985

मोहर :

प्रकृष आर्. टी. एम. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मार्च 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/05यू०/1/37-ईई/7-84/  
998--यतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिनकी सं० 115/21 है तथा जो बारागम्बा रोड,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इसे उपरि उद्धृत अनुसूची में  
और पूर्ण रूप में वर्णित है), अनिर्दिष्ट अधिकारी के वाया-  
न्य अर्जुन रेंज-I, नई दिल्ली, आयकर अधिनियम,  
1961 के अधीन तारीख जुलाई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
भरते का कारण है कि उपर्युक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बहुत प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उक्त बचत में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
है, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) मै० शिव कपूर जागिन्दर कपूर,  
2720, अजमल खों रोड,  
करमल बाग,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जानकी चावला,  
मीरा चावला,  
गीता चावला,  
निवासी--53, सुन्दर नगर,  
दिल्ली, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फर्क नं० 115, तादादी 595 वर्गफीट, 21-बारागम्बा  
रोड, नई दिल्ली।

आर० पी० राजेश,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 11-3-1985

मोहर

रक्षक भाई. टी. एम्. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मार्च 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/7-84/  
999-यतः मुझे, आर० पी० राजेश,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है  
और जिसकी स्पेस सं० 40 है, तथा जो 28 बाराखम्बा रोड,  
नई दिल्ली, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-  
लय, अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम,  
1961 के अधीन तारीख जुलाई 1984  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थापित पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के  
द्वारित्व में कमी करने या उससे बचने से सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों  
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था धिणाने से  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्तरण  
की, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)  
के अधीन लिखित व्यक्तिओं, अधीन :-

(1.) म० गोपाल दास इस्टेड्स  
एण्ड हाउसिंग प्रा० लि०,  
28-बाराखम्बा रोड,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2.) श्री श्याम सुन्दर कोहली,  
मुपुत्र श्री के० एल० कोहली,  
निवासी-- 219, आजाद मार्केट,  
दिल्ली- 6।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्णन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षे :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्षेत्र  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

बन्सुची

स्पेस न० 40, लॉवर ग्राउण्ड फ्लोर डा० गोपाल दास  
भवन, 28-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, ताबादी  
100.56 वर्ग फिट।

आर० पी० राजेश  
सहायक प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I,

तारीख: 12-3-1985

मोहूर :

ब्रह्म बाई.डी.एम्.एम्.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

प्राप्त धरुकाउ

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मार्च 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/पक्यू०/1/37-ईई०/7-84/

1000--यतः मुझे, आर० पी० राजेश,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट 'सी' है तथा जो 16 बाराखम्बा  
रोड, नई दिल्ली में स्थित (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली, भारतीय आयकर  
अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख जुलाई 1984

का पूर्वावक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथास्थिति सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-  
कष निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण नियमित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के  
बायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रभावपूर्ण अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

तब, जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

(1.) मैं आर० के टाक्स इन्डिया प्रा० लि०,  
20 बाराखम्बा रोड,  
नई दिल्ली-1

(अन्तरक)

(2.) श्री मनोहर लाल चहा,  
निवासी--एम-44,  
ग्रेटर कृ. कौलाश-I,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वावक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के लक्ष्य में कोई भी बाधक--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वावक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशु  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अनोहस्ताक्षरी के पास  
निहित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति:--इसने प्रयुक्त दस्तावेजों और पत्रों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, पढ़ी गई होगी जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 'सी' ग्राउन्ड फ्लोर, डी० सी० एम०  
बिल्डिंग, 16 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, तादादी--  
800 वर्गफिट।

आर० सी० राजेश  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I,

तारीख: 12-3-1985

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मार्च 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई०/7-84/  
1001---अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्रो० बी०-11 है तथा जो 7 तान सेन  
मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाध्व अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता-अधिकारी के  
कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर  
अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख जुलाई 84

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिष्ठित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाबत में कभी कार्य या उसके करने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैं ई० ए० प्रो० प्रो० नि०,  
आर०-36,  
न्यू राशियन नगर,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री संजीव कुमार जैन  
और श्री राजीव कुमार जैन,  
निवासी-34 ए०,  
मेट्रोपॉलिटन,  
कलकत्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्भूत  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० बी०-1, 7-तानसेन मार्ग, नई दिल्ली,  
ताबादी—1560 वर्ग फिट।

आर० पी० राजेश  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

तारीख: 11-3-1985

मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/77-84

1002—अतः मुझे आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-  
ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 301 है तथा जो 51-52 नेहरू प्लेस  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
(और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली भारतीय आयकर  
अधिनियम 1961 के अधीन तारीख जुलाई 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके वर्तमान प्रतिफल से, ऐसे वर्तमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी काम की वास्तव उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
5 16GI/85

1. मै० गैडोर टूल्स  
(इन्डिया) प्रा० लि०.  
51-52, नेहरू प्लेस,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती महेन्द्रा जानी,  
पत्नी श्री जी० एस० जानी,  
निवासी—ए-5,  
ललित पार्क,  
मोदीपुरम,  
मेरठ-250110।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जांचपट्टा---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी अवधि  
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाक्षताधारी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 301, तादादी 44.8.72 वर्गफिट, 51-  
52 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

आर० पी० राजेश  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 11-3-1985  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 मार्च 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एन्यू०/1/37-ईई/7-84/  
1003—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० स्पेस 18 ब्लाक ई० है, तथा जो नेहरू  
प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधि-  
नियम, 1961 के अधीन तारीख जुलाई 84

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से 'उक्त अन्तरण लिखित' में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, लिखित में सूचित  
के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० नेहरू प्लेस होटल्स लि०,  
इरोज सिनेमा बिल्डिंग  
जंगपुरा एक्सटेंशन,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. कुमारी जूही मोदी  
- अभिभावक श्रीमती मंजू मोदी  
श्री रतन कुमार मोदी,  
निवासी—सी-4/95,  
सफदरजंग,  
डेवलपमेंट एरिया,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि नाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

स्पेस नं० 18, ब्लाक 'ई' 7 मंजिल होटल कम-काम  
शियल कामप्लेक्स, नई दिल्ली, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली,  
ताबादी—638 वर्गफिट।

आर० पी० राजेश  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 2-3-1985

माहूर :



प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयुक्त सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 मार्च 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37-ईई/7-84/

1004—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० स्पेस 3 और 4 ब्लॉक ई० है तथा जो नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास कृत किया गया है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वारिस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने की अन्तरक के अधिकार से कभी करने या उक्त करने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) इसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार, मैं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० नेहरू प्लेस होटल्स लि०,  
इरोज सिनेमा बिल्डिंग,  
जंगपुरा एक्सटेंशन,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मै० क्लच आटो लि०,  
702, सहयोग,  
नेहरू प्लेस,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्पेस नं० 3 और 4, ब्लॉक 'ई' 6 मंजिल होटल कम-  
कामसियल कमप्लेक्स, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, तादादी-  
1537 वर्गफिट।

आर० पी० राजेश  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 2-3-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 मार्च 1985

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/7-84

1005—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० स्पेस 14 ए० ब्लाक ई है, तथा जो नेहरू प्लेस नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख जुलाई 84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाबित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा बाबित्व के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रणोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मे० नेहरू प्लेस होटल्स लि०,  
इरीज सिनेमा बिल्डिंग,  
जंगपुरा एक्सटेंशन,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री एस० कुलदीप सिंह डीलन  
सुपुत्र एस० धरम सिंह,  
निवासी—974,  
आर्य समाज रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्पेस नं० 14-ए, ब्लाक-ई 6वीं मंजिल, होटल-कम-कमसियस कमप्लेक्स, नेहरूप्लेस, नई दिल्ली, तादादी—638 वर्गफिट।

आर० पी० राजेश  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 2-3-1985

माहूर :

प्रकाश जाहें. टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

## नगर सड़कें

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जेंट रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/7-84

1006—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निवेदन करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1115, है तथा जो 8 नेहरू प्लेस,  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुमूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
अर्जेंट रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम,  
1961 की धारा के अधीन, तारीख जुलाई 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य;  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी धातु की बाजार. उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
राशि में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी धातु या किसी धन या अन्य वस्तुओं  
को जिनमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सत्य नारायण

सुपुत्र स्व० श्री सी० एल० जिज्ञासु,  
निवासी—एस०—303,  
ग्रेटर कैलाश-1,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री विमल कुमार वछर,

सुपुत्र श्री टी० आर० वछर,  
निवासी—ई०—339,  
ग्रेटर कैलाश-2,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए  
कार्यवाहियां कराया है।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी धारा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उत्पन्न की व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बात में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० 1115—स्कीपर टावर, 89-नेहरू प्लेस,  
नई दिल्ली, तावादी 500 वर्ग फिट।

आर० पी० राजेश

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 11-3-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० आई० ए० सं०/क्यू०/1/37ईई/7-84/1007—

अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 303 एकुजगट तथा जो पालम अपार्टमेंट  
किंगवाशन, नई दिल्ली में स्थित है और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय  
आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख जुलाई, 1984  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० सिगल होल्डिंग प्रा० लि०।  
जी० एफ०-19, मानसरोवर विल्डिंग,  
90 नेहरू प्लेस  
नई दिल्ली। (अन्तरक)
2. श्रीमती दविन्दर कुमारी  
पत्नी स्व० राजा लक्ष्मण सिंह,  
निवासी प्लेस धम्बा (एच० पी०)  
(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 303 (दूसरी मंजिल) ब्लॉक-ए, पालम अपार्ट-  
मेंट ग्राम बिजवाशन, दिल्ली. तादादी 850, वर्ग फीट, और  
तेरस।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 11-3-1985

माहुर.

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

1. मै० गोपाल दास इस्टेट एण्ड हाउसिंग प्रा० लि०।

28-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मार्च, 1985

सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/37ई/7-84/1009:—

अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
अंश है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या स्पेस नं० 13 है तथा जो 28 बाराखम्बा  
रोड, नई दिल्ली में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम  
1961 के अधीन तारीख जुलाई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
एक प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अंतरक के  
स्थित्व में कमी करने या उसमें बचने में सविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा  
के लिए;

अनुसूची

स्पेस नं० 13, (एल० जो एफ०) डा० गोपाल दास भवन  
28 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली ताबादी 416.07 वर्ग फीट

आर० पी० राजेश,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अपीत :—

तारीख : 12-3-1985

मोहर :

प्रथम भाग : टी. एन. एन. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मार्च, 1985

निर्देश सं० आई. ए. सी. ०/एफ. यू. 1/37ईई/7-84/1010/—

अंतः मुझे, आर० पी० राजेश,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब की अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिनकी सं० 18/28 है तथा जो बाराखम्बा रोड  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन  
रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम 1961,  
के अधीन, तारीख जुलाई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्त-  
रितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य भास्तिगों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मै० गोपाल दाम स्टेट्स एण्ड हाउसिंग प्रा० लि०  
17 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री प्रकाश सी० सरना  
सुपुत्र श्री जी० सी० सरना,  
और श्रीमती कुमुद सरना,  
पत्नी श्री प्रकाश सी० सरना,  
निवासी 13ए/11, ओल्ड राजिन्दर नगर,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भास्तिग

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

स्पेस नं० 18, (एल०जी०एफ०) डा० गोपाल दास भवन,  
28-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, तादादी-440.32 वर्गफीट।

आर० पी० राजेश  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

तारीख : 11-3-1985

मोहर :

प्रकृप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ई०ई०- 7-84

1011—अतः सुषे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 307 है तथा जो 19 कस्तुरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख जुलाई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शक्ति से कमी करने या उचित सूचना के लिए; कोई/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

46—16GI/85

(1) मै० जेपसन एडवर्टीज़र,  
जेपसन हाउस,  
259, ओखला इण्डस्ट्रीयल इस्टेट,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती दर्शना देवी पत्नी  
श्री सीता राम विज,  
एण्ड श्रीमती इन्दु विज पत्नी  
श्री ओम प्रकाश विज।  
यू० बी० 5, सूर्या किरन,  
मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० 307, सूर्या किरन बिल्डिंग 19, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली, तादासी 740 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 11-3-1985

मोहर :

प्रमुख आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269(घ) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई०/7-84/

1012—अतः मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट 703/98 तथा जो नेहरू प्लेस, नई दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज 1, नई  
दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख  
जुलाई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसकी दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
साथ-साथ में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
का जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
न, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राकेश तलवार और  
श्री राजेश तलवार,  
डब्ल्यू 80, ग्रेटर कैलाश-2,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मल्का दीवान और  
श्री सुजाता दीवान,  
निवासी ए-346,  
डिफेंस कॉलोनी,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 703, हेमकुण्ड टावर, 98, नेहरू प्लेस,  
नई दिल्ली, तादादी 365 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

तारीख : 11-3-1985

मोहर :



प्रकृष माह. टी. एम. एल.-----

भूतकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मार्च, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/7-84/1014

अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 703/98, है, तथा जो नेहरू प्लेस, नई दिल्ली,  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली,

भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख जुलाई-84  
के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विस्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की वास्तविक उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उक्त बचने में सुविधा के लिए,  
आदि/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित है—

(1) श्री राकेश तलवार और  
राजेश तलवार,  
डब्ल्यू-80, ग्रेटर कैलाश-2,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति मलका दीवान, और  
सुजाता दीवान,  
निवासी-ए-346, डिफेंस कालोनी,  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हस्त-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपभोक्ताधारी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्तिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

बनसूची

प्लेट नं० 703, हेमकुण्ट टावर, 98-नेहरू प्लेस, नई  
दिल्ली, तादावी-365 वर्गफीट।

आर० पी० राजेश,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

तारीख : 1-3-1985

मोहर ३

प्रकृ. भाई. टी. एन. एस्. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/7-84/1015,  
अतः मुझे, धार० पी० राजेश,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० 1008 है, तथा जो 89-नेहरू प्लेस, नई दिल्ली,  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली,  
भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन तारीख जुलाई, 84  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
एन्ग्रह प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वजह, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उतरे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) मै० स्कोपर सेल्स प्रा० लि०,  
22 नारायणमबा रोड,  
नई दिल्ली-110001।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० रणवीर सिंह  
सुपुत्र श्री एस० हुक्म सिंह,  
मास्टर चरणजीत सिंह और  
कुमारी चरणजीव कौर,  
निवासी-जे०-9/180 राजोरी गार्डन,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अवसूची

फ्लेट नं० 1008, तादावी 414 वर्गफीट, 89 नेहरू प्लेस,  
नई दिल्ली।

धार० पी० राजेश  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली।

तारीख : 11/3-1985

मोहर :

प्रकाश बाई. टी. एच. एच. एच.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

प्राप्त सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 12 मार्च, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/7-84/1016,

प्रतः मुझे, आर० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विव्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बी०-14 है, तथा जो, 22 बाराखम्बा रोड,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण-  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन  
रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन  
तारीख जुलाई-84,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वभाव  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विव्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके स्वभावानुसार प्रतिफल से, ऐसे स्वभावानुसार प्रतिफल का  
बहु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिसके  
से वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
सायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
बायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

इस: सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरक  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) स्कीपर सेल्स प्रा० लि०।

22-बाराखम्बा रोड,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै० एम० कें० एण्ड सन्स,

2856, बाजार सिस्कीवालन,  
दिल्ली-6

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० बी०-14, ताबादी 200 वर्गफीट, 22-बाराखम्बा-  
रोड, नई दिल्ली।

आर० पी० राजेश  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 12-3-1985

मोहर :

प्रकृष आर्.डी.एन.एस.-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मार्च 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/137ईडु/7-84,  
1018—यतः, मुसे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1005 है, तथा जो 7-टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख जुलाई 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सरला देवी पत्नी श्री बी० एल० अरोड़ा,  
शिव कुमार बधवा, सुपुत्र श्री बृज लाल,  
बेबी शारिका गुलाटी यु/जी—श्री अनिल गुलाटी,  
और श्रीमती कैलाश बती,  
निवासी—एस-98 - ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली ।  
(अन्तरक)

2. श्री जे० सी० बधवा, (एच-यु-एफ) डा० श्रीमती विमल  
बधवा पत्नी श्री जे० सी० बधवा और  
श्री अशिश बधवा सुपुत्र श्री जे० सी० बधवा,  
निवासी—एम-22, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

फ्लैट नं० 1005, दसवीं मंजिल, 7-टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली, तावादी 709 वर्ग फीट ।

आर० पी० राजेश  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 11-3-1985

मोहर

प्रमुख आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मार्च 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई/7-84

1019—अतः, मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ए-18 है, तथा जो कनाट सर्कस, नई दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपाध्वज में अनुसूची और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1,  
नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन  
तारीख जुलाई 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बहुत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से अहित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की  
शक्ति के कमी करने या उसके करने में रुचि  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. अम्बीका विल्डर्स प्रो० लि०,  
15/4077 दारिया गंज, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुमन जैन पत्नी श्री अशोक कुमार जैन,  
निवासी—5230 सदर थाना रोड, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बहुत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताधारी के  
पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों की, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

प्रो० नं० ए-18, कनाट सर्कस, नई दिल्ली, तादादी 252  
वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 12-3-1985

माहुर ॥

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 मार्च 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई/7-84/  
1020—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 11-ए, ब्लाक है, तथा जो नेहरू प्लेस, नई  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1  
नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन,  
तारीख जुलाई 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मै० नेहरू प्लेस होटल्स लि० इरोज सिनेमा बिल्डिंग,  
जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री प्रेम बिहारी रोहतोगी सुपुत्र स्व० लाला मुन्शी लाल,  
निवासी—एफ-99, ईस्ट आफ कैलाश, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अवसर्प

स्पेस नं० 11-ए, ब्लाक ई 6वीं मंजिल, होटल-कम-कमसियल  
कमप्लेक्स, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, तावादी—484 वर्ग फीट ।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

तारीख : 2-3-1985

मोहर :

अरूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 मार्च 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०, एंक्वू०, 1/37 ईई/7-84/

1021—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० स्पेस 9-ए, ब्लाक ई है, तथा जो नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख जुलाई 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाह्य था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

47—16GI/85

1. मै० नेहरू प्लेस होटलस लि०,  
इरोज सिनेमा बिल्डिंग, जंगपुरा एक्स० नई दिल्ली।  
(अन्तरक)

2. श्री राजीव चोपड़ा और श्री संजीव चोपड़ा सुपुत्रगण  
श्री आर० के० चोपड़ा, श्रीमती फूल चोपड़ा पत्नी  
स्व० श्री आर० के० चोपड़ा,  
निवासी—107, न्यू जवाहर नगर, जलन्धर-सिटी।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्पेस नं० 9-ए, ब्लाक ई 6-वीं मंजिल, होटल कम-  
कमिश्नर कम्प्लेक्स, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, ताबाकी 520 वर्ग  
फीट।

आर० पी० राजेश  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 2-3-1985

मोहर :

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मार्च 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ई० ई०/7-  
84/1022—अनः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० स्पेस 75/28, है तथा जो बाराखम्बा रोड,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाखण्ड अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
अर्जेंट रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम,  
1961 के अधीन तारीख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि उपाखण्डित सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए नष्ट पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित  
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुआ किसी भाग की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने का उसमें उक्त से सविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूढिधा  
के लिए ।

अनः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा

(1) मै० गोपाल दास इस्टेट एण्ड हाउसिंग प्रा० लि०  
28-बाराखम्बा रोड,  
नई दिल्ली,

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेन्द्र सिंह गुलाटी, निवासी एम० 10,  
ग्रीन पार्क (मेन)  
नई दिल्ली,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

स्पेस नं० 74, लोवर ग्राउन्ड फ्लोर, डा० गोपाल दास  
भवन, 28, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, तादादी-132.37  
वर्गफीट ।

आर० पी० राजेश  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जेंट रेंज-1 नई दिल्ली

तारीख 12-3-85  
मोहर :



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मार्च 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ई ई/7  
84/1023—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० स्पेस है तथा जो 28 बाराखम्बा रोड, नं० 4  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम  
1961, के अधीन तारीख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंत-  
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के वास्तविक  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० गोपाल दाम इस्टेट्स एण्ड हाउसिंग प्रा० लि०,  
28 बाराखम्बा रोड,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री लोरीन राम,  
निवासी-149/6,  
सन्त नगर,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्पेस नं० 4, एल० जी० एफ०, डा० गोपाल दाम  
भवन, 28, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, ताबादी 140.78 वर्ग  
फीट ।

आर० पी० राजेश  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नई दिल्ली

तारीख 12-3-85

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 मार्च 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ई ई/7-84/

1024—अतः मुद्रा, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० स्पेस 20 ब्लाक ई है तथा जो नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरात की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० नेहरू प्लेस होटल एलि०,  
इरोज मिनेमा बिडिलग,  
जंगपुरा एक्सटेन्शन,  
नई दिल्ली ।

(अंतरक)

(2) श्री एच० एस० मेजी (एच-यु-एफ०)  
श्रीमती एच० के० मेजी,  
श्री नरीन्दर सिंह (एच यु० एफ०),  
श्रीमती हरकश कौर,  
निवासी—मकान नं० 55,  
सेक्टर-2 ए,  
चन्डीगढ़ ।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्पेस नं० 20, ब्लाक 'ई' 7-वीं मंजिल, होटल-कम-कमसियल कम्प्लेक्स, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, ताबादी 651 वर्गफीट ।

आर० पी० राजेश  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नई दिल्ली

तारीख : 2-3-85

मोहर :

(1) श्री गुरुदेव की आज्ञा के अनुसार, हमने इस पुस्तक को लिखा है।

॥ ५५५ ॥

(2) ५० फी. ५५

224

गङ्गा विदुषी ।

ਅਨੰਤ ਜੀਤ ਕੀਤਾ

ਅਨੰਤ ਜੀਤ ਕੀਤਾ

निवाडा नं. ३१६०. उ. नं. १०/१५५०/१३७. ६०६०/

17-84/1025,---अतः एम, एमरो एमो एमएम,

1,00,00,000/- रु. की राशि

[illegible]

—: 1. 1941-42 2. 1942-43 3. 1943-44 4. 1944-45 5. 1945-46 6. 1946-47 7. 1947-48 8. 1948-49 9. 1949-50 10. 1950-51 11. 1951-52 12. 1952-53 13. 1953-54 14. 1954-55 15. 1955-56 16. 1956-57 17. 1957-58 18. 1958-59 19. 1959-60 20. 1960-61 21. 1961-62 22. 1962-63 23. 1963-64 24. 1964-65 25. 1965-66 26. 1966-67 27. 1967-68 28. 1968-69 29. 1969-70 30. 1970-71 31. 1971-72 32. 1972-73 33. 1973-74 34. 1974-75 35. 1975-76 36. 1976-77 37. 1977-78 38. 1978-79 39. 1979-80 40. 1980-81 41. 1981-82 42. 1982-83 43. 1983-84 44. 1984-85 45. 1985-86 46. 1986-87 47. 1987-88 48. 1988-89 49. 1989-90 50. 1990-91 51. 1991-92 52. 1992-93 53. 1993-94 54. 1994-95 55. 1995-96 56. 1996-97 57. 1997-98 58. 1998-99 59. 1999-00 60. 2000-01 61. 2001-02 62. 2002-03 63. 2003-04 64. 2004-05 65. 2005-06 66. 2006-07 67. 2007-08 68. 2008-09 69. 2009-10 70. 2010-11 71. 2011-12 72. 2012-13 73. 2013-14 74. 2014-15 75. 2015-16 76. 2016-17 77. 2017-18 78. 2018-19 79. 2019-20 80. 2020-21 81. 2021-22 82. 2022-23 83. 2023-24 84. 2024-25 85. 2025-26 86. 2026-27 87. 2027-28 88. 2028-29 89. 2029-30 90. 2030-31 91. 2031-32 92. 2032-33 93. 2033-34 94. 2034-35 95. 2035-36 96. 2036-37 97. 2037-38 98. 2038-39 99. 2039-40 100. 2040-41 101. 2041-42 102. 2042-43 103. 2043-44 104. 2044-45 105. 2045-46 106. 2046-47 107. 2047-48 108. 2048-49 109. 2049-50 110. 2050-51 111. 2051-52 112. 2052-53 113. 2053-54 114. 2054-55 115. 2055-56 116. 2056-57 117. 2057-58 118. 2058-59 119. 2059-60 120. 2060-61 121. 2061-62 122. 2062-63 123. 2063-64 124. 2064-65 125. 2065-66 126. 2066-67 127. 2067-68 128. 2068-69 129. 2069-70 130. 2070-71 131. 2071-72 132. 2072-73 133. 2073-74 134. 2074-75 135. 2075-76 136. 2076-77 137. 2077-78 138. 2078-79 139. 2079-80 140. 2080-81 141. 2081-82 142. 2082-83 143. 2083-84 144. 2084-85 145. 2085-86 146. 2086-87 147. 2087-88 148. 2088-89 149. 2089-90 150. 2090-91 151. 2091-92 152. 2092-93 153. 2093-94 154. 2094-95 155. 2095-96 156. 2096-97 157. 2097-98 158. 2098-99 159. 2099-00 160. 2100-01 161. 2101-02 162. 2102-03 163. 2103-04 164. 2104-05 165. 2105-06 166. 2106-07 167. 2107-08 168. 2108-09 169. 2109-10 170. 2110-11 171. 2111-12 172. 2112-13 173. 2113-14 174. 2114-15 175. 2115-16 176. 2116-17 177. 2117-18 178. 2118-19 179. 2119-20 180. 2120-21 181. 2121-22 182. 2122-23 183. 2123-24 184. 2124-25 185. 2125-26 186. 2126-27 187. 2127-28 188. 2128-29 189. 2129-30 190. 2130-31 191. 2131-32 192. 2132-33 193. 2133-34 194. 2134-35 195. 2135-36 196. 2136-37 197. 2137-38 198. 2138-39 199. 2139-40 200. 2140-41 201. 2141-42 202. 2142-43 203. 2143-44 204. 2144-45 205. 2145-46 206. 2146-47 207. 2147-48 208. 2148-49 209. 2149-50 210. 2150-51 211. 2151-52 212. 2152-53 213. 2153-54 214. 2154-55 215. 2155-56 216. 2156-57 217. 2157-58 218. 2158-59 219. 2159-60 220. 2160-61 221. 2161-62 222. 2162-63 223. 2163-64 224. 2164-65 225. 2165-66 226. 2166-67 227. 2167-68 228. 2168-69 229. 2169-70 230. 2170-71 231. 2171-72 232. 2172-73 233. 2173-74 234. 2174-75 235. 2175-76 236. 2176-77 237. 2177-78 238. 2178-79 239. 2179-80 240. 2180-81 241. 2181-82 242. 2182-83 243. 2183-84 244. 2184-85 245. 2185-86 246. 2186-87 247. 2187-88 248. 2188-89 249. 2189-90 250. 2190-91 251. 2191-92 252. 2192-93 253. 2193-94 254. 2194-95 255. 2195-96 256. 2196-97 257. 2197-98 258. 2198-99 259. 2199-00 260. 2200-01 261. 2201-02 262. 2202-03 263. 2203-04 264. 2204-05 265. 2205-06 266. 2206-07 267. 2207-08 268. 2208-09 269. 2209-10 270. 2210-11 271. 2211-12 272. 2212-13 273. 2213-14 274. 2214-15 275. 2215-16 276. 2216-17 277. 2217-18 278. 2218-19 279. 2219-20 280. 2220-21 281. 2221-22 282. 2222-23 283. 2223-24 284. 2224-25 285. 2225-26 286. 2226-27 287. 2227-28 288. 2228-29 289. 2229-30 290. 2230-31 291. 2231-32 292. 2232-33 293. 2233-34 294. 2234-35 295. 2235-36 296. 2236-37 297. 2237-38 298. 2238-39 299. 2239-40 300. 2240-41 301. 2241-42 302. 2242-43 303. 2243-44 304. 2244-45 305. 2245-46 306. 2246-47 307. 2247-48 308. 2248-49 309. 2249-50 310. 2250-51 311. 2251-52 312. 2252-53 313. 2253-54 314. 2254-55 315. 2255-56 316. 2256-57 317. 2257-58 318. 2258-59 319. 2259-60 320. 2260-61 321. 2261-62 322. 2262-63 323. 2263-64

(a) 1. The first part of the document is a letter from the Secretary of the Department of the Interior to the Secretary of the Department of the Army, dated 1900. The letter is dated 1900 and is addressed to the Secretary of the Department of the Army. The letter is dated 1900 and is addressed to the Secretary of the Department of the Army.

(a) 1922-1923, 1924-1925, 1926-1927, 1928-1929, 1930-1931, 1932-1933, 1934-1935, 1936-1937, 1938-1939, 1940-1941, 1942-1943, 1944-1945, 1946-1947, 1948-1949, 1950-1951, 1952-1953, 1954-1955, 1956-1957, 1958-1959, 1960-1961, 1962-1963, 1964-1965, 1966-1967, 1968-1969, 1970-1971, 1972-1973, 1974-1975, 1976-1977, 1978-1979, 1980-1981, 1982-1983, 1984-1985, 1986-1987, 1988-1989, 1990-1991, 1992-1993, 1994-1995, 1996-1997, 1998-1999, 2000-2001, 2002-2003, 2004-2005, 2006-2007, 2008-2009, 2010-2011, 2012-2013, 2014-2015, 2016-2017, 2018-2019, 2020-2021, 2022-2023, 2024-2025, 2026-2027, 2028-2029, 2030-2031, 2032-2033, 2034-2035, 2036-2037, 2038-2039, 2040-2041, 2042-2043, 2044-2045, 2046-2047, 2048-2049, 2050-2051, 2052-2053, 2054-2055, 2056-2057, 2058-2059, 2060-2061, 2062-2063, 2064-2065, 2066-2067, 2068-2069, 2070-2071, 2072-2073, 2074-2075, 2076-2077, 2078-2079, 2080-2081, 2082-2083, 2084-2085, 2086-2087, 2088-2089, 2090-2091, 2092-2093, 2094-2095, 2096-2097, 2098-2099, 2100-2101, 2102-2103, 2104-2105, 2106-2107, 2108-2109, 2110-2111, 2112-2113, 2114-2115, 2116-2117, 2118-2119, 2120-2121, 2122-2123, 2124-2125, 2126-2127, 2128-2129, 2130-2131, 2132-2133, 2134-2135, 2136-2137, 2138-2139, 2140-2141, 2142-2143, 2144-2145, 2146-2147, 2148-2149, 2150-2151, 2152-2153, 2154-2155, 2156-2157, 2158-2159, 2160-2161, 2162-2163, 2164-2165, 2166-2167, 2168-2169, 2170-2171, 2172-2173, 2174-2175, 2176-2177, 2178-2179, 2180-2181, 2182-2183, 2184-2185, 2186-2187, 2188-2189, 2190-2191, 2192-2193, 2194-2195, 2196-2197, 2198-2199, 2200-2201, 2202-2203, 2204-2205, 2206-2207, 2208-2209, 2210-2211, 2212-2213, 2214-2215, 2216-2217, 2218-2219, 2220-2221, 2222-2223, 2224-2225, 2226-2227, 2228-2229, 2230-2231, 2232-2233, 2234-2235, 2236-2237, 2238-2239, 2240-2241, 2242-2243, 2244-2245, 2246-2247, 2248-2249, 2250-2251, 2252-2253, 2254-2255, 2256-2257, 2258-2259, 2260-2261, 2262-2263, 2264-2265, 2266-2267, 2268-2269, 2270-2271, 2272-2273, 2274-2275, 2276-2277, 2278-2279, 2280-2281, 2282-2283, 2284-2285, 2286-2287, 2288-2289, 2290-2291, 2292-2293, 2294-2295, 2296-2297, 2298-2299, 2300-2301, 2302-2303, 2304-2305, 2306-2307, 2308-2309, 2310-2311, 2312-2313, 2314-2315, 2316-2317, 2318-2319, 2320-2321, 2322-2323, 2324-2325, 2326-2327, 2328-2329, 2330-2331, 2332-2333, 2334-2335, 2336-2337, 2338-2339, 2340-2341, 2342-2343, 2344-2345, 2346-2347, 2348-2349, 2350-2351, 2352-2353, 2354-2355, 2356-2357, 2358-2359, 2360-2361, 2362-2363, 2364-2365, 2366-2367, 2368-2369, 2370-2371, 2372-2373, 2374-2375, 2376-2377, 2378-2379, 2380-2381, 2382-2383, 2384-2385, 2386-2387, 2388-2389, 2390-2391, 2392-2393, 2394-2395, 2396-2397, 2398-2399, 2400-2401, 2402-2403, 2404-2405, 2406-2407, 2408-2409, 2410-2411, 2412-2413, 2414-2415, 2416-2417, 2418-2419, 2420-2421, 2422-2423, 2424-2425, 2426-2427, 2428-2429, 2430-2431, 2432-2433, 2434-2435, 2436-2437, 2438-2439, 2440-2441, 2442-2443, 2444-2445, 2446-2447, 2448-2449, 2450-2451, 2452-2453, 2454-2455, 2456-2457, 2458-2459, 2460-2461, 2462-2463, 2464-2465, 2466-2467, 2468-2469, 2470-2471, 2472-2473, 2474-2475, 2476-2477, 2478-2479, 2480-2481, 2482-2483, 2484-2485, 2486-2487, 2488-2489, 2490-2491, 2492-2493, 2494-2495, 2496-2497, 2498-2499, 2500-2501, 2502-2503, 2504-2505, 2506-2507, 2508-2509, 2510-2511, 2512-2513, 2514-2515, 2516-2517, 2518-2519, 2520-2521, 2522-2523, 2524-2525, 2526-2527, 2528-2529, 2530-2531, 2532-2533, 2534-2535, 2536-2537, 2538-2539, 2540-2541, 2542-2543, 2544-2545, 2546-2547, 2548-2549, 2550-2551, 2552-2553, 2554-2555, 2556-2557, 2558-2559, 2560-2561, 2562-2563, 2564-2565, 2566-2567, 2568-2569, 2570-2571, 2572-2573, 2574-2575, 2576-2577, 2578-2579, 2580-2581, 2582-2583, 2584-2585, 2586-2587, 2588-2589, 2590-2591, 2592-2593, 2594-2595, 2596-2597, 2598-2599, 2600-2601, 2602-2603, 2604-2605, 2606-2607, 2608-2609, 2610-2611, 2612-2613, 2614-2615, 2616-2617, 2618-2619, 2620-2621, 2622-2623, 2624-2625, 2626-2627, 2628-2629, 2630-2631, 2632-2633, 2634-2635, 2636-2637, 2638-2639, 2640-2641, 2642-2643, 2644-2645, 2646-2647, 2648-2649, 2650-2651, 2652-2653, 2654-2655, 2656-2657, 2658-2659, 2660-2661, 2662-2663, 2664-2665,

(1) The following are the names of the persons who have been appointed as members of the Board of Directors of the Corporation:

2-3-85

(2) १० अक्षर संज्ञितक्षरों का प्रयोग, (अक्षर)

(1921-22)

۱۲۰۰  
 ۱۲۰۱  
 ۱۲۰۲  
 ۱۲۰۳  
 ۱۲۰۴  
 ۱۲۰۵  
 ۱۲۰۶  
 ۱۲۰۷  
 ۱۲۰۸  
 ۱۲۰۹  
 ۱۲۱۰  
 ۱۲۱۱  
 ۱۲۱۲  
 ۱۲۱۳  
 ۱۲۱۴  
 ۱۲۱۵  
 ۱۲۱۶  
 ۱۲۱۷  
 ۱۲۱۸  
 ۱۲۱۹  
 ۱۲۲۰  
 ۱۲۲۱  
 ۱۲۲۲  
 ۱۲۲۳  
 ۱۲۲۴  
 ۱۲۲۵  
 ۱۲۲۶  
 ۱۲۲۷  
 ۱۲۲۸  
 ۱۲۲۹  
 ۱۲۳۰  
 ۱۲۳۱  
 ۱۲۳۲  
 ۱۲۳۳  
 ۱۲۳۴  
 ۱۲۳۵  
 ۱۲۳۶  
 ۱۲۳۷  
 ۱۲۳۸  
 ۱۲۳۹  
 ۱۲۴۰  
 ۱۲۴۱  
 ۱۲۴۲  
 ۱۲۴۳  
 ۱۲۴۴  
 ۱۲۴۵  
 ۱۲۴۶  
 ۱۲۴۷  
 ۱۲۴۸  
 ۱۲۴۹  
 ۱۲۵۰  
 ۱۲۵۱  
 ۱۲۵۲  
 ۱۲۵۳  
 ۱۲۵۴  
 ۱۲۵۵  
 ۱۲۵۶  
 ۱۲۵۷  
 ۱۲۵۸  
 ۱۲۵۹  
 ۱۲۶۰  
 ۱۲۶۱  
 ۱۲۶۲  
 ۱۲۶۳  
 ۱۲۶۴  
 ۱۲۶۵  
 ۱۲۶۶  
 ۱۲۶۷  
 ۱۲۶۸  
 ۱۲۶۹  
 ۱۲۷۰  
 ۱۲۷۱  
 ۱۲۷۲  
 ۱۲۷۳  
 ۱۲۷۴  
 ۱۲۷۵  
 ۱۲۷۶  
 ۱۲۷۷  
 ۱۲۷۸  
 ۱۲۷۹  
 ۱۲۸۰  
 ۱۲۸۱  
 ۱۲۸۲  
 ۱۲۸۳  
 ۱۲۸۴  
 ۱۲۸۵  
 ۱۲۸۶  
 ۱۲۸۷  
 ۱۲۸۸  
 ۱۲۸۹  
 ۱۲۹۰  
 ۱۲۹۱  
 ۱۲۹۲  
 ۱۲۹۳  
 ۱۲۹۴  
 ۱۲۹۵  
 ۱۲۹۶  
 ۱۲۹۷  
 ۱۲۹۸  
 ۱۲۹۹  
 ۱۳۰۰

[illegible]

(B) கருத்துரைக்கப்பட்டது.

[illegible]

**المجلس الأعلى للدراسات والبحوث**

पृष्ठ नं० ३, चर्चाका, पृ. 7-वीं भाग, देवदल-कर्म-कार्यालय  
कमलाकर, गुरुदेव महाराज, गुरदासपुरी, 7-वाँ भाग।

आ.सं.०१०८  
सम  
(निर्यात)  
आ.सं.०१०८

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 2 मार्च 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ई० ई०/7-  
84/1026—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या स्पेस 2 ब्लॉक ई है तथा जो नेहरू प्लेस  
नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में  
पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम  
1961, के अधीन तारीख जुलाई 84,

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० नेहरू प्लेस होटल लि०,  
इरोज सीनेमा बिल्डिंग,  
जंगपुरा एक्स०  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै० अटलांटिक इन्वॉनियरिंग सर्विस प्रा० लि०  
16-कम्युनिटी सेन्टर,  
इस्ट आफ कैलाश,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
से किए जा सकेंगे।

स्वीकारण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

स्पेस नं० 2, ब्लॉक 'ई' 7-वीं मंजिल-होटल कम-  
कमर्सियल कमप्लेक्स, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, तादादी-1038  
वर्गफीट।

आर० पी० राजेश  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली 110002

तारीख : 2-3-85  
मोहर.

प्रश्न बाई. टी. एम. एस.-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 मार्च 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ई ई०/7  
84/1027—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० स्पेस ब्लॉक ई है तथा जो नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाध्व अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन तारीख जुलाई 1984

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिम ी गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी भाव की धारत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बावजूद में कमी करने या उससे बचने में बाधना के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, व्यक्तियों—

(1) मै० नेहरू प्लेस होटल्स लि०  
इरोज सीनेमा बिल्डींग,  
जंगपुरा एक्सटेंशन,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै० कार्पोरेशन स्पाइनिंग इन्डिया,  
बी०-44, ग्रेटर कैलाश-1,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्पेस नं० 5, ब्लॉक 'ई' होटल कम-कर्मामयल कम प्लेस,  
नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, तादावी-735 वर्गफीट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 2-3-85

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मार्च 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ई० ई०/7-  
84/1028—अतः मुझे आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-  
रुपये में अधिक है

और जिसकी संख्या 15/28 है तथा जो बाराखम्बा रोड,  
नई दिल्ली, में स्थित है) और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय  
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम  
1961, के अधीन तारीख जुलाई 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरिगतियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित  
वास्तविक रूप में अभिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सूत्रिधा  
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूत्रिधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तरण  
ध. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) डा० गोपाल दाम इस्टेट एण्ड हासिंग प्रा० लि०  
28, बाराखम्बा रोड,  
नई दिल्ली,

(अन्तरक)

(2) श्री विजय कुमार सुपुत्र स्व० श्री देव राज,  
निवासी 46-000,  
डीपुटी गंज,  
सदर बाजार,  
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

स्पेस नं० 15, (एल० जी० एफ०) डा० गोपाल दाम  
भवन, 28- बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, ताबादी-191 06  
वर्गफीट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख 12-3-1985

माहुर

प्रारूप भाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मार्च 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ई० ई०/7-84/

1029—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संस्पेस 23 है तथा जो 28 बाराखम्बा रोड,  
नई दिल्ली, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम,  
1961 के अधीन तारीख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
ग्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वाचित्व में कमी करने या उससे बचने में बाधना  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में बाधना  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
48—16GI/85

1. मै० गोपाल दास इस्टेट्स एण्ड हार्सिंग प्रा० लि०  
28 बाराखम्बा रोड,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री जितेन्द्र कुमार सुपुत्र श्री मखन लाल,  
निवासी 9809,  
कोरमान फोर्ट पोर्टोमैक एम० डी०—20854  
(यु० एस० ए०)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधना :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

स्पेस नं० 23, एन० जी० एफ० डा० गोपाल दाम  
भवन, 28-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, तादासी-502.43  
वर्गफीट।

आर० पी० राजेश

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 12-3-1985

माहुर :

प्रूप. आई. टी. एन. एस्. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 मार्च 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यू० 1/37 ई० ई०/  
7 84/1030—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० स्पेस 5 ब्लाक ई है तथा जो नेहरू प्लेस,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय  
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय-आयकर अधिनियम,  
1961, के अधीन तारीख जुलाई 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बन्धु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अपेक्षित अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित है—

(1) मै० नेहरू प्लेस होटल्स लि०,  
इरोज सीनेमा बिल्डींग,  
जंगपुरा एक्स० नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मै० मेहर इम्पेक्स इन्टरनेशनल प्रा० लि०,  
2 मंजिल, 16 कम्युनिटी सेन्टर,  
इस्ट आफ कैलाश,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहया शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

स्पेस नं० 5, ब्लाक 'ई' 7-मंजिल, होटल कम-कमसियल  
कमप्लेक्स, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, तादादी-735 वर्गफीट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 23-3-85

मोहर :



प्रकृष्ट भाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 11 मार्च 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ई० ई०/7/84

1031—अंतः सुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० स्पेस 1202 है तथा जो 13 टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन तारीख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूक यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरगतिगों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बालिष्ठ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्ति का जो जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा-269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीनत :—

(1) मै० बक्शी विक्रम विकास कन्सट्रक्शन कं० प्रा० लि०

13-टालस्टाय मार्ग,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मै० स्वस्तीका वूलन इन्डस्ट्रीज प्रा० लि० और  
मै० कार्नेशन स्पाइनिंग इन्डिया प्रा० लि०

वी०-44, ग्रेटर कैलाश-1,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्पेस नं० 1202, 12 मंजिल तादासी 820 वर्गफीट,  
13 टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली ।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख 11-3-1985

मोहर

**मोहर :**

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नयी दिल्ली

नयी दिल्ली, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्चू० 137ईई 7-84 1034

अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

जज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1101-ए, है तथा जो 7-टालस्टाय मार्ग, नयी दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-नई दिल्ली, आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक जुलाई 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल लिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) ग्रंथल प्रोपर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज प्रा० लि०  
115-ग्रंथल भवन, 16-के० जी० मार्ग,  
नयी दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) कुमारी शिजली वर्मा और कुमारी शिबानी वर्मा,  
निवासी—ए-9, ग्रेटर कैलाश-1,  
नयी दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1101-ए, प्रकाश दीप, 7-टालस्टाय मार्ग, नयी दिल्ली, तादादी 400 वर्गफीट ।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नयी दिल्ली-110002

दिनांक : 1-3-1985

माहूर

प्रकरण आर्ष. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

नगरपालिका

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, नयी दिल्ली

नयी दिल्ली, दिनांक 11 मार्च 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37/ईई7-84/6035—

यतः, मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन तक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एल०बी-5, है तथा जो 17-टालस्टाय मार्ग,  
नयी दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप  
से वर्गित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1,  
नयी दिल्ली आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक  
जुलाई, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) बन्धन से हुए किसी आय की आयदा, उक्त  
अधिनियम के अधीन कहे जाने के अन्तर्गत के करार  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) अंसल प्रोपर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज प्रा० लि०  
115-अंसल भवन, 16-कै० जी० मार्ग,  
नयी दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) कुमारी आर्ती गुप्ता  
207-सुखदेव विहार,  
नयी दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां कराए हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किया जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मन्सूफी

प्लेट नं० एल०बी०-5, बहु मंजिली मकान, प्लॉट नं०  
17-टालस्टाय मार्ग, नयी दिल्ली, तादादी 367 वर्ग फीट ।

आर० पी० राजेश

तक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज- दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 11-3-1985

मोहर

रक्षक भाई. टी. एच. एन. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नयी दिल्ली

नयी दिल्ली, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एचयू०/1, 37ईई/7-84/1036-

अन: सुभे आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000  
₹ से अधिक है

और जिसकी सं० ए-102, है तथा जो पालम अपार्टमेंटम  
ग्राम विजवाशन, नयी दिल्ली में स्थित है (और इससे  
उपावद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नयी दिल्ली भारतीय आय-  
कर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक जुलाई, 1984  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्त-  
रित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
अधिक प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय बाधा प्रति-  
कूल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अंतरण विहित के शास्त्रिक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी भाग की बाधक उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
करा कराने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तुओं  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रसंगार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
है या किया जाया जा रहा है, क्रियान में सुविधा  
के लिए

के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के अर्थात् :-

मत्त अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)

(1) मे० सिंगल होल्डिंग प्रा० लि०  
जी०-एफ०-19, मानसरोवर, बिल्डिंग, 90 नेहरू  
प्लेस, नयी दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मे० दीपक वधवा (एच० यू० एफ०)  
ए-331, डिफेंस कालोनी, नयी दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीया शुरू करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पाम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लट नं० ए-102, पालम अपार्टमेंट, ग्राम-विजवाशन  
नई दिल्ली, तादादी 859 वर्गफीट ।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110092

दिनांक: 11-3-85

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 मार्च 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/ए.क्यू०/1/37ईई/7-84/  
1037--यतः, मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० स्पेस नं० 17 ब्लाक ई है तथा जो नेहरूप्लेस, नई  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज--  
नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन,  
दिनांक जुलाई 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृष्टान्त  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा  
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-  
फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंत-  
रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया  
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैं नेहरू प्लेस होटल लि०,  
इरोन निनेमा बिल्डिंग, जंगपुरा एन०  
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मैं राज मन्दिर,  
सी०-2/35, सफदरजंग डबलपैसेंट एरिया,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

स्पेस नं० 17, ब्लाक 'ई' होटल काम-रूमणियल बमप्लेसम,  
नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, तादादो 638 वर्गफीट ।

आर० पी० राजेश  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 2-3-85

मोहर :

प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 मार्च 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू०/1/37ईई/7-84/1038-

यतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० स्पेस नं० 15 और 16 ब्लॉक 'ई' है तथा जो नेहरू  
प्लेन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार की अधिकारी के  
कार्यालय, अर्जुन रेंज-I, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम,  
1961 के अधीन, दिनांक जुलाई, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
क्षयित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
49—16GI/85

(1) मै० नेहरू प्लेन होटलम् लि०,  
इरोज भिनेमा बिल्डिंग, जंगपुरा एफ०,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै० नरेश कुमार कोल मल्टा प्रा० लि०,  
43, चौरांची रोड, कलकत्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

स्पेस नं० 15 और 16, ब्लॉक 'ई' 8वीं मंजिल, होटल-ब-म-  
कर्मशियल कमप्लेक्स, नेहरू प्लेन, नई दिल्ली।  
तादादी—1276 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज-I,

दिनांक 2-3-85  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 मार्च 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू०/1/37ईई/7-84/  
1040--यतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० स्पेस नं० 20/ब्लाक 'ई' है तथा जो नेहरू प्लेस,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची और में पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-I,  
नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन,  
दिनांक जुलाई 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
दायित्व के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) मै० नेहरू प्लेस होटल लि०,  
इरोज फ़िनेमा बिल्डिंग, जंगपुरा एक्सटेंशन,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मै० टूकस प्रोजेक्ट्स इण्डिया (प्रा०) लि०,  
एन-94, ग्रेटर कौलाश-2, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्षे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

स्पेस नं० 20, ब्लाक 'ई' 6-मंजिल, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली,  
होटल-कम-कमर्शियल कम्प्लेक्स, तादादी--651 वर्गफीट ।

आर० पी० राजेश  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I

दिनांक 2-3-85  
मोहर



प्रकृष बाई.टी.एन.एस. -----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना**

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 मार्च 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37/ईई/7-84/

1041-यत मुखे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० स्पेन नं० 3/बना 3 'ई' है तथा जो नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक जुलाई 1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि तथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ह्यमान प्रतिफल से ऐसे ह्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

(1) मै० नेहरू प्लेस होटल लि०  
इरोज सिनेमा बिल्डिंग, जंगपुरा एक्सटेंशन,  
नई दिल्ली।  
(अन्तरक)

(2) श्री राहुल पाल और मास्टर रिशी पाल,  
मास्टर गुनजन पाल, अभिभावक श्रीमती आशा पाल  
पत्नी श्री एम० डी० पाल,  
निवासी--बी-5/175 सफदरजंग इन्क्लेव,  
नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवन्ध सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहस्ताक्षरों के पास निम्नलिखित में प्रकट जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्पेन नं० 3, बनाक 'ई' 8 मंजिल, होटल-कम-कमशियल  
कमप्लेक्स नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, तादादो—802 वर्गफीट।

आर० पी० राजेश  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक 2-3-1985  
मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 मार्च 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/7-84/1042-

यतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० स्पेस नं० 4, ब्लॉक 'ई' है तथा जो नेहरू प्लेस, नई  
दिल्ली में स्थित है (और इस उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीद्वारा अधिकारी के वायव्य, अर्जन रेंज-I,  
नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन,  
दिनांक जुलाई 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, इस दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पास  
नया प्रावधान, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उसके बढ़ने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
जाया या किमा जाना चाहिए या छिपाने में  
सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1) मै० नेहरू प्लेस होटल्स लि०,  
बरोज सिनेमा बिल्डिंग, जंगपुरा एक्स०,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै० बी० ए० संघु एण्ड एसोसिएट्स प्रा० लि०,  
ए०-38, ग्रेटर कैलाश-1 नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में अहित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के  
पास लिखित में किया जा सके।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

स्पेस नं० 4, ब्लॉक 'ई' 7-वीं मंजिल, होटल-कम-कमर्शियल  
कम्प्लेक्स, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, तादादी 735 वर्गफुट।

आर० पी० राजेश  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I,

दिनांक : 2-3-1985  
मोहर :

प्रारूप भाग 'डी.एन.एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 मार्च 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/7-84/1044--

यतः, मुसे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० स्पेस नं० 1, ब्लॉक 'ई' है तथा जो नेहरू प्लेस,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन  
रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम, 1961  
के अधीन, दिनांक जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दसमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दसमान प्रतिफल से, ऐसे दसमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) को बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वसत, उक्त  
अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरक के  
कारण से कभी कलने या बड़े करने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिसमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) मै० नेहरू प्लेस होटल लि०,  
इरोज सिनेमा बिल्डिंग, जंगपुरा एक्सटेंशन,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै० अटलांटिक इंजीनियरिंग सर्विस प्रा० लि०,  
16-कम्युनिटी सेण्टर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में जमापत होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तक्षेप  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

स्पेस नं० 1, ब्लॉक 'ई' 7-वीं मंजिल, होटल-कम-कमशियल  
कम्प्लेक्स, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, तादादी 1018 वर्गफीट।

आर० पी० राजेश  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 2-3-85

मोहर :

प्रकृष बाई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 मार्च 1985

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/7-84/1045-

अतः, मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नेहरू 6 ब्लाक 'ई' है तथा जो नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में पूरा रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन, दिनांक जुलाई 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गये गये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मे० नेहरू प्लेस होटल्स लि०  
इरोज सिनेमा बिल्डिंग, जंगपुरा एक्सटेंशन,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री बलराज सिंह, श्री हसन सिंह और श्री अलफर्ड सिंह  
सुपुत्रगण श्री एच० एस० मेजी,  
निवासी—मकान नं० 55, सेक्टर 2-ए, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्पेस नं० 6, ब्लाक 'ई' 7-वीं मंजिल, होटल-कम-कर्मशाला  
कम्प्लेक्स, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, तादादी 735 वर्गफीट।

आर० पी० राजेश  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 2-3-85

मोहर :

प्रकट बाई. टी. एन. एस. :-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/3788/7-84/  
1046—अतः, मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० स्पेस 104, है तथा जो 17 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक जुलाई, 1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) मे० इमन्सम कारपोरेशन,  
3830-पटौदी हाउस, मार्ग—हरिया गंज,  
नई दिल्ली, द्वारा भागीदार श्री एम० एस० सेठी ।  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुमन सेठिया पत्नी श्री आर० के० सेठियारा,  
निवासी—एफ०-111/18 लाजपत नगर,  
नई दिल्ली ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्पेस सं० 104, लोवर ग्राउण्ड फ्लोर 17—बाराखम्बा रोड,  
नई दिल्ली, तादावी 217.2 वर्ग फीट ।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 11-3-85

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/7-84/1047—

अतः, मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और ज़िमकी सं० 1002, है तथा जो 6 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली,  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई  
दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन, दिनांक  
जुलाई, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्य-  
मान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कोष्ठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाधित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मे० ईस्ट इण्डिया कर्मशियन कं० प्रा० लि०  
11-मंजिल, न्यू दिल्ली हाउस, 27 बाराखम्बा रोड,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) डा० जयन्त मनहोत्रा,  
निवासी—बी-47, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० 1002, दसवीं मंजिल, 6-नेहरू प्लेस, नई दिल्ली,  
देविका टावर, ताबादी 400 वर्गफीट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 11-3-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/7-84/

1048-अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस-474 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1,  
नई दिल्ली, में भारतीय, आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन,  
दिनांक जुलाई, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :  
50-16GI/85

(1) श्री इन्दरजीत सिंह,  
एम-103, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मे० क्रीटिव इण्टरा लि०,  
23-नेताजी सुभाष मार्ग, कलकत्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० एस-474, ताबादी 459.86 वर्ग मीटर, ग्रेटर  
कैलाश, भाग-2, नई दिल्ली, 2-1/2 मंजली बिल्डिंग।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 11-3-1985

मोहर :

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 2nd March 1985

No. A. 32014/1/85-Admn.III.—The President is pleased to appoint the following regular Assistants of the CSS cadre of the Union Public Service Commission as Section Officers on *ad-hoc* basis in the office of the Union Public Service Commission for the period indicated against each or until further orders, whichever is earlier :—

| Sl. No. | Name            | Period of ad-hoc appointment |
|---------|-----------------|------------------------------|
| 1.      | Shri Bir Inder  | 1-3-85 to 30-4-85            |
| 2.      | Shri C.L. Jasra | 1-3-85 to 14-4-85            |

The 4th March, 1985

No. A. 32014/1/84-Admn.III.—In partial modification of this office Notification No. A. 32014/1/84-Admn. III. dated 25th July, 1984, the President is pleased to appoint the following Section Officers of the C.S.S. Cadre of the Union Public Service Commission to perform the duties of Desk Officers in the office of the Union Public Service Commission on *ad-hoc* basis for the period indicated against each or until further orders, whichever is earlier :

| Sl. No. | Name                  | Period of ad-hoc appointment |
|---------|-----------------------|------------------------------|
| 1.      | Shri Jit Ram          | 13-7-84 to 17-8-84           |
| 2.      | Shri N.M.L. Bhatnagar | 13-7-84 to 26-8-84           |
| 3.      | Shri Ram Autar        | 13-7-84 to 26-8-84           |
| 4.      | Shri Sudesh Kumar     | 13-7-84 to 26-8-84           |

2. They shall draw a special pay @ Rs. 75/- p.m. in terms of Deptt. of Personnel and A. Rs. O.M. No. 12/1/74-CS(I), dated 11-12-1975.

The 5th March 1985

No. A.3201864/83-Admn.II.—In continuation of this Office notification of even number dated 24-11-1984, the Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri S. Ramakrishnan, Senior Investigator, National Building Organisation to the post of Junior Research Officer (Research & Analysis) in the Commission's office on transfer on deputation for a further period of 3 months w.e.f. 11-1-85 to 10-4-85 or until further orders whichever is earlier.

2. This extension of the deputation period is with the approval of Chairman, Union Public Service Commission as the Head of the Department.

3. The pay of Shri S. Ramakrishnan will continue to be regulated in accordance with the instructions contained in the Ministry of Finance (Deptt. of Expenditure) O.M. No. F.1(11)-E.III(B)/75 dated 7-11-1975.

No. A.32013/4/84-Admn.II.—The Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri H. M. Biswas, Under Secretary in the office of Union Public Service Commission to the post of Officer on Special Duty (Schemes & Syllabi Revision) (Group 'A'-Rs. 1500-60-1800) in the Commission's office on *ad-hoc* basis for the further period from 1-3-1985 to 30-4-1985 or until further orders whichever is earlier.

2. The appointment of Shri H. M. Biswas as OSD (S&SR) is purely on *ad-hoc* basis and will not confer upon him any title for regular appointment or for seniority in the grade.

The 6th March 1985

No. A.320184/83-Admn.II.—In continuation of this Office Notifications of even number dated 23-10-1984 and 7-2-1985, the Chairman, Union Public Service Commission hereby appoints the following Programme Assistant-cum Console Operators in the Office of Union Public Service Commission as Programmers in the Commission's Office on *ad-hoc* basis

for the further period as mentioned against them, or until further orders whichever is earlier :—

1. Shri D. R. Anand.—13-1-1985 to 31-3-1985.
2. Shri V. K. Vohra.—13-1-1985 to 31-3-1985.
3. Smt. Rita Tulsaney.—16-2-1985 to 31-3-1985.

2. These appointments are purely on *ad-hoc* basis and will not confer upon these Officers any title for regular appointment or seniority in the post of Programmer.

M. P. JAIN, Under Secy. (Admn.)  
Union Public Service Commission

New Delhi the 8th March 1985

No. A. 3714/1/85-Admn.III.—The President is pleased to appoint the following Section Officers of the CSS cadre of the Union Public Service Commission to perform the duties of Desk Officers on *ad-hoc* basis in the office of the Union Public Service Commission for the period indicated against each or until further orders, whichever is earlier :—

| Sl. No. | Name                 | Period of ad-hoc appointment |
|---------|----------------------|------------------------------|
| 1.      | Shri Inderjit Singh  | 6-3-1985 to 30-6-85          |
| 2.      | Shri R.P. Saroj (SC) | 6-3-85 to 30-6-85            |

2. The above noted officers shall draw special pay @ Rs. 75/- p.m. in terms of Deptt. of Personnel and A.Rs. O.M. No. 12/1/74-CS(I), dated 11-12-1975.

S. BANERJEE,  
Under Secy (Admn.),  
Union Public Service Commission.

## CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 18th March 1985

No. 2/4/84-Admn.—In partial modification of this Commission's Notification of even number dated 12-2-1985, Shri Surinder Paul, permanent Section Officer and officiating P. S. to C.V.C., who was promoted as Under Secretary for a period of 89 days with effect from 10-12-1984 stands reverted with effect from the afternoon of 28th Feb., 1985 and is hereby reappointed as P. S. to C.V.C. with effect from the forenoon of 1st March, 1985.

K. L. MALHOTRA, Under Secy. (Admn.)  
for Central Vigilance Commission.

## DIRECTORATE OF COORDINATION

(POLICE WIRELESS)

New Delhi-3, the 18th March 1985

No. A.12012/1/81-Admn.II.—In continuation of this Directorate's notification of even number dated 6-8-84, the Director, Police Telecommunications is pleased to appoint the following Senior Technical Assistants of the Directorate of Coordination (Police Wireless) as Extra Assistant Director in the Directorate of Coordination (Police Wireless) in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- on *ad-hoc* basis for a further period of three months with effect from the forenoon of 3rd February, 1985 or till the posts are filled up on regular basis, whichever is earlier.

1. Shri R. V. Sethi.
2. Shri Jai Chand.

B. K. DUBE, Director.  
Police Telecommunications.



DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.  
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 19th March 1985

No. A-19020/3/78-Ad.V.—The services of Shri S. K. Saini, IFS (Maharashtra—1969) Dy. Insp. Genl. of Police, Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment, Bangalore Branch, on repatriation, are placed at the disposal of Govt. of Maharashtra with effect from the forenoon of 4th March, 1985.

The 23rd March 1985

No. 3/4/85-AD.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri Braj Mohan Prasad Singh as Public Prosecutor/CBI with effect from the afternoon of 26-2-85 in a temporary capacity.

No. A-190-21/10/80-AD.—The services of Shri B. N. P. Alouqueque IFS (Karni-1969) Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment, Bangalore Branch on repatriation, are placed at the disposal of Govt. of Karnataka with effect from the afternoon of the 13th March, 1985.

The 25th March 1985

No. A-35016/13/84-Ad.I.—The services of Shri K. G. Vidyasagar, Superintendent of Police, Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment are placed at the disposal of United India Insurance Co. Ltd., Madras with effect from the afternoon of 15th March, 1985, on deputation as Officer-on-Special Duty for a period of one year from the date he takes over charge.

R. S. NAGPAL  
Administrative Officer (E) CBI.

BUREAU OF POLICE RESEARCH & DEVELOPMENT

New Delhi-110001, the 25th March 1985

No. 3/22/77-Adm.II.—Shri Gurudas Mukherjee, Deputy Superintendent of Police, Calcutta on deputation to the Central Detective Training School, Calcutta relinquished charge of the post of Deputy Superintendent of Police Central Detective Training School Calcutta on 31-1-1985 (A.N.)

2. On the relinquishment of the charge of the post of Dy. S. P., CDTS, Calcutta, the services of Shri Gurudas Mukherjee are placed at the disposal of the Commissioner of Police, Calcutta with effect from the afternoon of 31st January, 1985.

S. K. MALIK  
Director General.

DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-110 003, the 22nd March 1985

No. 0.II-1065/72-Estt.—The services of Shri R. L. Bhatt, Assistant Commandant (Joint Assistant Director (EDP) of this Directorate General are placed at the disposal of the Association of State Road Transport Undertaking, India on deputation basis (Foreign service) with effect from 8-3-85 (AN).

The 23rd March 1985

No. O.II-2006/85-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. S. Sidhartha Rao as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 5th March, 1985 for a period of three months or till recruitment to the post is made on a regular basis whichever is earlier.

M. P. JAKHMOLA  
Assistant Director (Estt.)

DIRECTORATE GENERAL  
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE  
New Delhi-110003, the 22nd March 1985

No. E-32015(4)/78-Pers.I.—President is pleased to appoint Shri Sumit Kumar Das, on promotion as Assistant Commandant (JAO) in CIsF Unit BHEL Bhopal with effect from the forenoon of the 10th March 1985.

A. K. SAXENA  
Director General/CISF.

MINISTRY OF LABOUR & REHABILITATION  
LABOUR BUREAU

Simla-171004, the 6th April 1985

No. 23/8/85-CPI.—The All India Consumer Price Index Number for industrial workers on base 1960=100 decreased by three points to reach 585 (five hundred eighty five), for the month of February, 1985. Converted to Base : 1949=100 the index for the month of February, 1985 works out to 711 (seven hundred eleven).

J. N. SHARMA  
Jt. Director/Head of Department  
Labour Bureau

MINISTRY OF FINANCE  
DEPARTMENT OF ECO. AFFAIRS

Nasik Road, the 23rd March 1985

No. 691/5.—In continuation of this office Notification No. 2480/A, dated the 24th March 1982, the appointment of Shri P. S. Murthy as Accounts Officer in India Security Press is further extended on regular deputation basis w.e.f. 23-3-85 to 22-3-1985.

Sd/-  
P. S. SHIVARAM  
General Manager,  
India Security Press.

INDIA GOVERNMENT MINT

Bombay, the 6th March 1985

No. 1-167/536/Admn/85.—The General Manager, India Govt. Mint, Bombay is pleased to promote Shri D. D. Koli, Permanent Assit. Assay Superintendent in the scale of Rs. 550-25-750-EB-30-900/- to officiate as Assay Superintendent (Group 'B' Gazetted) in the scale of pay of Rs. 840-40-100-EB-40-1200/- with effect from 1-11-1984 and upto 30-4-1985 on purely ad hoc basis in the vacancy caused by the promotion (ad-hoc) of Shri S. V. Khadilkar as Dy. Chief Assayer.

The ad-hoc appointment will not entitle him to any claim on seniority, confirmation, future promotion etc.

G. R. KAHATE  
General Manager.

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT  
CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 22nd March 1985

No. Admn.I/O.O.No. 75.—Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri B. K. Sharma, a permanent Audit Officer of this office, will be retiring from the service of the Government of India with effect from the afternoon of 31st March, 1985. His date of birth is 11th March, 1927.

The 26th March 1985

No. Admn.I/O.O. No. 791.—Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri Santosh Krishna, an Assistant Audit Officer of this office will be retiring from service

of the Government of India with effect from the afternoon of the 31st March, 1985. His date of birth is 21-3-1927.

**M. L. KHURANA**  
Dy. Director of Audit (Admn.)

#### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL AUDIT

Trivandrum, the 22nd March 1985

No. Entt & Cash/1/10-3-84-85/173.—Shri N. Madhavan Nair, Audit Officer Office of the Accountant General (Audit) Kerala, Trivandrum retired from Government service on superannuation on 28-2-1985 A.N.

**V. LAKSHMINARAYANAN**  
Accountant General

#### DGOF HEADQUARTERS CIVIL SERVICE

##### ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-700 001, the 1st March 1985

No. 2/85/A/E-1(NG).—On attaining the age of superannuation, Shri Amal Kanti Shome, Offg. Assistant Staff Officer (Substantive and permanent Asstt.), retired from service with effect from 28-2-1985 (A.N.).

**S. DASGUPTA**  
Director Admn.  
for Director General, Ordnance Factories.

#### MINISTRY OF COMMERCE OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 18th March 1985

##### IMPORTS AND EXPORTS TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 6/1231/77-ADMN(G)/1540.—On attaining the age of superannuation, Shri Manjit Singh, Controller of Imports & Exports in the office of Joint Chief Controller of Imports & Exports (Central Licensing Area), New Delhi has retired from Government service with effect from the afternoon of 28-2-1985.

**M. P. ISAAC, Dy. C.C. of I&E**  
for Chief Controller of Imports & Exports

#### MINISTRY OF COMMERCE & SUPPLY DEPARTMENT OF SUPPLY NATIONAL TEST HOUSE

Calcutta-27, the 21st March 1985

No. G-65/S.O.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, New Delhi, the Director General, National Test House, Calcutta is pleased to appoint the following persons as Scientific Officers (Electrical) & Scientific Officer (Mechanical) in the National Test House, Bombay and Ghaziabad with effect from the date as mentioned against each on a temporary basis until further orders :—

| Sl. No. | Name                    | Appointed to the post of        | Date of appointment | In the Office                 |
|---------|-------------------------|---------------------------------|---------------------|-------------------------------|
| 1.      | Sri Mohammed Najumuddin | Scientific Officer (Electrical) | 11-10-84            | National Test House Bombay    |
| 2.      | Shri D. K. Karmakar     | Scientific Officer (Electrical) | 13-11-84            | National Test House Ghaziabad |
| 3.      | Sri Anil Chopra         | Scientific Officer (Mechanical) | 30-11-84            | Do.                           |

**J. M. BHATTACHARJEE**  
Deputy Director (Administration)  
for Director General  
National Test House

#### MINISTRY OF INDUSTRY DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 22nd March 1985

No. 12/163/61-Admn.(G) Vol. III.—The President is pleased to compulsorily retire Shri J. N. Mahajan, Deputy Director (Leather/Footwear), Small Industries Service Institute, Hyderabad from Government Service with effect from the afternoon of 15th June, 1984.

The 23rd March 1985

No. A-19018(712)/84-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Tula Ram Katheria, Senior Technical Assistant Chief Inspectorate of Warship Equipment, Bombay as Asstt. Director (Gr. I) (Met) at Small Industries Service Institute, Karnal with effect from the forenoon of 25-2-1985 until further orders.

The 25th March 1985

No. 12(510)/65-Admn.(G) Vol. III.—On completion of his tenure of deputation as Mechanical Engineer in Bangladesh under UNIDO, Shri T. R. Sehgal, assumed charge of the post of Deputy Director (Mech.) in the office of the Development Commissioner (Small Scale Industries) New Delhi with effect from the forenoon of 4-3-1985.

No. A-19018(732)/84-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Vijay Shankar Prasad Ambastha, Laboratory Superintendent, Railway Workshop, Bikaner as Asstt. Director (Gr. I) (Met.) at Small Industries Service Institute, Ludhiana with effect from the forenoon of 25-2-1985 until further orders.

**C. C. ROY, Dy. Director (Admn.)**

#### DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

(ADMN. SECTION A6)

New Delhi-110001, the 18th March 1985

No. A-32013/2/78-A6.—The President is pleased to appoint the following Officers of the Indian Inspection Service, Group 'A' (Engineering Branch) to officiate as Deputy Director of Inspection (Engg.) (Indian Inspection Service, Group 'A') (Engineering Branch) on regular basis in the scale of pay of Rs. 1100(6th year or under)-50-1600 with effect from 22-12-1984 and until further orders :—

| Sl. No. | Name and Designation of the Officer | Station/Circle where working          | Remarks                                  |
|---------|-------------------------------------|---------------------------------------|--|
| 1       | 2                                   | 3                                     | 4  |
|         | S/Shri                              |                                       |  |
| 1.      | V.K. Sridhar                        | Bombay Inspection Circle, Bombay.     |  |
| 2.      | P.K. Mishra                         | Madras Inspection Circle, Madras.     |  |
| 3.      | N.N. Bhaduri                        | Calcutta Inspection Circle, Calcutta. | Retired from Service w.e.f. 31-1-85 (AN) |
| 4.      | S.K. Gautam                         | Pune, under Bombay Inspection Circle. |  |
| 5.      | R.P. Sehgal                         | N.I. Circle, New Delhi.               |  |
| 6.      | V. Subramanian                      | Calcutta Inspection Circle, Calcutta. |  |
| 7.      | Rajinder Prasad                     | Calcutta Inspection Circle, Calcutta. |  |

|                          |   |
|--------------------------|---|
| 8. Roshan Lal            | DGS&D (Hd. Qrs.) New Delhi.                   |
| 9. R.P. Singh            | Madras Inspection Circle, Madras.             |
| 10. S.C. Chadha          | Hyderabad, under Bangalore Inspection Circle. |
| 11. S.K. Kataria         | Bangalore Inspection Circle, Bangalore.       |
| 12. P. Jayakumaran Nair  | Bombay Inspection Circle, Bombay.             |
| 13. U.R. Majumdar (S.C.) | Kulur, under Calcutta Inspection Circle.      |
| 14. I.C. Kanna           | DGS&D (Hd. Qrs) New Delhi.                    |
| 15. R.C. Sharma          | N.I. Circle, New Delhi.                       |
| 16. P. Madhavan (S.C.)   | Ahmedabad, under Bombay Inspection Circle.    |

2. The above appointments are subject to the outcome of the three L.Ps. No. 67/83, 68/83 and 69/83 filed by U.O.I. in Delhi High Court and WP No. 3031/83 and 35/83 filed by Shri S.C. Anand, DDI (Engg.) in Bombay High Court and transferred to Delhi High Court which are still pending in Delhi High Court and WP No. 1277/78 filed by Sri O.D. Sangar in Delhi High Court.

No. A-1/1(1020).—Shri V. K. Sankaralingam permanent Asstt. Director (Admn.) (Gr. II), officiating Asstt. Director (Admn.) (Gr. I) in the office of Director of Supplies and Disposals, Madras, retired from government service with effect from the afternoon of 28th February 1985, on attaining the age of superannuation.

S. L. KAPOOR, Dy. Dir., (Admn.)

ISPAT AUR KHAN MANTRALYA  
(KHAN VIBHAG)  
GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA  
Calcutta-16, the 16th March 1985

No. 1303D/A-19012(3HKN)/82-19B.—Shri Hrishikesh Naskar, Assistant Chemist, GSI, has made over charge in GSI with effect from the afternoon of 26-11-84, for joining the post of Jt. Block Development Officer in Govt. of West Bengal.

A. KUSHARI, Director (Personnel)

INDIAN BUREAU OF MINES  
Nagpur, the 18th/19th March 1985

No. A-19012(143)/81-Estt.A.—Shri S. Ramamoorthy, Permanent Senior Technical Assistant (Publication), Indian Bureau of Mines has been appointed to the post of Publication Officer on adhoc basis for a period of 6 months or till a regular candidate nominated by the Departmental Promotion Committee joins duty whichever is earlier, in the Indian Bureau of Mines, with effect from the forenoon of 22nd February, 1985.

The 21st March 1985

No. A-19011(191)/78-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri C.L.V.R. Anjaneyulu, permanent Assistant Controller of Mines to the post of Deputy Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines on ad-hoc basis with effect from 31-1-85 afternoon, for a period of 6 months or till the post is filled on regular basis through Departmental Promotion Committee/Union Public Service Commission, whichever is earlier.

No. A.19011(302)/82-83-Estt.A.—Shri V. Anandan, Superintending Mineral Economist (Statistics), Indian Bureau of Mines has relinquished the charge of the said post with

effect from 27-2-85 (Afternoon) on his appointment as Adviser (Statistics) in the Directorate of Management Information System, Ministry of Defence, New Delhi.

P. P. WADHI, Adm Officer  
for Controller General,  
Indian Bureau of Mines

DIRECTORATE GENERAL ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 25th March 1985

No. 4(33)/84-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri N. Srikanth Kavalan as Programme Executive at AIR, Calicut in a temporary capacity with effect from 28th February, 1985, and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-1200.

No. 4(61)/84-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Smt. Bibha Chakravarti as Programme Executive at DDK, Calcutta in a temporary capacity with effect from 8th February, 1985 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-1200.

H. C. JAYAL, Dy. Director of Adm.  
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING  
FILMS DIVISION

Bombay-26, the 19th March, 1985

No. A-12026/10/81-Est.I(RC).—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the competent authority has appointed Shri M. Selvam to officiate as Branch Manager, Films Division, Madurai on a pay of Rs. 650/- p.m. in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 with effect from the forenoon of 11-3-1985 until further orders.

N. N. SHARMA, Administrative Officer  
for Director of Administration

SWASTHYA SEWA MAHANIDESHALYA

New Delhi, the 15th March 1985

No. A.22012/4/83-CGHS.I.—Consequent upon her transfer from Central Govt. Health Scheme, Meerut to Central Government Health Scheme, Delhi, Dr. (Kum.) Madhur Bhatnagar relinquished charge of the post of Homoeopathic Physician under Central Government Health Scheme, Meerut with effect from the afternoon of the 28th February, 1985 and assumed charge of the post of Homoeopathic Physician under Central Govt. Health Scheme, Delhi with effect from the forenoon of the 1st March, 1985.

G. N. SREEKUMARAN  
Dy. Director (Admn.) (CGHS.I.)

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE  
(PERSONNEL DIVISION)

Bombay-400 085, the 19th March 1985

No. PA/73(1)/85/R-IV/281.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Dr. Shashikumar Sethi as Resident Medical Officer in Medical Division of this Research Centre in a purely temporary capacity with effect from the forenoon of February 18, 1985 to the afternoon of May 10, 1985.

N. L. VENKATESWARAN,  
Dy. Establishment Officer.

**DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY  
DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES**

Bombay-400001, the 16th March 1985

No. Ref. DPS/2/1(26)/83-Adm./7764.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri J. J. Pereira, a permanent Purchase Assistant to officiate as Assistant Purchase Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 1-3-85 (FN) to 31-5-85 (AN), in the same Directorate.

**P. GOPALAN,**  
Administrative Officer.

**NUCLEAR POWER BOARD**

Bombay-5, the 12th March 1985

No. NPB/3(236)/85-Estt.I/2645.—Director (Engineering), Nuclear Power Board, Bombay hereby appoints Shri P. C. Acharya, Scientific Assistant 'D' of this Board as Scientific Officer/Engineer Grade SB in this Board in a temporary capacity with effect from the forenoon of February 1, 1985 until further orders.

**R. V. BAJPAI,**  
General Administrative Officer  
for Director (Engg.).

**NUCLEAR FUEL COMPLEX**

Hyderabad-500762, the 9th March 1985

No. PAR/0704/384.—Further to this office notification No. PAR/0704/202 dated 4-2-1985, the appointment of Shri N. Bharathan, Asstt. Accountant, to officiate as Asstt. Accounts Officer, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-FB-40-960 on ad-hoc basis is extended upto 30-3-1985 or until further orders, whichever is earlier.

**G. G. KULKARNI,**  
Manager, Personnel & Adm.

**ATOMIC MINERALS DIVISION**

Hyderabad-16, the 21st March 1985

No. AMD-16/9/85-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby extends the officiating appointment of Shri O. Bharathan, a permanent Senior Stenographer, Atomic Minerals Division as Assistant Personnel Officer in the same Division on an ad-hoc basis from November 30, 1984 until further orders.

**S. PADMANABHAN,**  
Sr. Administrative & Accounts Officer.

**ISRO SATELLITE CENTRE  
DEPARTMENT OF SPACE**

Bangalore-560017, the 15th March 1985

No. 020/1(15.4)/85-Estt.—Director ISRO Satellite Centre is pleased to accept the resignations from the service of the following persons, in the ISRO Satellite Centre, Bangalore, of the Department of Space with effect from the dates indicated against each.

| Sl. No. | Name               | Designation   | Date            |
|---------|--------------------|---------------|-----------------|
| 1.      | Shri Keshava Nayak | Sci/Engr-'SB' | 28-2-1985 (A/N) |
| 2.      | Shri Abdullah Khan | Sci/Engr-'SB' | 08-3-1985(A/N)  |

The 15th March 1985

No. 020/1(15.1)/85-Estt.—Director, ISRO Satellite Centre is pleased to appoint the undermentioned persons to posts with effect from the forenoon of the dates indicated against each, in

the ISRO Satellite Centre, Bangalore, of the Department of Space, on a temporary basis and until further orders :

| Sl. No. | Name                | Designation   | Date       |
|---------|---------------------|---------------|------------|
|         | S/Shri              |               |            |
| 1.      | Deviprasad Karnik   | Sci/Engr-'SB' | 16-08-1984 |
| 2.      | Ashok Kumar         | Sci/Engr-'SB' | 25-10-1984 |
| 3.      | R. Rama Subramanian | Sci/Engr-'SB' | 15-11-1984 |
| 4.      | M.A. Sadananda Rao  | Sci/Engr-'SB' | 10-12-1984 |

**H.S. RAMA DAS**  
Administrative Officer-II

**VIKRAM SARABHAI SPACE CENTRE**

Trivandrum-695022, the 15th March 1985

No. VSSC/EST/F/1(17)—The Director, VSSC hereby appoints on promotion the undermentioned officials in the Vikram Sarabhai Space Centre (VSSC) of the Department of Space as Scientist/Engineer 'SB' in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- with effect from the forenoon of the dates indicated against each and until further orders:

| Sl. No. | Name               | Date     | Division  |
|---------|--------------------|----------|-----------|
| 1.      | Shri S. Sidhardhan | 1-4-1983 | TAF/MTG   |
| 2.      | NM Mohan Rao       | 1-10-83  | GSS/TERLS |

**G. MURALIDHARAN NAIR**  
Administrative Officer-II (EST)  
For Director-VSSC

**OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION**

New Delhi, the 13th February 1985

No. A.32013/1/83-EW.—The President is pleased to appoint Shri L. C. Gupta, Assistant Director (Eqpt.) on promotion to the grade of Deputy Director (Equipment), Civil Aviation Department for a further period from 10-11-1984 to 4-4-1985 on ad hoc basis, or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

2. Shri L. C. Gupta is posted in the office of the Director General of Civil Aviation, R. K. Puram, New Delhi.

The 28th February 1985

No. A. 31014/1/84-EW.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the undermentioned officer in substantive capacity in the grade of Assistant Fire Officer, in Civil Aviation Department with effect from the date shown against each:

| Sl. No. | Name                   | Station of present posting | Date of confirmation as Asstt. Fire Officer |
|---------|------------------------|----------------------------|---|
| 1.      | Shri Amalendu Banerjee | F.S.T.C., Calcutta         | 15-3-1980                                   |
| 2.      | Shri S. R. Biswas      | Bombay                     | 15-3-1980                                   |
| 3.      | Shri Vishram Singh     | Lucknow                    | 12-4-1982                                   |
| 4.      | Shri H. S. Rawat       | Hyderabad                  | 12-4-1982                                   |

The 8th March 1985

No. A.32013/2/82-EW.—The President is pleased to appoint Shri K. V. Krishnan Electrical & Mechanical Officer, to the grade of Assistant Director (Eqpt.) in the Civil Aviation Department for a period from 13-3-1984 to 24-9-1984.

2. The ad hoc appointment of Shri Krishnan in the grade of Assistant Director (Eqpt.) will not bestow on him a claim

of regular appointment and the service so rendered on ad hoc basis would neither count for the purpose of seniority in the grade nor eligibility for promotion to the next higher grade.

3. Shri K. V. Krishnan is posted to the Office of Regional Director, Calcutta Region, Calcutta.

G. B. LAL.  
Assistant Director of Administration.

CENTRAL WATER AND POWER RESEARCH STATION  
PO KHADAKWASLA RESEARCH STATION

Pune-24, the 22nd February 1985

No. 608/191/85-Adm.—In continuation of this office notification of even number dated 19-9-83 and dated 25-8-84, the Director, Central Water and Power Research Station, Khadakwasla, Pune-24, hereby extends the appointment of Mrs. Rohini Vijayakumar Karkhanis, Hindi Translator, CWPRS, as Hindi Officer on deputation basis for a further period of six months in the CWPRS, Pune, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 17th February, 1985. The terms and conditions of her deputation will be same as contained in this office Notification No. 608/191/83-Admn. dated 19-9-1983.

K. N. PAULOSE  
Accounts Officer  
Incharge Administration

MINISTRY OF RAILWAYS  
(RAILWAY BOARD)

New Delhi, the February 1985

No. 82-RE/161/6.—It is hereby notified for information of all users of Railway Lines and premises situated on the under noted sections of 'Southern Railway' that the Overhead Traction Wires on these Lines have been energised at 25000 Volts AC on the dates specified against the sections. The Overhead Traction Lines shall be treated as LIVE at all times and no unauthorised person shall approach or work in the proximity of the said overhead Lines.

Section & Date

Arakkonam-Tiruttani—28-10-1983.  
Tiruttani-Renigunta—25-12-1984

NOTICE

The 22nd March 1985

No. 82-RE/161/6.—It is hereby notified for information of all users of Railway Lines and Premises situated on the under noted sections of 'Western Railway' that the Overhead Traction Wires on these lines will be energised at 25000 Volts AC on or after the date specified against the sections. On & from the same date the Overhead Traction Lines shall be treated as LIVE at all the times and no unauthorised person shall approach or work in the proximity of the said overhead lines.

Section & Date

Vadodara (excl)-Samalya (incl) (including Bajuwa chord)  
(Km. 424)—15-02-1985.

Samlaya (excl)-Godhra excl Godhra Yard (Km. 424 to 470)—15-02-1985.

Godhra-Dahod (incl) (km. 470 to 542/21-22)—31-03-1985.

A. N. WANCHOO,  
Secy., Railway Board

MINISTRY OF INDUSTRY AND COMPANY AFFAIRS  
DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS  
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES.  
MADHYA PRADESH, GWALIOR

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
M/s Kshipra Leathers Private Limited, Dewas*

Gwalior-474009, the 22nd March 1985

No.1479/PS/CP/493.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s Kshipra Leathers Private Limited, Dewas (M.P.), has this day been struck-off the Register and the said company is dissolved

S. KARMAKAR  
Registrar of Companies,  
Madhya Pradesh, Gwalior

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
M/s. Triveny Estate Agencies Private Ltd.*

Bangalore, the 25th March 1985

No. 4550/560/84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of B/s Triveny Estate Agencies Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
M/s Bangalore Real Estate & Properties Private Ltd.*

Bangalore, the 25th March 1985

No. 4574/560/84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s Bangalore Real Estate & Properties Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
M/s Cauveri Housing Development Private Ltd.*

Bangalore, the 25th March 1985

No. 4575/560/84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s Cauveri Housing Development Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd/- ILLEGIBLE  
Registrar of Companies,  
Karnataka, Bangalore

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
KALATHIPARAMBU ROAD

Cochin-682 016, the 7th March 1985

Ref. L.C. 732/84-85.—Whereas I, MRS. SACHI CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 28-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Sri E. M. Hancef,  
H. No. 46/1640, Pothadi Lane,  
S.R.M. Road, Cochin-682018.

(Transferor)

- (2) 1. Sri L. Vishnudas,  
2. Sri Deepak Aswani,  
"Deepak", Chittoor Road, Cochin-682 035.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

9,350 cents of land with a building in Sy. No. 620 of Ernakulam village, registered in SRO., Ernakulam vide Doc. No. 2445 dated 28-7-1984.

MRS. S. CHAUDHURI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 7-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 296D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
KALATHIPARAMBU ROAD

Cochin-682 016, the 7th March 1985

Ref. L.C. 730/84-85.—Whereas I  
MRS. SACHI CHAUDHURI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
Sy. No. as per schedule situated at Ernakulam village,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Ernakulam on 28-7-1984,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957)).

Now, therefore, the pursuance of Section 269C of the said  
Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

51--16GI/85

- (1) 1. Sri T. V. Subramania Iyer,  
2. Sri T. S. Parameswaran alias T. S. Mahesh,  
45, Krishna vihar Colony,  
Panampilly Nagar, Cochin-16. (Transferor)
- (2) 1. Mrs. Asha Vishnudas,  
2. Mrs. Lajwanti D. Aswani,  
"Deepak", Chittoor Road, Ernakulam. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

5 cents of land in Sy. No. 620 of Ernakulam village,  
registered in SRO, Ernakulam vide Doc. No. 2443, dated  
28-7-1984.

MRS. S. CHAUDHURI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 7-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
KALATHIPARAMBU ROAD

Cochin-682 016, the 7th March 1985

Ref. L.C. 731/84-85.—Whereas, I,  
MRS. SACHI CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Ernakulam village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 28-7-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) T.S. Kalyana Krishnan,  
45, Krishnavihar Colony,  
Panampillynagar, Cochin-16 (Transferor)
- (2) 1. Mrs. Asha Vishnudas,  
2. Mrs. Lajwanti D. Aswani,  
"Deepak", Chittoor Road, Cochin-35. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

5 cents of land in Sy. No. 620 of Ernakulam village, registered in SRO, Ernakulam, vide Doc. No. 2444 of 1984 dated 28-7-1984.

MRS. S. CHAUDHURI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 7-3-1985

Seal:



## FORM IT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
KALATHIPARAMBU ROAD

Cochin-682 016, the 7th March 1985

Ref. L.C. 729/84-85.—Whereas, I,  
MRS. SACHI CHAUDHURI,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
Sy. No. as per schedule situated at Kozhikode,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
West Hill on 20-7-1984,  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not  
been truly stated in the said instrument of transfer with the  
object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) Smt. Mariam B alias Beevi,  
Aacharamparambath Puthiyapurayil,  
House No. 4/317, Velayil Road,  
Calicut.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Ayishabi, Kadijabi, Mukkiabi,  
2. Amcenabi, Pathumabi,  
House No. 4/317, Velayil Road, Calicut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of pub-  
lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

26.5 cents of land with a building in R.S. No. 4-7-366 of  
Kozhikode Corporation, registered in SRO, West Hill, vide  
Doc. No. 163 dated 20-7-1984.

MRS. S. CHAUDHURI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 7-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, COCHIN

Cochin-682 016, the 7th March 1985

Ref. L.C. 728/84-85. --Whereas, I, MRS. SACHI CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per Schedule situated at Trichur Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Trichur on 6-7-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Venkiteswara Iyer S.  
Green Garden Co-operative Housing Society,  
House No. 51---Achaarya Nagar, Govandi,  
Bombay-88 by his agent Sri P. Jayagopal,  
S/o Sankaranarayan, Padinjarethalakkal,  
Vadakkke Chira, Trichur.  
(Transferor)
- (2) 1. Shri K. A. Hamza,  
and Smt. T. A. Aleema, Karappan Vecttil,  
Ollukkara—Trichur.  
2. Sri P. Jayagopal, Padinjarethalakkal,  
Vadakkkechira, Trichur.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

21 cents of land in survey No. 1531 of Trichur Village with three old buildings registered at SRO, Trichur, vide document No. 2233/84 dated 6-7-1984.

MRS. SACHI CHAUDHURI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 7-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, COCHIN

Cochin-682 016, the 7th March 1985

Ref. L.C. 727/84-35.—Whereas, I,  
MRS. SACHI CHAUDHURI,  
being the Competent Authority under Section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter  
referred to as the 'said Act') have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
Sy. No. as per schedule situated at Ernakulam Village  
(and more fully, described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the Office of the registering Officer at  
Ernakulam on 28-7-1984,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) 1. Shri A. P. Jose,  
2. Shri A. P. George,  
3. Smt. Mariamma Jose,  
4. Smt. Annakutty  
Ambookkan House, Chalakudy. (Transferor)
- (2) Mithun and Arun,  
Minor Sons of Sri. C. T. Kochouseph,  
CC. 47/827, Kaloor—Cochin-682017. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

11.296 cents of land in survey No. 700 of Ernakulam  
Village, registered in SKO, Ernakulam, vide document  
No. 2441 dated 28-7-1984.

MRS. SACHI CHAUDHURI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 7-3-1985  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 27th February 1985

No. IAC/ACQ/66/24/84-85.—Whereas I,  
M. C. JOSHI,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
1/2 portions of the house bearing MPL No. 1427 situated  
at Wardha, Road Nagpur,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and registered under the registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
Nagpur on 31-7-1984,  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer  
as agreed to between the parties has not been truly stated in  
the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

- (1) 1. Shri Jago Ramji Kulpe,  
2. Shri Mahadeo Ramji Kalpe,  
3. Dayalu Ramji Kalpe  
4. Shri Baban Ramji Kalpe.  
R/o Wardha Road Nagpur.

(Transferors)

- (2) Dr. Gangadhar Laxmanrao.  
Kalmkar Maya Hospital,  
Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Half portion of a house bearing MPL No. 1427 having  
built up area 375 sq. ft. and land area of 2750 sq. ft.  
situated at Wardha Road, Nagpur.

M. C. JOSHI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Nagpur

Date : 27-2-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 28th February 1985

No. IAC./ACQ/67/24/84-85. —Whereas, I,  
M. C. JOSHI,  
being the Competent Authority under Section 269D of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
Half Portion of house bearing MPL No. 1427 situated at  
Wardha Rd. Vivekanand Nagar, Nagpur,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and registered under the registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
Nagpur on 31-7-1984,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely:—

- (1) 1. S/Shri Jogi Ramji Kalpe.  
2. Mahadeo Ramji Kalpe.  
3. Dayalu Ramji Kalpe.  
4. Baban Ramji Kalpe.  
all r/o Wardha Road, Nagpur.

(Transferors)

- (2) Smt. Mandakini r/o  
Gangadhar Kalamkur,  
C/o Mayo Hospital,  
Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Half portion of house bearing MPL No. (42) situated at  
Wardha Road, Vivekanand Nagar, Nagpur.

M. C. JOSHI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Nagpur

Date: 28-2-1985  
Seal:

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 8th March 1985

Ref. No. III-971/Acq/84-85.—Whereas, I, P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 643, 644, 645 and 646 (129639) Sq. Ft. situated at Mouza Jhousagarhi N. 582 Under Deoghar Municipality Ward No. XVI Brahmehari Road, Deoghar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on 23-7-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Kamdeo Jha S/o Sri R. N. Jha at P.O. Distt. Deoghar and Shri Ravindra Kr. Das S/o Sri Dineshchandra Das, Deoghar. (Transferor)
- (2) Ashok Kr. Mishra S/o Sri Arjun Mishra, Village Madhushudanpur, Deoghar, Shri Shankarlal Sanwaria & Nand Kishore Sanwaria S/o Late Ram Niwas Sanwaria at Sonapatti At Jharla, Distt. Dhanbad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Measuring 4 Bighas 15 Kathas 5 Dhur situated at Mauza, Jhousagarhi, Deoghar and morefully described in deed No. 3007 dated 23-7-1984 Registered with D.S.R. Deoghar.

P. K. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 8-3-1985

Seal:

## FORM I.T.N.S.-----

(1) Dr. Bal Raj Nijhawan S/o Late L. Sukh Dayal  
Nijhawan, 30, Circuit House Area (East),  
Jamshedpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 13th March 1985

Ref. No. III-972/Acq/84 85.--Whereas, I,  
P. K. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and  
bearing

Holding No. 30, Circuit House Area (East), P. S. Bistu-  
pur, Jamshedpur situated at Jamshedpur,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Jamshedpur on 18-7-1984,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the  
respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Double Storeyed building (Super-structures) on Holding  
No. 30, Circuit House Area, East, P.S. Bistour, Jamshed-  
pur, Dist. Singhbhum with land measuring 37 decimal and  
morefully described in Deed No. 5165 dated 18-7-1984 re-  
gistered with S.R. Jamshedpur, Dist. Singhbhum.

P. K. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the follow-  
ing persons, namely :--

52-16GI/85

Date : 13-3-1985

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri S. Dowarah IAS (Retd.) S/Late Sadananda  
Dowarah Silpukhuri West, Gauhati-3.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Altaf Ahmad Khan, Mankatta Road,  
Rahabari Ward, Dibrugarh, Assam.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
SHILLONG

Shillong, the 15th March 1985

Ref. No. A-271/84-85/DBR—Whereas, I,  
E. J. MAWLONG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Dag No. 270 in P.P. No. 89 (New) situated at Mankatta Road, Rahabari Ward, Dibrugarh, Assam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dibrugarh on 27-7-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 13 Ck 15L with building thereon covered by Dag No. 270 in P.P. No. 89 (New) of Rahabari Ward, Dibrugarh, Assam.

E. J. MAWLONG  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Shillong

Date: 15-3-1985  
Seal:



## FORM ITNS

(1) Shri B. Dowerah IAS (Rtd.) S/o Late Sadananda  
Dowerah Silpukhuri West, Gauhati-3.

(Transferor)

(2) Shri Imtiaz Ahmed Khan, Mankatta Road,  
Rahabari Ward, Dibrugarh, Assam.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
SHILLONG

Shillong, the 15th March 1985

Ref. No. A-270/84-85/DBR.--Whereas, I,  
E. J. MAWLON, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Dag No. 270 in P.P. No. 89 (New) situated at Mankatta Road, Rahabari Ward, Dibrugarh, Assam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Dibrugarh on 27-7-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or in conformity with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 18 2K 8L with measuring thereon covered by Dag No. 270 in P.P. No. 89 (New) of Rahabari Ward, Dibrugarh, Assam.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date : 15-3-1985

Seal :

E. J. MAWLON  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Shillong

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II  
CALCUTTA

Calcutta, the 4th March 1985

Ref. No. AC-108/R-II.Cal/84-85.—Whereas, I, **SHAIKH NAIMUDDIN**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Raja Santosh Road, Calcutta-27 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A. Calcutta on 16-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Pratap Singh,  
2. Smt. Savitri Pratap Singh,  
both of 4, Raja Santosh Road, Calcutta-27.  
(Transferor)
- (2) OM Credit Private Ltd. having its registered Office at Transport Depot Road, Calcutta-88.  
(Transferee)
- (3) 1. Rector India Ltd.  
2. Krishna Kumar Bungta.  
(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

24 Cottahs, 9 Chittacks of land with Building situated at 4, Raja Santosh Road, Mouja-Durgapur, P. S. Alipore, Calcutta-27. More particularly described in Deed No. I-8223 of R.A. Cal. of 1984.

**SHAIKH NAIMUDDIN**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 4-3-1985  
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II  
CALCUTTA

Calcutta, the 28th February 1985

Ref. No. AC-106/R-II/Cal/84-85.—Whereas, I, SANKAR K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2 situated at Maurbhanj Road, P. S. Ekbalpur, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A. Calcutta on 23-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Jatindra Nath Das Naskar of Rasbari, Sarsuna, P.S. Thakurpukur, Jadav Ghosh Road, Calcutta.  
(Transferor)
- (2) M/s. Giriraj Properties Private Limited, Regd. Office at 25A, Camac Street, Calcutta.  
(Transferee)
- (3) Mr. L. O. H. Desilva.  
(Person in occupation)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

24 Cottahs of land with diverse structures including three dwelling house and building situated at 2, Maurbhanj Road, P. S. Ekbalpur, Mouja-Mominpur, Calcutta. More particularly described in Deed No. 8574 of R.A. Cal. of 1984.

SANKAR K. BANERJEE  
Competent Authority/  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
54, Aafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-16

Date : 28-2-1985  
Seal :

## FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 6th March 1985

Ref. No. AC-69/ACQNR-IV/Cal/84-85.—Whereas, I,  
S. K. BANERJEE,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No. 14 situated at Dr. H. K. Chatterjee Lane  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer  
at Calcutta on 6/7/84  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer,  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferor for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Income-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said  
Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—  
80—516 GI/84

(1) M/s. India Linoleums Ltd.,  
9/1, R. N. Mukherjee Road,  
Calcutta-1.

(Transferor)

(2) M/s. Pearl Plastic Industries,  
33/1, Netaji Subhash Road,  
Room No. 570,  
Calcutta-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days, from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land : 5 cottahs 1 chittack 14 sq. ft. with building.  
Address : 14, Dr. H. K. Bhattacharjee Lane, Ghosury.  
Howrah 7805 of 1984.  
Deed No. : 6-3-1985.

S. K. BANERJEE  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-700 016

Date : 1-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 12th March 1985

Ref. No. AC-109/R-II/Cal/84-85.—Whereas, I, **SHAIKH NAIMUDDIN**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5 & 6 situated at Alipore Avenue, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A. Cal. on 16/7/1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Gita Mallick,  
23-B, Ahri Pukur Ist Lane,  
Calcutta.

(Transferor)

(2) Gibraltar Maintenance Trust of Gibraltar,  
Hazari Bagh represented by its trustees  
Shri Bijoyendra Chandra Mullick,  
Shri Ashok Mallick and  
Smt. Pratima Das Gupta all of  
5, Alipore Avenue,  
Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/5th undivided share of land measuring 25 Cottahs 5 chittacks 41 Sft. with two storied Building situated at 5 & 6, Alipore Avenue, Calcutta, P.S. Alipore. More particularly described in Deed No. 1-8238 of R. A. Cal. of 1984.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-700 016

Date : 2-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1985

Ref. No. TR-195/84-85/Sl. 986/I.A.C./Acq.R-I/Cal.—  
Whereas, I, S. K. BANERJEE,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.  
No. 1, situated at Cockburn Lane, Calcutta,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer  
at S. R. A., Cal. on 10/7/84,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- |                          |                         |
|--------------------------|-------------------------|
| (1) Smt. Dharna Pathak,  | (Transferor)            |
| (2) Sri Arjun Kripalani, | (Transferee)            |
| (3) Mr. C. T. Thomas.    | (Persons in occupation) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons;  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are  
defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that an undivided two equal third parts or shares of  
and in all that one storied brick built massuaga tenement or  
dwelling house together with outhouse on a plot of land  
containing of an area of two cottahs fourteen chhataks and  
nine sft. at 1, cockburn lane, Calcutta. Registered before the  
Sub-Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-7967  
dated 10/7/84.

S. K. BANERJEE  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-700 011

Date : 14-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Mr. Aninda Kumar Sinha.

(Transferor)

(2) Bhagchandra Properties (P) Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 13th March 1985

Ref. No. TR-200/84-85/Sl. 987 L.A.C./Acq. R-1/Cal.—  
Whereas, I, S. K. BANERJEE,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding Rs.  
25,000 and bearing

No. 7, situated at Lord Sinha Road, Calcutta-16,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer

at R.A., Cal. on 31/7/84,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to be-  
tween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(1 of 1922) or the said Act or the wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

All that one storied building, P. Area 1102.5 sft. vacua-  
area 3934.5 sft. constructed on or about 1923 at 7, Lord  
Sinha Road, Calcutta-16. Registered before the Registrar of  
Assurances, Calcutta vide Deed No. 1-8905 dated 31-7-84.

S. K. BANERJEE  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

53—16GI/85

Date : 13/3/1985

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1985

Ref. No. TR-197/84-85/Sl. 988/L.A.C./Acq.R-I/Cal.—  
Whereas, I, S. K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3, situated at Madan Dutta Lane, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at S. R. A., Calcutta on 7/7/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

- (1) Sri Mangalmoy Addy & Sri Ganesh Lal Addy.  
(Transferor)
- (2) Sri Kashi Nath Chandra,  
Sri Amar Nath Dutta and  
Sri Dulal Chand Seal and  
Sri Raichand Seal.  
(Transferee)
- (3) M/s. Addy & Co. & Ors  
(Persons in occupation)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that partly one and partly two storied brick built and partly wooden wall with C.I. roof structure on 4 cottahs 2 chittacks 20 sq. ft. of land at 3, Madan Dutta Lane, Cal. Registered before the Sub-Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. 1-7815 dated 7/7/84.

S. K. BANERJEE  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-700 016

Date : 14-3-1985  
Seal :



FORM ITNS -----

(1) M/s. Sujan Viniyoge Ltd.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Pannalal Jain &  
Smt. Sayur Devi Golcha.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1985

Ref. No. C.A.23-84-85/SI 989 I.A.C./Acq.R-I/Cal.  
Whereas, I, S. K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 18A, situated at Park Street, Calcutta-16, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Competent Authority, I.A.C., Acq.R-I, Cal. on 5/7/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that undivided share of interest in the roof of 5th survey of premises No. 18A, Park Street, Calcutta, comprised in Flat No. 5-L, Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide SI. No. C.A. 23 dated 5/7/84.

S. K. BANERJEE  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-700 016

Date : 14-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Bharat Bhushan Mangla:

(Transferor)

(2) Smt. Sita Devi Khaitan and  
Smt. Puspa Devi Khaitan.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1985

Ref. No. C.A.35/84-85/St. 990/I.A.C./Acq. R-I/Cal.—  
Whereas, I, S. K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4, situated at Lower Rowdon Street, Calcutta-700017, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Competent Authority, IAC, Acq. R-I, Cal. on 23/7/84, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent. of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

All that Flat No. 77'C Block, Garage & Store Room 4 Lower Rowdon Street, Calcutta-700017, Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide St. No. C.A. 35 Dated 23-7-84.

S. K. BANERJEE  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range I  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Mrs. Nalini I. Sillani.

(Transferor)

(2) Mr. C. R. Dasgupta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1985

Ref. No. C.A. 25/84-85/Sl. 991/I.A.C./Acq. R-I/Cal.—

Whereas, I, S. K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 25, situated at Camac Street, Calcutta, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Competent Authority I.A.C., Acq. R-I, Cal. on 13/7/84, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that Flat No. 10C, measuring approx. 750 sq. ft. on 10th floor of the building known as 'Camac Court' at 25 Camac Street, Calcutta-16. Registering before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Sl. No. C.A. 25 dated 13-7/84.

S. K. BANERJEE  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-700 016

Date : 14-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Rupkanwari Dugar.

(Transferor)

(2) Shri Bipin D. Mehta.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1985

Ref. No. C.A. 31/84-85/SI. 992/I.A.C./Acq. R-I/Cal.—  
Whereas, I, S. K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 35/1 situated at Chowringhee Road, Calcutta-71 situated at Chowringhee Road, Calcutta-71 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Competent Authority, I.A.C. Acq. R-I, Cal. on 20-7-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that Flat No. E-9 on 9th floor in Kailash Building at 35/1, Chowringhee Road, Calcutta 71 measuring 1374 sq. ft. inclusive of car parking space. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide SI. No. C. A. 31 dated 20/7/84.

S. K. BANERJEE  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-700 016

Date : 14-3-1985

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Sita Devi Nevatia.

(Transferor)

(2) Smt. Sarla Devi Nevatia.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1985

Ref. No. C.A. 36/84-85/SI. 993/L.A.C./Acq. R-I/Cal.—

Whereas, I, S. K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

3, situated at Loudon Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Competent Authority, I.A.C. Acq. R-I, Cal. on 24/7/84. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been duly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that the eastern flat being No. 5A in the 5th floor of premises No. 2, Loudon Street, Calcutta. Registered before the Competent Authority, I.A.C. Acquisition Range-I, Cal. vide SI. No. C.A. 36 dated 24/7/84.

S. K. BANERJEE  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road

Date : 14-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1985

Ref No. C.A. 26/84-85/Sl. 994/I.A.C/Acq R-I/Cal.—  
Whereas, I, S. K. BANERJEE

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 28/1, situated at Shakespeare Sarani, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Competent Authority, I.A.C., ACQ. R-I, Cal. on 13/7/84, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mr. Govardhan Lal Bhugra.

(Transferor)

(2) Mr. Ajay Kr. Mall and  
Mrs. Prem Lata Mall.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that flat No. 6 on 2nd floor at Ganga Jamuna at 28/1, Shakespeare Sarani, Calcutta. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Sl. No. C.A. 26 dated 13/7/84.

S. K. BANERJEE  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-700 016

Date : 14/3/1985

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING  
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1985

- (1) Sri Govardhanlal Bhugra.  
(Transferor)
- (2) Sri Ajay Kumar Mall and  
Srimati Prem Lata Mall.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

Ref. No. C.A. 97/84-85/SI. 995/I.A.C./Acqn. R-I/Cal.—  
Whereas, I, S. K. BANERJEE,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
No. 28/1, situated at Shakespeare Sarani, Calcutta,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer  
at Competent Authority, IAC, Acq. R-I, Cal. on 17-7-84,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this office notice under  
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the  
following persons, namely :—  
54—16GI/85

## THE SCHEDULE

All that Flat No. 6 on the second floor of the said build-  
ing under construction together with an undivided propor-  
tionate share of land at premises No. 28/1, Shakespeare  
Sarani, Calcutta. Registered before the Competent Au-  
thority I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide SI. No. C  
A. 97 dated 17/7/84.

S. K. BANERJEE  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-700 016

Date : 14/3/1985  
Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1985

Ref. No. C.A. 98/84-85/Sl. 996/I.A.C/Acq. R-I/Cal.—  
Whereas, I, S. K. BANERJEE,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No. 4, situated at Lower Rowdon Street, Calcutta,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) to the Office of the Registering Officer  
at Competent Authority, I.A.C., Acq. R-I, Cal. on 17/7/84,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
movable or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely:—

- (1) Sri Bhagat Bhushan Mangla. (Transferor)  
(2) Smt. Sita Devi Khaitan and  
Smt. Puspa Devi Khaitan. (Transferee)  
(3) Shared B. Phadke & Others  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that Flat No. 77 'C' Block, Garage & Store Room,  
4, Lower Rowdon Street, Calcutta-17. Registered before the  
Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta  
vide Sl. No. C.A. 98 dated 17/7/84.

S. K. BANERJEE  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-700 016

Date : 14/3/1985  
Seal :



## FORM ITNS

(1) Shree Vardaan Improvements (P) Ltd.  
(Transferor)(2) Kamal Kumar Chandelwal and  
Raj Kumar Jain.  
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1985

Ref. No. C.A. 63/84-85/SI. 997 I.A.C/Acq R-I/Cal.—  
Whereas, I, S. K. BANERJEE,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs.  
25,000/- and bearing  
No. 25A, situated at Camac Street, Calcutta,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer  
at Competent Authority, I.A.C. Acq. R-I, Cal. on 29/9/84,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are  
defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Office No. 409A on the 4th floor of premises No. 25A,  
Camac Street, Calcutta-16. Registered before the Competent  
Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide SI. No.  
C. A. 63 dated 29/9/84.

S. K. BANERJEE  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range-I  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
Section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 14/3/1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1985

Ref. No. C.A. 47/84-85/SI. 998 I.A.C./Acq. R-I/Cal.—  
Whereas, I, S. K. BANERJEE,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No. 25A, situated at Camac Street, Calcutta-16.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer  
at Competent Authority, IAC, ACQ. R-I, Cal. on 14-7-84  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration, and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Shree Vardaan Improvements (P) Ltd.  
(Transferor)  
(2) Shree Vardaan Safe Deposit Vaults (P) Ltd.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that basement floor of premises No. 25A, Camac  
Street, Calcutta-700016. Area 3166 Sq. ft. Registered before  
the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Cal.  
vide SI. No. C.A. 47 dated 14/7/84.

S. K. BANERJEE  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-700 016

Date : 14/3/1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Mrs. Mohini N. Malhotra.

(Transferor)

(2) Dolly Projects Private Limited.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1985

Ref. No. C.A. 32/84-85/SI. 999 I.A.C./Acq. R-I/Cal.—

Whereas, I, S. K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 61B, situated at Park Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Competent Authority, I.A.C., Acq. R-I, Cal on 21/7/84, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by, any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that Apartment No. 1D on the 1st floor of the building known as "Neelam" at premises No. 61B, Park Street, Calcutta comprised in holding No. 207 Block No. XV in the South Division, Calcutta. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide SI. No. C.A. 34 dated 21/7/84.

S. K. BANERJEE  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-700 016

Date : 14/3/1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th March 1985

Ref. No. DBS/2/84-85.--Whereas, I,  
JOGINDER SINGH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.  
1 and measuring 11-Bigha 6-Biswas situated at Vill. Madho  
Pur Teh. Dera Bassi.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
Dera Bassi in July, 1984,  
at Dera Bassi in July, 1984,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen percent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—

(1) Sh. Karnail Singh Barar  
s/o Sh. Kartar Singh Barar,  
r/o 320 Grees Lines London,  
N-4, through Sh. Mohan Lal Bindal,  
Dera Bassi.

(Transferor)

(2) M/s. Baba Rangt Ram Pvt. Ltd.  
27, Sector 5,  
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 11-Bigha 6-Biswas at Vill. Madhopur  
Teh. Dera Bassi (The property as mentioned in the sale  
deed No. 540 of July, 1984 of the Registering Authority  
Dera Bassi.).

JOGINDER SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Ludhiana

Date : 11/3/1985  
Seal

FORM ITNS—

(1) Sh. Jarnail Singh S/o Sh. Kartar Singh,  
R/o 320 Green Lines London N-4 through  
Sh. Mohan Lal Bindal R/o Dera Bassi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th March 1985

Ref. No. DBS/3/84-85.—Whereas I.

**JOGINDER SINGH,**

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing land measuring 8 bigha situated at Vill. Madho Pur Teh. Dera Bassi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dera Bassi in July 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) M/s. Baba Rangi Ram Pvt. Ltd.  
27 Sector 5, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 8. Bigha at Vill. Madho Pur Teh. Dera Bassi.

(The property as mentioned in the sale deed No. 596 of July, 1984 of the Registering Authority Dera Bassi).

**JOGINDER SINGH**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 11-3-1985  
Seal:

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th March 1985

Ref. No. DBS/4/84-85.—Whereas I,

**JOGINDER SINGH.**

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Land measuring 8, Bigha situated at Vill. Madhopur Teh. Dera Bassi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dera Bassi in July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sh. Karnail Singh Barar S/o Kartar Singh Barar  
R/o 320 Green Lines London  
Sh. Mohan Lal Bindal R/o Dera Bassi.  
(Transferor)

(2) M/s. Baba Rang Ram Pvt. Ltd.  
28 Sector 5, Chandigarh.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 0 days from her service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Land measuring 8 Bigha at Vill Madhopur Teh. Dera Bassi.

(The property as mentioned in the sale deed No. 616 of July, 1984 of the Registering Authority Dera Bassi).

**JOGINDER SINGH**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-3-1985  
Sd/-

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th March 1985

Ref. No. DBS/5/84-85.—Whereas I,  
JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 1 and measuring 6 Bigha situated at Madhopur Teh. Dera Bassi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dera Bassi in July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

55—16GI/85

- (1) Sh. Harpal Singh Barar S/o Sh. Kartar Singh  
Barar R/o 320 Green Lines London N-4 through  
Sh. Mohan Lal Bindal R/o Dera Bassi.  
(Transferor)

- (2) M/s. Baba Ranji Ram Pvt. Ltd.,  
27, Sector 5, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 6 Bigha at Vill Madhopur Teh. Dera Bassi.

(The property as mentioned in the sale deed No. 652 of July, 1984 of the Registering Authority Dera Bassi).

JOGINDER SINGH  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-3-1985

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th March 1985

Ref. No.KHR/34/84-85.—Whereas I,  
**JOGINDER SINGH**,  
being the competent authority under section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the said Act) have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing  
No. SCF. No. 67 Phase-V situated at Mohali Teh. Kharar,  
Distt. Ropar  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Kharar in July, 1984  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-  
sideration and that the consideration for such transfer as  
agreed to between the parties has not been truly stated in  
the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons namely :—

(1) Smt. Mohini Gupta W/o. Sh. Jawahar Lal Gupta,  
House No. 112 Sector 8-A, Chandigarh.  
(Transferor)

(2) Sh. Ranbir Singh Dhillon S/o. Sh. Chanan Singh,  
Sh. Paramjit Kaur W/o. Ranbir Singh Dhillon,  
Sh. Sukhlin Singh S/o. Ranbir Singh Dhillon,  
Sh. Gurlin Singh S/o. Sh. Ranbir Singh Dhillon—  
all R/o House No. 137 Phase IV, Mohali.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

SCF No. 67, Phas. V, Mohali Teh. Kharar, Distt. Ropar.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 1808  
of July, 1984 of the Registering Authority, Kharar.)

**JOGINDER SINGH**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-3-1985  
Seal :



FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th March 1985

Ref. No. CHD/31/84-85.—Whereas I,  
JOGINDER SINGH,being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding Rs.  
1,00,000/-and bearing

Plot No. 3109 situated at Sector 32D, Chandigarh

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer  
at Chandigarh in July, 1984for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid, exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely:—

- (1) Smt. Jaswant Kaur W/o S. Kartar Singh,  
R/o House No. 203, Sector 23A,  
Chandigarh.

(Transferor)

- (2) Shri Sandeep Singh Sangha S/o  
Shri Hartar Singh Sangha,  
R/o S. C. O. No. 58,  
Sector 26, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 3109, Sector 32D, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 284 of  
July, 1984 of the Registering Authority, Chandigarh).

JOGINDER SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-3-1985  
Seal:

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING.

Ludhiana, the 11th March 1985

Ref. No. IDH/171/84-85.—Whereas, I,  
JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Factory Building No. 21-C (Municipal No. B. XXIX. 793) situated at Focal point, Dhandari Kalan, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Munjal Synthetics Private Limited,  
713, Industrial Area-B, Ludhiana.  
(Transferor)
- (2) M/s. Gazebo Industries,  
21C, Focal Point, Dhandari Kalan, Ludhiana.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Factory Building No. 21C (Municipal No. B. XXIX. 793) Focal Point, Dhandari Kalan, Ludhiana.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 4068 of July, 1984 of the Registering Authority, Ludhiana).

JOGINDER SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th March 1985

Ref. No. BHN/4A/84-85.—Whereas, I,

JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding As. 1,00,000/- and bearing

No. Land measuring 1 kanal 13 marlas situated at Khanna, Distt. Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khanna in July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sunil Kumar S/o Shri Mohan Lal,  
House No. 104, Ward No. 12, Khanna,  
Distt. Ludhiana.

(Transferor)

- (2) M/s. Capital Steel & Allied Industries,  
Malerkotla Road, Khanna Kalan,  
Distt. Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 1 Kanal 13 Marlas situated at Khanna, Distt. Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 832 of July, 1984 of Sub Registrar, Khanna).

JOGINDER SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-3-1985

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
JALANDHAR

Jalandhar, the 6th March 1985

Ref. No. A.P.No.5763.—Whereas I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ram Nath Kakar S/o Shri Durga Dass  
R/o 316, Shaheed Udham Singh Nagar,  
Jalandhar Mukhtiar Major Krishan Kumar Talwar  
S/o Dewan Chand.

(Transferor)

(2) Inderjit Singh and Kanwal Jit Singh  
s/o Hazur Singh  
R/o EE-20, Bagh Karim Bux, Jalandhar  
C/o M/s. Hazur Singh & Sons,  
Punjpier, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As Sl. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property Plot No. 71 (1K-1M-195 Sq. ft.) situated in Defence Colony, Jalandhar & persons as mentioned in the registered sale deed No. 1587 dated July, 1984 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 6-3-1985  
Seal:

## FORM ITNS—

- (1) Shrimati Parsini Devi w/o Ganesha Mal R/o  
V. Makha Chehlan Tehsil Mansa Distt. Bhatinda.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Roop Chand s/o Kaku Ram and Smt. Raj  
Rani W/o Roop Chand C/o M/s. Roop Medical  
Hall, Mansa Distt. Bhatinda.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
JALANDHAR

Jalandhar, the 6th March 1985

Ref. No. A.P. No. 5764.—Whereas, I,

J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Mansa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mansa on July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (3) as s. no. 2 above.  
(Person whom the undersigned knows  
(4) any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property Shop situated on Ciema road, Mansa and persons as mentioned in the registered sale deed No. 1795 of July, 84 of the Registering Authority, Mansa.

J. L. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Jalandhar

Date: 6-3-1985  
Seal:

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
JALANDHAR

Jalandhar, the 6th March 1985

Ref. No. A.P. No. 5765.—Whereas, I,  
J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Mansa Khurd, (and more fully described in schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mansa on July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jaswinder Singh s/o Bharpur Singh  
r/o V. Mansa Khurd Teh. Mansa Dist. Bhatinda.  
(Transferor)
- (2) Shri Harjeshwar Singh Bajwa s/o Gursaran  
Singh, Medical Officer, Primary Health Centre,  
Sui Singh, Distt. Amritsar and Mandeep Kaur w/o  
Kartar Singh, now W/o Sh. Harjeshwar Singh  
Bajwa r/o as above and Kulwant Singh Chahal s/o  
Kartar Singh & Kartar Singh s/o Gajjam Singh  
r/o V. Uddat Saidewala, Tehsil Mansa.  
(Transferee)
- (3) as s. no. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property land 16 Kls. 11 Mls, situated in V. Mansa Khurd and persons as mentioned in the registered sale deed No. 1861 of July, 84 of the Registering Authority, Mansa.

J. L. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Jalandhar

Date : 6-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
JALANDHAR

Jalandhar, the 6th March 1985

Ref. No. A.P. No. 5776.—Whereas, I,  
J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Moga Mehla Singh Moga (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Moga on July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

<sup>1</sup> Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

56—16GI/85

(1) Shri Atma Singh s/o Rur Singh r/o  
Malout Mandi Distt. Faridkot.

(Transferor)

(2) Shri Manprit Singh s/o Piara Singh  
C/o M/s. Santa Singh & Sons, G.T. Road, Moga.

(Transferee)

(3) as s. no. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property House (portion) situated at G.T. Road, Moga and person as mentioned in the registered sale deed No. 1800 of July, 84 of the Registering Authority, Moga.

J. L. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Jalandhar

Date : 6-3-1985

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
JALANDHAR

Jalandhar, the 6th March 1985

Ref. No. A.P. No. 5777.—Whereas, I,  
J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Moga Mehla Singh Moga (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Moga on July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Joginder Singh s/o Rur Singh r/o Malout Mandi Distt. Faridkot. (Transferor)
- (2) Shri Piara Singh s/o Santa Singh C/o M/s Santa Singh & Sons, G. T. Road, Moga, (Transferee)
- (3) as s. no. 2 above. (Person in occupation of the property.)
- (4) any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property House (portion) situated at G.T. Road, Moga and persons as mentioned in the registered sale deed No. 1801 of July, 84 of the Registering Authority, Moga.

J. L. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Jalandhar

Date : 6-3-1985  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 16th March 1985

Ref. No. A.P. No./5778.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Moga Mehla Singh, Moga

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Moga on July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Atma Singh s/o Roor Singh  
r/o Mahout Mandi, Distt. Faridkot. (Transferor)
- (2) Shrimati Jagir Kaur w/o Santa Singh  
C/o M/s Santa Singh & Sons, G.T. Road, Moga. (Transferee)
- (3) As s. no. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other persons interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property House (portion) situated at G. T. Rod, Moga and persons as mentioned in the registered sale deed No. 1802 of July, 84 of the Registering Authority, Moga.

J. L. GIRDHAR  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 16-3-85  
Seal :

FORM LT.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 16th March 1985

Ref. No. A.P. No./5779.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Moga Mehla Singh, Moga (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Moga on July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jaginder Singh S/o Rur Singh  
r/o Malout Mandi, Distt. Faridkot. (Transferor)
- (2) Shri Harpreet Singh S/o Piara Singh,  
C/o M/s Santa Singh & Sons, G.T. Road, Moga. (Transferee)
- (3) As s. no. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other persons interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property House (Portion) situated at G.T. Road, Moga and persons as mentioned in the registered sale deed No. 1803 of July, 84 of the Registering Authority, Moga.

J. L. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 16-3-1985  
Seal:

FORM I.T.N.S. \_\_\_\_\_

(1) Shri Pritam Singh S/o Ishar Singh,  
R/o Bathinda.

(Transferor)

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 18th March 1985

Ref. No. A.P. No. 5780.—Whereas I,  
J. L. GIRDHAR,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000- and bearing No. a sper Schedule situatd at  
Bathinda  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and registered  
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of  
the Registering Officer at  
Bhatinda on July 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D (1) of said Act, to the follow-  
ing persons, namely:—

(2) Shrimati Sukhwinder Kaur W/o Avtar Singh,  
R/o 3007, F. Street No. 11, Ajit Road, Bathinda.

(Transferee)

(3) As s. no. 2 above.

(Person(s) in occupation of the property)

(4) Any other persons interested in the property.  
Person(s) whom the undersigned knows to be  
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale  
deed no. 1525 of July 1984 of the Registering Authority,  
Bathinda.

J. L. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 18-3-1985  
Seal:

## FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Pritam Singh S/o Ishar Singh,  
R/o Bathinda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 18th March 1985

Ref. No. A.P. No./5781.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing as per schedule situated at Bathinda (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bathinda in July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (2) Shri Jaswinder Singh S/o Aytar Singh,  
R/o 3007 F Street No. 11 Ajit Road, Bathinda. (Transferee)
- (3) As s. no. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other persons interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale deed No. 1526 of July 1984 of the Registering Authority, Bathinda.

J. L. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 18/3/85.  
Seal:

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR.

Jalandhar, the 18th March 1985

Ref. No. A.P. No./5782.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. as per schedule situated at Bathinda has been transferred and registered has been transferred and the agreement is registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bathinda on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shrimati Gurdip Kaur W/o Pritam Singh,  
R/o Bathinda. (Transferor)
- (2) Shri Avtar Singh S/o Jawala Singh,  
R/o 3007-F, Street No. 11, Ajit Road, Bathinda. (Transferee)
- (3) As per sr. 2 above.  
!Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any other person, interested in the property.  
(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale deed No. 1527 of July 1984 of the Registering Authority, Bathinda.

J. L. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 18-3-1985  
Seal :

FORM LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 18th March 1985

Ref. No. A.P. No./5783.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing as per schedule situated at Bathinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bathinda on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Pritam Singh S/o Ishar Singh,  
R/o Bathinda. (Transferor)
- (2) Shri Pritam Singh S/o Kchar Singh,  
R/o 3007-F, Street No. 11, Ajit Road, Bathinda. (Transferee)
- (3) As per sr. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale Deed No. 1528 of July 1984 of the Registering Authority Bathinda.

J. L. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 18-3-1985  
Seal:

FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 18th March 1985

Ref. No. A.P. No./5784.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing as per schedule situated at Maur Mandi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of Registering Officer at Talwandi Saboo on July 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ram Lal S/o Shambhu Ram,  
R/o Maur Mandi.

(Transferor)

- (1) Shrimati Krishna Devi W/o Surinder Singh,  
Veena Rani W/o Sukhwinder Singh,  
Neelam Rani W/o Sat Pal and  
Surjit Singh S/o Ramji Dass,  
R/o Gokul Basti, Maur Mandi.

(Transferee)

- (3) As per sr. 2 above.

(Person in occupation of the property)

- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale Deed No. 766 of July 1984 of the Registering Authority, Talwandi Saboo.

J. L. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 18-3-1985

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 18th March 1985

Ref. No. A.P. No./5785.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing as per schedule situated at Maur Mandi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Talwandi Saboo on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely—

- (1) Shri Janak Raj S/o Shambhu Ram,  
R/o Maur Mandi. (Transferor)
- (2) Shri Surinder Singh, Sukhwinder Singh,  
Sat Pal and Surjit Singh  
Ss/o Ramji Daas,  
R/o Gokal Basti, Maur Mandi. (Transferee)
- (3) As per sr. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale Deed No. 766 of July 1984 of the Registering Authority, Talwandi Saboo.

J. L. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 18-3-1985  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
106/282, KANCHAN BHAWAN  
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK  
KANPUR

Kanpur-208 012, the 28th February 1985

M-963/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 267, situated at Robert Ganj, Garbi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 29620 dated 27-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Raje Lal s/o Shri Banarsi Das,  
307-Ram Nagar—Ghaziabad.

(Transferor)

- (2) Shri Rani Gopal s/o Sri Banarsi Das  
303 Ram Nagar—Ghaziabad.

(Transferee)

- (3) —do—

(Person(s) in occupation of the property)

- (4) —do—

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Property No. 267 Roberts Ganj, Garbi Purand Munshi Ghaziabad.

J. P. HILORI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-2-1985

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,106/282, KANCHAN BHAWAN  
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK  
KANPUR

Kanpur-208 012, the 28th February 1985

M-1025/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. —situated at Jaroda, Muzaffarnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Muzaffarnagar under registration No. 7781 dated 11-7-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Imamuddin and others  
Jaroda, Muzaffarnagar.  
(Transferor)
- (2) R. K. Agarwal & Co.  
201, Civil Lines—Muzaffarnagar, through  
Shri Jagadish Rai  
201 Civil Lines Muzaffarnagar  
(Transferee)
- (3) —do—  
(Person(s) in occupation of the property)
- (4) —do—  
(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land situated at Jaroda—Muzaffarnagar No. 1695, 1697.

J. P. HILORI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 28-2-1985  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
106/282, KANCHAN BHAWAN  
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK  
KANPUR

Kanpur-208 012, the 28th February 1985

M-1122/84-85.—Whereas I, J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. — situated at Rithan, Meerut (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer, Meerut under registration No. 9522 dated 2-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jagdish Chand, Balvant Rai, Raj Kumar, Kasturi Lal, Vidyasagar & Daplat Ram  
Shivaji Road, Meerut. (Transferor)
- (2) Deewar Ranjes Pvt. Ltd.  
through Raj Kumar S/o Daulat Ram  
Shivaji Road, Meerut. (Transferee)
- (3) —do— (Person(s) in occupation of the property)
- (4) —do— (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Rithan, (5000 yards).

J. P. HILORI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 28-2-1985

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
106/282, KANCHAN BHAWAN  
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK  
KANPUR

Kanpur-208 012, the 27th February 1985

M-1276/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1,00,000/- and bearing No. --- situated at Makanpur Loni Ghaziabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 4022 dated 31-7-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Raghu Nath Singh s/o Tariff Singh  
Vill-Makan Pur—Loni  
Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Sainik Sahkari Avas Samiti Ltd.,  
through Secretary Sri Nutan Prakash Tyagi s/o  
Shri Om Prakash Premi,  
Resi 1-G-58—Third Nehru Nagar,  
Ghaziabad.

(Transferee)

(3) —do—

(Person(s) in occupation of the property)

(4) —do—

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Makan Pur—Loni, Ghaziabad.

J. P. HILORI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 28-2-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
106/282, KANCHAN BHAWAN  
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK  
KANPUR

Kanpur-208 012, the 28th February 1985

Ref. No. M-1281/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 80-A situated at Nesh Villa Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun under registration No. 5528 dated 6-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Shakuntala Devi  
W/o Shri S. P. Agarwal  
305/4-2 Patel Nagar,  
Dehradun.

(Transferor)

- (2) Smt. Rambha Tyagi,  
W/o Shri R. K. Tyagi  
B-168 Avus Vikas Colony,  
Saharapur.

(Transferee)

- (3) — do —  
[Person(s) in occupation of the property]

- (4) — do —  
(Persons whom the undersigned knows  
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 80-A Nesh Villa Road, Dehradun.

I. P. HILORI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 28-2-1985

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
106/282, KANCHAN BHAWAN  
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK  
KANPUR

Kanpur-208 012, the 28th February 1985

Ref. No. 1282/84-85.--Whereas, I, J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 11/21 situated at Raj Nagar, Ghaziabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 1282 dated 15-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri D. V. Kumar  
R-2/34-Raj Nagar,  
Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Smt. Neelima Kumar  
W/o Shri D. V. Kumar  
R-2/34, Raj Nagar,  
Ghaziabad.

(Transferee)

(3) — do —  
(Person in occupation of the property)

(4) — do —  
(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

H. No. R- 11/21 Raj Nagar, Ghaziabad.

J. P. HILORI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 28-2-1984  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
106/282, KANCHAN BHAWAN  
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK  
KANPUR

Kanpur-208 012, the 28th February 1985

Ref. No. M-1286/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 11/212 situated at Raj Nagar, Ghaziabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 28068 dated for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely:—

58—16GI/85

- (1) Smt Jikki Singh  
W/o Shri Sarup Singh  
69 Sect 8, Chandigarh.

(Transferor)

- (2) Shri Kishan Das  
S/o Shri Rameshwar Das,  
K-10/150 Raj Nagar,  
Ghaziabad.

(Transferee)

- (3) — do —

(Person(s) in occupation of the property)

- (4) — do —

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

H. No. 11/212 Block II Raj Nagar, Ghaziabad.

J. P. HILORI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date: 28-2-1984

Seal

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
106/282, KANCHAN BHAWAN  
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK  
KANPUR

Kanpur-208 012, the 28th February 1985

Ref. No. M-1287/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. J-89 situated at Patel Nagar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer, Ghaziabad under the registration No. 28053 dated 15-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Gopal Das  
S/o Shri Chet Ram  
J-89, Patel Nagar,  
Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Shri Rishi Kant Khandelwal,  
J-49 Patel Nagar,  
Ghaziabad.

(Transferee)

(3) — do —  
(Person(s) in occupation of the property)

(4) — do —  
(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. J-49 at Patel Nagar, Ghaziabad.

J. P. HILORI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 28-2-1985  
Seal



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
106/282, KANCHAN BHAWAN  
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK -  
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 28th February 1985

Ref. No. M-1288/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI, being the Competent Authority under Sec. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2/45 situated at Raj Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 27863 dated 3-7-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Daya Rani  
W/o Shri Om Prakash Gupta  
220, Mukand Nagar,  
Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Smt. Santosh Kumari  
W/o Shri Roran Singh,  
Tati Pur Colony,  
Gwalior (M.P.).

(Transferee)

(3) — do —  
[Person(s) in occupation of the property]

(4) — do —  
(Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

H. No. 2/45 Raj Nagar, Ghaziabad.

J. P. HILORI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 28-2-1984  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) S/Shri Malkhan Singh, Raja Ram,  
S/o Shri Kuse Singh,  
Sadar Pur, Dasana,  
Ghaziabad

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
106/282, KANCHAN BHAWAN  
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK  
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 28th February 1985

Ref. No. M-1295/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the said Act), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing

No. 103 situated at Dasana, Ghaziabad  
(and more fully described in the schedule below)  
has been transferred and registered under the regis-  
tration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer at Ghaziabad under registration  
No. 28297 dated 9-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Date : 12-2-1985.  
Seal :

(2) M/s. Bibrid Agricultural Ltd.,  
37-Meri Niketan Mount Meri Church Gate,  
Bandra, Bombay.  
through Sri Manoj Lal Tandon,  
37-Meri Niketan Mount Meri Church Gate,  
Bombay.

(Transferee)

(3) — do —  
[Person(s) in occupation of the property]

(4) — do —  
(Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period, expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

No. 103 at Vill Dasana, Ghaziabad.

J. P. HILORI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 28-2-1984  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
106/282, KANCHAN BHAWANGANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK  
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 28th February 1985

(1) Smt. Vimla Gupta  
W/o Dr. P. Pandey  
8-A, Patel Nagar,  
Meerut.

(Transferor)

(2) Shri Thakar Das  
S/o Shri Roop Chand,  
B-A, Patel Nagar,  
Meerut.

(Transferee)

(3) do —  
[Person(s) in occupation of the property](4) do —  
(Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property)Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

## THE SCHEDULE

One House No. 8-A&amp;B Patel Nagar, Meerut.

J. P. HILORI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, KanpurDate : 28-2-1984  
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
106/282, KANCHAN BHAWANGANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK  
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 28th February, 1985

Ref. No. M-1307/84-85A—Whereas, I, J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. A-44 situated at Defence Colony, Meerut (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut under registration No. 9866 dated 7-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Col. J. Bogchi  
G-II-Go's Fets Kingsway Camp  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Savita Gupta  
W/o Dr. M. Prakash  
Mission Compound Meerut.

(Transferee)

- (3) — do —  
[Person(s) in occupation of the property]

- (4) — do —  
(Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. A-44 at Defence Colony, Meerut.

J. P. HILORI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 28-2-1984

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE  
106/282, KANCHAN BHAWANGANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK  
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 28th February 1985

Ref. No. M-1314/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 74 situated at Patel Nagar, Meerut

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut under registration No. 11421 dated 31-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Vijai Kumar Sondhi  
S/o Shri Mangal Sen Sondhi  
186 Thapat Nagar,  
Meerut.

(Transferor)

(2) Shri Ram Karan Mehta  
Lat Haveli Ram  
Patel Nagar, Meerut.

(Transferee)

(3) — do —  
[Person(s) in occupation of the property]

(4) — do —  
(Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

H. No. 74 North Patel Nagar, Meerut.

J. P. HILORI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-2-1984  
Seal :

## FORM ITNS-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
106/282, KANCHAN BHAWANGANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK  
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 28th February 1985

Ref. No. 1315/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 27 situated at Chhatta Anant Ram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut under registration No. 11253 dated 28-7-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Hazi Maksod Ali  
R/o Chhatta Anant Ram,  
Meerut.

(Transferor)

- (2) Shri Abdul Bahar  
S/o Shri Abdul Kayum  
Sabun Godan, Meerut.

(Transferee)

- (3) — do —  
[Person(s) in occupation of the property]

- (4) — do —  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

½ Plt No. 27, Chhatta Anant Ram, Meerut.

J. P. HILORI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 28-2-1984  
Seal :

## FORM I.T.N.S.

(1) Shri Nirmal Sharma

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Madunteg India (P) Ltd.  
411-Meghdoot, 94 Nehru Place,  
New Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
106/282, KANCHAN BHAWAN  
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK  
KANPUR-208 012

(3)

— do —

(4)

[Person(s) in occupation of the property]

— do —

(Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property)Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Kanpur-208 012, the 28th February 1985

Ref. No. M-1319/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearingNo. F-29 situated at Sec. VI, Noida  
Registering Officer at Noida under registration No. 1561/  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and registered under the regis-  
tration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
1562 dated 1-8-1984market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen percent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the par-  
ties has not been truly stated in the said instrument of trans-  
fer with the object of :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Plot No. F 29, Sect. VI, Noida.

J. P. HILORI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, KanpurNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

59—16GJ/85

Date : 28-2-1984  
Seal

## FORM IIS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
106/282, KANCHAN BHAWANGANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK  
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 28th February 1985

Ref. No. M-1320/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. A-19, Sect. III Noida, Ghaziabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registering Officer at Ghaziabad, Noida under registration No. 1404/1405 dated 31-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s. Unicure (India) Pvt. Ltd.  
A-19, Sect. III, Noida,  
Through Sri Abdul Metin,  
A-19, Sect. III, Noida.

(Transferor)

(2) M/s. Ganga Ram Costing Pvt. Ltd,  
By Sri Shyam Sundar  
3108 Bahadur Garh Road,  
Delhi-6.

(Transferee)

(3) — do —  
[Person(s) in occupation of the property]

(4) — do —  
(Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. A-19 Sect. III Noida, Ghaziabad.

J. P. HILORI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date: 28-2-1984  
Seal:



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
106/282, KANCHAN BHAWAN  
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK  
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 28th February 1985

Ref. No. M-1321/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. O-15 situated at Sect-II Noida,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 1326, 1327 dated 12-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Vijai Kumar Burman &  
Smt. Kamni Burman  
144/74 Karol Bagh,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s Delhi Tanner Pvt. Ltd.  
2168 Karol Bagh  
New Delhi.

(Transferee)

- (3) — do —

[Person(s) in occupation of the property]

- (4) — do —

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. O-15 Sec. II Noida, Ghaziabad.

J. P. HILORI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date: 28-2-1984

Seal:

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
106/282, KANCHAN BHAWAN  
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK  
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 28th, February 1985

Ref. No. 1322/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property bearing a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Hanthi Par, Mussoorie (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun under registration No. 5771 dated 10-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of said Act to the following persons namely :—

(1) Shri Dev Raj Gupta  
S/o Late Hanu Raj Gupta  
Shila Colleg, Mussoree,  
Dehradun.

(Transferor)

(2) Smt. Prabha Gupta  
W/o Shri Mool Chand  
Smt. Salla Gupta  
W/o Shri Sudhir Gupta  
Smt. Kamla  
W/o Shri Umesh Gupta,  
Niranjan Pur Kendriya Doon,  
Dehradun.

(Transferee)

(3) — do —  
[Person(s) in occupation of the property]

(4) — do —  
(Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Property Sheeta Cottage Hanthi Pawa, Mussoorie  
Dehradun.

J. P. HILORI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 28-2-1984  
Seal :

FORM NO. IT.N.S.—

- (1) Smt. Sharda Rani  
W/o Shri A. P. Gupta,  
30--C Sevak Ashram Road,  
Dehradun.

(Transferor)

- (2) Shri Ashok Kumar Kamal  
117, V.P.D. Scenee  
Irla Masjid, Pombay.

(Transferee)

- (3) — do —  
[Person(s) in occupation of the property]

- (4) — do —  
(Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
106/282, KANCHAN BHAWAN  
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK  
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 28th February 1985

Ref. No. M-1330/84-85. Whereas, I. J. P. HILORI, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4/2/5 situated at Cement Road, Dehradun (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun under registration No. 1350 dated 24-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

House No. 4/2/5 Cement Road, Dehradun.

J. P. HILORI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 28-2-1984  
Sea

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
106/282, Kanchan Bhawan,  
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,  
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 28th February 1985

Ref. No. M-1332/84-85.—Whereas, I,  
J. P. HILORI  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
situated at Shakipur—Roorkee  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
the registration Act, 1908 (16 of 1908)  
in the office of the Registering Officer at  
Roorkee under Registration No. 7232 dated 21-7-1984  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property, and  
I have reason to believe that the fair market value  
of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-  
tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer as  
agreed to between the parties has not been truly stated in the  
said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

(1) Smt. Mukarndar Kaur  
W/o Late Chaudhry Kishan Singh,  
Residence Rajputana, East Roorkee,  
Saharanpur.

(Transferor)

(2) Smt. Shushma Agarwal  
W/o S. V. Agarwal,  
6/2 Chandra Puri—Roorkee,  
2. Smt. Lalita Gupta  
W/o Shri Anand Prakash Gupta,  
Laksar, Saharanpur.

(Transferee)

(3) —do—

(Person(s) in occupation of the property)

(4) —do—

(Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot (22/20 sq. ft.) at Village Shakkipur, Roorkee.

FOR THE GOVERNMENT

J. P. HILORI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 28-2-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
106/282, Kanchan Bhawan,  
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,  
KANPUR-208 012  
Kanpur-208012, the 28th February 1985

Ref. No. M-1343/84-85.—Whereas, I,  
J. P. HILORI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing situated at Delhi Road—Meerut (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut under registration No. 10825 dated 23-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Anuj Gupta, Rajiv Gupta, Sanjiv Gupta, S/o Shri Damodar Das, Adarsh Nagar, Meerut. (Transferor)
- (2) Smt. Angoori Devi W/o Gopi Chand Maheshwari, B-16 Shambu Nagar, Meerut. (Transferee)
- (3) —do— (Person(s) in occupation of the property)
- (4) —do— (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A plot (789 yards) Delhi Road, Meerut.

J. P. HILORI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 28-2-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

106/282, Kanchan Bhawan,

GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,

KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 27th February 1985

Ref. No. M-1344/8485.—Whereas, I,  
J. P. HILORI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 68-A situated at Saket, Meerut (and more fully described in the Schedule annexed hereto), and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut under registration No. 10825 dated 23-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Rakesh s/o Shri Madan Mohan, "Nishkam Press" Begum Bridge, Meerut. (Transferor)
- (2) Deewan Rubbur Industries P. Ltd., P. Box 143—Rithani, Through Sri V. S. Deewan—Director. (Transferee)
- (3) —do— (Person(s) in occupation of the property)
- (4) —do— (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 68-A Saket, Meerut.

J. P. HILORI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 27-2-1985.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
106/282, Kanchan Bhawan,  
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,  
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 28th February 1985

Ref. No. 1345/84-85.—Whereas, I,  
J. P. HILORI  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.  
62/3 situated at Marva—Saharanpur  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Saharanpur under registration No. 6544 dated 6-7-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—  
60—16GI/85

- (1) Shri Pohnu Mal, Mr. Govardhan Das & others,  
Village Marwa P.O. Bhat,  
Saharanpur.

(Transferor)

- (2) Shri Kalu Ram s/o Ran Singh Om Prakash & Others-  
2 Gautam Nagar, New Delhi-49.

(Transferee)

- (3) —do—

(Person(s) in occupation of the property)

- (4) —do—

(Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land No. 58, 62/3, 62/1 situated at Village Marva, Parg.  
Faizabad, Saharanpur.

J. P. HILORI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 28-2-1985

Seal :

## FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
106/282, Kanchan Bhawan,  
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,  
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 28th February 1985

Ref. No. M-1348/84-85.—Whereas, I,  
J. P. HILORI

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. F-133, situated at Nehru Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 29316 dated 23-7-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Saranjeet Syal W/o Sri B. S. Syal  
7-Chaulmase Ford, New Delhi-55.

(Transferor)

- (2) Smt. Neeta Garg  
W/o Sri Mahesh Chand Garg,  
252, Kanhaiya Lal,  
Ghaziabad.

(Transferee)

- (3) —do—  
(Person(s) in occupation of the property)
- (4) —do—  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

H. No. Second F-133, Nehru Nagar, Ghaziabad.

J. P. HILORI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 28-2-1985  
Seal



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
106/282, Kanchan Bhawan,  
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,  
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 28th February 1985

Ref No. M-1349/84-85.—Whereas, I,  
J. P. HILORI  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.  
99-block A situated at Dadari  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Dadari under registration No. 3731 dated 18-7-84  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons namely :—

- (1) Shri Rajwant Singh Barar,  
C-28 Ram Kuti, Ghaziabad. (Transferor)
- (2) M/s. Malhotra & Peters (P) Ltd.  
R-807, New Rajendra Nagar,  
New Delhi  
Through O.P. Malhotra. (Transferee)
- (3) —do—  
(Person(s) whom the undersigned knows
- (4) —do—  
(Person(s) in occupation of the property)  
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

No. 99 Block A Sec. No. 7 Ram Puri, Ghaziabad.

J. P. HILORI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 28-2-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
106/282, Kanchan Bhawan,  
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,  
KANPUR-208 012

Kanpur-208012, the 28th February 1985

Ref. No. M-353/84-85.—Whereas, I,  
J. P. HILORI  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No. — situated at Hadi Bakur  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Dadari under registration No. 3851 dated 23-7-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer,  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

(1) Shri Vijai Kumar S/o Satya Paul  
B-12/433 Tagore State Barnala,  
Haryana.

(Transferor)

(2) Lok Priya Sahakari Avas Samiti Ltd.,  
Through Shri A. K. Gupta,  
43, Defence Colony,  
D.D.A. Shopping Centre,  
New Delhi.

(Transferee)

(3) Shri —do—  
(Person(s) in occupation of the property)

(4) Shri —do—  
to be interested in the property)  
(Person(s) whom the undersigned knows

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days, from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land No. 14-9-16/2, to 1/2, 13-11-0, 1/7 to 1/6 at Hadi  
Bakur.

J. P. HILORI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 28-2-1985  
Seal :

FORM LT.N.S.—

(1) Shri Pavan Kumar S/o Shri Satya Paul  
B-2/433 Tagore State Barnala,  
Haryana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
106/282, Kaanchan Bhawan,  
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,  
KANPUR-208 012

Kanpur, the 28th February 1985

cf. No. M-1355/84-85.—Whereas, I,  
J. P. HILORI

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No. — situated at Hadi Bakur

(and more fully described in the schedule annexed hereto)  
has been transferred and the agreement is registered  
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office  
of the Registering Officer at  
Dadari under registration No. 3841 dated 23-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

(2) Lok Priya Sahakari Avas Samiti Ltd.,  
43, Defence Colony,  
D.D.A. Shopping Complex,  
New Delhi  
Through Shri A. K. Gupta, Sec.

(Transferee)

(3) Shri —do—  
(Person(s) in occupation of the property  
to be interested in the property)

(4) Shri —do—  
(Person(s) whom the undersigned knows

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land No. 14-9-16-3/7—1/2 Part and 3-6-10-2/2—1/6 Part  
at Hadi Bakur Dadari.

J. P. HILORI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 28-2-1985  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
106/282, Kanchan Bhawan,  
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,  
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 28th February 1985

Ref. No. M-1361/84-85.—Whereas, I,  
J. P. HILORI  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.  
A-13 situated at Kavi Nagar  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Ghaziabad under registration No. 29736 dated 23-7-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as stated between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,  
namely:—

(1) Smt. Angoori Devi  
W/o Late Kartar Singh  
19/5 Lal Quarter,  
Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Shri Parmatma Saran  
S/o Lal Revati Saran,  
Railway Road,  
Ghaziabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. A-13 Kavi Nagar, Ghaziabad.

J. P. HILORI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 28-2-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
106/282, KANCHAN BHAWAN,  
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,  
KANPUR-208 012

Kanpur-208012, the 28th February 1985

Ref. No. M-1362A/84-85.—Whereas, I,

J. P. HILORI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing

No. — situated at Deo Band

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Deo Band under Registration No. 3210 dated 31-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Jam Shed Ali,  
Mohalla Eadyaual, Deo Band,  
Saharanpur.

(Transferor)

(2) Shri Mukhtar Ali,  
Mohalla Abdul Haq, Deo Band,  
Saharanpur.

(Transferee)

(3) —do—  
(Person(s) in occupation of the property)

(4) —do—  
(Person(s) whom the undersigned knows  
to be interested in the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One House at Deo Band, Saharanpur.

J. P. HILORI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

✓ Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-2-1985

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
106/282, KANCHAN BHAWAN  
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK  
KANPUR

Kanpur-208 012, the 27th February 1985

Ref. No. M-1362/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 53 situated at Sec.-3, Nehru Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 29471 dated 11-7-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Marcery Metals—Patel Marg, Ghaziabad  
Through Shri Som Nath S/o Sh. Nandlal  
Residence Metal Compound Ghaziabad. (Transferor)
- (2) Shri Bhanu Prakash S/o Parmanand  
Vill—Vair Sikandrabad,  
Bulandshahr. (Transferee)
- (3) Shri Bhanu Prakash S/o Parmanand  
Vill—Vair Sikandrabad,  
Bulandshahr. (Persons in occupation of the property)
- (4) Shri Bhanu Prakash S/o Parmanand  
Vill—Vair Sikandrabad,  
Bulandshahr. (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 53 Block B. at Sec-3—Nehru Nagar Ghaziabad.

J. P. HILORI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 28-2-1985  
Ref :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
106/282, KANCHAN BHAWAN  
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK  
KANPUR

Kanpur-208 012, the 28th February 1985

Ref. No. M-1368/84-85.—Whereas, I,  
J. P. HILORI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 5/8, 4/10 situated at Bhupat Nala Jwalapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Haridwar under registration No. 1865 dated 14-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

61—16 GI/85

- (1) Shri Swami Shanta Nand  
Jagdish Ashram—Kharkhani —Haridwar.  
(Transferor)
- (2) Shri Sudhir Kumar Gupta,  
Smt. Santosh Gupta, Smt. Kamlesh Rani,  
Mohalla Latowali—Kharkhal.  
Sri Jinesh Chand Jain, Umesh Chand Jain,  
Roshan Lal 18-Rani Pur Road Haridwar & others.  
(Transferee)
- (3) Shri Sudhir Kumar Gupta,  
Smt. Santosh Gupta, Smt. Kamlesh Rani,  
Mohalla Latowali—Kankhas,  
Sri Jinesh Chand Jain, Umesh Chand Jain,  
Roshan Lal 18-Rani Pur Road Haridwar & others.  
(Persons in occupation of the property)
- (4) Shri Sudhir Kumar Gupta,  
Smt. Santosh Gupta, Smt. Kamlesh Rani,  
Mohalla Latowali—Kankhas,  
Sri Jinesh Chand Jain, Umesh Chand Jain,  
Roshan Lal,  
18-Rani Pur Road,  
Haridwar & Others.  
(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Khasra No. 4/8, 4/10 situated at Vill—Bhupat Nala Kalan, Jwalapur Haridwar.

J. P. HILORI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 28-2-1985

Seal :

FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
106/282, KANCHAN BHAWAN  
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK  
KANPUR

Kanpur-208 012, the 28th February 1985

Ref. No. M1-369A/84-85.—Whereas, I,  
J. P. HILOI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 100,000/- bearing  
No. 340 situated at Kaulagarh Road  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
Form No. 37FE is submitted in the office of the  
has been transferred and registered under the Registration  
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Dehradun under registration No. 6884 dated 23-8-84  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen percent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Shri S. N. Sibal S/o S. S. Sibal  
40-Mannu Ganj, Dehradun.  
(Transferor)
- (2) Smt. Jatinder Peters,  
W/o James, Peters, 340, Kaulagarh Road,  
Dehradun.  
(Transferee)
- (3) Smt. Jatinder Peters,  
W/o James, Peters, 340, Kaulagarh Road,  
Dehradun.  
(Persons in occupation of the property)
- (4) Smt. Jatinder Peters  
W/o James, Peters, 340, Kaulagarh Road,  
Dehradun.  
(Persons whom the undersigned knows to be  
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
forty five days from the date of publication of this  
notice in the official gazette of a period of 30 days  
from the service of notices on the persons, which  
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property within forty five days from the date of  
publication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are  
defined in Chapter XXXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in the  
chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 340 Kaulagarh Road Dehradun.

[Signature]

J. P. HILOI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 28-2-1985  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
106/282, KANCHAN BHAWAN  
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK  
KANPUR

Kanpur-208 012, the 28th February 1985

Ref. No. M-1371/84-85.—Whereas, I,  
J. P. HILORI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 145 situated at Ban Khandi Rishikesh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dehradun under registration No. 7090 dated 31-8-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Raj Kishan Sharma  
145-Ban Khandi Gram—Rishikesh Dehradun  
(Transferor)
- (2) Shri Surendra Kumar Sethi,  
17-Tilak Marg—Rishikesh Dehradun.  
(Transferee)
- (3) Shri Surendra Kumar Sethi,  
17-Tilak Marg—Rishikesh Dehradun.  
(Persons in occupation of the property)
- (4) Shri Surendra Kumar Sethi  
17-Tilak Marg—Rishikesh Dehradun.  
(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 145—Bankhandi Gram Rishikesh, Dehradun.

J. P. HILORI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 28-2-1985  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,  
106/282, KANCHAN BHAWAN  
KANPUR-208 012

Kanpur, the 28th February 1985

M-1372/84-85.—Whereas, I,  
J. P. HILORI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. 15/28/2, situated at Hem Kunj Colony,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and registered under the Registration  
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
No. 6819 dated 22-8-84  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefore by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- |   |  |
|---|--|
| (1) Shri Lalih Ram Khanna<br>39/7 Tagore Colony, Dehradun<br>& Others | (Transferor)   |
| (2) S. Mohinder Singh Anand   | (Transferee)   |
| (3) —do—  | (Person in occupation of the property)                                   |
| (4) —do—  | (Persons whom the undersigned knows<br>to be interested in the property) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 15/28/2-Ballarpur Road (Hem Kunj Colony)  
Chakrata Road, Dehradun.

J. P. HILORI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 28-2-85

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
106/282, KANCHAN BHAWAN  
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,  
KANPUR-208 012

Kanpur, the 28th February 1985

M-1373/84-85.—Whereas, I,  
J. P. HILORI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- bearing  
No. 1000/2 situated at Central Hope Town,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred and registered under the Registration  
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Dehradun and Registration  
No. 6511 dated 17-8-84  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceed the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the Act, to the following  
persons, namely:—

- (1) Shri Nainuddin s/o Sri Mohd. Yamin,  
2. Aslam s/o Mohd. Yamin,  
Vill. Central Hope Town,  
Pachhavadoon, Dehra dun.

(Transferor)

- (2) Tyagi L. P. G. Valves & Regulators (P) Ltd.  
3, Kiran Enclave, Model Town Ghaziabad, U.P.  
Through Sri N. P. S. Tyagi s/o  
Sri V. D. Tyagi C-37,  
Defence Colony, Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land No. 1000/2 .82 Akar, 1001) situated at Central  
Hope Town-Dehradun

J. P. HILORI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date: 28-2-85  
Seal:

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
106/282, KANCHAN BHAWAN  
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,  
KANPUR-208 012

Kanpur, the 28th February 1985

M-1374/84-85.—Whereas, I,

J. P. HILORI,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. 154/3 situated at Rajpur Road, Dehradun

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer No. 6271 dated 15-8-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1) N. N. Banarji  
154/3 Raj Pur Road Dehradun  
(Transferor)

2) Dr. Usha Bdh Anja  
74/17 Raj Pur Road Dehradun  
(Transferee)

(3) —do—  
(Person in occupation of the property)

(4) —do—  
(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

154/3 Raj Pur Road, Dehradun.

J. P. HILORI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date: 28-2-85  
Seal:

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
106/282, KANCHAN BHAWAN  
GANDHI NAGAR OPP. LANTIN PARK,  
KANPUR-208 012

Kanpur, the 28th February 1985

M-1376/84-85.—Whereas, I,  
J. P. HILORI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-  
and bearing No. B-32 situated at Sect VI, Surya Nagar,  
Dadri  
(and more fully described in the schedule below)  
has been transferred and registered under the Registration  
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Dadri the said read with the rules 1962 under registration  
No. 4485 dated 23-8-84  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Lt. Harendha Singh  
SI/742 R. K. Puram-New Delhi, (Transferor)  
(2) Smt. Indira Narula  
16/9 West Patel Nagar, New Delhi, (Transferee)  
(3) —do— (Person in occupation of the property)  
(4) —do— (Persons whom the undersigned knows  
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

H. Property No. B-32 Sector VII Surya Nagar Dadari-  
Ghaziabad.

J. P. HILORI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 28-2-85  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
106/282, KANCHAN BHAWAN,  
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK  
KANPUR-208012

Kanpur, the 28th February 1985

Ref. No. M-1378/84-85.-Whereas, I, J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 322/2 situated at Central Hope Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun under registration No. 6299 dated 2-8-84 Dehradun under registration No. 6299 dated 2-8-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Shabir Hasan, Yasin s/o Sri Ibrahim,  
Vill.—Sata Kuet—Dehradun.  
(Transferor)
- (2) M/s. Indian L.P.G. Cylinders Ltd.  
11 Chand Market—4762/63,  
Hoj Kaji, New Delhi.  
(Transferee)
- (3) —do—  
(Person(s) in occupation of the property)
- (4) —do—  
(Persons whom the undersigned knows to be  
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Khasara No. 32212 At Central Hope Town—Dehradun.

J. P. HILORI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 28-2-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
106/282, Kanchan Bhawan  
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK  
KANPUR-208012

Kanpur, the 28th February 1985

Ref. No. M-1380/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. 5-A situated at Wetham Lane (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun under registration No. 6275 dated 10-8-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

62—16GI/85

- (1) Shri Upindar Singh, Jaswant Singh & others,  
Duggal Willa Dimma Road—Mango—  
Jamshedpur. (Transferor)
- (2) M/s. Welham Boys School,  
Circular Road—Dehradun.  
Through Sri S. K. Kandhari Principal. (Transferee)
- (3) —do—  
[Person(s) in occupation of the property]
- (4) —do—  
(Persons whom the undersigned knows to be  
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 3.40 Bighas Forming Part of 5-A Welham Lane, Iuxmi Road, Dehradun.

J. P. HILORI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 28-2-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
105/282, Kanchan Bhawan  
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK  
KANPUR-208012

Kanpur, the 28th February 1985

Ref. No. M-1408/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. 9/231 situated at Raj Nagar Colony (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 638 dated 17-7-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri R. P. Bakshi,  
301, Baundri Road, Meerut.  
(Transferor)
- (2) Shri Ganga Ram Sharma, Rajiv Sharma,  
Smt. Sunita Sharma, Sandeep Sharma,  
99-Saket Meerut.  
(Transferee)
- (3) —do—  
[Person(s) in occupation of the property]
- (4) —do—  
(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 9/231 Block No. 9, New Raj Nagar Colony  
Ghaziabad.

J. P. HILORI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 28-2-1985  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING  
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
106/282, KANCHAN BHAWAN  
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK  
KANPUR-208 012

Kanpur, the 28th February 1985

Ref. No. M-1416/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 10,000/- and bearing No. 45 situated at Sarswati Soni Marg (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Competent Authority at Dehradun under registration No. 101/84 dated 14/8/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Dalip Singh S/o Sh. Udham Singh,  
45, Sarswati Soni Marg,  
Dehradun. (Transferor)
- (2) Smt. Neelam Vinayak w/o Romesh Kumar  
32-E—Tagore Nagar, Ludhiana. (Transferee)
- (3) —do— [Person(s) in occupation of the property]
- (4) —do— (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

No. 45 Sarsawati Soni Marg Dehradun.

J. P. HILORI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 28-2-1985  
Seal :

FORM NO. IT.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
106/282, KANCHAN BHAWAN  
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK  
KANPUR-208 012

Kanpur, the 6th March 1985

Ref. No. K-187/84-85.—Whereas, I J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 319 etc. situated at Satwari Distt. Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 12712 dated 17-7-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sunder Lal S/o Budha  
Vill. Tabe Bhagwant, Distt. Kanpur. (Transferor)
- (2) M/s Teachers Housing Co-operative Society Ltd.  
77/1, Halsey Road, Kanpur. (Transferee)
- (3) —do— [Person(s) in occupation of the property]
- (4) —do— (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agriculture Land at Satwari Distt. Kanpur.

J. P. HILORI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 6-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
106/282, KANCHAN BHAWAN  
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK  
KANPUR-208 012

Kanpur, the 6th March 1985

Ref. No. K-186/84-85. - Whereas, I, J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No.

1230 to 1232 situated at Daheli Sujampur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Competent Authority Kanpur under registration No. 12689 dated 17-7-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : -

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- |   |   |
|---|---|
| (1) Shri Ram Kishan S/o M. ngli & others<br>Vill. Talig, Teh. & Dist. Kanpur. | (Transferor)  |
| (2) M/s. Teachers Housing Society,<br>77-1, Talsey Road, Kanpur.              | (Transferee)  |
| (3) —do—  | [Person(s) in occupation of the property]                             |
| (4) —do—  | (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural Land at Daheli Sujampur Distt. Kanpur.

J. P. HILORI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-3-1985

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
106/282, KANCHAN BHAWAN  
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK  
KANPUR-208 012

Kanpur, the 6th March 1985

Ref. No. K-224/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. 65Z 661 etc situated at Daheli Sujampur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Kanpur under registration No. 14238 dated 7-7-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Chotey Lal S/o Kaadhai,  
Daheli Sujampur, Distt. Kanpur. (Transferor)
- (2) M.s. Adarsh Cooperative Housing Society,  
Gandhi Gram, Kanpur. (Transferee)
- (3) —do— [Person(s) in occupation of the property]
- (4) —do— (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agriculture Land at Daheli Sajanpur.

J. P. HILORI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 6-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
106/282, KANCHAN BHAWAN  
GANDHI NAGAR OPP. JANIN PARK  
KANPUR-208 012

Kanpur, the 13th March 1985

Ref. No. 236/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 385 situated at Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Kanpur registration No. 14191 dated 13-8-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ganga Deen,  
Resi. : Rama Devi Ka Chauraha,  
Harjendra Nagar—Kanpur. (Transferor)
- (2) M/s. Sajari Sahkari Avas Samiti Ltd.  
Through : Sudhir Singh,  
104-A/4 Ram Bagh, Kanpur. (Transferee)
- (3) —do— [Person(s) in occupation of the property]
- (4) —do— (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

No. 385 (Rakha 2 Bigha, 12 Biswa) Gram Tatiya Jhhanaka Kanpur.

J. P. HILORI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 13-3-85  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
106/282, KANCHAN BHAWAN  
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK  
KANPUR-208 012

Kanpur, the 13th March 1985

Ref. No. K-212/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 80 situated at 7/1181 Swarup Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Kanpur under registration No. 14861 dated 24-8-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely —

- (1) Shri K. S. Radcliffe, Smt. O. Kers and others  
7/118 Swarup Nagar, Kanpur.

(Transferor)

- (2) Shri Ghan Shyam Tiwari,  
7/117 Swarup Nagar, Kanpur.

(Transferee)

- (3) —do—

[Person(s) in occupation of the property]

- (4) —do—

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 80 (H. No. 7/118) Swarup Nagar, Kanpur.

J. P. HILORI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 13-3-85  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
106/282, KANCHAN BHAWAN  
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK  
KANPUR-208 012

Kanpur, the 12th March 1985

Ref. No. M-1280/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 678 situated at Kendrey Dun (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun under registration No. 5623 dated 9-7-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

63—16G1/85

- (1) Shri Fool Singh, Foolo  
S/o Shri Baru R/o Pathari Bagh,  
Dehradun. (Transferor)
- (2) Smt. Kamlesh Ratodi  
w/o Chander Parkash Ratodi,  
R/o Village—Shyam Pur (Pargana Parula),  
Distt. Dehradun. (Transferee)
- (3) —do— [Person(s) in occupation of the property]
- (4) —do— (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land No. 676 Rakaba 1-14 B. No. 677 Rakba 1-05 Total  
Rakaba 2-19 Village Dehra Khash Pargana—Kendrey Dun—  
Dehradun.

J. P. HILORI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 12-3-85

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 25th February 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5631.—Whereas, I, Smt. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land and Building of 44/4 situated at New Palasia, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (Dr.) S. S. Ahuja,  
R/o 74, Bungalows, Bhopal,  
(Transferor)
- (2) Smt. Shubhangi J. Nadkarni,  
W/o Shri Jiwaji Nadkarni,  
R/o 5/2, Y. N. Road,  
Indore.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building is situated at 44/4, New Palasia, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

Smt S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills  
Bhopal

Date : 25-2-1985  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 25th February 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5632.—Whereas, I, Smt. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 248 situated at Saket Nagar, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid, exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jaychand S/o Shirumal Wadhvani,  
R/o Annapurna Building, Manak Bagh,  
Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Mayadevi W/o Sathyavan Singhal,  
R/o 14, Sata Bazar,  
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Plot No. 248 is situated at Saket Nagar, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G verified by the transferee.

Smt S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Income Tax Building,  
Near Central India Floor Mills,  
Bhopal.

Date: 25-2-1985

Seal:

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 25th February 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5633.—Whereas, I, Smt. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land bearing Survey No. 376/1 situated at Village Bangar, Dist. Dewas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (1 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dewas on July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) 1. Shri Joravarsingh S/o Devisingh,  
2. Smt. Sayar Bai d/o Devisingh,  
3. Shri Gajrajsingh S/o Joravarsingh,  
4. Smt. Bhagwanti Bai W/o Joravarsingh,  
Bhangar. (Transferor)
- (2) M/s. Fordham Engineering Works (P) Ltd.,  
Post Mangaliya, Dist. Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land bearing Survey No. 376/1 is situated at Bhangar, Dist. Dewas. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

Smt S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Income Tax Building,  
Near Central India Floor Mall,  
Bhopal

Date : 25-3-1985

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th March 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5634.—Whereas, I, Smt. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open land bearing Kh. No. 762 situated at Khajrana, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri S. S. Bhargava  
S/o late Shri Munnalal Bhargava,  
2. Smt. Sharda Bhargava  
W/o Shri S. S. Bhargava,  
R/o 4, Ballabh Nagar Extension,  
Kota.  
(Transferor)
- (2) 1. Kum. Vineet Bhargava  
D/o Shri Vinay Kumar Bhargava,  
2. Smt. Aruna Bhargava  
W/o Shri Viney Kumar Bhargava,  
R/o 1-B, Builders Colony,  
Indore.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land bearing Kh. No. 762 is situated at Khajrana, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

Smt S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Income Tax Building,  
Near Central India Floor Mill's  
Bhopal

Date: 16-2-1985  
seal:

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th March 1985

Ref. No. IAC/AcqN/Bpl/5635.—Whereas, I, Smt. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Bungalow No. 118, situated at Simrol Road, Mhow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (11 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mhow on July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

S/Shri

- (1) 1. Homaya Elava
2. Firoz Elava
3. Jimmy Appu
4. Homi Maya
5. Erech Merchant
6. Jehangir Maharvid
7. Naval Kooper
8. Dhanjoshi Markar
9. Dara Godrej
10. Parsi Dinshah
11. Behram Masani
- All R/o Mhow Chaoni.

(Transferor)

- (2) Sister M. Emekhyuleta, Mhow.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereto as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Bungalow No. 118 is situated at Simrol Road, Mhow. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

Smt S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Near Central India Floor Mills  
Bhopal  
Income Tax Building.

Date : 6-3-1985  
Seal :

## FORM INS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th March 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5636.—Whereas, I,  
Smt. S. K. AULAKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Double storied building bearing No. 58 situated at Old Ward No. 14, Bajaj Khana, Ratlam has been transferred under the Registration Act, 1908 (11 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ratlam on July 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Nanalal S/o Keshrimal Bhandari  
2. Smt. Surajbai W/o Nanalal Bhandari,  
3. Shri Manaklal S/o Keshrimal Bhandari,  
R/o Bajaj Khana, Ratlam  
4. Shri Surjanmal S/o Nanalal Talera,  
53, Station Road, Ratlam  
5. Shri Ramanlal S/o Surajmal Bohra  
R/o Khaw Bazar, Ratlam  
Members of Shi Nanalal Bhandari  
Parmarthi Trust Board,  
Ratlam.

(Transferor)

- (2) Shri Indermal S/o Nanalalji Mandoth,  
R/o Kakhed Teh. Porlavad,  
Distt. Jhabua.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 58 is situated at Ward No. 14 (Old), Bajaj Khana, Ratlam. This is the immovable property which has been described in Form No. 37-G duly verified by the transferee.

Smt S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range,  
Income Tax Building  
Near Central India Flour Mills  
Bhopal

Date : 6-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th March 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5637.—Whereas, I, Smt. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land Kh. No. 4/1 situated at Nishatpura, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhopal on July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Syed Ahmed Khan  
S/o Abdul Gafarkhan,  
R/o Nishatpura, Bhopal. (Transferor)
- (2) Nishatpura Grih Nirman Sahakari Samiti Maryadit,  
Berasia Road Bhopal  
Through President—  
Smt. R. K. Kandhari  
W/o Shri S. P. Kandhari. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 4/1 is situated at village Nishatpura, Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

Smt S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Income Tax Building,  
Near Central India Floor Mills,  
Bhopal

Date : 8-3-1985

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th March 1985

Ref. No. IAC/AcqN/Bpl/5638.—Whereas, I, Smt. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 12/903 situated at Gandhi Road, Murar, Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gwalior on July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

64--16GI/85

- (1) Shri Ajay Kapoor S/o Kishore Kapoor & Sou. Komilarani W/o Kishorechand Through General Power of Attorney Ajay Kumar and Sou Sulochana Kapoor W/o Arun Kumar Through General Power of Attorney Shri Kishorechand, Jayendraganj Nagar, Lashkar, Gwalior. (Transferor)
- (2) Akhil Bhartiya Kirar Kshatriya Maha Sabha Through Balwant Singh S/o Pannalal, R/o Sabda Pratap Ashram, Lashkar, Padan Kirar Kashatriya Chhatrawas Samiti, Gwalior. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 12/903 is situated at Gandhi Road, Murar, Gwalior. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

Smt. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Income Tax Building,  
Near Central India Floor Mills,  
Bhopal

Date : 8-3-1985  
Seal :

## FORM TINS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th March 1985

Ref. No. JAC/Acq/Ppl/5632.—Whereas, I, Smt. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing No. Property bearing No. 22/434 situated at Gandhi Nagar Colony, Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (1 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gwalior on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Shakuntala  
W/o Shri Ravindra Singhji Chouhan,  
R/o M-39-40, Gandhi Nagar,  
Gwalior. (Transferor)
- (2) M/s. G.D.S. Vishwanathsingh Holdings (P) Ltd.,  
Gwalior Through  
Rajendra Gopalsingh  
S/o Sahu Vishwanath Singh,  
R/o Khedapathi Colony,  
Gwalior. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property bearing No. 22/434 is situated at Gandhi Nagar Colony, Gwalior. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

Smt S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Income Tax Building,  
Near Central India Floor, M.P.  
Bhopal

Date : 8-3-1985  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th March 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/5640.—Whereas, I,

S. K. AULAKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 4, Palasia Scheme No. 11/C, Indore Municipal No. 19/8 situated at New Palasia, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (1 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) ( Shri Manoharlal Goverdhanlal,  
241, Saket Nagar,  
Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Pramod W/o D.J. Vishnu Prasad Sinhal,  
241, Saket Nagar,  
19/8, New Palasia,  
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Plot No. 4, Palasia Scheme No. 11/C, Indore Municipal No. 19/8 is situated at New Palasia, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. K. AULAKH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Income Tax Building,  
Near Central India Floor Mills,  
Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property in the face of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

Date : 8-3-1985  
Sd/-

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th March 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl/5641.—Whereas, I, Smt. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 12 (Ground floor & 1st floor) situated at Maharani Road, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. Smt. Batul Bai  
W/o Abdul Hussain  
R/o Salfee Jublee Street,  
Bombay.  
2. Smt. Memuna Bai  
W/o Fakhruddin,  
R/o Tajna Peth,  
Akola.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Mohd. Khambati  
S/o Abdulla Bhai,  
100, Gandhi Nagar,  
Indore.  
2. Shri Ibrahim S/o Seikh Ali,  
Ranipura,  
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Ground floor and 1st floor of House No. 12 is situated at Maharani Road, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

Smt S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Income Tax Building,  
Near Central India Floor Mills,  
Bhopal

Date : 8-3-1985  
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th March 1985

Ref. No. IAC/Acq'n/Bpl/5642.—Whereas, I, Smt. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Property bearing Municipal No. 12 situated at Maharani Road, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Bathul Bai  
W/o Abdul Hussain,  
168, Saifi Jubilee Street  
Room No. 45,  
Panchvamala,  
Bombay-37.  
2. Smt. Maimuna Bai  
W/o Fakhruddin,  
R/o Tajna Pet,  
Akola.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Saifuddin Alias Saifi  
S/o Abdullah Bhai,  
100, Gandhi Nagar,  
Indore.  
2. Shri Shabbir Hussain  
S/o Yakhub Ali,  
Ranipura,  
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property bearing Municipal No. 12 is situated at Maharani Road, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

Smt S. K. AULAKH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Income Tax Building,  
Near Central India Floor Mills,  
Bhopal

Date : 8-3-1985  
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th March 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./5643.—Whereas, I, Smt. S. K. AULAKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

P.H. No. 6 Survey No. 355|1, 357|1, 355|3, 356|1|1, 356|1|2, 356|1|3, 356|1|4, 356|1|5, 353|1, 157|1 situated at Vill. Chota Bangdadha, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Shri Ramashanker S/o Ramdulare,  
(2) Krishnabai W/o Ramashanker,  
Chhota Bangdadha,  
Teh. & Dist. Indore.
- (2) Laxmi Grib Nirman Sahakari Sanstha Maryadit  
Indore  
Thro' Present Shri Govind Babu S/o Sital Yadav,  
83, Colony Nagar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land bearing P.H. No. 6 (Survey No. 355|1, 357|1, 355|3, 356|1|1, 356|1|2, 356|1|3, 356|1|4, 356|1|5, 353|1, 157|1) is situated at village Chhota Bangdadha & Vill. Sipur, Teh. Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 57 of July notified by the transferee.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near 1st Indira Block Mills, BHOPAL

Date : 8-3-1985  
Seal :

FORM NO. 1 (N.S.)

(1) Shri Vijay Kumar Jain S/o Achalchand Jain,  
Shakkai Bazar, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (17 OF 1951)(2) Smt. Hirabai W/o Surendra Kumar Sethi,  
65-B, Nemi Nagar Indore

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, Bho. - 13/4/85

Ref. No. IAC/Acq/Bho. 641—Wdmt. : I, Smt. S. K.  
AULAKH,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1951) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Property bearing Mun. No. 1 situated at Moon Palace Colony,  
Indore(and more fully described in the file annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registrar, Bhopal Indore on July  
1984for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said document of  
transfer with the object of :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax  
Act, 1957 (27 of 1957)

## THE SCHEDULE

Property bearing Municipal No. 1 is situated at Moon Palace  
Colony, Indore. This is the immovable property which has  
been described in form No. 37-G duly verified by the  
transferee.SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills, BHOPALNow, therefore, in pursuance of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—Date : 8-3-1985  
Seal :

FORM NO. 1.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th March 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl./5645.—Whereas, I, Smt. S. K. AULAKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. 108 &amp; House thereon bearing No. 108 situated at Kanchan Bag, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bhupatrai S/o Shri Chandulalji Parekh,  
92, Kanchan Bag, Indore.

(Transferor)

- (2) Shri (Dr.) Laxmilal Jain S/o Shri Keshrimalji Jain,  
108, Kanchan Bag, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House bearing No. 108 on Plot No. 108 is situated at Kanchan Bag, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

SMT. S. K. AULAKH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range

Income Tax Building

Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Date : 8-3-1985

Seal :

FORM NO. IT.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th March 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl./5646.—Whereas, I, Smt. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land bearing Halka No. 15/1 situated at Indore (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—  
65—16GI/85

- (1) Shri Laxminarayan S/o Umraosingh  
R/o Manik Bag Road, Indore.  
(Transferor)
- (2) Vikas Apartment Grh Nirman Sahakari Sanstha  
Myradi Through President Shri Bapurao S/o  
Shri Pandurang Mehse, Gulmohar Colony,  
Indore.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land bearing Halka No. 15/1 is situated at Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Date : 8-3-1985  
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(1) Shri Kailashchandra S/o Nandkishore  
25, Juna Pitha, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Narotam S/o Dayaramji Thakkar,  
272, Seremal Bapna Marg, Indore.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th March 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl./5647.—Whereas, I, Smt. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 25 (New 26) situated at Juna Pitha, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House No. 25 (New 26) is situated at Juna Pitha, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 8-3-1985  
Seal :



FORM NO. IT.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th March 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl./5648.—Whereas, I, Smt. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 25 (New No. 26) situated at 26, Juna Peetha, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kailashchandra S/o Nand Kishore,  
26, Juna Peetha, Indore (MP).

(Transferor)

- (2) Shri Mohanlal S/o Dayaram Thakur,  
272, Siremal Bapna Marg, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 25 (New No. 26) is situated at 26, Juna Peetha, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Date : 8-3-1985  
Seal :

FORM I.T.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th March 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl./5649.—Whereas, I, Smt. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

House No. 1050 (New No. 2364/23/2369 (Part of) Part No. 2369 Diversion Plot No. 372, Sheet, No. 153/A, Corporation Plot No. 104 situated at Wright town, Ward Madan Mahal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on July 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) M/s Singhai Paramsukh--Partnership firm Thro' Partners Shri Singhai Gyanchand, 2. Pasghai Puranchand, 3. Shri Singhai Laxmichand Sons of late Sh. Singhai Premchand Jain, 4. Shri Rakeshkumar, 5. Shri Mukesh Kumar Sons of late Shri Singhai Dharamchand Jain R/o Sarafa Chouraha, Kotwali Ward, Jabalpur.

(Transferor)

- (2) Hanuman Paper works, Prop. Sagar Agrawal S/o late Shri Gopiram Agrawal R/o Gandhiganj, Raigarh, Teh. Raigarh. Thro' General Power of attorney Shri Radheyshyam Agrawal, R/o Gandhiganj, Raigarh.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House old No. 1050 (new No. 2364/23/2369, Part No. 2369, Diversion Plot No. 372, Sheet No. 153/A, Corporation plot No. 104 is situated at Wright Town, Madan Mahal Ward, Health camp, Jabalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills  
Bhopal

Date : 8-3-1985.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th March 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl./5650.—Whereas, I, SMT. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

House No. 283 (Old) and New No. 899, together with open land situated at Napier Town, Jabalpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jabalpur on July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kamlabai,  
Shri Ajaykumar, Rajay Kumar & Ku. Anjana Jain  
(Minor) Thro' Guardian Smt. Kamla Bai,  
R/o 802/805, Narghaiya, Jabalpur.

(Transferor)

- (2) Smt. Kulwant Kaur & Ravinder Singh,  
R/o 290/3, Napier, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 283 (Old & 899 (New) is situated at Napier Town, Jabalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Bhopal

Date : 8-3-1985.  
Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th March 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5651.—Whereas, I, SMT. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 19 & 20 situated at State Bank of India Officer's colony, Laxmipur Ward Charital, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jabalpur on July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Nemichand S/o Pannalal Jain, and Sushila Jain  
21, State Bank Officers Colony, Laxmipur, Jabalpur.  
(Transferor)

(2) Neelkanth Agrawal S/o late Bhawani Prasad Agrawal  
R/o Chief Vigilance Officers Central Office of  
State Bank of India, Bombay.  
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 19 & 20 is situated at State Bank of India Officers colony, Laxmipur Ward Charital, Jabalpur. This is the immovable property which has been described in Form No. 37-G duly verified by the transferee.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax\*  
Acquisition Range  
Bhopal

Date : 8-3-1985.  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th March 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5652.—Whereas, I, SMT. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 105 situated at Jamalpura, D-sector, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhopal on July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bherumal S/o Tularam,  
R/o Sant Kavar Ram Nagar, Bhopal.  
(Transferor)
- (2) Shri Purshottam Das S/o Dholumal Rajani,  
R/o 20, Ridge Road, Idgah Hills, Bhopal.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 105 is situated at Jabalpura, D-sector, Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

SMT. S. K. AULAKH  
Acquisition Range,  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Date : 14-3-85  
Smt.

## FORM ITNS

(1) Shri Mishrilal S/o Kushilal,  
R/o Vill. Narela Shankeri, Bhopal.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Hazrat Nizamuddin Grih Nirman Sahakari  
Samiti, Govindpura, Bhopal.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th March 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl./5653.—Whereas, I, SMT. S. K. AULAKH, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land bearing Kh. No. 210 & 212 situated at Mauza Narela Shankeri, Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 210 & 212 is situated at Mauza Narela Shankeri, Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee

SMT. S. K. AULAKH  
Acquisition Range,  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 14-3-1985.  
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Shri Ravishanker S/o H. P. Tiwari  
 Firo' Attorney, Shri N. Bhasker Rao S/o Hanumant  
 Rao, R/o Venkat Building, Khirhani Phatak, Katni.  
 (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
 INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING, ASSISTANT  
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
 ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

(2) Dr. N. Ajit Kumar S/o Shri Keshav Rao,  
 R/o Gurunarak Ward, Zulal Mandir Road,  
 Katni.

(Transferee)

Bhopal, the 14th March 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. IAC/Acq'n/Bpl./5654.—Whereas, I, SMT. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing House No. 32 situated at Rana Pratap Ward, Civil Lines, Katni (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Katni on July, 1984 Panipat under Registration No. 1644 dated 28-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 32 is situated at Rana Pratap Ward, Civil Lines, Katni. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

SMT. S. K. AULAKH  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range,  
 Income Tax Building  
 Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
 36—16GI/85

Date : 14-3-1985.  
 Seal:

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
51, RAM TIRTH MARG  
LUCKNOW

Lucknow, the 1st March 1985

G. I. R. No. 48/37EE/Acq.—Whereas, I,  
A. PRASAD,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
Office No. 1st situated at 11, M. G. Marg, Habibullah Com-  
pound, Lucknow.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered u/s  
269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent  
Authority at Lucknow on 23/7/1984.  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

(1) M/s. Halwasiya Properties (P) Ltd.,  
Halwasiya Court,  
Hazratganj,  
Lucknow.

(Transferor)

(2) Mrs. Vijay Gupta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office No. 1st on the VII floor measuring 380 sq. ft. in  
the Commerce House, situated at 11, M. G. Marg, Habibul-  
lah Compound, Lucknow. The agreement has been regis-  
tered by the Competent Authority, Lucknow, under Sl. No. 63,  
dated 23-7-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 1-3-1985

Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRATH MARG,  
LUCKNOW

Lucknow, the 1st March 1985

Ref. No. G.I.R. No. 49/37EE/Aq.—Whereas I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office Nos. 18 and 19 situated at 11, M. G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 Sub-Registrar at in the office of the Competent Authority, Lucknow on 23-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/S. Halwasiya Properties (P) Ltd.,  
Halwasiya Court, Hadratganj, Lucknow.  
(Transferor)

(2) 1. Smt. Gauri Tripathi  
2. Shri Rahul Tripathi  
3. Shri Sanjay Tripathi,  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office Nos. 18 and 19 on the VI floor measuring 550 sq.ft. in the Commerce House situated at 11, M.G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow under Sl. No. 64, dated 23-7-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 1-3-1985  
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Halwasiya Properties (P) Ltd., Halwasiya Court, Hazratganj, Lucknow.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Chandra Devi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 1st March 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. G.I.R. No. 50/37EE/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 17 situated at 11, M.G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 Sub-Registrar at in the office of the Competent Authority, Lucknow on 23-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent. of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Office No. 17 on the VII floor measuring 275 sq.ft. in the Commerce House, situated at 11, M.G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under Sl. No. 65, dated 23-7-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 1-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRATH MARG,  
LUCKNOW

Lucknow, the 1st March 1985

Ref. No. G.I.R. No. 51/37EE/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Office No. 18 situated at 11, M.G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 Sub-Registrar at in the office of the Competent Authority, Lucknow on 23-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s. Halwasiya Properties (P) Ltd., Halwasiya Court, Hazratganj, Lucknow.  
(Transferor)

(2) Master Raman Sarma.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office No. 18 on the VII floor measuring 275 sq.ft. in the Commerce House, situated at 11, M.G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under Sl. No. 66 dated 23-7-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 1-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRATH MARG,  
LUCKNOW

Lucknow, the 1st March 1985

Ref. No. G.I.R. No. 52/37EE/Acq.—Whereas, I, A.  
PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Office No. 19 situated at 11, M. G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Lucknow on 23-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Halwasiya Properties (P) Ltd., Halwasiya Court, Hazratganj, Lucknow.

(Transferor)

(2) Master Harshprit Singht Sarna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office No. 19 on the VII floor measuring 275 sq. ft. in the Commerce House, situated at 11, M.G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow under Sl. No. 67, dated 23-7-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 1-3-1985  
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRATH MARG  
LUCKNOW

Lucknow, the 1st March 1985

Ref. No. G.I.R. No. 53/37EE/Acq.—Whereas, I, A.  
PRASADbeing the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding Rs.

25,000/- and bearing

Office Nos. 13 and 14-A situated at 11, M.G. Marg,  
Habibullah Compound, Lucknow(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered u/s  
269AB of the I.T. Act, 1961 Sub-Registrar at in the office of  
the Competent Authority, Lucknow on 23-7-1984for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-  
ween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of :—(1) M/s. Halwasiya Properties (P) Ltd., Halwasiya  
Court, Hazratganj, Lucknow.

(Transferor)

(2) Master Jitin Kumar Agarwal (Minor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been for  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);Office Nos. 13 and 14-A on the IV floor measuring 410  
sq.ft. in the Commerce House, situated at 11, M.G. Marg,  
Habibullah Compound, Lucknow. The agreement has been  
registered by the Competent Authority, Lucknow, under Sl.  
No. 68, dated 23-7-1984.A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Lucknow.Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—Date : 1-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
57, RAM TIRTH MARG,  
LUCKNOW

Lucknow, the 12th March 1985

G.I.R. No. B-128/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing One shop comprising of five shops situated at Mohalla-Chahmir, Badaun (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Badaun on July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Shakirullah Khan

(Transferor)

(2) Badaun Finance Private Ltd. Company, Baburam Market, Badaun through Managing Partner, Shri Shanti Lal.

(Transferee)

(3) Shri Vendec.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One shop comprising of five shops situated at Chahmir, Badaun (as mentioned in Form 37-G No. 5830) registered by the Registering Authority, Badaun on July, 1984.

A. PRASAD,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Lucknow

Date : 12-3-1985.  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
57, RAM TIRTH MARG,  
LUCKNOW

Lucknow, the 12th March 1985

G.I.R. No. S-359/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Arazi Bhumidhari Nos. 709, 710 and 711 situated at Village-Akrampur, Tehsil & District, Unnao (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Unnao on July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

67—16GI/85

(1) Shri Bhikha,

(Transferor)

(2) M/s. Sadaf Leather Complex Pvt. Ltd.,  
105/196, Chalmanganj, Kanpur  
Through Director, Shri Mohd. Ismail Syed.

(Transferee)

(3) Vendor.

(Person in occupation of the property)

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Arazi Bhumidhari Nos. 709, 710 and 711 total measuring 4 Bighas, 8 Biswa and 5 Biswansis situated at Village—Akrampur, Tehsil and District Unnao. (as mentioned in 37G Form No. 2806), registered by the Registering Authority, Unnao in July, 1984.

A. PRASAD,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Lucknow

Date : 12-3-1985.

Sent :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
57, RAM TIRTH MARG,  
LUCKNOW

Lucknow, the 12th March 1985

G.I.R. No. S-360/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing one house with land situated at Mohalla Didarpura, Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad on 12-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Vineet Kumar Rastogi.  
2. Master Rinku (Minor).

(Transferor)

- (2) 1. Shri Sarvesh Kumar Agarwal.  
2. Smt. Shushma Agarwal.

(Transferee)

- (3) Vendees.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One house with land measuring 270-20 sq. mtrs. situated at Mohalla-Dindarpura, Moradabad (as mentioned in 37G Form No. 4161) registered by the Registering Authority, Moradabad on 12-7-1984.

A. PRASAD,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Lucknow

Date : 12-3-1985.  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
57, RAM TIRTH MARG,  
LUCKNOW

Lucknow, the 12th March 1985

G.I.R. No. V-77/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot of land situated at 18, Madan Mohan Malviya Marg, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Amrapalli Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd.,  
Bisheshwar Nagar,  
Lucknow.

(Transferor)

(2) Shri Vasdeo Sham Dass  
2. Mrs. Pushpa V. Jagtani  
3. Shri Ashok V. Jagtani  
4. Shri Kishore V. Jagtani  
5. Mrs. Dhiera V. Jagtani.

(Transferee)

(3) Vendees.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land measuring 5720 sq. ft. situated at 18, Madan Mohan Malviya Marg, Lucknow (as mentioned in 37G Form No. 8698) registered by the Registering Authority at Lucknow on July, 1984.

A. PRASAD,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Lucknow

Date : 12-3-1985.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Rohtak, the 12th March 1985

Re. No. GRG/149/84-85.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land measuring 43 Kanal 18 Marlas situated at Village Dundahera (Gurgaon) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 4045 dated 13-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, or respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Dr. Harbans Kaur Virk d/o. Shri Gurcharan Singh through Smt. Parseen Mehta w/o. Admiral L. R. Mehta, 23-Kailash Apartments, Lala Lajpat Rai Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Dominant Offset Pvt. Ltd., K-3, Hauz Khas, New Delhi through Shri Anil Ragbhir, Director & Principal Officer.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 43 Kanal 18 Marlas situated at Village Dundahera, Distt. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 4045 dated 13-7-1984 with Sub Registrar, Gurgaon.

R. K. BHAYANA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Rohtak

Date : 12-3-1985.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Rohtak, the 13th March 1985

Ref. No. GRG/621/84-85.—Whereas, I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Land 1 Bigha 8½ Biswas situated at Vil. Khandsa, Distt. Gurgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Gurgaon under Registration No. 3803 dated 4-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Svs. Malkhan, Birbal, Ranjas, Sumer Singh SS/o. Ranpat and Bhagmal & Bhup Singh SS/o. Surjan and Triveni wife and Sukhdevi & Mahadevi daughters and Sant Ram s/o Surjan, Village Khandsa, T/D. Gurgaon.

(Transferor)

- (2) M/s. Mahalaxmi Textiles Industries, 410-Lotus House, 33-Marine Lines, Bombay through Shri S. K. Sehgal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 1 Bigha 8½ Biswas situated at Village Khandsa, Tehsile Gurgaon and more mentioned in the sale deed registered at No. 3803 dated 4-7-1984 with Sub Registrar, Gurgaon.

R. K. BHAYANA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Rohtak

Date: 13-3-1985.  
Seal :

## FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Rohtak, the 13th March 1985

Ref. No. GRG/622/84-85.—Whereas, I,  
R. K. BHAYANA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-  
and bearing No.  
Land measuring 1 Bigha 8-1/2 Biswas,  
situated at Vill. Khandasa, Distt. Gurgaon,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer  
at Gurgaon under Registration No. 3804, dated 4-7-1984,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

- (1) Svs. Malkhan, Birbal, Ramjas & Sumer Singh Ss/o  
Ranpat; Bhagmal, Bhup Singh Ss/o Surjan; Sant  
Ram s/o Surjan and Mahadevi and Sukhdevi Dau-  
ghters and Smt. ~~Chayni~~ wife of Shri Surjan, Village  
Khandasa, Distt. Gurgaon.

(Transferor)

- (2) M/s. Per Pro Vivek Dyes, 410 Lutus House, 33-  
Marine Lines, Bombay through Shri Subhash Sehgal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 1 B 8-1/2 Biswas situated  
at village Khandasa, Distt. Gurgaon and as more mentioned  
in the sale deed registered at No. 3804 dated 4-7-1984 with  
Sub Registrar, Gurgaon.

R. K. BHAYANA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Rohtak.

Date : 13-3-1985.  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) Svs. Malkhan, Birbal, Ramjas & Sumer Singh Ss/o Ranpat; Bhagmal, Bhup Singh Ss/o Surjan and Sant Ram and Mahadevi and Sukhdevi Daughters of Surjan, Village Khandsa, Distt. Gurgaon.

(Transferor)

- (2) M/s. Punjab Rang Udyog, 410 Lotus House, 33-Marine Lines, Bombay through Shri S. K. Sehgal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Rohtak, the 13th March 1985

Ref. No. GRG/623/84-85.—Whereas, I,  
R. K. BHAYANA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 100,000/- and bearing No.  
Land measuring 1 Bigha 8-1/2 Biswas,  
situated at Village Khandsa, Distt. Gurgaon,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer, at  
Gurgaon under Registration No. 3805, dated 4-7-1984,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 1 Bigha 8-1/2 Biswas situa-  
ted at village Khandsa, Distt. Gurgaon and as more men-  
tioned in the sale deed registered at No. 3805 dated 4-7-1984  
with Sub Registrar, Gurgaon.

R. K. BHAYANA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Rohtak.

Date : 13-3-1985.  
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Rohtak, the 13th March 1985

Ref. No. GRG/624/84-85.—Whereas, I,  
R. K. BHAYANA,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding Rs.  
1000,000/- and bearing No.  
Land measuring 1 Bigha 8-1/2 Biswas,  
situated at Village Khandsa, Distt. Gurgaon,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Gurgaon under Registration No. 3806 dated 4-7-1984,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property at  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer agreed to be-  
tween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

(1) Svs. Malkhan, Birbal, Ramjas & Sumer Singh Ss/o  
Ranpat; Bhagmal, Bhup Singh Ss/o Surjan; Ram  
Devi and Sughdevi Daughters of Surjan and Smt.  
Triveni wife of Surjan Village Khandsa, Distt.  
Gurgaon.

(Transferor)

(2) M/s. Per Pro Vivek Dyes, 410 Lotus House, 33-  
Marine Lines, Bombay through Shri R. K. Sehgal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 1 Bigha 8-1/2 Biswas situa-  
ted at village Khandsa, Distt. Gurgaon and as more men-  
tioned in the sale deed registered at No. 3806 dated 4-7-1984  
with Sub Registrar, Gurgaon.

R. K. BHAYANA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Rohtak.

Date: 13-3-1985,  
Seal:

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Rohtak, the 13th March 1985

Ref. No. GRG/625/84-85.—Whereas I,  
R. K. BHAYANA,  
being the Competent Authority under Section 269D of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing No.  
Land measuring 1 Bigha 8-1/2 Biswas,  
situated at Village Khandsa, Dist. Gurgaon,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Gurgaon under Registration No. 3807, dated 4-7-1984,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—  
68-16GT/85

(1) Svs. Malkhan, Birbal, Ramjas & Sumer Singh Ss/o  
Rajpal; Bhagmal; Bhup Singh S/o Shri Surjan;  
Ram Devi Sukhdevi and Smt. Triveni, Village  
Khandsa, Dist. Gurgaon.

(Transferor)

(2) M/s. Progressive Dyestuff, 410-Lotus House, 33-  
Marine Lines, Bombay through Shri S. K. Sehgal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 1 Bigha 8-1/2 Biswas situa-  
ted at Village Khandsa, Dist. Gurgaon and as more men-  
tioned in the sale deed registered at No. 3807 dated 4-7-1984  
with Sub Registrar, Gurgaon.

R. K. BHAYANA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Rohtak.

Date : 13-3-1985.  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Rohtak, the 13th March 1985

Ref. No. RWR/8/84-85.—Whereas I,  
R. K. BHAYANA,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding Rs.  
1,00,000/- and bearing  
Land measuring 106 Kanals situated at  
Village Khazoori, Teh. Rewari,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Rewari under Registration No. 1071, dated 5-7-1984,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to be-  
tween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely:—

(1) Shri Asa Ram s/o Shri Bhima,  
Village Khazoori, P.O. Dungarwas,  
Tehsil Rewari, Distt. Mahendergarh. (Transferor)

(2) M/s. Khoday Distilleries Limited through  
Shri K. L. Ramachandra, No. 10, 1st Main Road,  
Gandhi Nagar, Bangalore-560009. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 106 Kanals situated at vil-  
lage Khazoori, Tehsil Rewari and as more mentioned in the  
sale deed registered at Sr. No. 1071 dated 5-7-1984 with  
Sub Registrar, Rewari.

R. K. BHAYANA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Rohtak.

Date: 13-3-1985.  
Seal:



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Rohtak, the 13th March 1985

Ref. No. BGR/36/84-85.—Whereas, I,  
R. K. BHAYANA,  
being the Competent Authority under Section 269D of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing  
House No. 3-C/45, situated at N.I.T. Faridabad,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Ballabgarh under Registration No. 6709, dated 27-8-1984,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

(1) Shri Ram Lal Khurana,  
r/o 3C/45, N.I.T. Faridabad.

(Transferor)

(2) Smt. Shakunda Devi,  
w/o Shri Sahib Ram,  
House No. 3C/45, N.I.T.  
Faridabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being House No. 3-C/45 situated at NIT Farida-  
bad and as more mentioned in the sale deed registered at  
No. 6709 dated 28-7-84 with Sub Registrar, Ballabgarh.

R. K. BHAYANA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Rohtak.

Date : 13-3-1985.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Rohtak, the 11th March 1985

Ref. No. BGR/38/84-85.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 761, Sector 15A, situated at Faridabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh under Registration No. 6788, dated 30-7-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

- (1) Shri Subhash Chand Goel and Krishan Dev Goel  
Ss/o (Late) Shri Wilayati Ram Goel,  
r/o 485, Sector 15-A, Faridabad. (Transferor)
- (2) Shri Sant Kumar Jain s/o Shri Sultan Singh,  
House No. 20, Church Lane, Bhogal, New Delhi  
now House No. 761, Sector 15-A, Faridabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being House No. 761, Sector 15-A, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 6788 dated 30-7-1984 with Sub Registrar, Ballabgarh.

R. K. BHAYANA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Rohtak.

Date : 13-3-1985.  
Seal :

## FORM ITN—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Rohtak, the 2nd March 1985

Ref. No. PNP/45/84-85.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land measuring 46 Kanals (16 Biswas, situated at Taraf Insar, Panipat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat, under Registration No. 1816, dated 5-7-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Svs Satram Dass s/o Khilla Ram, Gurdial, Tilak Raj, Mulakh Raj, Amrit Lal sons of Satram Dass s/o Khilla Ram, R/o H. No. 369-L, Model Town, Panipat.

(Transferor)

Madhopuri Ludhiana through Shri Wazir Chand, Pardhan of Hosiery Association of Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property being land measuring 46 Kanals 16 Biswas situated at Taraf Insar, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1816 dated 5-7-1984 with Sub Registrar, Panipat.

R. K. BHAYANA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 2-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Rohtak, the 2nd March 1985

Ref. No. PNP/46/84-85.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Land measuring 3 Bigha, 17 Biswas situated at Taraf Insar, Panipat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Panipat under Registration No. 1825, dated 6-7-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Vvs. Satish Kumar s/o Sardari Lal s/o Tirath Ram; Subhash Chander s/o Ram Lal s/o Tirath Ram, R/o H. No. 457, Ward No. 1, Panipat.  
(Transferor)
- (2) Ludhiana Hosiery & Textiles Association Chowk, Madhopuri Ludhiana through Shri Tarsem Lal, General Secretary of Hosiery Association.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 3 Bigha 17 Biswas situated at Taraf Insar, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1825 dated 6-7-1984, with Sub Registrar, Panipat.

R. K. BHAYANA,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Rohtak.

Date : 2-3-1985.  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Rohtak, the 13th March 1985

Ref. No. PNP/47/84-85.—Whereas I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land 12 Kanal, 12 Marlas situated at Taraf Makhdum Jadugan, Panipat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Competent Authority Panipat under Registration No. 1826, dated 6-7-84, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Svs. Ram Lal s/o Tirath Ram, Satish Kumar, Harish Kumar Sons of Sardar Lal s/o Tirath Ram, R/o H. No. 457, Ward No. 1, Panipat. (Transferor)
- (2) Ludhiana Hosiery & Textiles Association Chowk, Madhopuri, Ludhiana through Shri Tarsem Lal Jain, General Secretary S/o Lala Babu Lal Jain. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 12 Kanal 12 Marlas situated at Taraf Makhdum Jadugan, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1826 dated 6-7-1984 with Sub Registrar, Panipat.

R. K. BHAYANA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Rohtak.

Date: 13-3-1985.  
Seal:

FORM ITNS

(1) Shri Ghanshyam Dass s/o Shri Saligram R/o 111/201, Harsh Nagar, Kanpur (U.P.).

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Rohtak, the 13th March 1985

Ref. No. AMB/46/84-85.—Whereas I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. H. No. 4104/4105 situated at Sarafan Bazar, Ambala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala under Registration No. 3301 dated 4-7-84, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Radheshyam s/o Shri Rampat Ram, Smt. Braj Bala W/o Shri Kuldeep Singh S/o Shri Radheshyam, Smt. Shanta Devi W/o Shri Pradheep Singh S/o Shri Radheshyam R/o 60, 61 Govind Nagar, Ambala Cantt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being House No. 4104, 4105 situated in Sarafan Bazar, Ambala Cantt and as more mentioned in the Sale Deed registered at S. No. 3301 on 4-7-84 with the Sub Registrar, Ambala.

R. K. BHAYANA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Rohtak.

Date : 13-3-1985.  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Rohtak, the 12th March 1985

Ref. No. AMB/52/84-85.—Whereas I,

R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

land measuring 4 Kanals situated at Village Singhawala (Ambala)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ambala under Registration No. 3519 dated 11-7-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

69 - 16611/85

- (1) S/s. Ram Lal s/o Hota Ram, Mahender Kumar s/o Heera Nand, R/o Village Jansuri, Teh. & Dist. Ambala.

S/s. Ramchwar Lal s/o Putan Chand; Tulsi Dass s/o Jai Dayal; Sita Ram, Harbhagwan, Jagdish Chand Ss/o Vishan Dass, R/o Village Nasirpur, Teh. & Dist. Ambala.

(Transferor)

- (2) S/s. Roshan Lal Trikha s/o Pt Ram Jas s/o Pt. Jagan Nath r/o Badshahi Bagh, Ambala Cantt. Shri Gurdayal Singh s/o Heera Singh s/o Har Ditt Singh, r/o Village Singhawala, Tehsil & Dist. Ambala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land 4 Kanal situated at Village Singhawala, Distt. Ambala and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 3519 dated 11-7-1984 with Sub Registrar, Ambala

R. K. BHAYANA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax  
Acquisition Range,  
Rohtak.

Date: 12-3-1985.  
Seal :

## FORM IIIS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Rohtak, the 12th March 1985

Ref. No. AMB/60/84-85.—Whereas I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 395 situated at Model Town, Ambala City (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala under Registration No. 3818 dated 24-7-84, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ram Lal S/o Shri Sobha Ram S/o Shri Gurditta Mal, R/o H. No. 10521/6, Ambala City.  
(Transferor)  
(2) Smt. Geeta Kohli W/o Shri Anil Kumar Kohli S/o Shri Manohar Lal R/o H. No. 20 Ajit Nagar, Ambala Cantt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being House No. 395 situated at Model Town, Ambala City and as more mentioned in the Sale Deed registered at S No. 3818 on 24-7-1984 with the Sub Registrar, Ambala

R. K. BHAYANA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Rohtak.

Date : 12-3-1985  
Secy



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Rohtak, the 19th February 1985

Ref. No. KNL/148/84-85.—Whereas I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot & Godown situated at Gharaunda, Distt. Karnal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Karnal under Registration No. 3988 dated 30-7-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Smt. Shamo Devi Wd/o Sadhu Ram, r/o Gharaunda, Distt. Karnal.  
(Transferor)

- (2) Svs. Prem Chand, Mahender Pal, Samsher Singh, Virender Kumar, Satish Kumar & Virender Kumar Sons of Shri Jai Bhagwan s/o Tara Chand and Shri Kanwar Bhan s/o Shri Hari Kishan Dass & Ram Gopal s/o Ram Sarup and Amar Nath s/o Banarsi Dass through M/s. Sunder Lal, Jai Bhagwan Commission Agent, Gharaunda, Distt. Karnal.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being plot & godown situated at Gharaunda, Distt. Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 3988 dated 30-7-1984 with Sub Registrar, Karnal.

R. K. BHAYANA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Rohtak.

Date 19-2-1985.  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, MADURAI-2

Madurai-2, the 8th March 1985

Ref. No. 163/July/84.—Whereas, I,  
V. M. MUTHURAMALINGAM,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 -  
and bearing No.  
Door No. 81 (T.S. No. 33), situated at Town Hall Road,  
Madurai  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Indian  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer  
at J.S.R. Madurai (Document No. 3555/84) on July 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

(1) Mr. M. K. Mohamed Mian alias M. K. Miakhan;  
S/o Mr. M. Kader Mohideen Rowther,  
No. 80 & 81, Town Hall Road,  
Madurai-1.

(Transferor)

(2) Mr. M. Mohamed Ilanifa  
S/o Mr. Kaji Muthumohamed,  
No. 73, South Masi Street,  
Madurai-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at Door No. 81 (T.S. No. 33), Town  
Hall Road, Madurai—Document No. 3555/84.

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Madurai (i/c)

Date: 8-3-1985  
Seal:

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, MADURAI-2

Madurai-2, the 8th March 1985

Ref. No. 164/July/84.—Whereas, 1. V. M. MUTHURAMALINGAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Door No. 57 (T.S. No. 2056/2), situated at Kamarajar Salai, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jt. Sub-Registrar, Madurai (Doc. No. 3568/84, 3569/84, 3570/84, 3571/84, 3572/84 & 3573/84) on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mr. N. M. S. Jagath Jothi,  
No. 57, Kamarajar Salai,  
Madurai

(Transferor)

- (2) 1. Mr. R. Mohanlal,  
2. R. Mohanlal,  
3. Mr. R. Mohanlal, Guardian of Madhanlal (Minor)  
4. Mr. Madhanlal, Guardian of Mohanlal,  
5. Mrs. M. Narayani Bai W/o Mr. R. Mohanlal,  
No. 275, Kamarajar Salai, Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at Door No. 57 (T.S. No. 2056/2.) Kamarajar Salai, Madurai—Document Nos. 3568/84, 3569/84, 3570/84, 3571/84, 3572/84 and 3573/84.

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Madurai (i/c)

Date : 8-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, MADURAI-2

Madurai-2, the 8th March 1985

Ref. No. 165. July/'84.—Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing R.S. No. 78, Valavangulam village, situated at Madurai South Taluk (Tamil Nadu) (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Joint Sub-Registrar, Madurai (Doc. No. 3730/84 and 3750/84) on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mr. K. Purushotham,  
Power Agent,  
No. 90/1, North Perumal Maistry Street,  
Madurai.

(Transferor)

- (2) 1. Mr. S. Jayaram,  
2. Mr. R. Muniasamy,  
No. 9, Singarathope North First Lane,  
Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

## THE SCHEDULE

9 Acre & 1 cent (Punjab lands at R.S. No. 78, Valavangulam village, Madurai South Taluk.—Document Nos. 3730/84 and 3750/84).

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Madurai (i/c)

Date: 8-3-1985

Seal:

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, MADURAI-2

Madurai-2, the 8th March 1985

Ref. No., 166/July/84.—Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey Ward 8, T.S. No. 1149 situated at Madurai Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R.I., Madurai (Doc. Nos. 3757, 3758, 3759 and 3760, 3761 and 3762 on July 1984) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

- (1) 1. Shri Alagarsamy Pillai,  
S/o Perumal Pillai,  
2. Mr. Durairam and Sundaramuthy  
S/o Mr. Alagarsamy Pillai,  
Thoppulampatti, Madurai North Taluk.  
(Transferor)

- (2) 1. Mr. Ramachandran,  
2. Mrs. Chandradevi,  
W/o Mr. Ramachandran,  
33A, Poosarithoppu Street,  
Munichalai, Madurai-9.  
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at T.S. No. 1149, Madurai Town—  
Document Nos. 3758, 3759, 3760, 3761 and 3762/84.

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Madurai (J/)

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-3-1985  
Seal:

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th March 1985

Ref. No. 10/July 84/R.II.—Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land at situated at S. Nos. 713/1.2, 714, 715/2.3, 716/2, 734/2 Kavandampadi village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kavandampadi/Doc. No. 789/84 in July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri A. R. Chinnayagounder, s/o Ramasamy gounder, Odathurai village, Aiyampalayam, Kavundapadi Village, and Sri Subramaniam, Kattur, Smt. Kannammal, Veerapandi Village, Kattur, Smt. Ammasaiamma, w/o Chellappa Gounder, Kattur, Marappagounder's son : Sri Veerappagounder, Koil Thuraiampalayam Village.

(Transferor)

- (2) Sri Chengodagounder, s/o Chellappagounder, and sons : Sri Dulachimani D. S. Chellakumarasamy, Pudukkumarpalayam, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land : S. No. 713/1.2.714, 715/2.4, 716/2, 734/2, Pudukkumarampalayam, Kavandampadi Doc. No. 789/84.

Mrs. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Madras-600 006

Date : 4-3-1985.  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th March 1985

Ref. No. 24/July 84/R.II.—Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land at Ekkarai situated at Negamam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sathyamangalam/Doc. No. 1517/84 on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

70—16GI/85

- (1) Smt. Pachayammal,  
w/o Cheenappa Gounder,  
and their sons : Velusamy, Kandasamy,  
Gandhimathi, Thilagavathi, Pushpa, Kanjanur  
Ekkarai, Negamam, village.

(Transferor)

- (2) Sri Ramasamy Gounder,  
Varadampalayam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Ekkarai Village, Negamam village.  
Sathyamangalam/Doc. No. 1517/84.

Mrs. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Madras-600 006

Date : 4-3-1985.

Seal :

## FORM FINS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th March 1985

Ref. No. 58/July 84/R.II.—Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 289/4—survey No. situated at Door No. 8A, 8A, 8B, Kallakurichi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kallakurichi/Doc. No. 1592/84 on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri Rajavelu Ilangoval,  
s/o Palanisamy Pillai;  
s/o Rajavelu,  
Kallakurichi.

(Transferor)

- (2) Minors : Rajkumar, Ramkumar,  
by mother and guardian, Daivakunjarjammal,  
w/o R. Ragothaman,  
Kallakurichi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building : 8A, 8B, and building Survey No. 289/4.  
Kallakurichi/Doc. No. 1592/84.

Mrs. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Madras-600 006

Date : 4-3-1985.

Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th March 1985

Ref. No. 59/July 84/R.II.—Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Dry lands at Pethanaickanur situated at (and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anaimalai/Doc. No. 828/84 on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri K. Velusami,  
3/11, Muthusamy Kurukkal Lane,  
Anaimalai, Pollachi,  
Coimbatore dist.

(Transferor)

- (2) Sri N. Palanigounder,  
s/o Nalligounder,  
and P. Natarajan and P. Ramasami,  
sons of N. Palani gounder,  
Chinnampalayam, Pollachi, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Pethanaickanur.

Doc. No. 828/84/Anaimalai.

Mrs. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Madras-600 006

Date : 4-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th March 1985

Ref. No. 73/July 84/R.II.—Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House and ground bearing Door No. 84 situated at new No. 55, Arunachala Naicken St., Madras-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras Central/Doc. No. 713/84 on July 1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- ((1) Rekchand Rekka, Vimalchand Rekka, Hirendra, Sidharta, Aishvarya and others, Arunachala Naicken St., Madras-2.

(Transferor)

- (2) Sri C. Boopathy,  
85, Sami Naicken St., Madras-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building bearing Door No. 84, New No. 55, Arunachala Naicken St., Madras-2.

Madras Central/Doc. No. 713/84.

Mrs. M. SAMUEL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Madras-600 006

Date : 4-3-1985.  
Seal :

## FORM ITNS-----

(1) Mrs. Aleyamma Philip; and  
Mr. Thomas Philip,  
No. 3, VIth Trust Cross St.,  
Mandavelipakkam, Madras-28.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri M. B. Pandurangam,  
No. 13/1, South Madras St.,  
Mylapore, Madras-4.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Madras-600 006, the 4th March 1985

Ref. No. 74/July 84/R.II.—Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3, VIth St., Trust Cross St., situated at Mandavelipakkam Madras-28

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central/Doc. No. 710/84 on July 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and building : No. 3, VIth Trust Cross St., Mandavelipakkam, Madras-28.

Madras Central/Doc. No. 710/84.

Mrs. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-3-1985.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th March 1985

Ref. No. 77/July 1984/R.II.—Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House ground and premises bearing door No. 13, 11th St., Nandanam Extension, situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrar at Madras Central/Doc. No. 682/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri R. Srinivasan,  
Plot No. 153, N.G.O.'s scheme,  
Nandanam Extension, Madras.

(Transferor)

(2) Mrs. Aruna Raghunathan,  
6/A, Ayyaswami School St.,  
Nehru Nagar, Chrompet, Madras-44.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building Door No. 13, 11th St., Nandanam Extension, Madras.

Madras Central/Doc. No. 682/84.

Mrs. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Madras-600 006

Date : 4-3-1985.

Seal :

**FORM FIVE**

(1) Smt. M. Nirmala,  
Y. 3, East Anna Nagar,  
Madras-600 040.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri K. Krishnan,  
22, Sullivan Garden St.,  
Mylapore, Madras-4.

(Transferee)

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006**

Madras-600 006, the 2nd March 1985

Ref. No. 78/July 84/R.II.—Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 19-A, Balaji Nagar, I Street, situated at Royapettah, Madras-14

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central Doc No. 668/84 on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land and building : 19A, Balaji Nagar, I St., Royapettah, Madras-14.

Madras Central/Doc. No. 668/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Madras-600 006

Date : 2-3-85.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 25th February 1985

Ref. No. F. 87/July 84/R.II.—Whereas, I Mrs. M. SAMUEL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Vacant land in S. No. 343/1, in situated at registration sub-district of Triplicane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Triplicane/Doc No. 492/84 on July 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri V. V. Ramasamy Chettiar,  
25, Begum Sahib 3rd St.,  
Mount Road, Madras-2.

(Transferor)

- (2) Sri V. V. R. Selvaraj,  
(2) S. Rajeswari,  
(3) Minor S. Prabu,  
(4) V. Hamsavalli,  
(5) Minor V. Sivakumar,  
25, Begum Sahib 3rd St.,  
Mount Road, Madras-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant land of 2070 sq. ft. S. No. 343/1, in Registration Sub-Dist. of Triplicane.

Doc. No. 492/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Madras-600 006

Date : 25-3-85

Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS

Madras-600 006, the 2nd March 1985

Ref. No. 89/July 84/R.11.—Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Door No. 31 (Old No. 10), Venkatesa Naicken St., situated at Chepauk, Madras-600 005

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Triplicane/Doc. No. 444/84 on July 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to believe the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

71—16GI/85

(1) Sri R. Shanmugham,  
s/o M. T. Ramadoss Chettiar,  
70, C. N. K. Road, Chepauk,  
Madras-600 005.

(Transferor)

(2) Mrs. F. Mohamed Habeeba,  
w/o R. Sulaiman,  
18, Venkatesa Naicken St.,  
Chepauk, Madras-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building : Door No. 31 (Old No. 10), Venkatesa Naicken St., Chepauk, Madras-600 005.  
Doc. No. 444/Triplicane.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Madras-600 006

Date : 2-3-85.  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS

Madras-600 006, the 2nd March 1985

Ref. No. 90/July 84/R.II.—Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. New Dood No. 11, (Old 8), Bandi Venkatesa Naicken St., situated at Triplicane Madras-5 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Triplicane/Doc. 440/84 on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri S. Jayaraman,  
(2) Sri J. Balaji,  
minor by his father Jayaraman, both at  
11, B. V. Naicken St., Triplicane, Madras.  
(Transferor)

- (2) Sree Jain Swathember Murthi Pujak Trust by its permanent trustee J. Gouthamchand,  
No. 3, B. V. Naicken St., Madras-5.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building New door No. 11 (old No. 8), Bandi Venkatesa Naicken St., Triplicane, Madras-5.  
Triplicane/Doc. No. 440/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Madras-600 006

Date : 2-3-85.

Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

- (1) Miss. R. Subadra Devi,  
31, Mosque St., Chepauk, Madras-5. (Transferor)
- (2) Dr. T. R. Chandrasasa,  
152, South West Harbourbulavard  
Portcharlotte : Florida : U.S.A. (Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS

Madras, the 4th March 1985

Ref. No. 91/July 84/R. II.—Whereas I, Mrs. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), has reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House and ground door No. 31(old No. 11) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1902 (16 of 1902) in the office of the Registering Officer at Triplicane/Doc. No. 465/84 on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building: Door No. 31(Old 11), Mosque St., Chepauk, Madras-5. Triplicane/Doc. No. 465/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras

Date : 4-3-85  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madrass-600 006, the 4th March 1985

Ref. No. 92/July 84/R.II.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. 29 (old No. 26), Feroz Sahib St., situated at Royapettah, Madras-14 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Triplicane/Doc. No. 476/84 on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or,

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri Khan Bahadur Haji Mohammad, Abdul Azeez Basha Sahib Wakf, by Muthawalli Mr. Habibullah Badhaha, Senior Advocate, No. VIIIA, High Court Chambers, Madras-600104. (Transferor)
- (2) 1. Smt. K. Krishnammal 2. R. Sivanantham, 3. R. Sadanandam, 4. R. Balasubramani, 5. Chittababi, 6. R. Vijaikumar, No. 29, Ferozsahib St., Madras-600 014. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building: No. 29 (Old No. 26) Feroz Sahib St., Royapettah, Madras-600 014. Triplicane/Doc. No. 476/84.

MRS. M. SAMUEL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras

Date: 4-3-85  
Seal :

FORM ITNS—8

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madrās-600 006, the 4th March 1985

Ref. No. 240/July 84/R.II.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Horti-Agricultural land in OS. No. 57/1, Part, T.S. No. 13/253, Part, Block No. 21 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adayar Doc No. 1962/8 on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shree Padmanabha Dasa Rama Varma,  
Rep. By Power Agent Sri S. Padmanabha Iyer.  
(Transferor)
- (2) Dr. Ninan Theredepusha Mathew,  
16, II Avenue, Harrington Road, Madras-31.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Horti-Agricultural land in OS No. 57/1, Part, TS. No. 13/253, Part, Block 21. Adayar/Doc. No. 1962/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras

Date : 4-3-85  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Sree Padmanabha Dasa Rama Varma,  
rep. by Power Agent S. Padmaanbha Iyer.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Sushila Mathew,  
16, II Avenue, Harrington Road,  
Madras-600 031.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS  
Madras-600 006, the 4th March 1985

Ref. No. 241/July 84/R.II.— Whereas, I MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Horti-agricultural land in O.S. No. 57/1 part, T.S. No. 13/253, Part Block No. 21, Urur Village (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Adayar/Doc. No. 1961/84, on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Horti—Agricultural land in OS No. 57/1, Part, TS. No. 13/253 Part, Block No. 21, Urur Village, Adayar/Doc. No. 1961/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-3-85  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madrass-600 006, the 4th March 1985

Ref. No. 252/ July/84.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Block No. 16, C.S. 7/2, Kotturpuram Village, Saidapet taluk situated at Adyar, South Madras Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adyar/Doc. No. 2140/84 on July 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri C. P. Subbaraman,  
Engineer and Administrative Officer,  
Nandanam Division, 36, Anna Salai,  
Madrass-35.

(Transferor)

(2) Thiru Ramasamy Balasubramaniam,  
s/o Sri Ramasamy Iyer,  
4, Kotturpuram, Madras-85.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land: T.S. No. 7/2, Block No. 16, Kotturpuram Village, Adyar Sub Dist. Saidapet Taluk, Adyar/Doc. No. 2140/84,

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-3-85  
Seal:

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

MADRAS-600 006, the 25th February 1985

Ref. No. 280/July 84/R.II.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Old No. 551/part New No. 1034/part, situated at T.H. Road, Madras-19 comprised in R.S. No. 174/part,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Thiruvottiyur/Doc. No. 2123/84 on July 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kannammal and 2. Kottaimuthu, 69, Sannathi St., Sathangadu Village, Thiruvottiyur, Madras. (Transferor)  
(2) Sri Pannceerselvam 2. Natarajan. 3. Ponnuswamy 4. Ilangai Venkhan 5. Rajendran 6. Manoharan 7. Thangavel, 8. S. Srinivasan and 9. Kathiresan, No. 742, Thiruvottiyur High Road, Madras-81. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building: Old No. 551/part New No. 1034/part, T.H. Road, Madras-19. R.S. No. 174/part. Doc. No. 2123/84/Thiruvottiyur.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras

Date : 25-2-85  
Seal :

FORM ITNB-----

## NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 2nd March 1985

Ref. No. 286/July 84/R.II.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land in Adanur Village No. 225, situated at Sriperambudur, Taluk, Chingleput dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Doc. No. 1986/84) on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (21 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—  
72-1601/85

(1) Sri T. A. S. Velu,  
G.A. Road, Madras-21.

(Transferor)

(2) Messrs. Sreevatsa Enterprises,  
29/2, Sembudoss St., Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant Land : Village No. 225, Adanur Village, Sriperambudur Taluk, Chingleput district. Madras North/Doc. No. 1986/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras

Date : 2-3-1985

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madrass-600 006, the 8th March 1985

Ref. No. 81/July 84/R.II.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Factory work shed of 2100 sq.ft. situated at 64, Kunnathur Road, Porur (and more fully described in the schedule annexed hereto), 1908) in the Office of the Registering Officer at Alandur/Doc. No. 2191/84 on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri P. Venkateswaran,  
2. Raja Rajeswari Ancillary Services,  
3. Porur Iron Works (P) Ltd.,  
4. Foundry and Pattern Equipments  
No. 65, Kunnathur Road, PORUR.

(Transferor)

- (2) Sri K. Sridharan,  
14, Barabhy Road, Kilpauk, Madras-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Factory work shed of 2100 sq. ft. built up area: Land area: 6 grounds 2/60 sq. ft 64, Kunnathur Road, Porur, Alandur/Doc. No. 2191/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras

Date: 8-3-1985  
Seal:



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

MADRAS-600 006, the 8th March 1985

Ref. No. 83/July 84/R. II.—Whereas I, Mrs. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11, Kannika Colony, Nungambakkam, situated at Madras 61 R.S. No. 65/1, 65/2A, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alandur Doc. No. 2134/84 on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri S. Sabapathy,  
M 7, 19th Avenue, Ashok Nagar,  
Madras-83. (Transferor)
- (2) Smt. S. Saroja,  
173, Sydoji St., Triplicane, Madras-5. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building : 11, Kannika Colony, NANGANAL-LUR, Madras-61. Alandur/Doc. No. 2134/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras

Date : 8-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

MADRAS-600 006, the 8th March 1985

Ref. No. 181/July 84/R.II.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22, Rajah Annamalai Chetty Road, situated at Purasawalkam, Madras-7 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Purasawalkam/Doc. No. 1304/84 on July 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sri Jasraj M. Jain,  
Sri Babulal M. Jain,  
No. 77, Narayana Mudali St., Madras-1.  
(Transferor)
- (2) M/s. Sharyans Resources Ltd., by its Director,  
P. L. Bengani, Office at No. 5, Synagogue St.,  
Calcutta-1.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Flat No. 2B, II floor, Door No. 22/13, of multistoreyed building door No. 22, Rajah Annamalai Chetty Road, Purasawalkam, Madras-7, Purasawalkam/Doc. No. 1304/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras

Date : 8-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madrass-600 006, the 8th March 1985

Ref. No. 190/July 84/R.II.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 24, Nageswara Iyer Road, situated at Nungambakkam, Ext. 3976 sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandths Doc. No. 360/84 in July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Rajam Raman, w/o T. Raman,  
2. T. Raman, s/o Late T. V. Raman,  
24, Nageswara Iyer Road, Nungambakkam,  
Madrass-34 (Transferor)
- (2) Smt. T. Umama,  
2. S. A. Syed Abdul Kader, No. 24, Nageswara  
Iyer Road, Madras-34. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein are defined in Chapter XAX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant land at Door No. 24, Nageswara Iyer Road, Madras-34 Nungambakkam, Thousandlights/Doc. No. 360/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras

Date : 8-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 8th March 1985

Ref. No. 204/July 84/R.II.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-, and bearing No. Plot No. 151-A, T.S. No. 2(Part) in situated at Aiyavoo Naidu Colony, Riyavoo Naidu Lane, Arumbakkam Village, Madras-29 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam, Doc. No. 1918/84 on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- (1) Sri S. Seshadri, s/o S. Subramaniam,  
41, New Street, Madras-34.

(Transferor)

- (2) Sri B. Jagadeesan, s/o B. Jayaram Naidu,  
118, Jayammal St., Aminjikarai, Madras-29.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 151-A, T.S. No. 2 (Part) in Aiyavoo Naidu Colony, Aiyavoo Naidu Lane, Arumbakkam Village, Madras-29. Kodambakkam/Doc. No. 1918/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras

Date : 8-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS  
Madras-600 006, the 8th March 1985

Ref. No. 205/July 84/R.II.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. T.S. No. 14/Part, Block No. 71, situated at 12th Avenue, Ashok Nagar, Kodambakkam village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kodambakkam/Doc. No. 1920/84 on July 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Mr. M. H. Jeddy,  
No. 18/1, 12th Avenue (MIG Flats),  
Ashok Nagar, Madras-83.  
(Transferor)
- (2) Mrs. Shehnaz Jeddy,  
No. 18/1, 12th Avenue, Ashok Nagar,  
Madras-3.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

T.S. No. 14/part, Block No. 71, 12th Avenue, Ashok Nagar, Kodambakkam Village. Kodambakkam/Doc. No. 1920/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras

Date : 8-3-1985  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 8th March 1985

Ref. No. 213/July 84/R.II.—Whereas, I **MRS. M. SAMUEL**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Vacant land in Kodambakkam situated at S. No. 233, T.S. No. 69, Plot No. 59, Kodambakkam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kodambakkam/Doc. No. 1753/84 on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Sri R. Balakrishnan, 18, Malai Ranganathan St., T. Nagar, Madras-17.  
(Transferor)  
(2) Shri P. A. Viswanathan, S/o Late P. S. Anantharama Iyer, 9, Satyanarayana Avenue, Boat Club Road, Madras-28.  
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant land in Kodambakkam being S. No. 233, T.S. No. 69, Plot No. 59, Kodambakkam/Doc. No. 1753/84.

**MRS. M. SAMUEL**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras

Date : 8-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madrass-600 006, the 8th March 1985

Ref. No. 216/July 84/R.II.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. Vacant site at Murugesu Naicker Colony, Ratnammal St., situated at Plot No. 8B, Block No. 45, Kodambakkam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras at Kodambakkam/Doc. No. 1839/84 on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

73—16GI/85

(1) Sri T. G. Srinivasan,  
No. 2749, Second Stage, 12 MAIN :  
S. Block Bangalore-10.

(Transferor)

(2) Sri M. Rajaram,  
4, Flat 2, Ashok Avenue UIC,  
Kodambakkam, Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land: Plot No. 8B, Block No. 45, Ratnammal St.,  
Murugesu Naicker Colony, Kodambakkam, Kodambakkam/  
Doc No. 1839/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras

Date : 8-3-1985

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madrass, the 8th March 1985

Ref. No. 221/July/ 84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 105, Block No. 26, T.S. No. 74, situated at No. 109, Puliur, Major Trustpuram, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam/Doc. No. 1865/84 on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri G. N. Subramanian (as power Agent of Mr. T. N. Balasubramanian)  
No. 60, Kamdar Nagar, Nungambakkam,  
Madras-34. (Transferor)
- (2) Smt. C. Kausalya Devi,  
No. 17, 4th Cross St., Trustpuram,  
Madras-24. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building:—No. 109, Puliur, Major Trustpuram, Plot No. 105, Block No. 26 T.S. No. 74 Madras-24. Kodambakkam/Doc. No. 1865/84,

MRS. M. SAMUEL,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras.

Date : 8-3-1985  
Seal :



## FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 8th March 1985

Ref. No. 229/July 84/R.II.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and  
bearing No. Plot 'C' Door No. 13, GIRI ROAD I ST.,  
situated at T. Nagar, Madras-17  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
T. Nagar/Doc. No. 935/84 on July 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

- (1) Mrs. Vijayalakshmi Narayanan  
K. N. Shanta, N. Venkatachalam and  
N. Vasantha,  
No. 13, Giri Road, I St.,  
T. Nagar, Madras-17. (Transferor)
- (2) Sri M. K. Sundararajan and S. Sakuntala,  
No. 23, Murugesu Mudaliar Road, T. Nagar,  
Madras-17. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building: Plot 'C' Door No. 13, Giri Road I  
St., T. Nagar, Madras.  
T. Nagar/Doc. No. 935/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras.

Date: 8-3-1985  
Seal:

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madrass, the 8th March 1985

Ref. No. 234/July 84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-Tax Act, (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10, Mahalakshmi St., situated at T. Nagar, Madras-17 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar/Doc. No. 917/84 on July 1984 for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be the following persons, namely :—

- (1) Sri T. Sadasiva Rao,  
10, Mahalakshmi St., T. Nagar,  
Madras-17. (Transferor)
- (2) Sri Mohan Cavale, S/o J. R. Cavale,  
20, Rameswaram Road, Madras-17. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

10, Mahalakshmi St., T. Nagar, Madras-17.  
T. Nagar/Doc. No. 917/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras.

Date : 8-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madrass, the 8th March 1985

Ref. No. 235/July 84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. Rs. 25,000/- and bearing No. 10, Mahalakshmi St., T. Nagar, situated at Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar/Doc. No. 915/84 on July 1984 for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

No, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri T. Sadasiva Rao,  
10, Mahalakshmi St.,  
T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

(2) Sri R. Swaminathan,  
S/o V. R. Ranganatha Iyer  
27, Moorthy St., Madras-33.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

10, Mahalakshmi St., T. Nagar, Madras-17.  
T. Nagar/Doc. No. 915/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras.

Date : 8-3-1985

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madrass-600 006, the 8th March 1985

Ref. No. 236/July 84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10, Mahalakshmi St., situated at T. Nagar, Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at T. Nagar/Doc. No. 914/84 on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sri T. Sadasiva Rao,  
10, Mahalakshmi St., T. Nagar,  
Madrass-17.
- (2) Smt. T. P. Manjula,  
W/o T. D. Ramanath Rao,  
No. 2, Anand Flats, 20, Srinivasa Avenue Road,  
Madrass-28.

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

10, Mahalakshmi St., T. Nagar, Madras-17.  
T. Nagar/Doc. No. 914/84.

MRS. M. SUMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras.

Date : 8-3-1985.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sri T. Sadasiva Rao,  
10, Mahalakshmi St.,  
T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

(2) Sri N. Chakrapani,  
S/o Late S. Nagaraja,  
11, Rameswaram Road, T. Nagar,  
Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Madras-600 006, the 8th March 1985

Ref. No. 237/July 84/R.II.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
bearing No. 10, Mahalakshmi St., situated at  
T. Nagar, Madras-17  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
T. Nagar/Doc. No. 916/84 on July 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds, the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the instrument of transfer  
with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

10, Mahalakshmi St., Madras-17. T. Nagar.  
T. Nagar/Doc. No. 916/84.

MRS. M. SUMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 8-3-1985.  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri T. Sadasiva Rao,  
10, Mahalakshmi St.,  
T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Subba Rao,  
25, St. Mary's Road, Madras-28.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 8th March 1985

Ref. No. 238/July 84/R.II.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
No. 10, Mahalakshmi, St., Theagarayanagar,  
situated at Madras 17.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
T. Nagar/Doc. No. 918/84 on July 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

10, Mahalakshmi St., T. Nagar, Madras-17.  
T. Nagar/Doc. No. 918/84.

Mrs. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by this issue of the notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 8-3-85  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 8th March 1985

Ref. No. 273/July 84/R. II.—Whereas, I

Mrs. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
Vacant land Door No. 8L Nageswara Iyer Road, situated at Nungambakkam, Madras-34  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North/Doc. No. 1892/84 on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

74—16G1/85

- (1) Sri K. N. N. Rajan,  
No. 9, Nageswara Iyer Road,  
Nungambakkam, Madras-34.

(Transferor)

- (2) Sri P. A. Shahabudeen, Pallivasal St.,  
Abivirthiswaram,  
Thanjavur Dt.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant land of extent of 1770 sq. ft. New Door No. 8L, Nageswara Iyer Road, Nungambakkam, Madras-34.  
Madras North/Doc. No. 1892/84.

Mrs. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 8-3-85  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 12th March 1985

Ref. No. 63/July 84.—Whereas, I  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.  
situated at Marchanaikanpalayam Pollachi T. K.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Annamalai (DOC. No. 863/84) on July 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by this issue of the notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

(1) Sri A. M. Nataraja Gounder,  
Marchanaikanpalayam,  
Pudur Thottam, Pollachi T. K. (Transferor)

(2) Sri V. A. Natarajan Gounder,  
46, N. V. M. Veedhi,  
Vadukapalayam,  
Thalakarai Village. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter,

## THE SCHEDULE

Agricultural land at Annamalai Village Pollachi  
Taluk Tirupur.  
(Doc. No. 863/84 Annamalai).

Mrs. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 12-3-1985  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 12th March 1985

Ref. No. 98/July 84.—Whereas, I  
Mrs. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
No. — situated at Mylapore Village  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Mylapore (Doc. No. 959/84) on July 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

(1) Sri N. Desikachariar,  
13/2, 6th Main Road,  
R. A. Puram, Madras-28.

(Transferor)

(2) Sri M. S. Subramanian,  
29, Alamelumangapuram,  
Mylapore, Madras-28.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

House and Ground situated at Mylapore village comprised  
on R.S. No. 3940/21 and 3944/19.  
Doc. No. 959/84 Mylapore.

Mrs. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 12-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 12th March 1985

Ref. No. 123/July 1984.—Whereas, I  
Mrs. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sanganoor Tatabad situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhipuram (Doc. No. 2688/84) on July 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri R. Narayanasamy,  
No. 73, 110 ft. Road,  
Tatabad, Coimbatore.

(Transferor)

- (2) Sri K. Balasubramaniam and others,  
No. 364, Bharathiyar Road,  
Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in this Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building Site No. 499 T.S. No. 11/750 New T. S. No. 171, 172, 173, 174 (Doc. No. 2688/84 Gandhipuram).

Mrs. M. SAMUEL:  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 12-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 12th March 1985

Ref. No. 141/July 84/R. II.—Whereas, I  
Mrs. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. — situated at Coimbatore Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore/Doc. No.3221/84 on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the ing persons, namely :—

- (1) Sri A. Sadasivam,  
s/o Late Iyasamy Sastriar,  
11/52, Sengupta St., Ramnagar,  
Coimbatore.

(Transferor)

- (2) Sri R. Alagendram and Bros.,  
s/o R. Rajarathinasamy,  
10/163, Dr. Nanjappa Road,  
Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land :—Dr. Nanjappa Road, Surveying T. S. No. New 1/126, and Old T.S. No. 1/585, Coimbatore Town. Coimbatore/Doc. No. 3221/84.

Mrs. M. SAMUEL  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 12-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 12th March 1985

Ref. No. 150/July 84/R. II.—Whereas, I Mrs. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. — situated at Coimbatore Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore/Doc. No. 2855/84 on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri I. Arumugam and Others,  
29/39, Ramlingam Road,  
R. S. Puram, Coimbatore.

(Transferor)

- (2) K. Sathya (Minor),  
D/o. Sri M. Kandasamy,  
No. 16/3, Thavengapatiai Veedhi,  
Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building at R. S. Puram, Ramalingam Road, Coimbatore (Doc. No. 2855/84).

Mrs. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 12-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Sri C. P. Cherutty,  
9, 3rd Cross Street,  
Madras-24.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

(2) M. K. Saroja,  
11, Gogulam Colony,  
Madras-17.

(Transferee)

Madras, the 12th March 1985

Ref. No. 212/July 84.—Whereas, I

Mrs. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No. — situated at T.S. No. 22, Pullyur  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Kodambakkam (Doc. No. 1748/84) on July 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

T.S. No. 22, Plot No. 78, Trust Puram Pullyur.

Mrs. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by this issue of the notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 12-3-1985  
Sent :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 12th March 1985

Ref. No. 242/July 84.—Whereas, I  
Mrs. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
No. — situated at Urur Village Saidapet Tk. (Doc. No.  
1960/84)  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and registered under the registration Act  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Adyar 1960/84 on July 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property, as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument to  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property, by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

(1) Shree Padmanabha Dasa Rama Varma,  
Former Maharaja of Travancore,  
former Maharaja of Travancore  
Kaudiyar Place, Trivandrum  
(Transferor)

(2) Mrs. Soesai Clarammal Fernando,  
W/o Vincent Peeris,  
227, Jampettah Street,  
Colombo-13, Srilanka  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immo-  
vable property within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Horti-Agricultural land comprised in Old survey No. 57/1  
part now bearing T.S. No. 13/253 part Block No. 21 of Urur  
Village Saidapet Taluk. (Doc. No. 1960/84) Adyar,

Mrs. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 12-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th March 1985

Ref. No. 244/July/84.—Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Urur Village, Saidapst T. K. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adyar (Doc. No. 1950/94) in July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
75—16GI/85

- (1) Shri Padmnabha Dasa Rama Varma  
former Maharaja of Travancore  
Kaudiyar Place, Trivandrum,  
Kerala State. (Transferor)
- (2) M/s Royal Building Corporation  
105, Kutchery Road, Mylapore  
Madras-20. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XV A of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Horti-Agricultural land bearing T.S. No. 13/253 Part  
Block 21 of Urur Village Saidapat T. K.  
(Doc. No. 1850/84 Adyar)

Mrs. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006.

Date : 12-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th March 1985

Ref. No. 247/July/84.—Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding situated at Kottur Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adyar (Doc 1897/84) and Doc No. 1896/84) in July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri D. K. Vasu  
(C.17, Zuari Nagar, Goa)  
Now at 124, Lattice Bridge Road,  
Adyar, Madras-20.
2. Shri D. K. Vijayaraghavan  
124, L. B. Road, Adyar,  
Madras-20.

(Transferor)

- S/Shri
- (2) K. Ramanathan,  
K. R. Mohan Ram,  
K. R. Balachandran,  
K. R. Parthiban and  
K. R. Bapu  
53, R. H. Road, Madras-4.

(Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant Land At R. S. No. 13/1 (Part) and 14/1 (Part)  
Kottur Village, Madras.  
(DOC No. 1897/84 Adyar 1896/84)

Mrs. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 12-3-1985  
Seal :



## FORM ITNS

(1) Shri M. N. Krishnan  
46, Poes Road,  
Thumampet, Madras-18.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Kavitha Dasaratha Raj  
18, Playgound Street,  
Kilpauk Garden, Madras-10.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th March 1985

Ref. No. 250/July 1984.—Whereas, I,  
Mrs. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
situated at Uthandi village  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
at Adyar (Doc. No. 1892/84) in July, 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to be-  
tween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, and shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant Agricultural land No. 191 Uthandi Village  
(DOC. No. 1892/84 Adyar)

Mrs. M. SAMUEL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006.

Date : 12-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th March 1985

Ref. No. 257/July/84.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Pullampadi situated at  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer  
at Pullampadi (DOC. No. 1419/84) in July 1984  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer  
as agreed to between the parties has not been truly stated in  
the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Aysha Beevi and Ameer Sultan  
Pullampadi. \* (Transferor)
- (2) Shri Mohamed Ali  
Pullampadi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Land and Building SFNo. 391/3,077, 384/90.18 384/15  
0.13 at Pullampadi.  
(DOC No. 1419/84 Pullampadi)

Mrs. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 12-3-1985

Seal :

## FORM LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 12th March 1985

Ref. No. 159/July 84.—Whereas I,  
Mrs. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing situated at Tiruppur Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tiruppur (Doc. No. 1213/84) in July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate Proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Seethalakshmi Ammal,  
C. Sivaraman,  
C. Amirthakadeswaran,  
C. Narayanaswamy,  
Soosaipuram Extension,  
Tripura Town.

(Transferor)

(2) Sri K. P. Krishnan,  
16, Karuvampalayam Extension,  
Tripura.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building T.S. No. 268/5 D. No. 24 23rd ward  
Eswapankoil Veedhi Tiruppur Town.  
(Doc. No. 1213/84, Tiruppur).

Mrs. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
MADRAS-600 006.

Date : 12-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(1) Sri M. Sundararajan Chettiar,  
Smt. Rajamani,  
43, Lajapathirai Veedhi,  
Srinivasa Puram.

(Transferor)

(2) Sri A. Shaik Mohideen,  
210, Big Bazar Street,  
Coimbatore.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING  
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 12th March 1985

Ref. No. 158/July 84.—Whereas, I  
Mrs. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 260B of the  
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Coimbatore Town Anuppar Palayam  
No. — situated at Coimbatore Town Anuppar Palayam (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 3114, 3115, 3116, 3117 and 3118/84) on July, 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration to such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building T.S. No. 9/112 Coimbatore Town Anuppar Palayam.

(Doc. No. 3114, 3115, 3116, 3117 and 3118/84 Coimbatore.

Mrs. M. SAMUEL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 12-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras, the 12th March 1985

Ref. No. 143/July 84  
MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No. situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 3255/84) on July 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. V. S. Pandrinathan  
2. Nageswaran  
3. Suryakannan  
No. 528, Bazar Street,  
Sathyavan Town, Gopichettypalayam

(Transferor)

- (2) M/s. Rama and Co.  
258, Mettupalayam Road,  
Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building Site No. 31, Verivada Chettiar Layout, Mettupalayam Road, Coimbatore.  
(DOC. No. 3255/84 Coimbatore)

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 12-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras, the 8th March 1985

Ref. No. 160/July 84 Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing situated at Tiruppur Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Tiruppur (Doc. No. 1214/84) on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

- (1) Seethalakshmi and Others  
Soosaipuram Extension  
Tiruppur

(Transferor)

- (2) Shi P. Vadiavel,  
13, Karuvampalayam  
Extension  
Tiruppur Town

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building : D. No. 24 T. S. No. 268/5/5 Eswaran Koil Street, Tiruppur Town  
(DOC. No. 1214/84) Tiruppur

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 8-3-1985  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras, the 8th March 1985

Ref. No. 161/Puly 84.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Kotagiri (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Kotagiri (DOC. No. 705/84 on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—  
76—16GI/85

(1) Educational Services  
Madras by Heather R. Lacson  
Secretary and Treasurer,  
Kotagiri.

(Transferor)

(2) Help Children Project Home,  
Kotagidi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SHCHEDULE

Land and Building R. S. No. 1283/2A 1283/14B of  
Kotagiri with building known as "Raphel" "Cottage"  
(DOC. No. 705/84-Kotagiri)

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 8-3-1985  
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras, the 8th March 1985

Ref. No. 80/July 84/R.II.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
No. Survey No. 134/2A/2C in No. 173, situated at Selaiyur  
Village, Saidapet Taluk, Chengalpattu Dist.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Indian Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Tambaram/Doc. No. 4353/84,  
in July, 1984 in July, 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parts has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely:—

- (1) Sri S. Seeniappa Nadar,  
No. 92, Ram Naicken St., Rajapuram  
Madras. 13.

(Transferor)

- (2) Dr. R. Thangappan,  
s/o., Ramasamy,  
161, Velacheri Road,  
East Tambaram, Madras. 59.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are  
defined in Chapter XAX of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building: Survey No. 134/2A/2C in No. 173,  
Selaiyur Village, Saidapet Taluk, Chengalpattu District,  
Tambaram/Doc. No. 4353/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date: 8-3-1985  
Seal:



## FORM ITNS

(1) Sri P. R. Narayanan, and P. R. Venkatachalam  
10, First Lane off Flowers Road,  
Madras. 84.

(Transferor)

(2) Sri A. Chandran,  
30, Karpagambal Nagar,  
Mylapore, Madras. 4.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras, the 8th March 1985

Ref. No. 105/July 84/R.II.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No. R. S. No. 132/1, Thirumurthy Nagar, 6th St., situated  
at Nungambakkam, Madras. 34.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer  
at Mylapore/Doc. No. 981/84.  
in July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen  
percent of such apparent consideration and that the conside-  
ration for such transfer as agreed to between the parties  
has not been truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer,  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Thirumurthy Nagar, 6th St., Nungambakkam,  
Madras. 34. R. S. No. 132/1, Ext.2.52 grounds : Mylapore/  
Doc. No. 981/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Madras-600 006

\*(Strike off where not applicable)  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras, the 8th March 1985

Ref. No. 193/July 84/R.II.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Flat No. 27, Old No. D in Block No. 25) situated at First floor of Old Block No. 25, Survey No. Block No. 13, T.S. No. 45 part of Kalkundram Village, Indira Nagar, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saidapet/Doc. No. 721/84 on July 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Sri M. B. Suryanarayanan,  
No. 27, Sundararajan St., Abhiramapuram,  
Madras. 18. (Transferor)
- (2) Sri V. Nagarajan, and Mrs. N. Santha  
New No. 27, II Main Road, Indira Nagar,  
Adyar, Madras-20. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 27 (Old No. 'D' in Block No. 25) in the first floor of Old Block No. 25, Survey No. Block No. 13, T. S. No. 45, part of Kalkundram Village, Indira Nagar in Madras City, Middle income group flat. Saidapet/Doc. No. 721/84

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date: 8-3-1985

Seal:

\*(Strike off where not applicable)

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras, the 8th March 1985

Ref. No.196/July 84/R.II. -Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land and building at Block 20, situated at T. S. No. 32 of Saidapet (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Saidapet, Doc. No. 698/84 on July 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Sri G. Kothandapani Naidu,  
66, Perumal Koil St., Madras-600 015.

(Transferor)

- (2) Sri Sajjan Raj and Dharamchand  
21, Chandrappa Mudali St.,  
Madras. 79.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building: Blck 20, T. S. 32 of Saidapet-3135  
Sq. wt. Saidapet/Doc. No. 698/84

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 8-3-1985

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras, the 8th March 1985

Ref. No. 206/July 84 R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T.S. No. 9, Block No. 58, Kodambakkam Village, situated at Kodambakkam, Madras, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Kodambakkam/Doc. No. 1947/84. on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri P. Kannan, No. 10, Rangappa Reddy St., West Mambalam, Madras. 33.  
(Transferor)

(2) Sri V. Natarajan,  
29, 7th Avenue, Ashok Nagar, Madras. 83.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building :—Door No. 29, 7th Avenue, Ashok Nagar, Madras. 83. Kodambakkam/Doc. No. 1947/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Madras-600 005

Date : 8-3-1985

Seal :

\*(Strike off where not applicable)

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 8th March 1985

Ref. No. 223/July 84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House and ground Plot No. 10E, situated at Murugesu Naicker St., Kodambakkam, Madras-24 (and more fully described in the schedule annexed hereon), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam Doc. No. 1851/84 in July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri K. R. Raman,  
50, Ganga Colony, Kodambakkam,  
Madras-24.

(Transferor)

- (2) Smt. R. Vijayalakshmi,  
10E, Murugesu Naicker St.,  
Kodambakkam, Madras-24.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House and ground Plot No. 10-E, Murugesu, Naicker St., Kodambakkam, Madras-24, Extent 4855 sq. ft. Kodambakkam/Doc. No. 1851/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
MADRAS-600 006

Date : 8-3-1985  
Setl :

FORM ITNS

(1) Sri B. S. Balasubramanian,  
No. 20, Raman St., T. Nagar,  
Madras-17.

(Transferor)

(2) Sri A. R. Ulagamai,  
No. 19, Raman St., T. Nagar,  
Madras-17.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th March 1985

Ref. No. 224/July 84/R.II.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing

No. 20, Raman St., T. Nagar, situated at Madras-17  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer :  
T. Nagar/Doc. No. 803/84 in July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

Objection, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building : No. 20, Raman St., T. Nagar,  
Madras-17. T. Nagar/Doc. No. 803/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 8-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th March 1985

Ref. No. 225/July 84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 6 in II floor of Block No. 82 situated at and 1/28 share in the land (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar/Doc. No. 804/84 in July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respective of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
77—16GI/85

(1) Sri M. S. Sathak Thamby,  
No. 5, Arunachala Achari St.,  
Triplicane, Madras-5.

(Transferor)

(2) Sri S. Mancharan, and  
Mallika Mancharan,  
Govt. Polytechnic,  
Gulbarga, Mysore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 6 in II floor of Block No. 82 and 1/28th share in the land. T. Nagar/Doc. No. 804/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 8-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th March 1985

Ref. o. 274/July 84/R.II.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House and ground bearing present door 9, (old 7/3) Nageswara Iyer Road, Nungambakkam, situated at Madras-34 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North/Doc. No. 1893/84 in July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Act.

Section 269C of the said Act provides that the acquisition of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, in the following

Now, therefore, in pursuance of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. N. Subbalakshmi,  
No. 9, Nageswara Iyer Road,  
Nungambakkam, Madras-34.

(Transferor)

(2) Sri A. P. Abdul Salam,  
2. P. A. Shahabudeen,  
both at Pallivasal St.,  
Abivirthiswaram, Thanjavur Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House and ground bearing present Door No. 9 (Old 7/3) Nageswara Iyer Road, Nungambakkam, Madras-34 Madras North/Doc. No. 189384.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date: 8-3-1985  
Sett:



## FORM ITNS—

(1) Sri A. M. Thomas,  
No. 27, 4th St., Zakaria Colony,  
Kodambakkam, Madras-29.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

(2) Sri D. Ramakandan S/o  
Shri Duraisamy Naicker  
22, Venkatachala Naicker St.,  
Madras-21.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Madras-600 006, the 8th March 1985

Ref. No. 281/July 84/R.I.L.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
No. 35, Survey No. 526, situated at  
Thiruvotriyur Sub district,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Thiruvotriyur/Doc. No. 2134/84 in July, 1984  
for an apparent consideration which is less than  
the fair market value of the aforesaid property, and I  
have reason to believe that the fair market value  
of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-  
tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer as  
agreed to between the parties has not been truly stated in the  
said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein  
as are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and building :—Door No. 35, Thiruvotriyur village  
(survey No. 526) Thiruvotriyur/Doc. No. 2134/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Date : 8-3-1985  
Sett :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th March 1985

Ref. o. 99/July 84/R.II.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
No. 25, Balaji Nagar, 2nd St., Royapettah,  
situated at Madras-14  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Mylapore/Doc. No. 1037/84 in July 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

- (1) Sri T. V. V. Gopalam, alias  
T. V. Gopalam.  
No. 25, II St., Balaji Nagar,  
Madras-14.

(Transferor)

- (2) M/s. S. S. Builders,  
No. 26, Nynar Nadar Road,  
Mylapore, Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building: No. 25, Balaji Nagar, 2nd St., Royapettah, Madras-14. Mylapore/Doc. No. 1037/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 8-3-1985  
Sd :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 8th March 1985

Ref. No. 100/July 84/R.II.—Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Door No. 31, Venkatachala Mudali St., Royapettah, Madras-14, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908. (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mylapore/Doc. No. 1031/84, on July 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. R. P. Suseela, G. Rishya Sringar  
G. Nitya Kalaivani, G. Bamini Devi, G. Nitya  
Bama, G. Tirupura Selvi, G. Koteswari,  
31, Venkatachala Mudali St.,  
Royapettah, Madras-14.

(Transferor)

(2) Mrs. Mumtaz Begum alias  
Salma Kani, 157, Kandiyar St.,  
Chakrapalli, Thanjavur Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building: Door No. 31, Venkatachala Mudali St., Royapettah, Madras-14, Mylapore/Doc. No. 1031/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Madras-600 006.

Date: 8.3.85.  
Seal:

## FORM IT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 8th March 1985

Refr. No. 104/July 84/R.II.—Whereas, I,  
Mrs. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-  
and bearing

Land and terraced building  
Door No. 7, Sullivan's Garden Lane, formerly known as Ran-  
giah Garden, Mylapore, Madras-4,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and registered under the registration  
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering  
Mylapore/Doc. No. 998/84,  
on July 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely:—

- (1) Sri T. Pandian,  
S/o. (Late) L. Thirumalai Nadar,  
No. 7, Sullivan's Garden Lane,  
Mylapore, Madras-4.

(Transferor)

- (2) Sri A. Seenidurai (2) A. Chelladurai, (3) A. Raja-  
durai (4) A. Rathindadurai, sons of Shri P. Ala-  
galinga Nadar, 35, Pattunoolkaran St., Mylapore,  
Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and terraced building:—Door No. 7 (Old No. 2/  
7), Sullivan's Garden Lane, Formerly known as Rangiah  
Garden, Mylapore, Madras-4, Mylapore/Doc. No. 998/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Madras-600 006.

Date: 8.3.85.  
Seal:

## FORM ITNS

(1) Sri P. R. Narayanan and P. R. Venkatachalam,  
10, First Lane, Off Flowers Road,  
Madras-600 084.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Vijaya Ponnuswamy,  
42, Venkatakrishna Road,  
Raja Annamalaipuram, Madras-28.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 8th March 1985

Ref. No. 106/July 84/R.II.—Whereas, I,  
Mrs. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding  
Rs. 100,000/- and bearing No.  
96, Luz Church Road, Mylapore,  
Madras-28,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and registered under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Mylapore/Doc. No. 981/84,  
July 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and have reasons to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the transferor and transferee has not been truly stated in  
the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective person,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
as are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under said Act, in  
respect of any income arising from the transfer,  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Land 96, Luz Church Road, Mylapore, Madras-28, Myla-  
pore/Doc. No. 981/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of the notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the  
following persons, namely:—

Date : 8.3.85.  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. V. Madhuri, wife of Dr. Rangarao,  
3-4-56, Ring Road, Guntur, A.P.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Sri R. Umapathy, son of N. Ramu,  
1, Nawab Habibullah Avenue, III St.,  
Madras-6.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 8th March 1985

Ref. No. 107/July 84/R.II.—Whereas, I,  
Mrs. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-and bearing Site measuring 1 ground 1700 sq. ft., Plot No. 17, Greenways Road, R.A. Puram, Madras-28, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Mylapore/Doc. No. 950/84, on July 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Site :—Measuring One ground and 1700 sq. ft.—Plot No. 17, Greenways Road, R.A. Puram, Madras-28, Mylapore/Doc. No. 950/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section ( ) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006.

MADRAS-600 006, the 8th March 1985

Ref. No. 108/July 84/R.II.—Whereas, I,  
Mrs. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing Plot No. 517, East Circular Road, Madras-28,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at July 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

rites, such authorities will debit the exchange rate 78—16GI/85

(1) Sri S. P. Venkataraman,  
7, East Circular Road, Madras-28.

(Transferor)

(2) M/s. Manjunath Enterprises,  
No. 7, East Circular Road, Madras-28.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of that said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of that said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land : Plot No. 517, East Circular Road, Madras-28. Mylapore/Doc. No. 948/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
MADRAS-600 006.

Date : 8.3.85.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006.

MADRAS-600 006, the 8th March 1985

Ref. No. 109/July 84/R.II.—Whereas, I,

Mrs. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 65, Lloyds Road, Royapettah, Madras-14,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore/Doc. No. 934/84, on July 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration by such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Kalyani Sankaran, (2) Mrs. Kanthamani, (3) N. S. Sankaran, (4) N. S. Chandrasekaran, (5) Mrs. Kalyani Ramaswami, (6) Mrs. Rukmani Ramaswamy, (7) N. S. Subramanian (8) Chandrasekaran, Minor S. Venkatasubramaniam, (10) N. S. Srinivasan, (11) S. Ajoy, Minor and S. Vijay M. nor, 65, Lloyds Road, Royapettah, Madras-14.

(Transferor)

- (2) M/s. S. S. Builders, by partners :  
Susila, B. Sukumar and R. Sridhar,  
26, Nynar Road, Mylapore, Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building :—Door No. 65, Lloyds Road, Royapettah, Madras-14, Mylapore/Doc. No. 934/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
MADRAS-600 006.

Date : 8.3.85.  
Seal :



FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(1) Smt. Kamala S. Rajan,  
Rep. by her Power Agent  
Mr. S. Umachandar,  
126, P. S. Sivaswamy Road,  
Mylapore, Madras-4.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 8th March 1985

Ref. No. 112/July 84/R.II.—Whereas, I,  
Mrs. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
No. Ground, House and premises Dood No. 31, (Old No. 51)  
Iyampetumal Mudali St., Royapettah, Madras-14  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore/Doc  
No. 909/884 on 1 July 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
monies or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by this issue of the notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

(2) Sri Robert Prithviraj Singh,  
31, Iyamerumal Mudali St.,  
Royapettah, Madras-14.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Ground House and premises Door No. 31 (Old No. 51),  
Iyampetumal Mudali St., Royapettah, Madras-14. Mylapore/  
Doc. No. 909/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Madras-600 006.

Date : 8.3.85.  
Seal :

FORM NO. I.T.N.S. 4

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 8th March 1985

Ref. No. 191/July 84/R.II.—Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. House, ground and premises New No. 19, Old No. 11, Rama Naicken St., Nungambakkam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras-34, R.S. No. 234/1, O.S. No. 43, Thousandlights/Doc. No. 364/84, July 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. J. Vijaya,  
w/o M. Jayaraman,  
No. 19 Rama Naicken St.,  
Nungambakkam, Madras-34.

(Transferor)

- (2) Sri Abdul Hamid,  
2. Mrs. Zailhoon Beevi,  
5, West Vaniyar St.,  
Iyyempet, Tanjore Distt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building : New No. 19, Old No. 11, Rama Naicken St., Nungambakkam, Madras-34. Thousandlights/Doc. No. 364/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Madras-600 006.

Date : 8.3.85.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006.

MADRAS-600 006, the 8th March 1985

(1) Mrs. Krishna Ranval,  
10, 9th St., Dr. Radhakrishna Salai,  
Madras-4.

(Transferor)

(2) Mrs. T. T. Rathinambal,  
1, Seda St., Kalambbur, N.A. Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ---

Ref. No. 192/July 84/R.II.—Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R.S. No. 124/1, 127/1 and 128/4, 693/45140 undivided share in 18 grounds and 1940 sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights/Doc. No. 366/84, on July 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat :—R.S. No. 124/1, 127/1 and 128/4/693/45140 undivided share in 18 grounds and 1940 sq. ft. Thousandlights/Doc. No. 366/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
MADRAS-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8.3.85.

Seal :

FORM ITNS—

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006,

Madras-600 006, the 8th March 1985

Ref. No. 210/July 84/R.II.—Whereas, I,  
Mrs. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.  
2, South Sivan Koil Theru, T.S. No. 49 part,  
Block 8, Kodambakkam Village, Madras Central,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the  
Registering Officer at  
Kodambakkam/Doc. No. 2002/84,  
on July 1984,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issued of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) Smt. B. Wamala, G. Anusuya,  
A. Sundari, K. B. Nagi Ramani,  
K. B. Mohan Ramesh, K. B. Venkatalakshmi,  
4, Sivan Koil South St., Vadapalani, Madras-26.  
(Transferor)

(2) Soma. Valliammai Achi,  
Amaravahipudur,  
Ramanathapuram.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land and building : 4, Sivan koil St., (South) Vadapa-  
lani Madras-26. Kodambakkam/Doc. No. 2002/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Madras-600 006.

Date : 8.3.85.  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 8th March 1985

Ref. No. 277/July 84/R.II.—Whereas, I,  
Mrs. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
K. Sathanur Puthur Village. S.F. No.,  
1/9 (1/9F), 2.27 cents out of 9.32 cents,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred as per deed registered under the Indian  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the  
Registering Officer at  
Madras North Doc. No. 1903/84,  
July 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

(1) Smt. R. Padmalakshmi,  
w/o C. P. Rangaraju,  
93, VIIth Avenue, Madras-90.

(Transferor)

(2) M/s. Iysuwariya Finance,  
Coimbatore, represented by its partners,  
V. M. Mehan and others,  
Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30  
days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immova-  
ble property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land :—K. Sathanur Puthur Village S.F. No. 1/9(1/9F).  
2.27 cents. Madras North Doc. No. 1903/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Madras-600 006.

Seal :  
Date : 8.3.85.

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 22nd February 1985

C. R. No. 62/R-1348/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 14 situated at Comba, Nargao, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, Bangalore under Regn. No. 1149/84-85 on 30-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transferee as agreed to between the parties has not been truly state in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. R. R. Constructions,  
Nargao,  
Goa.

(Transferor)

(2) Mrs. Ivone Gomes,  
H. No. 364, Comba,  
Nargao, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. Regn. No. 1149/84-85  
Dated 30-7-1984]

Flat No. 14 in the building under construction on Plot No. 3 known as 'Comba' situated at Comba, Nargao, Goa.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 22-2-1985.  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 22nd February 1985

C. R. No. 62/R.-1296/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 6, situated at St. Inez, Panaji, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore Under Regn. No. 1117/84-85 on 30-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

79—16G1/85

(1) M/s. Super Constructions,  
Hill Crown Apartment,  
Altamko, Napusa-403 525,  
Goa.

(Transferor)

(2) Mrs. Lucy Cibil Barretto,  
C/o Soccorrinha Barretto,  
St. Augustine, St. Cruz,  
Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. Regn. No. 1117/84-85  
Dated 30-7-1984]

Shop No. 6, admeasuring about 25 Sq. mrs. in "Happy Home", building, St. Cruz., Panaji, Goa.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date: 22-2-1985.  
Seal:

## FORM ITNS—

(1) Mr. Antonio F. Do Rôsario Souza Lavier,  
House No. 1594, Parbawaddo,  
Calangute, Bardez, Goa.

(Transferor(s))

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Anil P. Walavalkar,  
Khorlim Mapusa,  
Bardez, Goa.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Bangalore-560 001, the 22nd February 1985

C. R. No. 62/R-1365/84-85/ACQ/B.—Whereas, I,  
R. BHARDWAJ,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
Survey No. 99 situated at Alto de Porvorim, Bardez, Goa  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred as per deed registered under the Indian  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer at  
Bangalore Under Registration No. 1154/84-85 on 30-7-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. Regn. No. 1154/84-85  
Dated 30-7-1984]

The Land under Survey No. 99, admeasuring about 1025  
Sq. mtrs., situated in Alto de Porvorim, Bardez, Goa.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 22-2-1985.  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 22nd February 1985

C. R. No. 62/R-1395/84-85/ACO/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Shop No. 1 situated at Panjim Municipal Market, Panaji, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Bangalore Under Regn. No. 1176/84-85 on 31-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Hindustan Builders,  
210, Govinda Building,  
Panaji, Goa.

(Transferor)

(2) Mr. Balachandra R. Desai,  
Panaji, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. Regn. No. 1176/84-85

Dated 31-7-1984]

Shop No. 1 on the ground floor of Shabana Chambers, at  
Panjim Municipal Market, Panaji, Goa.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 22-2-1985.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 21st February 1985

C. R. No. 62/R-1340/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Flat No. B-9 situated at Mapusa, Goa (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore Under Regn. No. 1142/84-85 on 30-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Kamat Real Estate Developers,  
F/1, Indira Apartments,  
Caetano Albuquerque Road,  
Panjim, Goa.

(Transferor)

(2) Mrs. Seema S. Shirsat,  
Paita, Bardez,  
Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. Regn. No. 1142/84-85  
Dated 30-7-1984]

Flat No. B-9, in the basement of 'Anandi Apartments' situated at Mapusa, Goa.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 21-2-1985  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 22nd February 1985

(1) Girish A. Keui,  
1st floor, Municipal Building,  
Near EL-Dorado Cinema,  
Panaji, Goa.

(Transferor)

(2) Antonio Xavier,  
Gomes Pereira,  
Panaji, Goa.

(Transferee(s))

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

C.R. No. 62/R-1109/37EE/84-85/ACQ/B.—

Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value  
exceeding Rs. 100,000 bearing No.

Plot No. 3, situated at Taleigao, Goa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Bangalore with the competent authority under Section  
269AB, in his office on 28-7-1984for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person, interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of the notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. Regn No. 1110/84-85

Dated 28-7-1984]

Plot No. 3, situated at "oiterio", Taleigao, Goa.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, BangaloreDate : 22-2-1985.  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 22nd February 1985

C. R. No. 62/R-1376/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 5 situated at Margao (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore under Regn. No. 1164/84-85 Dt. on 30-7-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Sunivas Realtors,  
Kamdhenu, Dr. Dada Vaidya Road,  
Panaji—Goa-403001. (Transferor)
- (2) Mr. Victor D'souza,  
C/o Mrs. Natalia D'souza,  
A/11 Sea Breeze,  
81, Mori Road, Mahim Bombay-400016. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1164/84-85 Dated 30-7-1984)  
Shop No. 5 Grounds floor admeasuring about 25.05 sq. ms.  
Margao (Survey chatted No. 213).

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
Bangalore

Date : 22-2-1985  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 22nd February 1985

C. R. No. 62/R-1370/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and Plot No. 47

situated at Lake View Colony, Miramar, Panaji, Goa, at Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office at Bangalore under Registration No. 1158/84-85 Dt. on 30-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mr. Jose M. Goveia Pinto and  
Mrs. Marie Christine Goveia Pinto  
Near Head Post Office,  
Panaji—Goa.

(Transferor)

- (2) Anthony Lobo,  
"Windemare" 9th floor,  
B. J. Road, Bandre (West)  
Bombay-400050.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

((Registered Document No. Regn. No. 1158/84-85 Dated 30-7-1984)

Plot No. 47 at Lake View Colony, Miramar Panaji Goa.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore  
Bangalore

Date : 22-2-1985

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 22nd February 1985

C. R. No. 62/R-1373/37EE/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and Shop No. 4, situated at Building 'A', Near Panaji Market, Panaji, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the at B'lore on 30-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Michael Cabral,  
Panjim, Goa;

(Transferor)

(2) Shri M. J. Rodrigues,  
St. Inez,  
Panjim, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registration Document No. 1161/84-85 Dated 30-7-84)  
Shop No. 4, Building 'A' Situated at near panaji Market, Panaji.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Bangalore

Date : 22-2-1985

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING  
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BANGALORE

ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 22nd February 1985

C. R. No. 62/R-1384/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 1 and 2 Survey No. 715, situated at Mapusa Bardez Goa, at Bangalore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore under registration No. 1172/84-85 Dt. on 31-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
80—16GI/85

(1) M/s Modern Builders  
Mapusa Bardez Goa.

(Transferor)

(2) Mr. Dinarath Pandurang Sardesai  
Panjim Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1172/84-85 Dated 31-7-84)  
Plats No. 1 and 2 known as "Codpacho oro" Survey No. 715 admeasuring 717 Sq. mts. situated at within the Limits of Mapusa Municipal area, Bardez Goa.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Bangalore

Date : 22-2-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 21st February 1985

Ref. No. C.R. No. 62/R-1329/84-85/ACQ/B.--  
Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 8 "Comba" situated at Comba, Margao Goa, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore under Regn. No. 1139/84-85 Dt. on 10-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. R. R. Constructions,  
Margao Goa.

(Transferor)

- (2) Mr. Atmaram Sadashiv Naik,  
Kundaikai,  
A-S-4 Laxmi Co. op. Society  
Comba—Margao Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1139/84-85 Dated 10-7-84)  
Flat No. 8 in the building under Construction on Plot No. 3 known as 'Comba' situated at Comba, Margao, Goa.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Bangalore

Date : 21-2-1985  
Seal :



## FORM ITN

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 22nd February 1985

Ref. No. C.R. No. 62/R-1372.84-85/ACQ/B.--

Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

189/7, 190/5 and 356/7

situated at Molorem Cola Village, Cola, Canacona Taluk Quepem, Goa,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore under Registration No. 1160/84-85 Dt. on 30-7-84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and,

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

- (1) Zovanka Govinda Naique and his wife  
Manicabai Zoivanta Naique  
R/o Bapsoro Velim,  
Sakete, Goa

(Transferor)

- (2) Sriranga Visnum Prabhu Desai,  
R/o Molorem, Cola, Canacona Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1160/84-85 Dated 30-7-84)

All that property known as pangole porbulem under survey No. 189/7, 190/5 and 356/7 situated at Molorem Cola Village, Panchayat of cola, Canacona Taluk, Quepem Comaica, Goa.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Bangalore

Date : 22-2-1985

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 22nd February 1985

C.R. No. 62/R-1368/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 189/7, 190/5 and 356/7 situated at Molorem Cola Village, Gram Panchayat of Cola, Canacona Taluka, Quepem, Salcete, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore under Regn. No. 1156/84-85 dated 30-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Vencteka Govinda Naigue and his wife  
Godavari Vencteka Naigue,  
R/o Molorem, Cola Canacona, P.O.  
Via Curolim. (Transferor)
- (2) Sriranga Visnum Prabhu Dessai,  
R/o Molorem Cola, Canacona,  
Goa. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1156/84-85 Dated 30-7-84)  
All that property known as predio rustico denominado Rogueporbuli Xir situated at Molorem Cola Village, Gram Panchayat of Cola, Canacona, Quepem, Goa.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 22-2-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 22nd February 1985

C.R. No. 62/R-1345/84-85/ACQ/B.—Whereas, I,  
R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Margao, Goa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore on 30-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Vaikunth Dattaram Sinai Kunkoliekar & his wife Chhaya Vaikunth Kunkoliekar,  
Both R/o Bombay.  
2. Surendra Dattaram Sinai Kunkoliekar & his wife Chhaya Vaikunth Kunkoliekar,  
Both Reside at Margao, Goa.  
(Transferor)
- (2) M/s. J. S. Construction,  
Municipal Building,  
1st Floor, Station Road,  
Margao, Goa.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1447/84-85 Dated 30-7-84)  
Property bearing Chalta No. 27 & 30, P.T. Sheet No. 214,  
situated at Margao, Goa. -

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 22-2-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 22nd February 1985

C.R. No. 62/R-1107/37EE/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, 2, situated at Taleigao, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore on 28-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Girish A. Keni,  
1st Floor, Municipal Building,  
Near EL-Dorado Cinema,  
Panaji, Goa. (Transferor)
- (2) Adv. Caitano Xavier,  
Margao, Goa. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1108/84-85  
Plot No. 2, at Taleigao, Goa.

Dated 28-7-84)

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 22-2-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 22nd February 1985

C.R. No. 62/R-1108/37E/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 13 & 14 situated at Taleigao, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore on 28-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Girish A. Keni,  
1st Floor, Municipal Building,  
Near El-Dorado Cinema,  
Panaji, Goa.

(Transferor)

(2) Smt. Nisha Gomes,  
C/o Dr. Alberto de Costa,  
Mirawar, Panaji,  
Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1109/84-85 Dated 28-7-84)  
Plot Nos. 13 and 14, situated at Taleigao, Goa.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 22-2-1984  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 26th February 1985

C.R. No. 62/R-1192/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 103 situated at Balmatta Road, Mangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore under Regn. No. 1112/84-85 dated 27-7-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mrs. Asmitha R. Kanth,  
W/o Sri Ramakanth Jamnadas,  
G.T. Road, Mangalore. (Transferor)
- (2) Dr. U.S. Krishna Nayak, B.D.S.,  
Flat No. 103, "Hira Moti" Apartments,  
Balmatta Road, Mangalore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. Regn. No. 112/84-85 dt. 27-7-84)  
Flat No. 103, "Hira Moti" Apartments, Balmatta Road, Mangalore.

**R. BHARDWAJ**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 26-2-1984  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 2nd March 1985

C.R. No. 62/R-1391/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43) of 1961, (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 5 situated at Comba, Margao, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore under Regn. No. 1173/84-85 dated 31-7-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transferred with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—  
81—16GI/85

(1) M/s. R. R. Construction,  
Margao, Goa.

(Transferee)

(2) Mrs. Mr. Francisca Celina Afonsoe Gonsalves,  
H. No. 150, Comba,  
Margao, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. Regn. No. 1173/84-85 dt. 31-7-84)  
Flat No. 5 in the building under construction on Plot No. 4 known as 'Comba' situated at Comba, Margao, Goa.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date: 2-3-1985  
Seal:

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 7th March 1985

C.R. No. 62/R-1128/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- (and more fully described in the Schedule annexed hereto), Shop No. 7 situated at Shivsagar Apartments, Mapura, Goa and bearing No. has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore under Regn. No. 111/84-85 dt. 28-7-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Mr. Milvin Rodrigues and his wife  
Feira Alra,  
Mapura, Goa. (Transferor)
- (2) Gebelina D'souza,  
Pirna, Bardez,  
Goa. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XAX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. Regn. No. 1111/84-85 dt. 28-7-84)  
Shop No. 7 in "Shivsagar Apartments" Mapura, Goa.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date: 7-3-1985  
Seal:



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mrs. Mukta alias Gowribai,  
Nellikai Road,  
Mangalore.

(Transferor)

(2) M/s. Yenepoya Hotels,  
Bunder Road,  
Mangalore.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 7th March 1985

C.R. No. 62/R-1320/84-85/ACQ/B. Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing T.S. No. 13.3 & 10.1 (Portion) situated at Casba Bazar, Mangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore under Registration No. 1133/84-85 dt. 30-7-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION ---The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. Regn. No. 1133/84-85 dt. 30-7-84)  
57 cents of land situated in Casba Bazar, Mangalore City in T.S. No. 13.3 & 10.1 (Portion).

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 22-2-1984  
Seal :

## FORM LT.N.3.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING  
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 26th February 1985

C.R. No. 62/43950/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 43, situated at Permude Village, Mangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mangalore Taluk under document No. 1094/84-85 on 31-8-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) 1. Smt. Rita Minezes,  
2. Sri Vincent Walder,  
3. Sri Lawrence Walder,  
4. Sri Sebastian Walder,  
Permude Village, Mangalore Taluk.  
(Transferor)
- (2) Shri B. Pascal Pinto  
S/o Late Baptist Pinto,  
Permude Village,  
Mangalore.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1094/84-85 dt. 31-8-84)  
All that property bearing No. 43, situated at Permude Village, Mangalore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 26-2-1985  
Seal :

FORM NO. IT.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 4th March 1985

C.R. No. 62/43871/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 87-A, R.S. No. 73-1B situated at Kadri Village, Mangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mangalore under Document No. 699/84-85 on August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; which ought to be disclosed by the transferee for and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
62-8GI/85

- (1) Shri G. Anantha Rao,  
"Ravi Kiran" Lakshmisadan Garden,  
Kadi Village  
Mangalore-575003. (Transferor)
- (2) Shri K. S. Upadhyaya,  
Smt. Leela Rao Nee Upadhyaya  
"Lakshmi Sadan Cottage", D. No. 3-30-2370,  
Lakshmi Sadan Garden, Kadri,  
Mangalore-575003. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 699/84-85 Dated August 1984)  
All that property bearing No. 87-A, R.S. No. 73-1B situated at Kadri Village, Mangalore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 4-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 4th March 1985

C.R. No. 62/45795, 84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 173, situated at Yadavagiri Extension, Vani Vilas, Mohalla Mysore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mysore under Document No. 2680/84-85 on 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(Transferee)

(1) Shri Srikanta Jois Chandrashekar  
120/1, Rajmahal vias Extension, 10th Main,  
Bangalore.

(2) Shri B. Jayaram Setty,  
249, Brindavan Extension  
Devaraja Mohalla, Mysore.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2680/84-85 Dated 9-8-1984)  
All that property bearing No. 173 situated at Yadavagiri Extension Vanivilasa Mohalla, Mysore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 4-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 6th March 1985

C.R. No. 62/44532/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sy. No. 59, 60/1 and 62/1 situated at Bachanhatti Village Kasaba Hobli Magadi Taluk, Magadi under Document No. 1663/84-85 on 30-10-1984 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Daviramnia & thers  
Bachenhatti village Kasaba Hobli,  
Magadi Taluk.

(Transferor)

(2) Shri P. S. Gujral  
No. 54, I Main Road,  
II Block, Sudhamanagar,  
Bangalore-27.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1663/84-85 Dated 30-10-84)  
All that property bearing No. Sy. Nos. 58, 59, 60/1, and 62/1 situated at Bachanhatti Village Kasaba Hobli Magadi Taluk, Bangalore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 6-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANTCOMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560 001,

Bangalore, the 1st March 1985

C. R. No. 62/44849/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. 72/1 situated at Cunningham road Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Gandhi Nagar under document No. 2125/84-85 on 10-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Thomas Alexander  
2, Cunningham road,  
Bangalore-560052.

(Transferor)

(2) Shrimati Molly Abraham  
W/o Dr. P. D. Abraham,  
Flat No. 3 C, Highland Towers,  
Block No. 1, Jalan ulu Klang  
Kualaumpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XAX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2125/84-85 Dated 10-10-84)  
Premises bearing No. 72/1, situated at Cunningham road, Bangalore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Bangalore

Date : 1-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560 001,

Bangalore, the 1st March 1985

C. R. No. 62/44845/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 50 at Sy. No. 3 situated at Gangenahalli, Bangalore North Taluk (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhi Nagar under document No. 2265/84-85 on Oct. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—  
82—16GI/85

(1) Shri T. P. Venugopal  
44/4, 1 floor, IV Main road  
Malleswaram, Bangalore-55.

(Transferor)

(2) Sh. Inati M. S. Balamba, N. Rao,  
No. 7, 5th Main road,  
Malleswaram,  
Bangalore-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2265/84-85 Dated October 84)  
All that property bearing No. 50 at Survey No. 3 situated at Gandhinagar Bangalore North Taluk.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Bangalore

Date : 1-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560 001,

Bangalore, the 1st March 1985

C. R. No. 62/45033/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 20/1 situated at I cross, wheelar road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar under document No. 2573-84-85 on 30-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Y. Rayappa  
No. 14, Achutharaya Mudaliar  
road, Frazer Town,  
Bangalore-5.

(Transferor)

(2) Shrimati Rafuthunisa  
No. 18, 19th cross,  
Chandani Chowk Road  
Bangalore-560051.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2573/84-85 Dated 30-11-84)  
All that property bearing No. 21/1 situated at I cross, wheelar road Bangalore.

**R. BHARDWAJ**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Bangalore

Date : 1-3-1985  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560 001,

Bangalore, the 2nd March 1985

C. R. No. 62/45712/84-85/ACQ/B.—Whereas, I,  
R. BHARDWAJ,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

277/9  
situated at Magadiroad chord rd, Extension Bangalore  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred as per deed registered under the Indian  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer at Srirampuram  
under document No. 2978/84-85 on 19-11-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely:—

(1) Shri A. S. Sharanappa  
S/o R. A. Sangana Basappa  
P. B. Road.  
Devanagere.

(Transferor)

(2) Shrimati Kamma  
No. 476, 8th Main Road  
Vijayanagar  
Bangalore-40.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2978/84-85 Dated 13-12-84)  
All that property bearing No. 277/9 situated at Magadi  
road chord road extn. Bangalore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Bangalore

Date : 2-3-1985  
Seal :

FORM I.T.N.S. ———

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.****ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560 001,**

Bangalore, the 6th March 1985

C. R. No. 62/45184/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 55 situated at central excise house building cooperative society Ltd., Kempapura Agrahara Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Srirampuram under document No. 2633/84-85 on 17-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri L. K. Ganesh Rao  
No. 7, New High School rd.  
Visweswarapuram  
Bangalore-4.

(Transferee)

(2) Shri M. C. Lingaial  
No. 84/2, Ramachandra  
Agrahara V Road,  
Chamarajpet,  
Bangalore-18.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

(Registered Document No. 2633/84-85 Dated 17-11-84 34)  
All that property bearing No. 55 situated at Central 1 Excise  
house building Co-operative Society Ltd., Kempapura Agrahara, Bangalore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Bangalore

Date : 6-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
GOVERNMENT OF INDIAOFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 28th February 1985

C. R. No. 62/43718/84-85/ACQ/B.—Whereas, I,  
R. BHARDWAJ,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.30 (old No. 26) situated at place Cross Road, B'lore.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred as per deed registered under the Indian  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the  
Registering Officer atGandhinagar on 6-8-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of —

- (a) facilitating the concealment of any income or any  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

- (1) Shri V. Ramaiah,  
No. 2, II Cross,  
Saurashtrapet,  
B'lore-53.

(Transferor)

- (2) Shri R. Dilip Kumar,  
No. 6, Muni Swamy Road,  
Tasker Town,  
B'lore-51.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1441/84-85      Dated 6-8-84]  
Property bearing No. 30 (26), Palace Cross Road, B'lore.  
(North Portion).

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 28-2-1985.  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 28th February 1985

C. R. No. 62/43854/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6 (33) situated at S.J.P. Cross Road, B'lore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 3-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Narendra Kapoor,  
No. 1, Union Street,  
B'lore.

(Transferor)

(2) 1. Shri C. R. Santosh Kumar,  
2. Shri G. R. Nanjudaswamy,  
3. Shri B. N. Krishnaiah Setty,  
No. 246, R. V. Road,  
V. V. Puram, B'lore-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1401/84-85 Dated 3-8-84]  
Property bearing New No. 6, (old No. 33), Silver Jubilee Road Cross, Bangalore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 28-2-1985.  
Seal :

FORM I.T.N.S. \_\_\_\_\_

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 28th February 1985

C. R. No. 62/43829/84-85/ACQ/B.—Whereas, I,  
R. BHARDWAJ,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.10 (old No. 2911) situated at outkappal, Vanivilasapuram  
Temple Rd., Devaraja Mohalla, Mysore  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Mysore on 22-8-1984for an apparent consideration which is less than  
the fair market value of the aforesaid property, and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax  
Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) 1. Shri P. V. Sathyanarayana Setty
2. Smt. Sundaramma,
3. Smt. S. Shoba Sudhir,
4. Kum. P. S. Smitha,
- D. No. 100(101), Ashoka  
Road, Mysore.

(Transferor)

- (2) 1. Shri K. S. Manjunatha & .
2. Shri M. C. Krishnaiah Chetty.
- No. 52, Vijaya Finance Corp.,  
Devaraj Urs Road,  
Mysore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2391/84-85      Dated 22-8-84]  
Property No. New 10 (old No. 2911), outkappal, Vani-  
vilasa Temple Road, Devaraja Mohalla, Mysore.R. BHARDWAJ  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, BangaloreDate : 28-2-1985.  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 28th February 1985

Ref. No. C. R. 62/43917/84-85/ACQ/B.—Whereas, I,  
R. BHARADWAJ,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
38 : 2-8 situated at III Main Road, Shivanahalli, B'lore  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer  
at Rajajinagar on 29-8-1984  
to, an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) Shrimati Narasamma  
C/o. R. Raju, No. 32,  
2nd Block, K.S.R.T.C. Quarters,  
Shanthinagar,  
Bangalore-27.

(Transferor)

(2) Shrimati V. Pushpavathi,  
C/o. Sri C. Ramachandra Naidu,  
Computer Section, I.T.I.  
Bangalore-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective person,  
whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2328/84-85 Dated 29-8-84]  
All that property bearing old division No. 2, New division  
No. 4, D. No. 38 : 2-8 situated at 3rd Main Road, Shivanahalli, Bangalore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 28-2-1985.  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 28th February 1985

C. R. No. 62/44368/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R. S. No. 76-11A/A in No. 85B situated at Jeppinamogaru village Icpepu ward, Mangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Mangalore city under document No. 1006/84-85 on 29-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

83—16C1/85

(1) Shri G. A. Krishna Pai,  
No. 17, Raghupathy Layout  
No. 2, S. R. P. Nagar, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Shrimathi Bifatheonma W/o Mohamed Ismail  
Good Shed Cross Road,  
Mangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1006/84-85 Dated 29-9-84]  
All that property bearing R. S. No. 76-11A/A in No. 85B situated at Jeppinamogaru village, Icpepu ward, Mangalore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 28-2-1985.  
Seal :

## FORM I.T.N.S.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 1st March 1985

Ref. No. C. R. No. 62/44509/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9/5 situated at Abdul Hafeez Road, Cox Town, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar under document No. 1419/84-85 on 3-9-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Major D. T. A. Sunderraj,  
Mrs. Rani Bai,  
No. 14, Officers Colony, Banaswadi Road,  
Civil Station, Bangalore-560033. (Transferor)
- (2) Emilia Gestrude Nazareth,  
W/o Late Peter Nazareth,  
No. 6, Sundarmurthy Road,  
Coxtown, Bangalore-5. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Registered Document No. 1419/84-85, dt. 3-9-84.  
All that property bearing No. 9/5, situated at Abdul Hafeez Road, Cox Town, Bangalore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 1-3-1985  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 1st March 1985

Ref. C. R. No. 62/44388/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4/5 situated at Saunders Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Shivajinagar under document No. 190/84-85 on 29-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Smt. V. Prabhavathi,  
14/1, Assayes Road,  
III-Cross, Bangalore-42.

(Transferor)

- (2) Smt. S. L. Lakshmi Devi,  
Shri Vijayakumar,  
Shri S. L. Umapathi,  
Shri S. L. Narayan,  
Shri S. L. Dhanraj,  
Smt. M. L. Vimala Devi,  
4/5, Saunders Road, Bangalore &  
Shri S. L. Pandurangam, No. 39, Fruit Street,  
Bangalore-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;—
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Registered Document No. 1907/84-85, dt. 29-9-1984.  
All that property bearing No. 4/5, situated at Saunders Road, Bangalore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 1-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 2nd March 1985

Ref. No. C. R. 62/45874/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Khata No. 431 situated at I Cross Road, Robertsonpet K. G. F. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Bangarpet under document No. 1533/84-85 on 30-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) P. Surajmull,  
S/o Poonamchand Dhariwal,  
I-Cross Road, Robertsonpet,  
K.G.F.

(Transferor)

(2) Shri S. A. Subhan,  
S/o S. A. Latiff,  
V. Kota, Palamaner Taluk,  
Chittoor District, Andhra Pradesh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Registered Document No. 1533/84-85, dt. 30-7-84.  
All that property bearing Khata No. 431 situated at I-Cross Road, Robertsonpet K.G.F.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 2-3-85  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 6th March 1985

Ref. No. 62/43894/84-85/ACQ/B.—Whereas, I,  
R. BHARDWAJ,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No. R. S. No. 833-1 situated at Attawar Village, Falmir Ward,  
Bangalore  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Bangalore under document No. 720/84-85 on 16-8-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Shri Raghuchandara Shetty,  
Shri M. V. Shetty,  
Shri Veerabharappa Shetty,  
Shri Chanduraj Jain,  
Shri Jasathpal Jain,  
Shri Peraswanath Shetty,  
Jain Compound Attawar, Bangalore,  
Shri Inanachandra Kulur,  
Jain compound Attawar, Bangalore.

(Transferor)

- (2) Dr. R. A. Mohammed Kurli,  
Highland Quarters,  
Vaslane, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 720/84-85 Dated 16/8/84]  
All that property bearing No. R. S. No. 833-1 situated at  
Attawar Village, Falmir Word, Bangalore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 6-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 5th March 1985

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-1/7-84/406.—Whereas, I,  
R. P. RAJESH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 100000 and baring  
No. Property No. 3909, Ward No. 14 situated at Gali Barna  
Sadar Bazar, Delhi  
(and more fully described in the schedule annexed hereto)  
has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer  
at New Delhi in July, 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen percent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

(1) Kamal Kishore, S/o Late Sh. Bhola Nath,  
584 Main Bazar, Teliwara, Delhi-6.

(Transferor)

(2) 1. Shri Mool Chand Malu, L/G of Vikas Kumar  
Malu 2. Jamna Lal Manu L/G of Manohar Kumar  
Malu, R/o A.T. Road, Jorhat 3909, Gali Barna  
Sadar Bazar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Half portion of property No. 3909,, Ward No. 14, Gali  
Barna Sadar Bazar, Delhi. Mg. 73 sq. yds.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 5-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD,

New Delhi, the 15th March 1985

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-1/7-84/407.—Whereas, I,  
SH. R. P. RAJESH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 100,000/- and bearing  
No. 3909 Ward No. 14, Gali Barna situated at Sadar Bazar,  
Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred as per deed registered under the Indian  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer at  
at New Delhi in July, 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair-  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
\* transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) Shri Naresh Kumar, S/o Sh. Ayodhya Pd.  
2674, Main Bazar, Teliwara, Delhi.  
(Transferor)

(2) 1. Bajarang Lal Malu Legal, gardjan  
2. Sumit Kumar Malu  
3. Raj Kumar Malu,  
Legal guardian of Vikram Kumar Malu,  
A.T. Road, Jorhat at present, 3909, Gali Barna,  
Sadar Bazar, Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette, or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein  
are defined in the Chapter XXXA of the  
said Act, shall have been the same meaning  
as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Half portion of the property No. 3909, Ward No. 14 Gali  
Barna, Sadar Bazar, Delhi. Mg. 73 Sq. Yds.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 15-3-85  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD,  
I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th March 1985

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-1/7-84/409.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 71-Block-E, Khasra No. 2328, situated at Mansrover Garden, Vill. Bassai Darapur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Saraswati Devi  
W/o Sh. Daulat Ram Sharma,  
82-B, Ramesh Nagar, N. Delhi.

(Transferor)

- (2) Miss S. Kamal Sachdeva,  
D/o Late Sh. P. S. Sachdeva & S. Sachdeva,  
S/o P. S. Sachdeva, J-13/71, Rajouri Garden,  
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 71 Block E, Khasra No. 2328, Mansrover Garden Vill. Bassai Darapur, N. Delhi.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 15-3-85  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD,  
L. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th March 1985

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-1/7-84/414.—Whereas, I,  
R. P. RAJESH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing  
No. B-89, Khasra No. 2329, situated at Mansrover Garden,  
Village Bassai Darapur, New Delhi  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
New Delhi in July, 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—  
84—16GI/85

- (1) Shri Krishan Kumar Gorawara,  
S/o Lok Nath Gerawara, L-16, Sarojini Nagar,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Darshan Singh,  
S/o S. Achhar Singh & Smt. Parkash Kaur,  
W/o S. Darshan Singh,  
H. No. 3885 Gali Police Chowki Wali,  
Kanhaiya Nagar, Tri Nagar, Delhi-35.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. B-89, Khasra No. 2329, Mansrover Garden, Vill.  
Bassai Darapur, New Delhi, Mq. 297 Sq. Yds.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Delhi-New Delhi.

Date : 5-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX -

ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th March 1985

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-1/7-84/466.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 75 in Block N, situated at Kirti Nagar Village Bassai Darapur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, in the following persons, namely :—

- (1) Sh. Ram Sarup Kanwar,  
S/o Brij Lal Kanwar, N-75, Kirti Nagar,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) 1. Sh. Mohan Lal Sethi,  
S/o Sh. Kanhaiya Lal Sethi &  
2. Smt. Sushila Sethi,  
W/o Mohan Lal Sethi, both r/o,  
L-101, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Single storeyed house built on Freehold Plot No. 75, in Block N, Kirti Nagar, Village Bassai Darapur, Delhi. Mg. 1008, sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 5-3-1985  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
J. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th March 1985

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-1/7-84/468.—Whereas, I,  
R. P. RAJESH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing

No. 255-C Block C, Gali No. 8, situated at Khasra No. 262/  
258/217/4, Vill. Bharola Colony, Majlis Park, Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1906) in the office of Registering Officer  
at New Delhi in July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Sh. Sat Pal Guglani S/o Sh. Lachman Dass Guglani,  
H. No. 3424, Mahinder Park, Rani Bagh,  
Shakur Basti, Delhi-34.

(Transferor)

- (2) Sh. Khem Chand Jawa,  
S/o Ishwar Dass Jawa,  
C-255/C, Majlis Park, Gali No. 8, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days, from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

H. No. 255-C Block 'C' Gali No. 8 Khasra No. 262/258/  
217/4, Vill. Bharola known as Majlis Park, Delhi. Mg. 111  
Sq. yds.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the Acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269 D of said Act, to the follow-  
ing persons, namely:—

Date : 5-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th March 1985

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/7-84/483.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 10 Block No. 13, situated at Shakti Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Mahabir Parshad (H.U.F.),  
Through its Karta Sh. Mahabir Parshad,  
S/o late Sh. Kanshi Ram, 1/92, Ashok Vihar,  
Phase-I, Delhi. (Transferor)  
(2) Sh. Shiv Kumar, S/o late Sh. Bhagwan Dass Mani,  
Ghanshyam Ganj, Post Office, Baraut Dist.,  
Meerut (U.P.). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 10 Block No. 13, Shakti Nagar, Delhi. Me.  
120.56 Sq. yds.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 5-3-1985  
Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
1. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st March 1985

Ref. No. IAC/Acq. II/37-EE/7-84/398.-Whereas, I,  
R. P. RAJESH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Space No. 25 at Plot No. B-24, situated at Aradhana  
Bhawan, Naniwala Bagh Azadpur, Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
New Delhi in July, 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) M/s. Ajay Enterprises Pvt.  
Eros Cinema Building, Jangpura Ext.,  
New Delhi,  
(Transferor)

(2) Mr. Aminuddin & Mr. Mohammad Omer,  
S/o Sh. Azimuddin H. No. 8, Sindhora Kallan,  
Chowki No. 2, Delhi 110052.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Showroom Space No. 25 on ground floor at Plot B-2/4,  
Aradhana Bhawan, Naniwala Bagh, Azadpur, Delhi, Mg.  
238 Sq. Ft.

**R. P. RAJESH**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 1-3-1985  
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 1st March 1985

Ref. No. IAC Acq-II/37FF/7-84/400.—Whereas, I,  
R. P. RAJESH,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding Rs.  
Rs. 1,00,000/- and  
No. G-14, Plot No. A/2, Milan Cinema situated at Complex,  
New Delhi.  
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),  
has been transferred as per deed registered under the Indian  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer  
at New Delhi in July, 1984.  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-  
ween the parties, has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been for  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) Shivlok Properties,  
Op. p. Super Bazar,  
Adinath Shree House,  
Connaught Circus,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Miss Sonia Malhotra &  
Col. R. G. Malhotra,  
117, Jodhpur Officers Mess  
Near India Gate,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. G-14, Plot No. A/2, Milan Cinema, Com-  
plex, New Delhi. Mg. 84 Sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 4-3-1985  
Seal :

## FORM 1.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 1st March 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/37EE/7-84/401.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1-7, Azadpur Commercial situated at Complex, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) T. M. Aparm Ent. Pvt. Ltd.,  
Adinath Shree House,  
Opp. Super Bazar,  
Connaught Place,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Gian Kaur  
W/o Major Subha Singh Dharial,  
2, Sukh Li C/o 36.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1-7, Azadpur Commercial Complex, Delhi. Mg. 325 Sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
New Delhi

Date : 1-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 1st March, 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/37EE/7-84/402.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 301, Plot No. A/2, situated Najafgarh Road, Comm. Complex, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or:

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shivlok Properties,  
Adinath Shree House,  
Opp. Super Bazar,  
Con. Circus,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Shashi Malhotra,  
W/o Shri Khushal Chand,  
52/24, Ramjas Road,  
Karol Bagh,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 301 Plot No. A/2, Najafgarh Road, Comm. Complex, New Delhi. Mg. 509 Sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range II  
New Delhi

Date : 1-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 1st March 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/37EE/7-84/403.—Whereas, I,  
R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. C, Karampura, Community Centre situated at New Delhi

Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

85—16GI/85

(1) M/s. Uppal Builders,  
A-6, Ring Road,  
N. D. S. E. Part-I,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Kumari Jyoti Nengia,  
under guardianship of Mrs. Bela Nengia,  
D-22, Rajouri Garden,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period, expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

Flat on Upper Ground Floor of Building at C-3, Karampura, Community Centre, New Delhi. Mg. 531 sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 1-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 1st March 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/37FF/7-84/404. —Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. C-3, Karampura, Community Centre situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Uppal Builders,  
A-6, Ring Road,  
N. D. S. E. Part-I,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Kumari Damini Gupta,  
under Guardianship of Mrs. Manju Gupta,  
19-Jawahar Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat on Upper Ground Floor of Building at C-3, Karampura, Community Centre, New Delhi. Mg. 531 sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi.

Date : 1-3-1985  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 1st March 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/37EE/7-84/405.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Flat No. C-3, Karampura, Community Centre situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Uppal Builders,  
A-6, Ring Road,  
N. D. S. E. Part-I,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Master Nishant Virmani,  
under Guardianship Mrs. Kamal Nirmani,  
R-36, Rajouri Garden,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat on Upper Ground Floor of Building at C-3, Karampura, Community Centre, New Delhi. Mg. 531 sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 1-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/37EE/7-84/406.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No.

Flat No. C-3, Karampura, Community Centre situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee, for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Uppal Builders,  
A-6, Ring Road,  
N. D. S. E. Part-I,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Kumari Dipika Nangia,  
under Guardianship of Smt. Belq Nangia,  
D-22, Rajouri Garden,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat on Upper Ground Floor of Building at C-3, Karampura, Community Centre, New Delhi. Mg. 531 sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 4-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 1st March 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/37EE/7-84/407. -Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. G-2, Mahavir Shree House 4771/23, Bharat Ram Road, situated at Daryaganj, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (10 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Jana Properties Pvt. Ltd.,  
Adinath Shree House,  
Opp. Super Bazar,  
Con. Circus,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Miss Pushpa Handa  
D/o H. D. Handa,  
18 (UF) Ganj Road,  
Simla-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

G-2, Mahavir Shree House, 4771/23, Bharat Ram Road, Daryaganj, New Delhi. Mg. 330 Sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
4/14A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 1-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 15th March 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/37EE/7-84/407A.—Whereas, I,  
R. P. RAJESH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-  
and bearing  
No. BH-23 situated at Poorvi Shalimar Bagh, Delhi.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
New Delhi in July, 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

(1) Smt. Daya Rani Breja,  
C-1/29, Model Town,  
Delhi.

(Transferor)

(2) M. s. Chadgi Ram,  
and Sons, Hukam Chand & Sons,  
Sita Devi,  
BH-23, Poorvi Shalimar Bagh,  
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. BH-23, Poorvi Shalimar Bagh, Delhi. Mg.  
3554 Sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
4, 14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 15-3 1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/37EE/7-84/408.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/3 East Patel Nagar situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in July, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sharda Apartments Pvt. Ltd.,  
A-6, Ring Road,  
N. D. S. E. Part-I,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Surinder Kumar Gupta,  
7, Municipal Market Selow Hanging Park,  
Jammu.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Lower Ground Floor Flat No. 4 of 1/3rd East Patel Nagar  
New Delhi. Mg. 215 Sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 4-3-1985  
Seal :

## FORM IINS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II  
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/37FE/7-84/409.—Whereas, I,  
R. P. RAJESH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value  
exceeding Rs. 100,000/-and bearing No.  
M. G. House at Community Centre, situated at Wazirpur  
Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer  
at New Delhi in July, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment to any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the  
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely:—

- (1) M/s. M. G. Builders & Co. (P) Ltd.,  
784, New Delhi House,  
Barokhamba Road,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Mr. Raj Kumar Sardane,  
BH/562-B, Shelimar Bagh,  
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Commercial Space in M. G. House at Community Centre,  
Wazirpur, Delhi. Mg. 65 Sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 4-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/37EE/7-84/410.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shops No. 10 and 11 situated at on ground floor, of C-3 Karampur, New Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—  
86--16GI/85

(1) M/s. Uppal Builders,  
A-6, Ring Road,  
N. D. S. E. Part-I,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Master Gautam Agarwal, C/o  
Mrs. Komal Agarwal,  
13, U. A. Jawahar Nagar,  
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shops No. 10 & 11 on Ground floor of C-3, Karampura,  
New Delhi. Mg. 648 Sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 4-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
NEW DELHI

4/14-A, ASAF ALI ROAD,

New Delhi, the 4th March 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/37-EE/7-84/411.—Whereas, I, SH. R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Corner of Flat Nos. on situated at Lower Ground Floor of 1/3, East Patel Nagar, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri Sharda Apartments Pvt. Ltd.,  
A-6, Ring Road, N.D.S.E. Part-I,  
New Delhi. (Transferor)
- (2) S/Sh. Patric Chill & Chiu,  
Hee Hwa, 5597, Basant Road, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Corner flat No. 5 on Lower Ground Floor of 1/3 East Patel Nagar, New Delhi. Mg. 491 Sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi.

Date : 4-3-1985.  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/37EE/7-84/412-A.— Whereas, I, SH. R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Flat No. 181, On plot No. 1311, situated at Fasil Road, Ajmerigate, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Expiers Builders (P) Ltd., B-177, Greater Kailash-I, New Delhi. (Transferor)
- (2) Mrs. Renu Mittal, M-10, Green Park Ext. New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 181 in plot No. 1311, Fasil Ajmerigate, Delhi Mg. 212 Sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi.

Date : 4-3-1985.  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,  
G-13 GROUND FLOOR CR. BUILDING, I. P. ESTATE  
4/14A ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 1st March 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/37-EE/7-84/413.—Whereas, I,  
SH. R. P. RAJESH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/-  
bearing No. Space No. 5 on 1st Floor, Smart Bhawan, Plot  
A-7-8-9, Ranji, Nagar, Community Centre, New Delhi  
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
New Delhi in July, 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely:—

- (1) Mrs. Suman, Gupta & Mrs. Amrit Kanta Chopra,  
17/26, Punjabi Bagh, New Delhi-26. (Transferor)  
(2) Mr. Mukesh Gupta S/o Sh. R. L. Gupta,  
Prop. M/s Saraswati Enterprises,  
7886/14, Dev Nagar, Karol Bagh, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Space No. 5 on 1st Floor in Samrat Bhawan, Plot No.  
A-7-8-9, Ranjit Nagar, Community Centre, New Delhi Mg-512  
Sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi.

Date : 1-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
4/14A ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/37-EE/7/84/414.—Whereas, I,  
SH. R. P. RAJESH,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-  
and bearing one Flat on second floor (Flat No. 5) of 1/3  
East Patel Nagar, New Delhi.(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
New Delhi in July, 1984for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
- 
- of the transferor to pay tax under the said Act, in
- 
- respect of any income arising from the transfer;
- 
- and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
- 
- moneys or other assets which have not been or
- 
- which ought to be disclosed by the transferee for
- 
- the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
- 
- (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
- 
- Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) M/s. Sharda Apartments (Pvt) Ltd.,
- 
- A-6, Ring Road, N.S.S.E. Part-I,
- 
- New Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s Warla Teknik, 29 Veer Nariman Road,
- 
- Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
- 
- of 45 days from the date of publication of this
- 
- notice in the Official Gazette or a period of
- 
- 30 days from the service of notice on the res-
- 
- pective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
- 
- property, within 45 days from the date of the
- 
- publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One Flat on second floor (Flat No. 5) of 1/3 East Patel  
Nagar, New Delhi. Mg-495 Sq. ft.R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi.Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—Date : 4-3-1985.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
G-13 GROUND FLOOR CR. BUILDING, I. P. ESTATE  
4/14A ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1985

Ref. No. IAC-Acq-II/37-EE/7-84/415.—Whereas, I, SH. R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 442, 43, 44, 45 at Ground Floor, situated at 1 Old Rohtak Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Roopa Construction Pvt. Ltd.,  
GL-4 Ashoka Estate, 24 Barakhamba Road,  
Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Neeta Varshney W/o Shri Raj Varshney,  
K-34, N.D.S.E. Part-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 442, 43, 44 and 45 at Ground Floor, 1 Old Rohtak Road, Delhi, Mg. 700 Sq. Ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi.

Date : 4-3-1985,

Seal :

## FORM ITNS

Officer at on July, 1984.

(1) Sh. Harbans Kapoor  
S/o Sh. K. S. Kapoor, R/o I-33, Kirti Nagar,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Raj Girotra  
W/o Shri P. R. Girotra, 11278 Doriwallan Nagar,  
Building, Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
4/14A ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1985

Ref. No. IAC.Acq-II/37-EE/7-84/416.—Whereas, I, SH. R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11278, Verma Building, Doriwalan, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

11278, Verma Building, Doriwalan, Delhi Mg. 28 ft. by 18 ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi.

Date : 4-3-1985.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
G1-3 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/37EE/7:84/417.—Whereas, I, SH. R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. G-31 to G-38, Ground Floor situated at Plot 1 Old Rohtak Road, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Roopa Construction Pvt. Ltd.,  
GL-4, Ashoka Estate, 24 Barakhamba Road,  
New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Master Amit Khanna  
S/o P. K. Khanna, 18/64 Punjabi Bagh,  
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. G-31 to G-38 Ground Floor at Plot No. 1 Old Rohtak Road, Delhi No. 1490 Sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi.

Date : 4-3-1984,  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
4/14A ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1985

Ref. No. IAC.Acq-II, 37-EE/7-84/418.—Whereas, I,  
SH. R. P. RAJESH,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding Rs.  
100,000/- and bearing  
No. G-8, 49, 41 situated at 1 old Rohtak Road, New Delhi  
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
New Delhi in July, 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to be-  
tween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

87—16GI/85

(1) M/s. Roopa Construction Pvt. Ltd.,  
GL-4, Ashok Estate, 24 Barakhamba Road,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Miss Rekha Varshney,  
K-34, N.D.S.F. Part-II,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

G-39, 48, 45 1 Old Rohtak Delhi on Ground Floor Plot 1.  
Mg-525 Sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi.

Date : 4-3-1984.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
4/14A ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 5th March 1985

Ref. No. IAC-Asq.II/37EE/84-85/421.—Whereas, I, SH. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. B-II situated at 1 Old Rohtak Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Roopa Construction Pvt. Ltd.,  
GH-4, Ashoka Estate, 24, Barakhamba Road,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Surinder Singh Juneja,  
C-35, Greater Kailash No. I,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Basement No. II; 1 Old Rohtak Road, New Delhi. Mg. 275 Sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi.

Date : 4-3-1984.  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
4/14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 5th March 1985

Ref. No. IAC.Acq-II, 37-EE/7-84/422.—Whereas, I, SH. R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Basement No. I in Bldg. No. B/1-2, situated at Mukherjee Ngr, Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on July, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Smt. Nirmal Sehgal,  
E-14, Greater Kailash-I, New Delhi. (Transferor)
- (2) Mr. S. C. Batra,  
1255, Mukherjee Nagar,  
Delhi-9. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Basement No. I, in Bldg. B/1-2, Mukherjee Nagar, Delhi  
Mg-428 Sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi.

Date : 5-3-1984.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
4/14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1985

Ref. No. IAC.Acq-II/32-EE/7-84/425.—Whereas, I, SH. R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1311, Fasil Road, situated at Ajmerigat, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Express Buildings (P) Ltd.  
B-177 G. K. I, New Delhi. (Transferor)  
(2) Sh. Ashok Aggarwal, 6-7, 107 Ext,  
Safdarjang Enclave, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 1311 Fasil Road, Ajmerigat, Delhi. Mg-235  
Sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi.

Date : 4-3-1984.  
Seal :

## FORM I.T.N.S. ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,  
4/14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 1st March 1985

Ref. No. IAC-Acq-II, 37EE/7-84/427.—Whereas, I,  
R. P. RAJESH,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to  
believe that the immovable property, having a fair market  
value exceeding  
Rs. 25,000/-  
bearing No. 12, Proposed apartment No. 4, Racquet Court  
Road, Civil Lines, Delhi-54,  
situated at Delhi.  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
New Delhi in July 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act  
in respect of any income arising from the transferor,  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

(1) M/s. High Tower Builders,  
4 Racquet Court Road, Civil Lines,  
Delhi-54,

(Transferor)

(2) Sh. M. V. Bhartiya, D-247,  
Top Floor, Defence Colony,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immova-  
ble property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein at  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Cottage No. 12 of Proposal apartment No. 4, Racquet Court  
Road, Civil Lines, Delhi-54. Mg. 3100 Sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi.

Date : 1-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 5th March 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/37EE/7-84/428.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Godown space in M.G. House Community Centre, Wazirpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s M. G. Builders & Co. (P) Ltd.,  
784, New Delhi House,  
Barakhamba Road,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Ashoka Properties & Investment Co.,  
1421/97, Ration Officer Road,  
Tri Nagar,  
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Godown space in M. G. House at Community Centre,  
Wazirpur, Delhi. Mg. 150 Sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
4/14-A, Asaf Ali Road  
Acquisition Range-I  
New Delhi

Date : 5-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/37EE/7-84/429.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-3, Karampura, Community Centre situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Uppal Builders,  
A-6, Ring Road,  
N. D. S. C. Part-I,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Master Ajay Gupta,  
under Gupta Guardianship of Mrs. Manju Gupta,  
19, U. A. Jawahar Nagar,  
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. C-3, Karampura, Community Centre, New Delhi. Mg. 531 Sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 4-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE-II  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 5th March 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/37EE/7-84/430.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Godown space in M. G. House at Community Centre, Wazirpur situated at Delhi, (and more fully described in Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) M/s M. G. Builders & Co. (P) Ltd.,  
784, New Delhi House,  
Barakhamba Road,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Prem Parkash Aggarwal,  
P-26, Navin Shahdara,  
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Godown space in M.G. House at Community Centre, Wazirpur, Delhi. Mg. 300 Sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 5-3-1985  
Seal

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 5th March 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/37EE/7-84/431.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and Plot No. 4, Block Ext. Sarvapriya Vihar Co-op. House Bldg. Society Ltd., situated at New Delhi, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

88—16GI/85

(1) Mrs. Urmil Bansal,  
4/59, Ramesh Nagar,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Vinod Uppal,  
Karta of Vinod Kumar Uppal,  
H.U.F., W-26, Rajouri Garden,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 4, Block Extension, Sarvapriya Vihar Co-op. House Bldg. Society Ltd., New Delhi. M. G. 291.55 Sq. yds.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 5-3-1985  
Seal :

## FORM I.T.N.S.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 5th March 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/37EE/7-84/438.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 605, Jhandewalan Tower situated at New Delhi-5, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Skipper Construction Co. Pvt. Ltd.,  
Skipper Bhawan,  
22, Barakhamba Road,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Sushila Gupta,  
L-13, N. D. S. E.-II,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 605, Jhandewalan Tower, New Delhi-5, Mg. 525 Sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 5-3-1985

Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE II  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 28th February 1985.

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/7-84/442.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 167, Block M, Greater Kailash-II situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. V. S. Mrig,  
Brig. Gian Sagar Mrig,  
Mr. Amrit Sagar,  
R/o 112-A, New Colony,  
Gurgaon,  
(Haryana).

(Transferor)

(2) M/s. Rajni Trading Co. (P) Ltd.,  
D-90, East of Kallash,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The words and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 167, in Block M, mg. 400 sq. yds. in Greater Kailash-II, New Delhi-48.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 28-2-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 28th February 1985

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/7-84/443.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. III-M/13, Lajpat Nagar situated at New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S/Shri Pushkar Nath Kohli,  
Vishwanath Kohli and  
Prem Nath Kohli,  
all R/o II-D/9, Lajpat Nagar,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Shiv Mohendra Kumar Singh,  
III-M/13, Lajpat Nagar,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. III-M/13, Lajpat Nagar, New Delhi. Mg. 200 sq. yds.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Aggarwal House  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 28-2-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 28th February 1985

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/7-84/445.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. E-292, Greater Kailash-I situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Des Raj Madan  
S/o Sh. Ghet Ram Madan,  
R/o E-292, Greater Kailash-I,  
New Delhi-48.

(Transferor)

- (2) Shri Ashok Kumar Dhawan and  
Shri Naveen Kumar Dhawan  
SS/o Shri Ghaman Lal Dhawan,  
E-II, East of Kailash,  
New Delhi-55.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. E-292, Greater Kailash-I, New Delhi, mg. 208 sq. vds.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 28-2-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 28th February 1985

Ref. No. IAC/Acq-1/SR-III/7-84/446.—Whereas, I,  
R. P. RAJESH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as  
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
No. S-199, Greater Kailash-II situated at New Delhi.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
New Delhi in July 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair mar-  
ket value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) Shri Prem Prakash Sinha,  
11306/XV, Aram Nagar,  
Qutab Road,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Chand Construction Co.,  
1206, Surya Kiran Bldg.,  
Kasturba Gandhi Marg,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. S-199, measuring 300 sq. yds. in Greater Kailash-  
II, New Delhi.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 28-2-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 28th February 1985

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/7-84/447.--Whereas, I,  
R. P. RAJESH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.  
R-257, Greater Kailash-I situated at New Delhi  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred as per deed registered under the Indian  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer  
at New Delhi in July, 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
namely :--

(1) Shri Kanti Rai Bhagat,  
D-9, Kailash Colony,  
New Delhi,

(Transferor)

(2) Shri V. K. Gujral and  
Mrs. Sheila Gujral,  
R/o B-20, Kailash Colony,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. R-257, Greater Kailash-I, New Delhi-48.  
measuring 1193 sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 28-2-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE

4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28.h February 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/7-84/449.—Whereas I,  
R. P. RAJESH,  
being the Competent Authority under Section 296B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding Rs.  
Rs. 100,000/- and bearing  
Land No. 20 (Part C) 96, Retendon Road, situated at New  
Delhi  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the registering Officer at  
New Delhi on July 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-  
ween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been for  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

(1) M/s. Punjab Properties Ltd.,  
B/45-47, Connaught Place, New Delhi-110001.  
(Transferor)

(2) M/s. Jamuna Hinduja Investment &  
Trading (P) Ltd.,  
730 Srinivas, 11th Road, Khar,  
West Bombay-400052.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part O of land in area 574.93 sq. yds. (481 sq. meters)  
together with structures in land No. 20 (Part) in Block No. 1  
known as Backside of 7, Prithviraj Road (now known as 46,  
Retendon Road) New Delhi.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 28-2-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE

4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th February 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/7-84/450.—Whereas, I,  
R. P. RAJESH,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding

Re. 100,000 and bearing

Part D. Land No. 46 Retendon Road situated at New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the registering Officer at  
New Delhi on July 1984for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the  
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition  
of the aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the fol-  
lowing persons, namely :—

89—16G1/85

- (1) Dr. Mahendra Prasad Jain,  
S-529, Greater Kailash-II, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) M/s. S. P. Hinduja Estate, (P) Ltd.,  
730, Shri Niwas, 11th Road,  
Khar, West Bombay-400052.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said im-  
movable property, within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part D of land in area 574.95 sq. yds. (481 sq. meters) to-  
gether with structures in land No. 20 (Part) in Block No. 1  
known as backside of 7, Prithviraj Road (now known as 46  
Retendon Road) New Delhi.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 28-2-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE  
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th February 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/7-84/451.—Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re. 100,000 and bearing Part B, Land No. 20 No. 46, Retendon Road situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mrs. Padma Rani Jain,  
K-25, Lajpat Nagar-II, New Delhi-24. (Transferor)  
(2) M/s. A. P. Hinduja Estate & Finance (P) Ltd.,  
315-G, New Gharai Road, Bombay-400 004. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part B of land in area 639.86 sq. yds. (535 sq. meters) together with structures in land No. 20 (part) in Block No. 1, known as backside of 7 Prithvi Raj Road (now known as 46, Retendon Road), New Delhi.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 28-2-1985  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE

4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th February 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/7-84/452.—Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-3/23, Vasant Vihar, situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri R. L. Hasija,  
B-3/23, Vasant Vihar, New Delhi-57. (Transferor)

(2) Mrs. Suman D. Kadkade,  
A-14/8, Vasant Vihar, New Delhi-57. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Plot No. B-3/23, Vasant Vihar, New Delhi, area 1000 sq ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-2-1985  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE  
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th February 1985

Ref. No. IAC/Acq. 1/SR-III/7-84/454.—Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re. 100,000 and bearing No. S-493 Greater Kailash-II situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Nirmal Kumari Ghai w/o  
Tilak Raj Ghai, R/o 2350, Faiz Road,  
Karol Bagh, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Harvinder Pal Singh s/o  
S. Avtar Singh, Director of  
M/s. Sophisticated Holding (P) Ltd.,  
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. S-493, measuring 550 sq. yds. Greater Kailash-II, New Delhi.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 28-2-1985  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1  
AGGARWAL HOUSE  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th February 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/7-84/458.—Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. W-108, Greater Kailash-II, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Surjit Singh Sethi (Karta H.U.F.)  
90-N, Block, E, New Alipore,  
Calcutta-53. (Transferor)
- (2) M/s. Super Cassette Industries (P) Ltd.,  
24, D.D.A., Market, Gulmohar Park,  
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 108 in Block-W, mg. 565.5 sq. yds. in Greater Kailash-II, New Delhi.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-1  
Aggarwal House  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 28-2-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

AGGARWAL HOUSE

4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th March 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/SR-III/7-84/461.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re. 100,000 and bearing No. H-19A, Kailash Colony, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Sh. Mela Ram Dhawan s/o  
Gurdas Mal Dhawan, R/o  
H/19A, Kailash Colony, New Delhi-48.  
(Transferor)
- (2) Sh. Ram Niwas Gupta s/o  
Sh. Murari Lal Gupta, R/o  
C-4, Lajpat Nagar-III, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. H-19A, Kailash Colony, New Delhi, area 311 sq. yards.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 11-3-1985  
Seal

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHINew Delhi, the 28<sup>th</sup> February 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/7-84/469. --Whereas,  
R. P. RAJESH,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding Rs.  
Re. 100,000 and bearing  
No. S.-57, Greater Kailash-I, situated at New Delhi  
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the registering Officer at  
New Delhi on July 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-  
ween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

- (1) Smt. Premvati Oberoi W/o  
Sh. Om Prakash Oberoi, R/o  
60/1, Chowringhee Road, Calcutta. (Transferor)
- (2) Smt. Summti Kejariwal s/o Sh. P. Kejariwal,  
C-6, South Extn. Part-II, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property bearing House No. 57, Block S, measuring 500  
sq. yds. Greater Kailash-I, New Delhi.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 28-2-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE  
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th February 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/7-84/469-A.—Whereas I,  
R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re. 100,000 and bearing No. F-155, Greater Kailash-II, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Raj Jaswant Singh,  
C-150, Greater Kailash-I, New Delhi-48.  
(Transferor)
- (2) S. Tjwant Singh, Director for  
Decent Construction & properties (P) Ltd.,  
22, Barakhamba Road, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. E-155, Greater Kailash-II, New Delhi, measuring 251 sq. yds.

Aggarwal House  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 28-2-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE  
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th February 1985

Ref. No. IAC/Acq. 1/SR-III/7-84/471.—Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Re. 100,000 and bearing No. S-285, Greater Kailash-I, situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Phull Sukhbans Singh  
S/o Sh. Mangal Singh,  
R/o No. S-285, Greater Kailash-I, New Delhi.  
(Transferor)

(2) Smt. Harita Singh w/o  
Sh. Sarabjit Singh,  
R/o No. G-301, Defence Colony,  
New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/4th undivided share of the building No. S-285, flat mg. 1200 sq ft. situated at Greater Kailash-I, New Delhi.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 28-2-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I

## AGGARWAL HOUSE

4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th February 1985

Ref. No. IAC/Acq. I-SR-III/7-84/472.—Whereas, I,  
R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S-129, Greater Kailash-II, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on July 1984

for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Mohan Builders,  
52/42, Punjabi Bagh, New Delhi.  
(Transferor)

(2) Mr. Enjoy Madhav Paul Choudhury,  
R/o AC-99, Salt Lake City,  
Calcutta.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

First Floor of House No. S-129, Greater Kailash-II, New Delhi-48, with proportionate share of 300 sq. yds. land.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 28-2-1985  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE  
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th February 1985

- (1) 1. Sh. Hanjee Singh,  
5-Coal Depot, Gole Market, New Delhi  
2. Sh. Dilbagh R/o as above. (Transferor)
- (2) Smt. Pushpa Badian R/o G-29,  
Jangpura Extn., New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/7-84/473-B.—Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, - and bearing No. J-12, Jangpura Extn., situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. J-12, Jangpura Extn., New Delhi, measuring 200 sq. yds. (Govt. built property).

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 28-2-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE  
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th February 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/7-84/473-C.—Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. C-47, Greater Kailash-I, 25% share situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-Tax Act, 1961 in the office of the IAC/Acq Range-I at New Delhi on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Sunil Bhatia and Sh. P. K. Bhatia through their General Attorney Smt. Raj Kumari Bhatia  
R/o A-18, Kailash Colony, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Sh. Anant Bir Jolly and  
Smt. Kusum Joly,  
R/o E-195, Greater Kailash-I,  
New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

25% share in land in Property No. C-47, Greater Kailash-I, New Delhi. Total land mg. 300 sq. yds. alongwith first floor portion structure only.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 28-2-1985  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

- (1) Smt. Prakash P. Singh, S. Mohinder Singh,  
Smt. Joginder Kaur, Smt. Gurdip Kamtekar,  
M-39, Greater Kailash-I, New Delhi-48.  
(Transferor)
- (2) Sh. Ram Parkash Sethi,  
32-E, Jangpura Extension, New Delhi.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 11th March 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/7-84/976.—Whereas, I,  
R. P. RAJESH,  
being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing 32-E, Jangpura Extn., situated at New Delhi I.T. Act 1961 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at IAC/Acq.Range-I, at New Delhi on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 32-E, Jangpura Extn., New Delhi, measuring 288 sq. yds. with built up area 2640 sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Aggarwal House,  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 11-3-85  
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Skipper Saloon (P) Ltd.  
22, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Miss Rutika Narang,  
A-43, New Friends Colony,  
New Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE  
4/14A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 11th March 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/Acq.1/37EF/7-84/977.—Whereas, I,  
R. P. RAJESH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Flat No. 1303-A/89, Nehru Place, situated at New Delhi  
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),  
has been transferred under the Income-Tax Act, 1961 in the  
office of the Registering Officer at  
IAC/Acq. Range-I, at New Delhi on July 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 4303-A/89, Nehru Place, New Delhi, measuring  
352 sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Aggarwal House,  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 11-3-85  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th March 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/7-84/978.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Space No. 8 in Block E situated at Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-Tax Act, 1961 in the office of the IAC/Acq. Range-I, at New Delhi on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Nehru Place Hotels Ltd.,  
Erose Cinema Building, Jangpura Extn.,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Ved M. Datta W/o Shri Mahesh Datta &  
Mr. Arvind Datta S/o Sh. Mahesh Datta.  
G-61/62, Nizamuddin West, New, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Space No. 8 on 8th Floor in Block E of Hotel-cum-Commercial Complex, Nehru Place, New Delhi.  
Measuring 484 sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Aggarwal House,  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 12-3-85.  
Seal:

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd March 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/7-84/979.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- Rs. 1,00,000/- and bearing Space 1G in Block F situated at Nehru Place New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-Tax Act, 1961 in the office of the IAC/Acq. Range-I, at New Delhi on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Nehru Place Hotels Ltd.,  
Erose Cinema Building, Jangpura Extn.,  
New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri S. S. Kothari,  
J-202 Saket, New Delhi. (Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

## THE SCHEDULE

Space No. 19 Block E Hotel Commercial Complex, 6th Floor, Nehru Place, New Delhi.

Measuring 638 Sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Aggarwal House,  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 2-3-85.  
Seal :

## FORM ITNE—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
AG-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd March 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/7-84/980.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Space No. 11 in Block E situated at Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration ct, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

91—16GI/85

- (1) M/s Nehru Place Hotels Ltd.,  
Erose Cinema Building, Jangpura Extn.,  
New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s. P. Suran Properties Pvt. Ltd.  
E-213, Greater Kailash II, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

Space No. 11 on sixth floor in Block 'E' of Hotel-cum-Commercial Complex, Nehru Place, New Delhi.  
Measuring 484 sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Aggarwal House,  
4/14A Anag Ali Road, New Delhi

Date : 2-3-85.  
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Gujral Estates (P) Ltd.,  
17, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th March 1985

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/7-84/981.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Space No. 32, on Lower Ground Floor in Vijaya Bldg., situated at 17, Barakhamba Road, New Delhi mg. 178.8 sq. ft. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the office of the IAC/Acq. Range-I, at New Delhi on July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) Mr. Nirmal Blaggana w/o Mr. P.H. Blaggana and Mr. Animesh Kumar Sachar s/o late Sh. H. K. Sachar, E-71, N.D.S.E., Part 71, New Delhi-49.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

Space No. 32 on Lower Ground Floor in 'Vijaya bldg.', at 17, Barakhamba Road, New Delhi, measuring 178.8 sq. ft.,

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Aggarwal House,  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 12-3-85.  
Seal:



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd March 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EL/7-84/982:—Whereas, I,  
R. P. RAJESH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Space No. 20 in Block E situated at Nehru Place, New Delhi.  
I.T. Act, 1961  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the  
office of the IAC/Acq. Range-I, at  
New Delhi on July, 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
fair market value of the aforesaid property, and I  
have reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer  
as agreed to between the parties has not been truly stated  
in the said Instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) M/s Nehru Place Hotels Ltd.,  
Eros Cinema Building Jangpura Extn.  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Dr. Ram Kumar Bhatia,  
E-160, Greater Kailash-II,  
New Delhi-48.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Space No. 20 on 8th Floor in Block E of Hotel-cum-  
Commercial Complex, Nehru Place, New Delhi.  
Measuring 651 sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Aggarwal House,  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 2-3  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd March 1985

Ref. No. IAC/Acq.1/37EE/7-84/983.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Space No. 11 on Block E situated at Nehru Place, New Delhi I.T. Act, 1961 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the office of the IAC/Acq. Range-I, at New Delhi on July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s Nehru Place Hotels Ltd,  
Erose Cinema Building, Jungpura Extn.  
New Delhi,

(Transferor)

- (2) Shri J. K. Damani &  
Mrs. Vijaya Damani & Mr. Anup Damani  
D-20, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Space No. 11 on 8th Floor in Block 'E' of Hotel-cum-Commercial Complex, Nehru Place, New Delhi.  
Measuring 484 sq f.t.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Aggarwal House,  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 2-3-85  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th March 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/7-84/984.—Whereas, I, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Space No. 38, on Lower Ground in 'Vijaya' bldg., situated at 17 Barakhamba Road, New Delhi mg. 133.9 sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the office of the IAC/Acq. Range-I, at New Delhi on July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Gujtal Estates (P) Ltd.,  
17, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Mr. Mohindra Kumar Ganguly s/o  
Mr. P. C. Ganguly,  
A-47, South Exn., Part-I,  
New Delhi-49.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Space No. 38 on Lower Ground Floor in 'Vijaya' bldg. at 17, Barakhamba Road, New Delhi-1, area mg. 133.9 sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Aggarwal House,  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 12-3-85  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Gujral Estates (P) Ltd.,  
17, Barakhamba Road,  
New Delhi-110001.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th March 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/7-84/985.—Whereas, I, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Space No. 111, on First Basement in Vajaya Bldg., situated at 17, Barakhamba Road, New Delhi, area 221.4 sq. ft. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the office of the IAC/Acq. Range-I, at New Delhi on July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely :—

- (2) Mr. Dhruv Gupta s/o Mr. Jagdish Gupta,  
R/o 207, Sikhdev Vihar, New Delhi-25.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Space No. 111, on First Basement in 'Vijaya' bldg., at 17, Barakhamba Road, New Delhi, measuring 221.4 sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Aggarwal House,  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 12-3-85  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th March 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37FE/7-84/986.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Space No. 65, on Lower Ground Floor in 'Vijaya' situated at bldg. 17, Barakhamba Road, N. Delhi mg. 361.10 sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the office of the IAC/Acq. Range-I, at New Delhi on July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Gujral Estates (P) Ltd.,  
17, Barakhamba Road, New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s Saroj Properties and Constructions (P) Ltd.,  
KD-1-A, Ashok Vihar, Phase-I,  
New Delhi-52. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Space No. 61 on Lower Ground Floor in 'Vijaya' bldg., 17, Barakhamba Road, New Delhi. Measuring 361.10 sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Aggarwal House,  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 12-3-85

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th March 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/7-84/987.—Whereas, I,  
R. P. RAJESH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein-in-after referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Space No. 51, on Lower Ground Floor in 'VIJAYA' situated  
at bldg. at 17, Barakhamba Road, New Delhi, mg. 276.9 sq.  
ft.  
I.T. Act, 1961  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the  
office of the IAC/Acq. Range-I, at  
New Delhi on July, 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to following  
persons, namely :—

- (1) M/s. Gujral Estates (P) Ltd.,  
17, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s. Polydeals,  
301, Meghdoot, 94, Nehru Place, New Delhi-19.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XAA of the said Act,  
shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Space No. 51 on Lower Ground Floor, in 'Vijaya' bldg. at  
17, Barakhamba Road, New Delhi-110001, mg. 276.9 sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Aggarwal House,  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 12-3-85  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE, 4/14 ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 11th March 1985 .

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/7-84/987-A.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Agr. land Village Khanpur, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the IAC/Acq. Range-I, at New Delhi on July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been as which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

92—16GI/85

(1) Mrs. Usha Singh,  
and Sh. Jasmeer Singh,  
R/o E-14, Saket,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Deepak Johar,  
R/o B-102, Greater Kailash-I,  
New Delhi.  
and Smt. Amita Singh  
R/o 1670, Dakhni Rai St. Darya Ganj,  
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agriculture land bearing Khasra Nos. 280/2, 280/3, 280/4, and 277/3, measuring 4 bighas and 16 biswas in village Khanpur Teh. Meharuli, New Delhi.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House,  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 11-3-1985

Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE, 4/14 ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 11th March 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/7-84/989.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 4 (4th floor) 15, K. G. Marg, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the IAC/Acq Range-I, at New Delhi on July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Brig. A. S. Bhujwala (Retd.)  
Miss. S. Bhujwala,  
Mr. H. Bhujwala,  
D-II/9, Ansari Nagar,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Dev Ratan Rathi,  
S/o Sh. Ganesh Lal Rathi,  
R/o 42, Rani Jhansi Road,  
New Delhi-55.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 4, on 4th floor at 15-Kasturba Gandhi Marg New Delhi-110001. area 538.39 sq. ft. + 30 sq. ft. terrace.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House,  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 11-3-1985  
Seal :



FORM ITNS—

(1) M/s. Gujral Estates (P) Ltd.,  
17, Barakhamba Road,  
New Delhi-110001.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Saroj Properties and  
Constructions Pvt. Ltd.,  
R/o KD-1A, Ashok Vihar Phase-I,  
Delhi-52.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE, 4/14 ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th March 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/7-84/990.—Whereas, I,  
R. P. RAJESH,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Space No. 36 on Lower Ground Floor in VIJAYA  
Bldg. situated at 17, Barakhamba Road, New Delhi, mg.  
198-2 sq. ft.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office  
of the IAC/Acq. Range-I, at New Delhi  
on July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion or the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Space No. 36 on Lower Ground Floor in VIJYA bldg. at  
17, Barakhamba Road, New Delhi, mg. 198.2 sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House,  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 12-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE, 4/14 ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th March 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/7-84/991.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Space No. 105 on First Basement in VIJYA bldg., situated at 17, Barakhamba Road, New Delhi, mg. 387.4 sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the IAC/Acq. Range-I, at New Delhi on July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Gujral Estates (P) Ltd.,  
17, Barakhamba Road,  
New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) Mrs. Lata Gupta  
W/o Mr. J. P. Gupta,  
207, Sukhdev Vihar,  
New Delhi-25.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Space No. 105 on first Basement in 'VIJAYA' bld., at 17, Barakhamba Road, New Delhi, mg. 387.4 sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House,  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 12-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE, 4/14 ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd March 1985

Ref. No. IAC/Acq.1/37EE/7-84/992.—Whereas, I,  
R. P. RAJESH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value  
exceeding Rs. 100,000/- and bearing No.  
Space No. 9 in Block E  
situated at Nehru Place, New Delhi  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office  
of the IAC/Acq. Range-I at New Delhi  
on July, 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

- (1) M/s. Nehru Place Hotels Ltd.  
Erosé Cinema Building, Jagpura Extn.  
New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Lt. Col. Jai Dev Singh Khara  
S/o Mr. R. L. Khara, Mrs. Usha Khara  
W/o Jai Dev Singh Khara  
Vikram Jit Singh Khara  
Abay Jit Singh Khara  
S/o's of Lt. Col. Jai Dev Singh Khara,  
35 Scram Road, Civil Lines, Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the  
respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Space No. 9 on 8th Floor in Block No. E Hotel Cum Com-  
mercial Complex, Nehru Place, New Delhi. Measuring 484  
sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House,  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 2-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
AGGARWAL HOUSE, 4/14 ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd March 1985

Ref. No. IAC/Acq.1/37EE/7-84/993.—Whereas, I,  
R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Space No. 14 in Block E situated at Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the IAC/Acq. Range-I, at New Delhi on July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Nehru Place Hotels Ltd.,  
Erose Cinema Building, Jangpura Extn.  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Sh. Kuldip Singh Dhillon  
S/o Sh. Dharam Singh  
974, Arya Samaj Road, Karol Bagh,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Space No. 14 on sixth floor in Block E, of Hotel-cum-commercial Complex, Nehru Place, New Delhi. Measuring 638 sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House,  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 2-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE, 4/14 ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th March 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/7-84/995.—Whereas, I,  
R. P. RAJESH,being the Competent Authority under  
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
have reason to believe that the immovable property, having  
a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No.  
Space No. 39 on Lower Ground Floor in 'Dr. Gopal  
Das Bhawan', 28, situated at Barakhamba Road New  
Delhi-1, mg. 117.32 sq. ft.  
(and more fully described in the schedule annexed hereto)  
has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office  
of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I,  
on July, 1984for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen percent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
- 
- of the transferor to pay tax under the said Act, in
- 
- respect of any income arising from the transferor
- 
- and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
- 
- moneys or other assets which have not been or
- 
- which ought to be disclosed by the transferee for the
- 
- purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
- 
- 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
- 
- (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—

- (1) M/s. Gopal Das Estates and
- 
- Housing Pvt. Ltd.
- 
- 28, Barakhamba Road,
- 
- New Delhi-1.

(Transferor)

- (2) Mr. Rajeev Jain
- 
- S/o Mr. T. K. Jain,
- 
- 107, Banarsidass Estate,
- 
- Timarpur Road,
- 
- Delhi-8.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
- 
- 45 days from the date of publication of this notice
- 
- in the Official Gazette or a period of 30 days from
- 
- the service of notice on the respective persons,
- 
- whichever period expires later;
- 
- (b) by any other person interested in the said immov-
- 
- able property, within 45 days from the date of the
- 
- publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Space No. 39, on Lower Ground Floor in 'Dr. Gopal Das  
Bhawan' 28, Barakhamba Road, New Delhi, measuring  
117.32 sq. ft.R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House,  
4/14A Asaf Ali Road, New DelhiDate : 12-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
NEW DELHI

New Delhi, the 14th March 1985

Ref. No. IAC/Acq.1/37EE/7-84/996.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 bearing No. Flat No. 114, at 21, B. K. Road, situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the IAC/Acq. Range-I, at New Delhi on July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely :—

(1) M/s. Shiv Kapur,  
Joginder Kapur,  
R/o 2720, Ajmal Khan Road,  
Karol Bagh,  
New Delhi-5.

(Transferor)

(2) Sh. Krishan Lal Verma,  
P-16, South Extension-II, New Delhi-49.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 114, at 21, Barakhamba Road, New Delhi-110001, measuring 595 sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 11-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
NEW DELHI

New Delhi, the 14th March 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/7-84/998.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Flat No. 115, at 21, B. K. Road, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the IAC/Acq Range-I, at New Delhi on July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

93—16GI/85

(1) M/s. Shiv Kapur,  
Joginder Kapur,  
R/o 2720, Ajmal Khan Road,  
Karol Bagh,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Janki Chawla,  
Meera Chawla, Reeta Chawla,  
R/o 53, Sunder Nagar,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 115, at 21, Barakhamba Road, New Delhi, mg. 595 sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House,  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 11-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14- ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th March 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/7-84/999.—Whereas, I,  
R. P. RAJESH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value  
exceeding Rs. 100,000/- and bearing No.  
Space No. 40 on Lower Ground Floor in 'Dr. Gopal Das  
Bhawan' situated at 28, Barakhamba Road, New Delhi, mg.  
56 sq. ft.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office  
of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I,  
on July, 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) M/s. Gopal Das Estates and  
Housing Pvt. Ltd.  
28, Barakhamba Road,  
New Delhi-1.

(Transferor)

(2) Mr. Shyam Sunder Kohli,  
S/o Late Sh. Krishan Lal Kohli.  
219, Azad Market, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter

## THE SCHEDULE

Space No. 40, on Lower Ground Floor in 'Dr. Gopal  
Das Bhawan' 28, Barakhamba Road, New Delhi, mg. 100.56  
sq ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House,  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 12-3-1985

Seal ;



## FORM ITNS

(1) M/s. R. K. Towers India (P) Ltd.  
20, Barakhamba Road, New Delhi-1.

(Transferor)

(2) Sh. Manohar Lal Chadha.  
M-44, Greater Kailash-I,  
New Delhi-48.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14- ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th March 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/7-84/1000.—Whereas, I,  
R. P. RAJESH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value  
exceeding Rs. 100,000/- and bearing No.  
Flat No. C-Ground Floor in 'DCM-Building at 16, Bara-  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and registered under the I.T. Act 1961  
in the office of the IAC/Acq. Range-I, New Delhi  
on July 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. C-Ground Floor in 'DCM Building at 16, Bara-  
khamba Road, New Delhi-1, area 800 sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House,  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 12-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
G-13 GROUND FLOOR C.R. BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 11th March 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/7-84/1001.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. B-1, 7-Tansen Marg, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office upof the IAC/Acq. Range-I, at New Delhi on July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Enkay Builders (P) Ltd.  
R-36, New Rajender Nagar,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Sanjeev Kumar Jain and  
Rajeev Kumar Jain  
S/o Sh. A. P. Jain,  
34-A, Metcalf Street, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. B-1, at 7, Tansen Marg, New Delhi, measuring 1560 sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House,  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 11-3-1985

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
NEW DELHI

New Delhi, the 11th March 1985

Ref. No. IAC/Acq./37EE/7-84/1002.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 301, at 51-52, Nehru Place situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office upof the IAC/Acq. Range-I, at New Delhi on July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s. Gedore Tools India (P) Ltd.  
Gedore House, 51-52,  
Nehru Place, New Delhi-19.

(Transferor)

(2) Mrs. Mohendra Giani  
W/o Sh. G. S. Giani,  
R/o A-5, Lalit Park,  
Madi Puram, Meerut-250140.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 301, measuring 448.72 sq. ft. on 3rd floor Gedore House, 51-52, Nehru Place, New Delhi.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House,  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 11-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd March 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/7-84/1003.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Space No. 18 in Block E situated at Nehru Place, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the IAC/Acq. Range-I, at New Delhi on July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Nehru Place Hotels Ltd.  
Erose Cinema Building, Jangpura Extn.,  
New Delhi. (Transferor)
- (2) Miss Juhi Modi  
U/G of Mrs. Manju Modi  
Mr. Rattan Kumar Modi,  
C-4/94, Safdarjung Development Area,  
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Space No. 18 on 7th Floor in Block E of Hotel cum-Commercial Complex, Nehru Place, New Delhi. Measuring 638 sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House,  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 2-3-1985  
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Nehru Place Hotels Ltd.  
Erose Cinema Building, Jangpura Extn.  
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Clutch Auto Ltd.  
702, Sahyog, Nehru Place,  
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd March 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/7-84/1004.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Space No. 3 and 4 in Block E situated at Nehru Place, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of IAC/Acq. Range-I, at New Delhi on July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter :—

## THE SCHEDULE

Space No. 3 and 4 on 6th floor in Block E of Hotel Commercial Complex, Nehru Place, New Delhi, Measuring 1537 sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House,  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 2-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd March 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/7-84/1005.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Space No. 14A Block E, situated at Nehru Place, New Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of IAC/Acq. Range-I, at New Delhi on July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Nehru Place Hotels Ltd.  
Eros Cinema Building, Jangpura Extn.  
New Delhi.

(Transferor)

(2) S. Kuldeep Singh Dhillon  
S/o Sh. Dharam Singh  
974 Arya Samaj Road, Karol Bagh  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Space No. 14-A, on 6th floor in Block 'E' Nehru Place, New Delhi. Measuring 638 sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House,  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 2-3-1985  
Seal

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
NEW DELHI

New Delhi, the 11th March 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/7-84/1006.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1115, Skipper Tower, 89, N. Palace, situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the IAC/Acq. Range-I, at New Delhi on July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

94--16 GI/85

- (1) Sh. Satya Narain,  
S/o Late Sh. C. L. Jiggyasu,  
R/o S-303, Greater Kalaish-I,  
New Delhi-48.

(Transferor)

- (2) Sh. Vimal Kumar Vachhar,  
S/o Sh. T. R. Vackhar,  
R/o F339, Greater Kailash-II,  
New Delhi-48.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1115, 11th floor, Skipper Tower 89; Nehru Place, New Delhi, measuring 500 sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House,  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 11-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 11th March 1985

Ref. No. IAC/Acq-1/37EE/7-84/1007.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 303, Block A, Palam Apartment Bijwasan situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961, in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I in July, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to, between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Singal Holdings (P) Ltd.,  
GF-19, Mansarovar Building,  
90 Nehru Place,  
New Delhi-17.

(Transferor)

- (2) Mrs. Devendra Kumari  
W/o Late Raja Lakshman Singh,  
Palace Chamba, (H.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 303 (2nd floor) Block-A, in Palam Apartments at village Bijwasan, Delhi, covered area 850 sq. ft. with Terrace.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 11-3-1985  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th March 1985

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/7-84/1009.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing Space No. 13, on Lower Ground Floor in 'Dr. Gopal Dass Bhawan' 28, B.K. Road, mg. 416.07 sq. fts. situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961, in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, at New Delhi at IAC/Acq. Range-I in July, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Gopal Das Estates and Housing Private Limited,  
28, Barakhamba Road,  
New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) M/s. Palawat and Co.,  
2012-A, Gali Barafwali,  
Kinari Bazar,  
Chandni Chowk,  
Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Space No. 13 on Lower Ground Floor in 'Dr. Gopal Dass Bhawan', 28, Barakhamba Road, New Delhi-28, area (super) 416.07 sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 12-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 11th March 1985

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/7-84/1010.—Whereas, I,  
R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Space No. 18, L.G.F. 28, B. K. Road, situated at New Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961, in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, at New Delhi at IAC/Acq. Range-I in July, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer, as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Gopal Das Estates and Housing Pvt. Ltd.,  
17, Barakhamba Road,  
New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) Mr. Prakash C. Surana  
S/o Late Shri G. C. Surana and  
Mrs. Kumud Surana  
W/o Mr. Prakash C. Surana,  
13A/11, Old Rajinder Nagar,  
New Delhi-60.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Space No. 18, on Lower Ground Floor in Dr. Gopal Das Bhawan, 28, Barakhamba Road, New Delhi, measuring (super) 440.32 sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 11-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 11th March 1985

(1) M/s. Jepson Advertiser,  
Jepson House,  
259, Okhla Industrial Estate,  
New Delhi-20,

(Transferor)

(2) Smt. Darshna Devi  
W/o Shri Sita Ram Vij and  
Mrs. Indu Vij  
W/o Mr. Om Prakash Vij,  
HB-5, Surya Kiran,  
19, K. G. Marg,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

\* Ref. No. IAC/Acq-1/37EE/7-84/1011.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 307, at 19, K. G. Marg situated at New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961, in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, at New Delhi at IAC/Acq. Range-I in July, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 307 3rd floor, Surya Kiran, Building, 19-Kasturba Marg, New Delhi, measuring 740 sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 11-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 11th March 1985.

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/7-84/1012.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Flat No. 703, at 98, Nehru Place, situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer IAC/Acq. Range-I in July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration or such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Rakesh Talwar and,  
Shri Rajesh Talwar,  
R/o W-80, Greater Kailash-II,  
New Delhi.

(Transferor).

(2) Mrs. Malka Dewan and  
Mrs. Sujata Dewan,  
R/o A-346, Defence Colony,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 703, Hemkunt Tower, 98, Nehru Place, New Delhi, measuring 365 sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road,  
New Delhi

Date : 11-3-1985

Seal :

## FORM I.T.N.S.

(1) Shri Rakesh Tulwar and  
Shri Rajesh Talwar,  
R/o W-80, Greater Kailash-II,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Malka Dewan and  
Mrs. Sujata Dewan,  
R/o A-346, Defence Colony,  
New Delhi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 11th March 1985

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/7-84/1014.—Whereas, J.  
R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 703, at 98, Nehru Place, situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer

at IAC Acq. Range-I in July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 703, Hemkunt Tower, 98, Nehru Place, New Delhi, measuring 365 sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 11-3-1985  
Seal :

FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 11th March 1985

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/7-84/1015.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1008, 89, Nehru Place situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer IAC/Acq. Range-I in July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Skipper Sales (P) Ltd.,  
22, Barakhamba Road,  
New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) Shri Ranbir Singh  
S/o Shri Hukam Singh,  
Master Charanjit Singh and  
Miss Charanjiv Kaur,  
I-9/180, Rajouri Garden,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1008 at 89, Nehru Place, New Delhi, measuring 414 sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 11-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th March 1985

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/7-84/1016.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. B-14, at 22, Barakhamba Road, New Delhi situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC Acq. Range-I in July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

95—16 GI/85

- (1) M/s. Skipper Sales (P) Ltd.,  
Skipper Bhawan,  
22, Barakhamba Road,  
New Delhi-1.

(Transferor)

- (2) M/s S. K. & Sons,  
2856, Bazar Sirkiwala,  
Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. B-14, at 22, Barakhamba Road, New Delhi-1, area mg. 200 sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 12-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 11th March 1985

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/7-84/1018.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1005, 7, Tolstoy Marg, situated at New Delhi, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC Acq. Range-I in July, 1984 at IAC/Acq. Range-I in July, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Sarla Devi,  
Shri Shiv Kumar Wadhwa,  
Baby Sarika Gulati,  
U/G Shri Anil Gulati and  
Mrs. Kailash Wati,  
S-98, Greater Kailash-I,  
New Delhi-48.

(Transferor)

(2) J. C. Wadhwan (HUF),  
Dr. (Mrs.) Vimal Wadhawan and  
Mr. Ashish Wadhawan, all  
R/o M-22, Greater Kailash-I,  
New Delhi-48.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1005 on 10th floor in 7, Tolstoy Marg, New Delhi-110001, measuring 709 sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 11-3-1985  
Seal :



## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th March 1985

Ref. No. IAC/Acq.-I/37EE/7-84/1019.—

Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. A-18, Connaught Circus, N. Delhi, mg. 252 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act, 1961, in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I in July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Ambica Builders Private Ltd.,  
15/4577, Darya Ganj, New Delhi-2. (Transferor)
- (2) Smt. Suman Jain W/o  
Sh. Ashok Kumar Jain, R/o  
5230, Sadar Thana Road, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A-18, Connaught Circus, New Delhi, measuring 252 sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Aggarwal House,  
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 12-3-1985  
Seal :

FORM ITNS—

- (1) M/s. Nehru Place Hotels Ltd.,  
Erose Cinema Building, Janapura Extn.,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Prem Bihari Rohatagi,  
F-99, East of Kailash,  
New Delhi.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd March 1985

Ref. No. IAC/Acq.-I/37EE/7-84/1020.—

Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Space No. 11-A on 6th floor in Block 'S' situated at Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer IAC/Acq. Range-I in July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE.**

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Space No. 11-A on 6th Floor in Block 'E' of Hotel-Cum-Commercial Complex, Nehru Place, New Delhi.  
Measuring 484 sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House,  
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd March 1985

Ref. No. IAC/Acq.-I/37EE/7-84/1021.—

Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. Space No. 9A on 6th floor of Block 'E' situated at Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer IAC/Acq. Range-I in July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Nehru Place Hotels Ltd.,  
Erose Cinema Building, Jangpura Extn.,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Sh. Rajiv Chopra &  
Mr. Sanjiv Chopra Ss/o  
Sh. R. K. Chopra,  
Mrs. Phul Chopra W/o  
late Sh. R. K. Chopra,  
107, New Jawahar Nagar,  
Jalandhar City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Space No. 9A on Sixth floor in Block 'E' of Hotel-Cum-Commercial Complex, Nehru Place, New Delhi.  
Measuring 520 sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Aggarwal House,  
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 2-3-1985  
Seal :

FORM I.T.N.S.

- (1) M/s. Gopal Das Estates and Housing Pvt Ltd.,  
28, Barakhamba Road,  
New Delhi-110001.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th March 1985

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/7-84/1022.—

Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Space No. 74, Lower Ground Floor situated at Dr. Gopal Das Bhawan, 28, Barakhamba Road, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer

IAC/Acq. Range-I in July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) Mr. Surinder Singh Gulati,  
M-10, Green Park (Main), New Delhi-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Space No. 74, Lower Ground Floor, Dr. Gopal Das Bhawan, 28, Barakhamba Road, New Delhi.  
Area 132.37 sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Aggarwal House,  
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 12-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th March 1985

Ref. No. IAC/Acq.-I/37EE/7-84/1023.—

Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Space No. 4, Lower Ground Floor situated at Dr. Gopal Das Bhawan, 28, Barakhamba Road, N. Delhi me. 140.78 sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed (hereto, has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer IAC/Acq. Range-I in July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) M/s. Gopal Das Estates and Housing Pvt Ltd.,  
28, Barakhamba Road,  
New Delhi-110001.

(Transferor)

- (2) Mr. Lorinda Ram,  
149/6, Sant Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (s) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Space No. 4, on Lower Ground Floor in Dr. Gopal Das Bhawan, 28, Barakhamba Road, New Delhi-1, area (super) 140.78 sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Aggarwal House,  
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 12-3-1985  
Seal :

## FORM IT.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd March 1985

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/7-84/1024.—

Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Space No. 20, 7th Floor, E Block situated at Nehru Place, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act, 1961, in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I in July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any Income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Nehru Place Hotels Ltd.,  
Erose Cinema Building, Janapura Extn.,  
New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri H. S. Meije (HUF),  
Mrs. H. K. Meije,  
Shri Narinder Singh HUF and  
Mrs. Harkesh Kaur,  
H. No. 55, Sector 2A, CHANDIGARH. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Space No. 20 on 7th Floor in Block E of Hotel-Cum-Commercial Complex, Nehru Place, New Delhi,  
Measuring 651 sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Aggarwal House,  
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 2-3-1985  
Sd/-

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE  
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd March 1985

Ref. No. IAC/Acq I/37/EF/7-84/1025.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Space No. 3 7th Floor, Block F situated at Nehru Place, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1906) in the office of Registering Officer at IAC, ACQ. I Income-tax Act, 1961 in July 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :  
96—16 GI/85

(1) M/s Nehru Place Hotels Ltd.  
Erose Cinema Building, Jangpura Extn.  
New Delhi.  
(Transferor)

(2) M/s Amar Engineering Co. Pvt. Ltd.  
16 Community Centre, East of Kailash  
New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Space No. 3 Block 'E' 7th Floor, Hotel cum-Commercial Complex, Nehru Place, New Delhi.  
Measuring 802 sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 2-3-1985  
Seal

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE  
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd March 1985

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/7-84/1026 — Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Space No. 2 in Block 'E' situated at Nehru Place, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1906) in the office of Registering Officer at IAC, ACQ. I Income-tax Act, 1961 in July 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Nehru Place Hotels Ltd.  
Erosé Cinema Building, Jangpura Extn.  
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Atlantic Engineering,  
Services Pvt. Ltd. 15 Community Centre,  
East of Kailash,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Space No. 2 on 7th Floor in Block 'E' of Hotel cum-Commercial Complex, Nehru Place, New Delhi.  
Measuring 1038 sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 2-3-1985  
Seal:



**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE  
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd March 1985

Ref. No. IAC/ACQ.F/37EE/7-84/1027.—Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Space No. 5 on 8th Floor of Block 'E' situated at Nehru Place, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at IAC ACQ. I Income-tax Act, 1961 in July 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Nehru Place Hotels Ltd  
Erose Cinema Building, Jangpura Extn.  
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Corporation Spinning India.  
B-44, Greater Kailash-I  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Space No. 5 on 8th Floor in Block No. E of Hotel cum-Commercial Complex, Nehru Place, New Delhi.  
Measuring 735 sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 2-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th March 1985

Ref. No. IAC/Acq I/37EE/7-84/1028.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Space No. 15, on Lower Ground Floor situated at in 'Dr. Gopal Das Bhawan' 28, Barakhamba Road, New Delhi, mg. 191.06 sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), IAC/Acq. Range-I, I.T. Act 1961 in July 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Gopal Das Estates and  
Housing Pvt. Ltd., 28, Barakhamba Road,  
New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) Mr. Vijay Kumar S/o Late  
Mr. Des Raj, R/o 4600, Deputyganj,  
Sadar Bazar, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Space No. 15 on Lower Ground Floor in Dr. Gopal Das Bhawan, 28, Barakhamba Road, New Delhi-1, area (super) 191.96 sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 12-3-1985  
Seal :

FORM NO. ITNS—

(1) M/s. Gopal Dass Estates and Housing Pvt. Ltd.,  
28, Barakhamba Road, New Delhi-1.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Jitender Kumar s/o Sh. Makhan Lal,  
R/o 9809, Korman Court Potomac,  
MD-20854 (USA).  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE  
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th March 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days, from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/7-84/1029.—Whereas I,  
R. P. RAJESH,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 100,000/- bearing No.  
Space No. 23, Lower Ground Floor situated at Dr. Gopal  
Dass Bhawan, 28, Barakhamba Road, New Delhi, mg. 502.43  
sq. ft  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office  
of the Registering Officer at  
IAC/Acq. Range-I, on July 1984  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Space No. 23, on Lower Ground Floor in 'Dr. Gopal Das  
Bhawan' 28, Barakhamba Road, New Delhi-1, area (super)  
502.43 sq. ft.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 12-3-1985  
Seal :

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

FORM NO. ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE  
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd March 1985

Ref. No. IAC/Acq I/37-EE/7-84/1030.—Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000 bearing No. Space No. 5 in Block E situated at Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the IAC, ACQ. I New Delhi in July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Nehru Place Hotels Ltd.  
Erose Cinema Building, Jangpura Extn.,  
New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s. Mehra Impex International Pvt. Ltd.,  
2nd Floor, 16 Community Centre,  
East of Kailash, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Space No. 5 on 5th Floor in Block 'E' of Hotel Cum-Commercial Complex, Nehru Place, New Delhi. Measuring 735 sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 2-3-1985  
Seal :

FORM NO. ITNS—

(1) M/s. Bakshi Vikram Vikas Const. Co. (P) Ltd.,  
13, Tolstoy Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Swastika Woollen Industries (P) Ltd., &  
M/s. Corlation Spinning India (P) Ltd.,  
B-44, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE  
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th March 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/7-84/1031.—Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1202, at 13, Tolstoy Marg, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys, or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Space measuring 820 sq. ft. on 12th floor in the proposed multi-storeyed building at 13, Tolstoy Marg, New Delhi-110001.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 11-3-1985  
Seal :

FORM NO. ITNS—

(1) Shri Shahzad Choudhary, Master Aditya Arya & Esha Arya R/o K-23B, Saket, New Delhi,

(Transferor)

(2) Master Jatinder Kapoor s/o M. L. Kapoor, Road No. 8, H. No. 15, East Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE  
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th March 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/37-EE/7-84/1032.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. G-7A, at 96, Nehru Place, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at

IAC/Acq. Range-I, on July 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. G-7A, at 96, Nehru Place, New Delhi, measuring 77.18 sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 11-3-1985  
Seal :

FORM NO. ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE  
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th March 1985

Ref. No. IAC/Acq. 1/37-EE/7-84/1034.-Whereas I,  
R. P. RAJESH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing No.  
Flat No. 1101-A, 7, Tolstoy Marg, situated at New Delhi  
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),  
has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office  
of the Registering Officer at  
IAC/Acq. Range-I, on July 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
monies or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :-

97—16QI/85

- (1) M/s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd.,  
115-Ansal Bhawan, 16-K.G. Marg,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Miss Shejali Varma & Miss Shibani Varma,  
R/o A-9, Greater Kailash-I,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of the notice on the respective persons  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1101 A in Prakash Deep, at 7, Tolstoy Marg, New  
Delhi, measuring 400 sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 11-3-1985

Seal :

FORM NO. ITNS—

- (1) M/s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd.,  
15, Ansal Bhawan, 16-Kasturba Gandhi Marg,  
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Miss Arti Gupta,  
207, Sukhdev Vihar, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT-  
COMMISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE  
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 11th March 1985

Ref. No. IAC/Acq. 1/37-EE/7-84/1035.—Whereas I,  
R. P. RAJESH,  
being the Competent Authority under Section 269D of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding Rs.  
100,000/- and bearing

Flat No. LB 5, at 17, Tolstoy Marg, situated at New Delhi  
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),  
has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office  
of the Registering Officer at  
IAC/Acq. Range-I in July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette of a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. LB-5, in proposed Multi storeyed building at  
Tolstoy House on plot No. 17, Tolstoy marg, measuring 367  
sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 11-3-1985  
Seal :



FORM NO. ITNS—

(1) M/s. Singal Holdings (P) Ltd.,  
GF-19, Mansarovar Building, 90, Nehru Place,  
New Delhi-19.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s. Deepak Wadhwa (HUF),  
A-331 Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE  
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHIObjections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, 12th March 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/37-BB/7-84/1056.—Whereas I,  
R. P. RAJESH,  
being the Competent Authority under Section 269D of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 100,000/- and bearing  
Flat No. A-102, Palam Apartments, situated at Village  
Bijwasan, New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office  
of the Registering Officer at  
IAC/Acq. Range-I, on 20.07.1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by the more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 15 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. A-102, Palam Apartments, Bijwasan, New Delhi,  
covered area 850 sq. ft.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

98—16GI/85

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 11-3-1985

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I

New Delhi, the 2nd March 1985

Ref. No. IAC/Acq I/37EE/7-84/1037.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Space No. 17 in Block E, situated at Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC. ACQ-I in July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Nehru Place Hotels Ltd.  
Erose Cinema Building,  
Jangpura Extn. New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s. Raj Mandir  
C-2/35 Safdarjang Development Area,  
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

## THE SCHEDULE

Space No. 17 on 8th Floor in Block E of Hotel-cum-Commercial Complex, Nehru Place, New Delhi.  
Measuring 638 sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Aggarwal House,  
4/14A Asaf Ali Road,  
New Delhi

Date : 2-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd March 1985

Ref. No. IAC/Acq 1/27EE/7-84/1038.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Space No. 15 & 16 in Block E situated at Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the IAC, ACQ I in July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s. Nehru Place Hotels Ltd.  
Erose Cinema Building,  
Jangpura Extn, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Naresh Kumar Coal Sales Pvt. Ltd.,  
43 Chowranghee Road,  
Calcutta-71.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Space No. 15 & 16 on 8th Floor in Block E, of Hotel-cum-Commercial Complex, Nehru Place, New Delhi.  
Measuring 1,276 sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Aggarwal House,  
4/14A Asaf Ali Road,  
New Delhi

Date : 2-3-1985  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME TAXACQUISITION RANGE-I  
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd March 1985

Ref. No. IAC/Acq I/37EE/7-84/1040.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Space No. 20, Block E situated at Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the Inspecting Assistant Commissioner at IAC, A.C. in July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Nehru Place Hotels Ltd,  
Erose Cinema Building,  
Jangpura Extn. New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Trakru Projects India Pvt. Ltd.  
M-94, Greater Kailash-II,  
New Delhi-48.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Space No. 20 on 6th Floor in Block 'E' of Hotel cum Commercial Complex, Nehru Place, New Delhi, Measuring 651 sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal Hotel  
4/14A Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 2-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd March 1985

Ref No. IAC/Acq I/37EE/7-84/1038.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Space No. 15 & 16 in Block E situated at Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the IAC, ACQ I in July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Nehru Place Hotels Ltd.  
Erose Cinema Building,  
Jangpura Extn. New Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s. Naresh Kumar Coal Sales Pvt. Ltd.,  
43 Chowranghee Road,  
Calcutta-71.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Space No. 15 & 16 on 8th Floor in Block E, of Hotel-cum-Commercial Complex, Nehru Place, New Delhi.  
Measuring 1,276 sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Aggarwal House,  
4/14A Asaf Ali Road,  
New Delhi

Date : 2-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd March 1985

Ref. No. JAC/Asc. I/371/F/7-84/1042.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Space No. 4 in Block 'E' situated at Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC, ACQ I in July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Nehru Place Hotels Ltd.  
Erose Cinema Building,  
Jangpura Extn. New Delhi.  
(Transferor)
- (2) M/s. B. S. Sandhu & Associates Pvt. Ltd.  
S-38, Greater Kailash Part-I,  
New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Space No. 4 on 7th Floor in Block 'E' Nehru Place, Hotel cum Commercial Complex, Nehru Place, New Delhi, Measuring 725 sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House,  
4/14A Asaf Ali Road,  
New Delhi

Date : 2-3-1985  
Seal :

## FORM ITNE

(1) M/s. Nehru Place Hotels Ltd.  
Eros Cinema Building,  
Jangpura Extn. New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Atlantic Engineering Services Pvt. Ltd.  
16 Community Centre,  
East of Kallash,  
New Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd March 1985

Ref. No. IAC/Acq. 1/37EE/184/1044.—Whereas, I,  
R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Space No. 1 in Block E situated at Nehru Place, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the IAC, ACQ I in July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Space No. 1 on 7th Floor in Block 'E' of Hotel Cum-Commercial Complex, Nehru Place, New Delhi.  
Measuring 1018 sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House,  
4/14A Anaf Ali Road,  
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 2-3-1985  
Sent :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I  
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd March 1985

Ref. No. IAC/Acq I/37EE/7-84/1045.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Space No. 6 in Block 'E' situated at Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the IAC. ACQ I in July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Nehru Place Hotels Ltd.  
Erose Cinema Building,  
Jangpura Extn. New Delhi.

(Transferor)

- (2) Mr. Balraj Singh,  
Mr. Hassan Singh &  
Mr. Alfred Singh  
House No. 55 Sector 2A,  
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Space No. 6 on 7th Floor in Block 'E' of Hotel-Cum-Commercial Complex, Nehru Place, New Delhi.

Measuring 735 sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House,  
4/14A Asaf Ali Road,  
New Delhi

Date : 2-3-1985  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
NEW DELHI

New Delhi, the 11th March 1985

Ref. No. IAC/Acq 1/37FE/7-84/1046.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269D of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 100,000 and bearing Space No. 104, L.G.F. 17 B.K. Road, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the IAC, ACQ. Range-I in July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Emsons Corporation,  
3830, Pataudi House Marg,  
Darya Ganj, New Delhi-2  
through partner Mr. M. S. Sethi.

(Transferor)

- (2) Mrs. Suman Setia  
W/o Mr. R. K. Setia,  
R/o F-III-18, Tajpat Nagat,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Space No. 104, Lower Ground Floor in 17, Barakhamba Road, New Delhi-1, measuring Super area 217-2 sq. ft.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House,  
4/14A Asaf Ali Road,  
New Delhi

Date : 11-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE  
NEW DELHI

New Delhi, the 11th March 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/7-84/1047.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1002, 6, Nehru Place situated at New Delhi has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq. Range-I in July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) M/s. East India Commercial Co. (P) Ltd.  
11th floor, New Delhi, House,  
27, Barakhamba Road,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Dr. Jyanti Malhotra,  
V 47, Rajouri Garden,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office Flat No. 1002 on 10th floor measuring 400 sq. ft. in multi storeyed building known as "Devika Tower" 6, Nehru Place, New Delhi.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-  
Acquisition Range-I  
New Delhi

Date : 11-3-1985  
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE  
NEW DELHI

New Delhi, the 11th March 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/37EF/7-84/1048.--Whereas, I,  
R. P. RAJESH,being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding Rs.  
5,000/- and bearingPlot No. S-474, Greater Kailash pt-II situated at New Delhi  
and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the  
Office of the IAC, ACQ Range-I in July, 1984for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
document of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Mr. Inderjit Singh,  
M-103, Greater Kailash-I,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s. Creative Intra Ltd.,  
23, Netaji Subhash Marg,  
10th floor, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property,  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot measuring 459.86 sq. meters bearing No. S-474,  
Greater Kailash-pt II with 2½ storied structure only.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House,  
4/14A Asaf Ali Road,  
New Delhi

Date : 2-3-1985

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## 1 GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE 1  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 11th March 1985

Ref. No. IAC/Acq.1/37EE/7-84/1049.—Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. A-1503, at 98, Nehru Place, New Delhi (mg. 200 sq. ft. situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the office of the Registering Officer at for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys, or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Priti, Niti, Sanjay & Angela  
Kohli, C-226, Greater Kailash-I, New Delhi-48.  
(Transferor)
- (2) Master Anuj Bahl, Master Manish  
Talwar & Mrs. Disha Talwar, 22, S  
New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within 45 days from the date of publication in the Official Gazette or a period of the service of notice on the respective person ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. A-1503, at 98, Nehru Place, New Delhi-19,  
area of flat 200 sq. ft.

Comp  
Inspecting Assistant Commissioner  
Acquisition Range-I, Dc

Date : 11-3-1985  
Seal :